THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 230 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक शु.11 2081 मंगलवार, 12 नवंबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

इसरो लॉन्च करेगा ताकतवर सैटेलाइट

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। इसरो अगले साल दुनिया का सबसे ताकतवर सैटेलाइट लॉन्च करने जा रहा है। इसको नासा के साथ मिलकर तैयार किया गया है। निसार सैटेलाइट दुनिया का ऐसा अकेला सैटेलाइट होगा जो दुनिया के किसी भी इलाके में होने वाली आपदा की जानकारी दे सकेगा। नासा और इसरो ने मिलकर इसके रडार एंटीना रिफ्लेक्टर को तैयार कर लिया है। इसे बेंगलुरु पहुंचाया गया है। निसार एक तरह की ऑबजर्वेशन सैटेलाइट है। इस सैटेलाइट को दुनिया के किसी भी इलाके में आने वाली प्राकृतिक आपदाओं जैसे भूकंप, भूस्खलन, जंगल की आग, बारिश, चक्रवाती तूफान, हरिकेन, बारिश, बिजली का गिरना, ज्वालामुखी का फटना, टेक्टोनिक प्लेट्स की मूवमेंट आदि का पता लगाने के लिए तैयार किया जा रहा है।

विपक्ष टुकड़ों में बांटना चाहती है : मोदी

✻ हमें मिलकर उन्हें रोकना है ✻ संत-महात्माओं ने हमारी पहचान को पुनर्जीवित किया

अहमदाबाद, 11 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को स्वामी नारायण मंदिर के 200वें वर्षगांठ कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए। उन्होंने कहा-कुछ लोग समाज को जाति, धर्म, भाषा, स्त्री-पुरुष, गांव-शहर में बांटने की कोशिश कर रहे हैं। हमें मिलकर उन्हें रोकना है। प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के वडताल धाम में आयोजित कार्यक्रम में कहा- हमारी विरासत के हजारों साल पुराने केंद्रों का गौरव लौट रहा है। जिसे सभी ने नष्ट मान लिया था वो प्रकट हो रहा है। पीएम ने काशी और केदारनाथ मंदिर का भी जिक्र किया। पीएम ने विदेशों में देश से चोरी हुई सैकड़ों साल पुरानी मूर्तियां वापस लाने की भी चर्चा की। मोदी ने अयोध्या का उदाहरण देते हुए कहा-500 साल बाद एक सपने का पूरा होना, यानी 500 सालों तक कितनी ही पीढ़ियों ने उस सपने को जिया है। उसके लिए जूझते रहे हैं और जरूरत पड़ने पर बलिदान भी दिए हैं।

> संत समाज वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा दे

प्रधानमंत्री ने संत समाज को स्थानीय लोगों के द्वारा बनाई गई चीजों को प्रमोट करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा-स्वामी नारायण संस्था के संत समाज को वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने कहा-भारत के युवाओं की डिमांड पूरी दुनिया में है। भारत का युवा देश ही नहीं विश्व की जरूरतें पूरी करने तैयार है।

> स्वामी नारायण ने हमारी पहचान को पुनर्जीवित किया

पीएम ने कहा-भारत की विशेषता रही है जब भी मुश्किलें आई तब कोई न कोई, महर्षि, महात्मा अवतरित हुए हैं। भगवान स्वामी नारायण का आगमन भी उसी समय हुआ था जब देश सैकड़ों वर्ष की गुलामी के बाद कमजोर हो चुका था। तब भगवान स्वामी नारायण और अन्य संतों ने आध्यात्मिक ज्ञान दिया। साथ ही हमारे आत्मसम्मान को जगाया। हमारी पहचान को पुनर्जीवित किया।

> महाकुंभ में विदेशियों को लेकर आए संत

मोदी ने कहा-स्वामी नारायण मंदिर की शाखाएं भारत के अलावा विदेशों में भी हैं। मेरा सभी संतो से निवेदन है कि वे विदेशों में प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ के बारे में लोगों को बताएं। उन्होंने विदेश की हर एक शाखा से कम-से-कम 100 लोगों को कुंभ दर्शन के लिए लाने की अपील की।

> पीएम ने 200 रुपए का चांदी का सिक्का जारी किया

गुजरात के खेड़ा जिले के वडताल में 7 से 15 नवंबर तक स्वामी नारायण मंदिर की 200वीं वर्षगांठ का उत्सव मनाया जा रहा है। केंद्र सरकार ने इस मौके पर 200 रुपए के चांदी का सिक्का और स्मारक डाक टिकट जारी किया है। पीएम ने स्वामीनारायण परिवार के संत महात्माओं से विकसित भारत के उद्देश्य से जन-जन को जोड़ने की अपील की।

सुरक्षाबलों ने 11 उग्रवादियों को मार गिराया

इंफाल, 11 नवंबर (एजेंसियां)। मणिपुर के जिरिबाम जिले में सोमवार को सीआरपीएफ जवानों ने एनकाउंटर में 11 कुकी उग्रवादियों को मार गिराया। असम सीमा से लगे संदिग्ध कुकी उग्रवादियों की फायरिंग में 2 सीआरपीएफ जवान भी घायल हैं। इनमें एक की हालत गंभीर है।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, कुकी उग्रवादियों ने दोपहर करीब 2.30 बजे बोरोबेकेरा के जकुराडोर करोंग में एक पुलिस स्टेशन पर हमला किया। इसके बाद यहां मौजूद सीआरपीएफ जवानों से उनकी मुठभेड़ हुई। पुलिस स्टेशन के नजदीक ही मणिपुर हिंसा में विस्थापित लोगों के लिए एक राहत शिविर है। राहत शिविर में रह रहे लोग कुकी उग्रवादियों के निशाने पर थे। यहां इससे पहले भी कई बार हमला हो चुका है। इसके बाद यहां सीआरपीएफ की टीम तैनात की गई थी।

सेना की वर्दी में थे उग्रवादी

सूत्रों ने बताया कि उग्रवादी सैनिकों जैसी वर्दी पहने थे। इनके पास अत्याधुनिक हथियार और गोला-बारूद थे। मारे गए उग्रवादियों के शवों को बोरोबेक्रा पुलिस स्टेशन में रखा गया है। आज सुबह संदिग्ध कुकी उग्रवादियों ने इंफाल पूर्वी जिले में पहाड़ियों से भी गोलीबारी की थी। इसमें एक किसान घायल हो गया।

5 लोगों के किडनैपिंग की आशंका

सूत्रों ने बताया कि पुलिस स्टेशन पर हमला करने के बाद उग्रवादी पुलिस स्टेशन से एक किलोमीटर दूर जकुराडोर करोंग में एक छोटी सी बस्ती की ओर भागे और घरों में आग लगाना शुरू कर दिया। इस दौरान वे सुरक्षाबलों पर गोलियां बरसाते रहे। इस दौरान 5 लोगों के लापता होने की खबर है। दावा है कि उग्रवादियों ने इन्हें अगवा कर लिया है।

इंफाल में हुई किसान की हत्या

सोमवार को ही मणिपुर के याइंगंगपोकपी शांतिखोंगबन इलाके में खेतों में काम कर रहे एक किसान पर उग्रवादियों ने पहाड़ी से गोलीबारी की। इसके कारण एक किसान की मौत हो गई।

इसके अलावा कई किसानों को चोट आई। पुलिस ने बताया कि इस इलाके में उग्रवादी लगातार तीन दिन से पहाड़ी से निचले इलाकों में फायरिंग कर रहे हैं। खेतों में काम कर रहे किसानों को निशाना बनाया जा रहा है।

जस्टिस संजीव खन्ना देश के 51वें चीफ जस्टिस बने

> छह महीने का कार्यकाल > इस दौरान मैरिटल रेप समेत 5 बड़े मामलों की सुनवाई करेंगे

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। जस्टिस संजीव खन्ना देश के 51वें चीफ जस्टिस बन गए हैं। सोमवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें शपथ दिलाई। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ 10 नवंबर को रिटायर्ड हो चुके हैं। गौरतलब है कि जस्टिस खन्ना का कार्यकाल सिर्फ 6 महीने का होगा। 64 साल के जस्टिस खन्ना 13 मई 2025 को रिटायर होंगे। सुप्रीम कोर्ट जज के तौर पर जस्टिस खन्ना ने 65 फैसले लिखे हैं। इस दौरान वे करीब 275 बेंचों का हिस्सा रहे हैं।

जस्टिस संजीव के चाचा जस्टिस हंसराज खन्ना भी सुप्रीम कोर्ट में जज थे। हालांकि, इंदिरा सरकार के इमरजेंसी का विरोध करने पर उन्हें सीनियर होने के बावजूद चीफ जस्टिस नहीं बनाया गया। उनकी जगह जस्टिस एमएच बेग को सीजेआई बना दिया गया। जस्टिस हंसराज ने इसका विरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट जज से इस्तीफा दे दिया था। संजीव खन्ना की विरासत वकालत की रही है। उनके पिता देवराज खन्ना दिल्ली हाईकोर्ट के जज रहे हैं। वहीं चाचा हंसराज खन्ना सुप्रीम कोर्ट के मशहूर जज थे। उन्होंने इंदिरा सरकार के इमरजेंसी लगाने का विरोध किया था। साथ ही राजनीतिक विरोधियों को बिना सुनवाई जेल में डालने पर भी नाराजगी जताई थी।

1977 में वरिष्ठता के आधार पर उनका चीफ जस्टिस बनना तय माना जा रहा था, लेकिन जस्टिस एमएच बेग को सीजेआई बनाया गया। इसके विरोध में उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से इस्तीफा दे दिया। इंदिरा की सरकार गिरने के बाद वह चौधरी चरण सिंह की सरकार में 3 दिन के लिए कानून मंत्री भी बने थे।

जस्टिस संजीव अपने चाचा से प्रभावित थे, इसलिए उन्होंने 1983 में दिल्ली यूनिवर्सिटी के कैंपस लॉ सेंटर से एलएलबी की पढ़ाई की। दिल्ली के तीस हजारी कोर्ट से वकालत शुरू की। फिर दिल्ली सरकार के इनकम टैक्स डिपार्टमेंट और दीवानी मामलों के लिए स्टैंडिंग काउंसल भी रहे। स्टैंडिंग काउंसल का आम भाषा में अर्थ सरकारी वकील होता है। 2005 में जस्टिस खन्ना दिल्ली हाईकोर्ट के जज बने। जहां उन्होंने 13 साल तक पद संभाला। 2019 में जस्टिस खन्ना को प्रमोट करके सुप्रीम कोर्ट जज बनाया गया।

मोदी कार्यकर्ताओं से बोले-असली चुनाव आप लड़ रहे

रांची, 11 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले चरण के प्रचार के आखिरी दिन सोमवार को पीएम नरेंद्र मोदी ने बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं से संवाद किया। उन्होंने कहा-चुनाव कोई भी हो, उम्मीदवार कोई भी हो, पर सच यह है कि चुनाव आप जैसे कार्यकर्ता लड़ते हैं। हमारा संगठन कार्यकर्ता आधारित होता है। मोदी ने कार्यकर्ताओं से दोपहर 12 बजे ऑनलाइन संवाद किया और जीत का मंत्र दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि 13 और 20 नवंबर के दिन को उत्सव ही तरह मनाएं।

थाली बजाते हुए और गीत गाते हुए मतदान करने जाएं। पहले मतदान करें, फिर जलपान करें। उन्होंने अपने संवाद के दौरान बीजेपी के संकल्प पत्र को शानदार बताया। साथ ही कहा- हम वही गारंटी देते हैं, जिसे पूरा कर सकें। संकल्प पत्र की चर्चा देश भर में हो रही है। हमारे संकल्प पत्र में महज वायदे नहीं है बल्कि इसने विपक्षी दल जेएमएम, कांग्रेस और राजद की नींद उड़ा दी है।

आरएसएस चीफ भागवत बोले-तीसरे विश्वयुद्ध की आशंका बनी

जबलपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि दुनिया में तीसरे विश्वयुद्ध की आशंका बनी हुई है। उन्होंने कहा कि इस वक्त दुनिया शांति के लिए भारत की ओर देख रही है, लेकिन कुछ लोग अड़ंगा डाल रहे हैं। संघ प्रमुख ने एक बार फिर कहा कि भारत विश्वगुरु बनने की ओर बढ़ रहा है। भागवत, मध्य प्रदेश के जबलपुर में संघ की नेत्री डॉक्टर उर्मिला जामदार की याद में हुए एक प्रोग्राम में बोल रहे थे। संघ प्रमुख ने कहा कि यूक्रेन-रूस और इजराइल-हमास युद्ध के बीच तीसरे विश्वयुद्ध की छाया पनप रही है। अभी यह नहीं साफ हो पा रहा है कि यह कहां से शुरू होगा, इजराइल से या फिर यूक्रेन से। भागवत बोले कि दुनिया में विज्ञान ने बहुत तरक्की कर ली है, लेकिन इसके फायदे अभी दुनिया के गरीबों तक नहीं पहुंच रहे हैं, लेकिन दुनिया को तबाह करने वाले हथियार हर जगह पहुंच जा रहे हैं।

कर्नाटक के मंत्री जमीर अहमद ने केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी पर की विवादित टिप्पणी

बंगलूरू, 11 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मंत्री बी जेड जमीर अहमद खान ने केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी पर विवादित टिप्पणी कर एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। दरअसल जमीर अहमद ने कुमारस्वामी के खिलाफ रंगभेदी टिप्पणी की। जेडीएस ने कर्नाटक सरकार से जमीर अहमद के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए उन्हें पद से बर्खास्त करने की मांग की। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी जमीर अहमद के बयान की निंदा की और इसे लेकर कांग्रेस सरकार को घेरा।

रामनगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए जमीर अहमद ने कहा कि चन्नपटना सीट से कांग्रेस उम्मीदवार सीपी योगेश्वर के पास भाजपा में शामिल होने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। उन्होंने कहा कि 'हमारी पार्टी में कुछ मतभेदों के चलते योगेश्वर ने बतौर निर्दलीय चुनाव लड़ा। ऐसे में उनके पास भाजपा में शामिल होने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। वह जेडीएस में शामिल होने के लिए तैयार नहीं थे क्योंकि ....कुमारस्वामी भाजपा से भी ज्यादा खतरनाक थे। अब वे (योगेश्वर) वापस घर (कांग्रेस) आ गए हैं।' जमीर अहमद ने दावा किया कि कुमारस्वामी ने कहा था कि उन्हें मुस्लिम वोटों की जरूरत नहीं हैं। चुनावी सभा के दौरान खान ने कहा कि कुमारस्वामी के कथित बयान का ऑडियो चलाया, जिसमें कथित तौर पर कुमारस्वामी ने कहा कि 'मेरी राजनीति मुस्लिम वोटों पर निर्भर नहीं है।

शराब की दुकानों में खरीदारों की उम्र जांच के लिए ठोस नीति की मांग

✻ सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को शराब की दुकानों में खरीदारों की उम्र की जांच की मांग वाली एक याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। दरअसल, याचिका में कहा गया है कि शराब खरीदने के लिए जाने वाले लोगों की उम्र की सीमा तय है और इसलिए इससे जुड़े नियम सख्ती से लागू होने चाहिए। याचिका में शराब की दुकानों में उम्र की जांच के लिए एक ठोस नीति भी बनाई जानी चाहिए। याचिका में कहा गया है कि अलग-अलग राज्यों की आबकारी नीति में उम्र को लेकर कानून हैं। इसके तहत एक तय उम्र तक लोगों का शराब लेना अवैध है।

लेकिन शराब की दुकानों में इसे लेने जाने वालों की उम्र की जांच के लिए ठोस प्रणाली नहीं है। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथ की बेंच के सामने पेश हुई इस याचिका में शराब की घर पर डिलीवरी का भी विरोध किया गया है। इसमें कहा गया है कि इससे कम उम्र के लोगों में शराब का उपभोग करने की आदत में बढ़ोतरी होगी। एनजीओ कम्युनिटी अगेंस्ट ड्रंकेन ड्राइविंग के वकील ने दलील दी कि शराब की दुकानों, बार, पब, आदि में लोगों की उम्र की जांच के लिए प्रणाली या व्यवस्था नहीं है। इसलिए एक मजबूत नीति शराब पीकर गाड़ी चलाने की घटनाओं को कम करेगी और कम उम्र के लोगों को शराब की पहुंच से दूर रखेगी।

टीएमसी के आरोपों को चुनाव आयोग ने किया खारिज

> सुकांत मजूमदार को भेजा कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने सोमवार को तृणमूल कांग्रेस की तरफ से अपनी शिकायतों पर देरी या कार्रवाई न करने के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उसने पश्चिम बंगाल उपचुनावों पर पार्टी की शिकायतें मिलने के 20 घंटे के भीतर कार्रवाई की। टीएमसी नेता डेरेक ओ'ब्रायन को दिए गए जवाब में, चुनाव आयोग ने कहा कि यह आश्चर्यजनक है कि नौ नवंबर की दोपहर को शिकायत मिलने के 20 घंटे के भीतर आयोग की तरफ से त्वरित कार्रवाई के बाद भी, देरी की अनुचित टिप्पणियां की गई हैं।

हालांकि, इसमें किसी भी मुद्दे का उल्लेख नहीं किया गया था जिस पर चर्चा की आवश्यकता थी। इस अनुरोध का एक अनुस्मारक नौ नवंबर को सुबह 9.57 बजे ईमेल के माध्यम से मिला था। हालांकि, इसमें न तो कोई मुद्दा निर्दिष्ट किया गया था और न ही कोई प्रतिनिधित्व संलग्न किया गया था। पत्र में कहा गया है कि जब आयोग ज्ञापन प्राप्त करने या बैठक के विषय को जानने का इंतजार कर रहा था, तब एआईटीसी (अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस) का एक प्रतिनिधिमंडल नौ नवंबर को आयोग कार्यालय आया और दो ज्ञापन सौंपे। दोनों ज्ञापनों पर तत्परता से कार्रवाई करते हुए चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के सीईओ को निर्देश दिया कि वे सबसे पहले बल तैनाती से संबंधित जरूरी मुद्दे पर ध्यान दें। चुनाव आयोग ने पाया कि तृणमूल कांग्रेस की दोनों ही शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की गई है। आयोग के निर्देश पर पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने 10 नवंबर को अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस की शिकायत मिलने के 20 घंटे के भीतर राज्य स्तरीय बल तैनाती समिति की बैठक बुलाई। इसके बाद चुनाव आयोग ने निर्देश दिया कि राज्य पुलिस के जवान हमेशा सीएपीएफ के नेतृत्व वाली टीम का हिस्सा रहेंगे।

सुप्रीम कोर्ट में प्रज्वल रेवन्ना की जमानत याचिका खारिज

दिल्ली दंगे मामले में गुलफिशा फातिमा को भी झटका

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने दुष्कर्म और यौन शोषण के आरोपों का सामना कर रहे जनता दल (सेक्युलर) के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना की जमानत याचिका खारिज कर दी। इसके अलावा एक अन्य याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कार्यकर्ता गुलफिशा फातिमा की जमानत याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। मामला 2020 में हुए दिल्ली दंगों से जुड़ा है। शीर्ष अदालत ने हाईकोर्ट से 25 नवंबर को उनकी याचिका पर सुनवाई करने को कहा।

सुप्रीम कोर्ट ने प्रज्वल रेवन्ना की जमानत याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने याचिका खारिज की और कहा कि रेवन्ना बहुत ही प्रभावशाली व्यक्ति हैं। रेवन्ना के अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि मामले में आरोपपत्र दाखिल किया गया है और शुरुआती शिकायत में भारतीय दंड संहिता की धारा 376 नहीं थी। पीठ ने कहा कि वह रेवन्ना को जमानत देने से इनकार करने वाले कर्नाटक उच्च न्यायालय के 21 अक्तूबर के आदेश में हस्तक्षेप नहीं कर सकती।

'अगर साबित कर दिया कि कांग्रेस ने 700 करोड़ जुटाए तो संन्यास ले लूंगा'

बंगलूरू, 11 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में भाजपा और कांग्रेस के बीच लगातार आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। अब यहां के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साबित कर दें कि कांग्रेस सरकार ने चुनावी राज्यों के लिए 700 करोड़ रुपये जुटाए हैं तो वह राजनीति से संन्यास ले लेंगे।

सिद्धारमैया ने मोदी को चुनौती दी कि अगर वह महाराष्ट्र के अकोला में लगाए गए अपने आरोपों को साबित करने में असफल रहते हैं तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने रविवार रात हावेरी जिले के शिगगांव में एक चुनावी रैली में कहा, 'मुझे यह देखकर आश्चर्य होता है कि देश के प्रधानमंत्री इतना झूठ बोलते हैं। महाराष्ट्र में कहीं प्रचार करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा था कि कर्नाटक में कांग्रेस ने महाराष्ट्र, झारखंड भेजने और उपचुनावों पर खर्च करने के लिए आबकारी विभाग के माध्यम से 700 करोड़ रुपये एकत्र किए हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं आज नरेंद्र मोदी को चुनौती देता हूं कि अगर वह इन आरोपों को साबित कर पाए तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा। अगर आप ऐसा नहीं कर सकते तो आपको रिटायर हो जाना चाहिए।' उन्होंने आगे कहा कि जब प्रधानमंत्री इस तरह के आरोप लगाते हैं तो उन्हें सच सामने लाना चाहिए।

खड़गे बोले-देश को 4 लोग चला रहे

रांची, 11 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को झारखंड के छतरपुर (पलामू) में रैली की। खड़गे ने कहा नरेंद्र मोदी और अमित शाह लोगों को डराते हैं। इन्होंने देश के गरीब, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक लोगों को अपने हाल पर छोड़ दिया है। हुकूमत करने वाले मोदी और शाह केवल अडानी-अंबानी की मदद करते हैं। यानी इस देश को 4 लोग चला रहे हैं-2 पैसे वाले, 2 हुकूमत वाले। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी के 'एक हैं तो सेफ हैं' और यूपी के सीपी योगी आदित्यनाथ के 'बंटेंगे तो कटेंगे, नारे की आलोचना की। उन्होंने कहा कि ये खुद काट रहे, खुद बांट रहे हैं। दोनों पहले तय कर लें कि नारा कौन सा चलेगा। मोदी पर तंज कसते हुए कहा- मोदी जी कहते हैं भगवान ने हमको आपकी सेवा के लिए भेजा है। ये कभी नहीं कहते कि हम मां-बाप के पेट से पैदा हुए हैं। इस पर संत तुकाराम बोलते हैं, 'नवसे कन्या पुत्र होती तो का करणे लागे पती' यानी दुहाई मांगने से ही अगर बच्चे पैदा होते हैं तो शादी करने से क्या फायदा है।' नरेंद्र मोदी चुनाव के दौरान भी हमारे गठबंधन के साथियों को ईडी, आईटी, सीबीआई से डरा रहे हैं। लेकिन हमारे लोग डरने वाले नहीं है।

आतंकी पन्नू की राम मंदिर उड़ाने की धमकी

ओटावा, 11 नवंबर (एजेंसियां)। खालिस्तानी आतंकी और सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के चीफ गुरपतवंत सिंह पन्नू ने नया वीडियो जारी कर अयोध्या में राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी दी है। मीडिया रिपोर्ट्स में इसका दावा किया गया है। वीडियो में वह राम मंदिर को निशाना बनाने की बात कह रहा है। साथ ही पन्नू ने कनाडा में भारतीय मूल के हिंदू सांसद चंद्र आर्य को भी धमकी दी है। पन्नू ने वीडियो जारी कर कहा कि 16 और 17 नवंबर को अयोध्या के राम मंदिर में हिंसा होगी।

आतंकी पन्नू ने वीडियो में यह भी कहा कि हम हिंदुत्ववादी विचारधारा की जन्मस्थली अयोध्या की नींव हिला देंगे। वीडियो में पन्नू ने देश के कई हिंदू मंदिरों की तस्वीरें शामिल की हैं, जिनमें अयोध्या का राम मंदिर भी है। इस वीडियो को एक बड़े खतरे के तौर पर देखा जा रहा है। आतंकी पन्नू ने वीडियो में कहा-भारतीय मूल के कई कनाडाई पीएम मोदी की विचारधारा पर चलते हैं। साथ ही कनाडाई सांसद चंद्र आर्या हिंदू आतंकवाद का चेहरा हैं।

पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी की मिथुन चक्रवर्ती को धमकी

› बकवास पर माफी मांगो वरना पछताना पड़ेगा; गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का करीबी है

जालंधर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। दुबई में बैठे पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी ने कोलकाता से बीजेपी नेता और एक्टर मिथुन चक्रवर्ती को धमकी दी है। मिथुन चक्रवर्ती के एक सभा में दिए बयान पर शहजाद ने कहा कि मिथुन माफी मांग लें, वरना इस बकवास के लिए पछताना पड़ सकता है। भट्टी, लॉरेंस बिश्नोई का करीबी है। उसे पाकिस्तानी डॉन फारुख खोखर का राइट हैंड माना जाता है। भट्टी ने 2 वीडियो जारी किए। पहले वीडियो में वह खुद मिथुन को धमका रहा है। जबकि, दूसरे वीडियो में मिथुन का बयान चलाकर पीछे से डायलॉग बोल रहा है। मिथुन 27 अक्टूबर को कोलकाता में अमित शाह की मौजूदगी में एक रैली में बोले थे- 'एक नेता ने कहा था कि यहां 70% मुस्लिम हैं और हिंदू यहां 30% हैं। हिंदुओं को काटकर भागीरथी में बहा देंगे। मैं कहता हूं कि हम तुम्हें काटकर भागीरथी में तो नहीं बहाएंगे, लेकिन तुम्हें तुम्हारी जमीन पर जरूर दफना देंगे।'

मेरा प्यार से मशविरा, 10-15 दिन में माफी मांग लो

वीडियो में शहजाद भट्टी ने मिथुन चक्रवर्ती की फोटो लगाकर कहा- ये वीडियो मिथुन के लिए है, जिसने कुछ दिन पहले बयान दिया था कि मुस्लिमों को काटूंगा और उनको उनकी जगह पर फेंकूंगा। मिथुन साहब, आपको प्यार से मेरा एक मशविरा है कि आप 10 से 15 दिनों में एक वीडियो जारी कर माफी मांग लें। यह आपके लिए बेहतर होगा और आपका माफी मांगना बनता भी है।

हम आपकी फ्लॉप फिल्म भी देखते थे, बकवास के लिए पछताना न पड़े

भट्टी ने कहा- आपने हमारा दिल दुखाया है। आपके फैंस मुस्लिम भी हैं। आपको मुस्लिमों ने भी इज्जत दी है। आपकी फिल्में चाहे फ्लॉप रही हों, हम देखने जाते थे। आज आप जो अनाज खा रहे हो, इन लोगों की वजह से ही है। वैसे भी आप जिस उम्र में हो, उस उम्र में बंदा बकवास कर ही देता है, जिसके लिए बाद में पछताना पड़ता है।

मैं धमकी नहीं देता, यह फिल्म नहीं रियल लाइफ है

भट्टी ने कहा- मैं किसी को वीडियो पर धमकी नहीं देता, क्योंकि यह कोई फिल्म नहीं है। यह रियल लाइफ है। आप जो इतने बड़े बदमाश बन रहे हो स्टेज पर चढ़कर, इंडिया में कोई एक डेट बताओ कि मैं उस तारीख को उक्त धर्म के व्यक्ति को जाकर थप्पड़ मारूंगा। फिर चाहे वह किसी भी धर्म का व्यक्ति हो।

उस जंग के बारे में मत सोचो, जो जीत नहीं सकते

दूसरे वीडियो में भट्टी ने पहले मिथुन के बयान वाला वीडियो लगाया और उनके मुंह पर जूते के निशान बनाए हुए थे। इसके बाद भट्टी ने अपना फोटो लगाकर डायलॉग प्ले किया। उसमें कहा कि मेरे पास तुम्हारे लिए नसीहत है कि उस जंग के बारे में मत सोचो, जो तुम जीत नहीं सकते, क्योंकि जंग का नतीजा सिर्फ तुम्हारी शर्मिंदगी होगी।

मिथुन ने कोलकाता में कहा था- तुम्हें तुम्हारी जमीन में दफना देंगे

मिथुन ने कोलकाता में कहा था कि मैं आज अभिनेता के तौर पर नहीं, बल्कि 60 के दशक का मिथुन चक्रवर्ती बोल रहा हूं। मैंने खून की राजनीति की है, इसलिए राजनीति के दांव-पेंच मेरे लिए नए नहीं हैं। मुझे पता है कि कौन सा कदम उठाने से क्या काम होगा। मैं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सामने कह रहा हूं कि इसके लिए जो भी जरूरी होगा, सब करूंगा। कुछ भी यानी कुछ भी। और इसका एक अंतर्निहित अर्थ है। यहां के एक नेता ने कहा था कि हिंदुओं को काटकर भागीरथी में बहा देंगे। मैंने सोचा था कि मुख्यमंत्री उसे कुछ कहेंगी, लेकिन कुछ नहीं कहा, लेकिन मैं कह रहा हूं कि तुम्हें तुम्हारी जमीन में दफना देंगे।

लॉरेंस-सलमान की सुलह करवाने की कोशिश का दावा कर चुका भट्टी कुछ दिन पहले भी भट्टी ने एक वीडियो जारी कर कहा था कि उसने बॉलीवुड एक्टर सलमान खान और गैंगस्टर लॉरेंस के बीच सुलह करवाने की कोशिश की थी। इसमें भट्टी ने कहा था कि मैं या मेरा भाई फारूख खोखर इस विवाद में इसलिए आए थे कि हम गैंगस्टर लॉरेंस और बॉलीवुड एक्टर सलमान खान की सुलह करवा सकें। मेरी सलमान खान के करीबियों से काफी देर से बातचीत चल रही थी। लॉरेंस मेरी और फारूख भाई की बहुत इज्जत करता है। आपकी खुद की कंट्री में कोई भी व्यक्ति ऐसा नहीं उठा जो कि लॉरेंस और सलमान खान की सुलह करवा सके। जब हम इस चीज में पड़े और दोनों की सुलह करवाने की कोशिश की तो हमें आतंकवादी बना दिया गया और हमें कहा गया कि हम बलूचिस्तान से आए हैं।

लॉरेंस बिश्नोई शहजाद भट्टी

केरल के राज्यपाल बोले-'बंटोगे तो कटोगे' में कुछ गलत नहीं

› आरिफ मोहम्मद ने कहा-जब आस्था समान है तो हम सबको एक होना चाहिए

व्यक्ति के लिए समाज चाहिए, समाज को व्यवस्थित रखने के लिए संगठन चाहिए, संगठन के लिए आधार चाहिए और यह आधार सभ्यता और संस्कृति को बढ़ाता है।

-आरिफ मोहम्मद खान
राज्यपाल, केरल

भोपाल, 11 नवंबर (एजेंसियां)। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'बंटोगे तो कटोगे' बयान का समर्थन किया है। उन्होंने कहा, 'एकता का भाव सभी में होना ही चाहिए। इसमें कोई खास बात नहीं हैं। यह गलत भी नहीं है।'

मदरसा दारुल उलूम देवबंद द्वारा मुसलमानों के लिए अंगदान को अवैध बताने वाले फतवे से जुड़े सवाल पर आरिफ मोहम्मद ने कहा, 'मुझे न इन पर विश्वास है, न ही कुछ कहना है।' अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के अल्पसंख्यक दर्जे से जुड़े विवाद पर उन्होंने कहा, 'राज्यपाल होने के नाते अदालतों के फैसले पर मैं कोई टिप्पणी नहीं करता।' राज्यपाल आरिफ मोहम्मद ने यह बात रविवार को भोपाल में कही। वे यहां दत्तोपंत ठेंगड़ी स्मृति राष्ट्रीय व्याख्यान माला में बतौर मुख्य वक्ता शामिल हुए थे। कार्यक्रम में नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार भी मौजूद रहे।

खान ने कहा-भारतीय मनीषियों ने एकता के सूत्र दिए

केरल के राज्यपाल ने भारत की विविधता में सांस्कृतिक एकात्मता विषय पर बोलते हुए कहा, 'भारतीय मनीषियों ने हजारों साल पहले ही विविधता में एकता के सूत्र दिए थे। गौतम बुद्ध ने अंतिम उपदेश में अप्प दीपो भव की बात बताई थी। जो दरअसल अथर्ववेद की ऋचा का सूत्र है। इसे ही हम अद्वैतवाद या एकात्मता कह सकते हैं। आदि शंकराचार्य से लेकर स्वामी विवेकानंद ने जो दर्शन दिए, उसकी झलक पंडित दीनदयाल उपाध्याय के भाषणों में दिखती है और उसी को दत्तोपंत ठेंगड़ी ने विस्तार दिया। लेकिन किसी ने नहीं कहा कि ये सिद्धांत हमारे दिमाग की उपज हैं। उन्होंने कहा कि ये नैसर्गिक है, प्राकृतिक है, दैविक है। हमने केवल ढूंढा है।' आरिफ मोहम्मद ने कहा- हमारे यहां आस्था की अभिव्यक्ति में विविधता है। जब आस्था समान है तो हम सबको एक होना चाहिए।

सरकारों को रेगुलेटर नहीं, सपोर्टर बनना होगा

नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष और अर्थशास्त्री डॉ. राजीव कुमार बोले, 'यदि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र या आत्मनिर्भर बनाना है तो सरकारों को रेगुलेटर (नियंत्रक) के बजाए सपोर्टर (मददगार) की भूमिका में आना होगा। निजी निवेशक देश को आगे बढ़ाएं, साथ ही कमजोर तबकों को मजबूत करना होगा।

असम में एसटी दर्जे की मांग को लेकर 12 घंटे का बंद

डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया में जनजीवन प्रभावित

गुवाहाटी, 11 नवंबर (एजेंसियां)। असम के डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया जिले में दो समुदाय के लिए एसटी की दर्जे की मांग करते हुए मोरोन और मोटोक संगठन द्वारा बुलाए गए 12 घंटे के बंद के कारण सोमवार को आम जनजीवन ठप रहा। सोमवार को इन जिलों में स्कूल, कॉलेज और कार्यालयों को बंद रखा गया। जिला प्रशासन द्वारा पूरे जिलों में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत निशेधाज्ञा लागू करने के बावजूद हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारियों ने सड़कों को ब्लॉक कर दिया। जिला प्रशासन के निर्देशों की अवहेलना करते हुए ऑल मोरन छात्र संगठन (एएमएसयू) और ऑल असम मोटोक युवा छात्र संमिलन (एएएमवाईसीएस) के प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे।

प्रदर्शनकारियों ने टायर जलाए

एक अधिकारी ने मौजूदा स्थिति पर बात करते हुए बताया कि असम के दो ऊपरी जिलों में प्रदर्शनकारियों ने सड़कों को अवरुध करते हुए टायर जलाए। मकुम तिनसुकिया बाईपास पर भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने हवा में फायरिंग भी की।

उन्होंने कहा, अभी तक हमने किसी को भी हिरासत में नहीं लिया है। कई जगहों पर हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी जमा हुए। हम राजमार्गों और सड़कों को खाली करने की कोशिश कर रहे हैं। बता दें कि असम के मोरन, मोटोक, चुटिया, ताई-अहोम, कोच-राजबोंगशी और चाय-जनजाति समुदाय कई वर्षों से एसटी दर्जे की मांग कर रहे हैं।

बांग्लादेश और बंगाल को लेकर शुभेंदु का बयान, ईसी के पास पहुंची तृणमूल

कोलकाता, 11 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में छह विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को उपचुनाव के लिए होने वाले मतदान से पहले राज्य की सत्तासीन तृणमूल कांग्रेस ने सोमवार को एक बार फिर चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाया। टीएमसी ने अब भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी की शिकायत की है और उन पर आचार संहित के उल्लंघन का आरोप लगाया है। टीएमसी ने कहा है कि अधिकारी ने तलदांगरा विधानसभा सीट पर रैली के दौरान सांप्रदायिक बयानबाजी की। बंगाल में सभी विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की वजह विधायकों का सीट छोड़ना है। यह सभी विधायक इस साल हुए लोकसभा चुनाव में जीतकर सांसद बने हैं। ऐसे में बंगाल में अब चुनाव प्रचार जोर-शोर से जारी है। टीएमसी ने बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी को भेजी गई चिट्ठी में कहा कि विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने रैली के दौरान भड़काऊ और सांप्रदायिक बयान दिए। टीएमसी ने इस मामले में भारतीय चुनाव आयोग के तुरंत दखल की मांग की और शुभेंदु अधिकारी और उनकी पार्टी भाजपा के खिलाफ आचार संहिता के उल्लंघन के लिए सख्त प्रतिबंधों की मांग की।

तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव आयोग को जो पत्र लिखा है, उसमें पार्टी ने दावा किया है कि शुभेंदु ने रैली के दौरान कहा-क्या आपने बांग्लादेश से आई तस्वीरें देखीं? उन्होंने 596 मंदिरों को तबाहर कर दिया। हिंदुओं और आदिवासियों पर क्या जुल्म किए गए? ये (तृणमूल कांग्रेस) पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश बनाना चाहते हैं। टीएमसी ने अपनी चिट्ठी में कहा कि इस तरह के बयान न सिर्फ अस्वीकार्य हैं, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक नियमों का भी उल्लंघन है।

'कोई भी धर्म प्रदूषण को बढ़ावा नहीं देता'

› पटाखों पर प्रतिबंध को लेकर सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने पटाखों पर प्रतिबंध के उसके आदेश को गंभीरता से न लेने के लिए दिल्ली पुलिस को कड़ी फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पटाखों पर प्रतिबंध पूरी तरह से लागू नहीं किया गया और महज दिखावा किया गया। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली पुलिस से उसके आदेश के पूर्ण पालन के लिए स्पेशल सेल बनाने का निर्देश दिया। साथ ही यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि बिना लाइसेंस के कोई भी पटाखों का उत्पादन और उनकी बिक्री न कर सके।

दिल्ली पुलिस कमिश्नर को हलफनामा दाखिल करने का निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि 'ऐसा माना जाता है कि कोई भी धर्म किसी भी ऐसी गतिविधि को बढ़ावा नहीं देता, जो प्रदूषण को बढ़ाती है या लोगों की सेहत को नुकसान पहुंचाती है।' सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस के आयुक्त को एक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया, जिसमें ये बताने का निर्देश दिया गया है कि उन्होंने पटाखों पर प्रतिबंध लगाने के लिए क्या-क्या कदम उठाए।

अदालत ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के सभी राज्यों से भी ये बताने को कहा है कि उन्होंने प्रदूषण को कम करने के लिए क्या-क्या कदम उठाए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि आपने सिर्फ कच्चा माल जब्त करके महज दिखावा किया। पटाखों पर प्रतिबंध को गंभीरता के साथ लागू नहीं किया गया। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार से कहा कि वह हितधारकों से परामर्श के बाद 25 नवंबर से पहले पटाखों पर 'स्थायी' प्रतिबंध लगाने पर फैसला करे।

बिभव कुमार ने दाखिल की पुनरीक्षण याचिका

› सीएम आवास में स्वाति मालीवाल से मारपीट का आरोप

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से कथित मारपीट मामले में आरोपी बिभव कुमार ने हाल ही में अपने खिलाफ दायर चार्जशीट के संज्ञान को चुनौती दी है। उन्होंने कोर्ट में एक पुनरीक्षण याचिका दायर की है। फिलहाल, अभी उनका मामला तीस हजारी कोर्ट में लंबित है। स्वाति मालीवाल की शिकायत पर दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के पीए रहे बिभव कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। मालीवाल ने शिकायत में कहा था कि जब वह 13 मई को सीएम आवास में अरविंद केजरीवाल से मिलने पहुंचीं थी तो बिभव ने उनके साथ मारपीट की। मालीवाल की शिकायत पर पुलिस ने बिभव कुमार को 18 मई को गिरफ्तार किया था। पुलिस का कहना था कि बिभव कुमार जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। बिभव ने जमानत के लिए 27 मई को ट्रायल कोर्ट का रुख किया, लेकिन वहां से जमानत खारिज होने के बाद सत्र न्यायालय में अपील की। वहां से भी निराशा के बाद बिभव ने हाईकोर्ट का रुख किया, लेकिन हाईकोर्ट ने भी बिभव को राहत देने से इनकार कर दिया। अब हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ बिभव ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

संजौली मस्जिद केस : लोकल-रेजिडेंट ने दी पार्टी बनने की अर्जी

› 14 नवंबर को सुनवाई, मुस्लिम सोसाइटी ने दी आयुक्त के आदेश को चुनौती

शिमला, 11 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल की राजधानी शिमला की संजौली मस्जिद को गिराने के नगर निगम (एमसी) आयुक्त के आदेशों पर स्टे वाली याचिका पर जिला कोर्ट में सुनवाई हुई। संजौली मस्जिद के आसपास रहने वाले लोकल रेजिडेंट ने सोमवार को इस केस में पार्टी बनने के लिए एप्लिकेशन दी। अब यह मामला 14 नवंबर को सुना जाएगा। लोकल रेजिडेंट के एडवोकेट जगपाल ने कहा कि मुस्लिम वेलफेयर की याचिका पर आज सुनवाई हुई। वक्फ बोर्ड ने अदालत में अपना जवाब दे दिया है। उन्होंने कहा कि हिमाचल हाईकोर्ट ने 21 अक्टूबर को आदेश दिया था कि जब-जब इस केस की सुनवाई होगी तो लोकल रेजिडेंट को जरूर सुना जाएगा। उसी के तहत लोकल रेजिडेंट ने कोर्ट में एप्लिकेशन दी है, ताकि उन्हें भी अदालत में अपना पक्ष रखने का मौका मिल पाए। वहीं मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी के एडवोकेट विश्व भूषण ने कहा कि आज लोकल रेजिडेंट ने पार्टी बनने को एप्लिकेशन दी थी। उन्होंने कहा कि 14 की सुनवाई में लोकल रेजिडेंट को पार्टी बनाने और याचिका की मैंटेनेबिलिटी को अदालत फैसला सुना सकती है।

याचिका में एमसी कोर्ट के फैसले को बताया डिफैक्टेड

बता दें कि ऑल हिमाचल मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी के प्रमुख नजाकत अली ने एमसी आयुक्त के 5 अक्टूबर को मस्जिद के ऊपर वाली 3 मंजिल तोड़ने के आदेशों को डिफैक्टेड बताते हुए स्टे की मांग की है। याचिका में कहा कि एमसी आयुक्त ने यह फैसला संजौली मस्जिद कमेटी द्वारा दिए गए हलफनामे के आधार पर सुनाया है। उन्होंने दावा किया कि संजौली मस्जिद कमेटी रजिस्टर नहीं है। ऐसे में उसके अध्यक्ष मोहम्मद लतीफ की ओर से दिया गया हलफनामा सही नहीं है। नजाकत अली का दावा है कि उन्होंने मस्जिद बनाने के लिए पैसा दिया था। इसलिए वह भी पीड़ित पक्ष है। उन्हें सुना जाना चाहिए और मस्जिद की तीन मंजिल गिराने के फैसले पर स्टे दिया जाए।

5 अक्टूबर को आया था नगर निगम आयुक्त कोर्ट का फैसला

संजौली मस्जिद मामले में एमसी आयुक्त कोर्ट ने बीते 5 अक्टूबर को फैसला सुनाया था। कोर्ट ने मस्जिद की 3 अवैध मंजिल हटाने के आदेश दिए थे। इसके बाद मस्जिद कमेटी ने अवैध हिस्से को हटाने का काम भी शुरू कर दिया है। मस्जिद की एटिक यानी छत को हटाने का काम पूरा हो गया है। अब टॉप की मंजिल की दीवारों को तोड़ा जाना है। इस बीच मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी ने कोर्ट में मामले को चुनौती दी है। संजौली मस्जिद कमेटी अपने खर्चे पर ऊपर की 3 मंजिल तुड़वाने का काम कर रही है। शिमला एमसी आयुक्त की कोर्ट में यह केस 2010 से चल रहा है। इसे देखते हुए लोकल रेजिडेंट ने 21 अक्टूबर को एक याचिका हाईकोर्ट में दायर की और जल्दी फैसला सुनाने के लिए एमसी आयुक्त को निर्देश देने का आग्रह किया।

खबरें जरा हटके

गंगा मैया के सामने लड़ बैठे मां बेटा, मांगने लगे ऐसी मन्नत, आखिर में ऐसा बन गया मम्मी का मुंह!

कहा जाता है कि ईश्वर के सामने सच्चे दिल से किसी काम को पूरा करने का आशीर्वाद मांगो, तो भगवान उस कामना को जरूर पूरा करते हैं. ऐसे में लोग अक्सर देवी-देवताओं के सामने जाकर अपने लिए मन्नत मांगते हैं. इनमें से ज्यादातर लोग मन्नत पूरा होने पर दोबारा भगवान के सामने आते हैं और पूजा-अर्चना करते हैं. कुछ लोग गंगा मैया से भी आशीर्वाद मांगते हैं. सोशल मीडिया पर इसी से जुड़ा एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो में गंगा मैया के सामने ही मां-बेटे लड़ते हुए नजर आने लगते हैं. दोनों के दोनों एक ही मन्नत मांग रहे थे, लेकिन विचार थोड़े अलग थे. ऐसे में दोनों के बीच जुबानी लड़ाई शुरू हो जाती है. लेकिन आखिर में मां का मुंह बन जाता है.

दरअसल, वायरल हो रहे इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि एक लड़का गंगा नदी में नहा रहा है. उसके ठीक बगल में उसकी मां हरी साड़ी पहने खड़ी है. लड़का हाथ जोड़कर कहता है कि हे गंगा मैया, मेरे गर्लफ्रेंड से मेरी शादी हो जाए. मैं जिससे चाहूं, उससे ही शादी हो. हे गंगा मैया. जय हो गंगा मैया. तभी लड़का अपनी मां की तरफ देखता है, जो उसे घूर रही होती है. बेटा जैसे ही चुप होता है, वो महिला कहने लगती है कि हे गंगा मैया. मेरे बेटे की शादी, मेरे पसंद की लड़की से हो. जिसे मैं बहू बनाना चाहूं, उसी से मेरे बेटे की शादी हो. तभी लड़का जोर से चिल्लाकर कहता है कि जय गंगा मैया, मेरी गर्लफ्रेंड से ही शादी हो. लड़के की मां का मुंह बन जाता है और वो पलटकर वहां से चली जाती है. इंस्टाग्राम पर इस वीडियो को खूब पसंद किया जा रहा है, जिसे गुड्डु व्लॉग्स ने शेयर किया है. वीडियो में भी गुड्डु ही नजर आ रहे हैं. हालांकि, ऐसा लगता है कि इस वीडियो को मनोरंजन के उदेश्य से बनाया गया है. लेकिन आजकल अक्सर ऐसे मामलों के बारे में सुनने को मिल जाता है, जब कोई लड़का-लड़की अपने परिवार के खिलाफ जाकर शादी कर लेते हैं. ऐसे में यह वीडियो उन लोगों से काफी हद तक मैच करता है. हालांकि, इस वीडियो को अब तक 1 करोड़ 26 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है. वहीं, 7 लाख 41 हजार से ज्यादा लोगों ने इसे लाइक किया है, जबकि 3 हजार 4 सौ से ज्यादा कमेंट्स आए हैं.

टाइम ट्रैवेल करता है ये जीव, भविष्य से चला जाता है अतीत में, वैज्ञानिक भी देखकर हुए दंग!

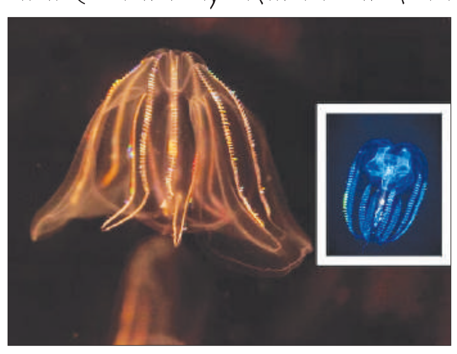

हमारी धरती तरह-तरह के जीव-जंतुओं से आबाद है. इनमें से कुछ को तो हम अच्छी तरह जानते हैं, जो हमारे आसपास ही रहते हैं, वहीं कुछ जीव ऐसे होते हैं, जिनका नाम हमने सुना है लेकिन उन्हें कभी देखा नहीं है. इसके अलावा कुछ जीव ऐसे भी हैं, जिन्हें हम जानते तक नहीं और उनकी खोज वैज्ञानिक करते रहते हैं. ऐसे ही एक अजीबोगरीब जीव के बारे में सुनकर आप दंग रह जाएंगे. आपने टाइम ट्रैवेल की कहानियां सुनी होंगी लेकिन शायद ही आपको किसी ऐसे जीव के बारे में पता होगा, जो समय में यात्रा कर सकता है. साधारण भाषा में कहें तो उसकी उम्र ज्यादा से कम हो जाती है. न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर् के मुताबिक प्रोसीडिंग्स ऑफ नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज़ में एक रिपोर्ट प्रकाशित हुई है, जिसमें इस अनोखे जीव का ज़िक्र किया गया है.

टाइम ट्रैवेल कर सकता है जीव

आपको पता होगा कि टूरोटॉपिस डोरनी नाम की एक ऐसी जेलीफिश है, जो अपनी कोशिकाओं को खुद रिपेयर करती रहती है और उसे वैज्ञानिकों ने अमर माना है. इस बार जो रिपोर्ट सामने आई है, उसमें इसी प्रजाति की एक और मछली का ज़िक्र किया गया है, जो कभी बूढ़ी ही नहीं होती. इसे कॉम्ब जेलीफिश कहा गया है. शोधकर्ताओं के मुताबिक उन्हें लैब के एक टैंक में मछली का लार्वा मिला, जबकि वहां एक विकसित कॉम्ब जेलीफिश होनी चाहिए थी. यहीं से उन्हें पता चला कि ये जेलीफिश अपनी उम्र पीछे ले जा सकती है और इसके अंदर पीछे के समय में लौटने की अद्भुत क्षमता है.

एसपी ने आरोपियों की तस्वीरों पर लगाईं इमोजी

सोशल मीडिया पर खूब हो रही इसकी चर्चा

ओडिशा के बेरहमपुर जिले के पुलिस अधीक्षक की एक सोशल मीडिया पोस्ट इन दिनों खूब चर्चा का विषय बनी हुई है। दरअसल पुलिस अधीक्षक ने एक मामले में पकड़े गए आरोपियों की तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की और आरोपियों की चेहरों को इमोजी से ढक दिया। इस पोस्ट को लेकर यूजर्स तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। दरअसल पोस्ट में एसपी ने आरोपियों के चेहरों पर दुखी, निराश जैसे भावों को दर्शाने वाली इमोजी लगाईं। लोग एसपी की समझदारी की तारीफ कर रहे हैं।

क्या है मामला

दरअसल गोपालपुर पुलिस स्टेशन की टीम ने चार लोगों को गिरफ्तार किया था। इन आरोपियों पर एक पिता-पुत्र पर हमला करने का आरोप है। पुलिस द्वारा आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद बेरहमपुर के एसपी सर्वाना विवेक एम ने आरोपियों की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की। आरोपियों के चेहरे ढकने के लिए इस तस्वीर में इमोजी का इस्तेमाल किया गया था। इन मजाकिया इमोजी वाली ये पोस्ट लोगों को खूब पसंद आ रही है। लोग एसपी के मजाकिया स्वभाव की तारीफ कर रहे हैं।

नियमों के तहत आरोपियों के चेहरों को इमोजी से ढका

साझा की गई इस पोस्ट को सोमवार सुबह तक 13 लाख लोग देख चुके हैं और 2,952 यूजर्स ने इसे पसंद किया है और 925 लोगों ने इसे रिपोस्ट और 218 ने इस पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। खुद एसपी सर्वाना विवेक एम ने भी उनकी पोस्ट के वायरल होने पर हैरानी जताई। इससे पहले भी एसपी ऐसा कर चुके हैं और उस पोस्ट को भी बड़ी संख्या में लोगों ने पसंद किया था। एसपी ने बताया कि उन्होंने नियमों के तहत आरोपियों के चेहरों को इमोजी से ढक दिया। दरअसल सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस हैं कि आरोपियों के चेहरों को सार्वजनिक तौर पर न दिखाया जाए।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 12 नवंबर, 2024 3

सुविचार: कभी किसी की खुशी के लिए कुछ करके देखना अच्छा लगेगा!

स्मिता सबरवाल समेत 12 आईएएस अधिकारियों का तबादला

8 आईएफएस अधिकारियों का भी तबादला

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने सोमवार को वित्त आयोग की सदस्य सचिव स्मिता सबरवाल और आबकारी आयुक्त ई. श्रीधर सहित 13 आईएएस अधिकारियों का तबादला कर दिया, इसके अलावा आठ आईएफएस अधिकारियों को भी इधर से उधर किया। सबरवाल को युवा विकास, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग में सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। उन्हें एन श्रीधर को इस पद के पूर्ण अतिरिक्त प्रभार (एफएसी) से मुक्त किया गया है। उन्हें राज्य वित्त आयोग के सदस्य सचिव और पुरातत्व निदेशक के पदों का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार (एफएसी) दिया गया है। ई श्रीधर, आयुक्त, निषेध एवं आबकारी, को सचिव, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के पद पर स्थानांतरित किया गया तथा बी वेंकटेशम को उक्त पद के एफएसी से मुक्त किया गया। उन्हें आयुक्त, बंदोबस्ती के पद पर भी नियुक्त किया गया, तथा जेंडेज हनुमंत कोंडिबा को उक्त पद के एफएसी से मुक्त किया गया। पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास आयुक्त अनीता रामचंद्रन को सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग एवं अनुसूचित जाति विभाग के पद पर नियुक्त किया गया है। उन्होंने टीके श्रीदेवी को एफएसी से मुक्त कर दिया है। परिवहन आयुक्त इलमबरीथी के को आयुक्त, जीएचएमसी के पद पर नियुक्त किया गया है। के सुरेन्द्र मोहन, सचिव, खान एवं भूविज्ञान, आईएंडसी विभाग को परिवहन आयुक्त के पद पर नियुक्त किया गया है।

नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे चेवुरु हरि किरण को मद्य निषेध एवं उत्पाद शुल्क निदेशक के पद पर तैनात किया गया है। उपमुख्यमंत्री के विशेष सचिव और सरकार, वित्त एवं योजना (एफएसी) के विशेष सचिव डी. कृष्ण भास्कर को ट्रांस्को के सीएमडी के पद पर स्थानांतरित कर दिया गया है। वे संदीप कुमार सुल्तानिया को एफएसी से मुक्त कर देंगे। वे उपमुख्यमंत्री के विशेष सचिव के पद का एफएसी भी संभालेंगे। नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे शिव शंकर लोथेती को आरोग्यश्री हेल्थ केयर ट्रस्ट का सीईओ नियुक्त किया गया है। वे आर.वी. कर्णन को एफ.ए.सी. से मुक्त करेंगे। नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रही श्रीजना जी को निदेशक, पी.आर. एवं आर.डी. नियुक्त किया गया है। चित्तम लक्ष्मी को आयुष निदेशक के पद पर नियुक्त किया गया है, जो क्रिस्टीना जेड चोंगथु को एफएसी से मुक्त करते हैं, जबकि कृष्ण आदित्य एस, श्रम निदेशक को स्थानांतरित कर दिया गया है और उन्हें इंटरमीडिएट शिक्षा निदेशक और इंटरमीडिएट शिक्षा बोर्ड के सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है, जो ए श्रीदेवसेना को एफएसी से मुक्त करते हैं। उन्हें तेलंगाना शिक्षा और कल्याण अवसंरचना विकास निगम (टीजीडब्ल्यूईआईडीसी) के वीसी और एमडी के पद पर भी नियुक्त किया गया है, जो ईवी नरसिम्हा रेड्डी को एफएसी से मुक्त करते हैं। कृष्ण आदित्य एस. के तबादले के बाद, सरकार के प्रधान सचिव, एलईटीएंडएफ विभाग संजय कुमार को श्रम आयुक्त के पद पर एफएसी में रखा गया है। गौरव उप्पल, रेजिडेंट कमिश्नर, तेलंगाना भवन, नई दिल्ली को सरकार के सचिव (समन्वय), सामान्य प्रशासन विभाग के पद पर एफएसी में रखा गया है। इसी क्रम में आईएफएस अधिकारियों का स्थानांतरण किया गया है।प्रियंका वर्गीस, मुख्य वन संरक्षक (आईटी एंड डब्ल्यूपी) को स्थानांतरित कर मुख्य वन संरक्षक, चारमीनार सर्कल के पद पर नियुक्त किया गया है। सिवाला राम बाबू, आईएफएस (2011), उप वन संरक्षक/वन संरक्षक, एसटीसी सर्कल, हैदराबाद को वन संरक्षक, जोगुलम्बा सर्कल, महबूबनगर के पद पर जिला वन अधिकारी के पद पर स्थानांतरित किया गया है। उन्हें अगले आदेश तक अमराबाद टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर के पद पर एफएसी में भी रखा गया है।सुनील एस. हिरेमठ, क्यूरेटर, नेहरू प्राणी उद्यान, हैदराबाद को निदेशक, चिड़ियाघर उद्यान, हैदराबाद के पद पर स्थानांतरित किया गया। पी श्रीनिवास राव, संयुक्त निदेशक/उप वन संरक्षक, एफसीआरआई, मुलुगु को जिला वन अधिकारी, सिद्दीपेट के पद पर स्थानांतरित किया गया। एसवी प्रदीप कुमार शेट्टी, निदेशक, शहरी वानिकी, एचएमडीए, हैदराबाद को उप वन संरक्षक, एसटीसी सर्कल, हैदराबाद के पद पर स्थानांतरित किया गया। के श्रीनिवास को प्रतिनियुक्ति के आधार पर शहरी वानिकी निदेशक, एचएमडीए, हैदराबाद के पद पर नियुक्त किया गया है। जयशंकर भूपलपल्ली के जिला वन अधिकारी जे वसंता को नेहरू प्राणी उद्यान, हैदराबाद के क्यूरेटर के पद पर नियुक्त किया गया है। मंडाडी नवीन रेड्डी, जिला वन अधिकारी, जोगुलम्बा गदवाल और वनपर्ती जयशंकर भूपलपल्ली के जिला वन अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है।

मंत्री ने लोगों की समस्याओं को हल किया

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन व पर्यावरण मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि राज्य सरकार लोगों से प्राप्त अनुरोधों का परीक्षण कर तथा अधिकारियों, कर्मचारियों तथा जन प्रतिनिधियों के सहयोग से उनकी समस्याओं का यथाशीघ्र समाधान करने के लिए विशेष गतिविधियाँ क्रियान्वित कर रही है। मंत्री सुरेखा को आज वारंगल शहर में कैंप कार्यालय में लोगों से अनुरोध प्राप्त हुए।

मंत्री सुबह कैंप कार्यालय पहुंची और लोगों से एक-एक कर अपीलें प्राप्त कीं। इस मौके पर विभिन्न मंडलों व पार्टी पदाधिकारियों से जुड़े लोग कैंप कार्यालय पहुंचे और मंत्री को अपनी समस्याएं बतायीं। मंत्री सुरेखा ने अधिकारियों से फोन पर बात कर ज्यादातर समस्याओं का समाधान किया। मंत्री, जिन्होंने पहले अधिकारियों को रिपोर्ट की थी और उन अपीलों के बारे में पूछताछ की थी जिनका समाधान नहीं हुआ था, ने संबंधित अधिकारियों से फोन पर बात की और उन्हें लोगों की अपीलों को तुरंत हल करने का आदेश दिया। मंत्री सुरेखा ने पूर्व में प्राप्त आवेदनों, जिनका निराकरण हो चुका है तथा विभिन्न कारणों से लंबित आवेदनों की जानकारी ली। सलाह दी जाती है कि उन विभागों के अधिकारियों से बात करें और आवेदनों को प्राथमिकता के क्रम में तुरंत हल करें। लोगों ने इस बात पर खुशी जताई कि मंत्री सुरेखा ने धैर्यपूर्वक उनकी समस्याएं सुनीं और उनका समाधान किया। मंत्री सुरेखा ने दोहराया कि जनता कांग्रेस पीपुल्स सरकार की पहली प्राथमिकता है और लोगों का कल्याण सर्वोपरि है। मंत्री सुरेखा ने स्पष्ट किया कि वारंगल पूर्व और हैदराबाद में लोगों को प्रतिनिधित्व मिलेगा।

तेलंगाना जल्द ही नई ईवी नीति लेकर आएगा: सीएम

नव नियुक्त सहायक मोटर वाहन निरीक्षकों को नियुक्ति पत्र मिला

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने खुलासा किया है कि राज्य सरकार जल्द ही एक नई ईवी (इलेक्ट्रॉनिक वाहन) नीति लेकर आएगी। सोमवार को खैरताबाद आरटीए कार्यालय में नव नियुक्त सहायक मोटर वाहन निरीक्षकों (एएमवीआई) को नियुक्ति आदेश सौंपने के बाद एक कार्यक्रम में बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हैदराबाद शहर को प्रदूषण से मुक्त रखने के लिए विभिन्न उपाय कर रही है और परिवहन विभाग के अधिकारियों से सरकार के प्रयास के लिए अपना सहयोग बढ़ाने को कहा। इस अवसर पर उन्होंने नवनियुक्त एएमवीआई से अपील की कि अपने-अपने गांवों में विद्यार्थियों और बेरोजगारों से बात करें और उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रेरित करें। "युवाओं में शिक्षा के महत्व के बारे में विश्वास पैदा करें, जो केवल पहचान और सम्मान देता है, और सरकार में विश्वास भी जगाता है," रेवंत रेड्डी ने एएमवीआई को सलाह दी। उन्होंने नवनियुक्त कर्मचारियों से सीमावर्ती क्षेत्रों में ड्रग्स और गांजा की तस्करी को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने को भी कहा, उन्होंने कहा कि यह नौकरी नहीं बल्कि भावना है।

हैदराबाद शहर में निषेधाज्ञा लागू

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद ने 27 अक्टूबर, 2024 की अधिसूचना में संशोधन करते हुए और शहर में 163 बीएनएसएस लगाते हुए सचिवालय के आसपास 500 मीटर की दूरी में पांच या अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने, जुलूस, धरना, रैलियों या सार्वजनिक बैठकों पर रोक लगा दी है और किसी भी व्यक्ति/व्यक्तियों के समूह को कोई भाषण देने, इशारे करने या चित्र, कोई प्रतीक, तख्तियां, झंडे और इलेक्ट्रॉनिक रूप के किसी भी प्रकार के संदेश आदि प्रदर्शित करने पर रोक लगा दी है, जिससे सार्वजनिक शांति और व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न होने की संभावना हो।

हालांकि, शांतिपूर्ण धाम और विरोध प्रदर्शन केवल इंदिरा पार्क धरना चौक पर ही किए जा सकते हैं और हैदराबाद और सिकंदराबाद में कहीं और कोई भी धरना या विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं है।

आम जनता को सूचित किया जाता है कि सचिवालय के आसपास 500 मीटर की दूरी में निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध मुकदमा चलाया जाएगा।

इस आदेश के क्रियान्वयन से ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारी (होमगार्ड और एसपीओ सहित), ड्यूटी पर तैनात सैन्यकर्मी, वास्तविक अंतिम संस्कार जुलूस और अन्य अनुमत जुलूस/धार्मिक गतिविधियां/त्योहार, शिक्षा विभाग का उड़न दस्ता, सक्षम प्राधिकारी को छूट प्राप्त है।

पूर्ववर्ती करीमनगर में कपास की खरीद ठप

करीमनगर, 11 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती करीमनगर जिले में कपास की खरीद सोमवार से ठप हो गई है, क्योंकि जिनिंग मिलें भारतीय कपास निगम (सीसीआई) द्वारा हाल ही में जारी किए गए नए दिशानिर्देशों का विरोध कर रही हैं। अपने नए दिशानिर्देशों के अनुसार, सीसीआई ने मिलों की क्षमता के आधार पर सीरियल नंबर आवंटित करने का निर्णय लिया है - जैसे एल-1, एल-2, एल-3 इत्यादि और सीरियल नंबर के अनुसार कपास की खरीद की जाएगी।

यदि एक के बाद एक खरीद की गई तो जिनिंग मिलों को अंतिम संख्या में आबंटित किया गया था, उनके पास खरीद के लिए कपास नहीं बचेगा, ऐसा मिल मालिकों ने कहा और सीसीआई के निर्णय का विरोध करते हुए खरीद रोक दी। पूर्ववर्ती करीमनगर जिले में स्थित सभी 11 जिनिंग मिलों में खरीद प्रक्रिया सोमवार सुबह ठप रही।

श्रीधर बाबू ने मलेशिया के सांसद से मुलाकात की

क्रॉस-स्टेट सहयोग के नए अवसरों पर चर्चा की

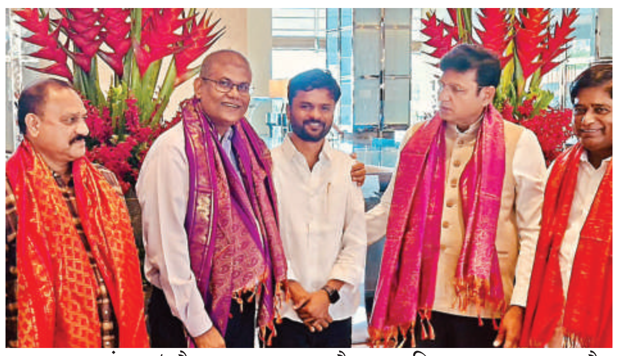

कुआलालंपुर / हैदराबाद 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिल्टन कुआलालंपुर होटल में आयोजित एक ऐतिहासिक द्विपक्षीय बैठक में, तेलंगाना के आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू और मलेशिया के सेलंगोर प्रांत के सांसद और उप राष्ट्रपति गणबतिरौ वीरमन ने क्रॉस-स्टेट सहयोग के नए अवसरों पर चर्चा की। टीकंसल्ट द्वारा संचालित इस बैठक में दोनों क्षेत्रों के नागरिकों के पारस्परिक लाभ के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने, कौशल विकास पहल और इमर्सिव शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए साझा प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला गया। मलेशिया में पर्याप्त प्रभाव वाले तेलुगु मूल के नेता गणबतिरौ वीरमन को श्रीधर बाबू और टीकंसल्ट के अध्यक्ष संदीप मकथला ने हाल ही में सेलंगोर राज्य के उप राष्ट्रपति के रूप में उनकी नियुक्ति के लिए बधाई दी। दोनों नेताओं ने संदीप मकथला के प्रयासों की प्रशंसा की, तथा ऐसे महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय गठबंधनों को बढ़ावा देने में टीकंसल्ट की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया।

विधायक ने दिव्यांगों की रैली में भाग लिया

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक बंडारी लक्ष्मारेड्डी ने विकलगुला समाख्या के तत्वावधान में कपरा नगर कार्यालय से ईसीआईएल तक निकली रैली में भाग लिया और सरकार से दिव्यांगों की मदद की मांग की। इस अवसर पर विधायक बंडारी लक्ष्मरेड्डी ने कहा कि दिव्यांगों को कांग्रेस पार्टी के घोषणा पत्र के अनुसार 6 हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन दी जाए। इस दौरान कपरा टाउन हैंडीकैप्ड एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि हमारी मांग है कि कांग्रेस सरकार दिव्यांगों की समस्याओं के समाधान के लिए काम करे।

आदिवासी गांव ने व्यापक जाति जनगणना का किया बहिष्कार

मुलुगु, 11 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के कन्नाईगुडेम मंडल के आदिवासी गांव ऐलापुर के लोगों ने सरकार द्वारा उन्हें बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने में विफलता के विरोध में चल रहे व्यापक जाति जनगणना कार्यक्रम का बहिष्कार किया है। ग्रामीणों ने व्यापक जाति जनगणना का बहिष्कार किया और मांग की कि उनके गांव को सड़क, बिजली, पेयजल, सिंचाई जल और चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जाएं। उन्होंने कहा कि सरकार ने 2018 में ऐलापुर गांव और एतुरुनगरम के बीच 10 किमी सड़क बिछाने के लिए धन स्वीकृत किया था, लेकिन वन विभाग से अनुमति न मिलने का हवाला देकर काम रोक दिया गया था। उन्होंने कहा कि किसानों ने करीब % साल तक खेतों में बोरहोल खोदे, लेकिन अभी तक बिजली की लाइन नहीं बिछाई गई। ग्रामीणों ने स्पष्ट कर दिया कि जब तक उन्हें सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं करा दी जातीं, तब तक वे व्यापक जाति जनगणना में भाग नहीं लेंगे।

बेसहारा महिला को एचएचएफ स्वयंसेवकों ने बचाया

हैदराबाद, 11 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े प्रसिद्ध स्वैच्छिक संगठन, हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन (एचएचएफ) के स्वयंसेवकों ने सोमवार को श्रीनगर कॉलोनी के कमलापुरी स्थित साईं बाबा मंदिर के पास एक 52 वर्षीय बेसहारा महिला को बचाया है। सिद्दीपेट की रहने वाली नागमणि नाम की महिला को एक साल पहले उसके पति की मौत के बाद संपत्ति विवाद के चलते उसके बेटों ने छोड़ दिया था। एचएचएफ के संस्थापक मुजतबा असकरी ने बताया कि मंदिर के अधिकारियों ने बताया कि उन्हें वह पिछले तीन हफ्तों से अमानवीय परिस्थितियों में पड़ी मिली थी।

मुजतबा असकरी ने बताया कि महिला के बाएं पैर में कीड़े लग गए हैं।

यहां तक कि ईएमआरआई-108 ने भी महिला को नजदीकी अस्पताल ले जाने से मना कर दिया। हमने पहले उसे सहज महसूस कराया, काउंसलिंग करके उसका आत्मविश्वास बढ़ाया और बाद में उसे उस्मानिया जनरल अस्पताल (ओजीएच) ले गए। ओजीएच में एचएचएफ के स्वयंसेवकों ने महिला को प्राप्त किया और उसे साफ करने, नहलाने तथा उसके घावों के आगे के उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराने की व्यवस्था की।

साधुवाद/धन्यवाद

श्री चन्द्राराम जी सुथार
(गोत्र रालड़िया) संस्थापक सदस्य (केदारनाथ मंदिर ट्रस्ट) बनने व 10 गज भूमि दान करने हेतु साधुवाद/धन्यवाद
श्री दक्षिणेश्वर केदारनाथ मंदिर ट्रस्ट एवं नंदीशाला, यल्मपेट, मेडचल (भाग्यनगर) तेलंगाना. सहयोग करने हेतु संपर्क करें : 9849702915
Aaimaa Ads

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, T GEETHA spouse of No.14682568W Hav T RAMA MOHAN presently residing at 1/30-1, C T K Thogatapally, Veeraballe, Cuddapah, Andhra Pradesh-516268 have chaned my name from T GEETHA to GEETHA MADDURI vide affidavit dated: 19-9-2024 before C. Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad

I, Dilip Shinde, H.No.1-2-57 to 61F, 1st Floor 104, Pasham Sathiah, Domalguda, Hyderabad have Changed Name as Dilip Shinde Patil S/o. Sambhaji Rao.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

अल्पसंख्यक छात्रों को दुनिया के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार किया: केटीआर

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने आज कहा कि तेलंगाना में हिंदुओं और मुसलमानों के बीच सद्भाव ने देश के लिए एक मिसाल कायम की है। उन्होंने कहा कि पूर्व सीएम केसीआर के कार्यकाल में राज्य में गंगा जमुना तहजीब का शासन था। उन्होंने कहा, "एक अच्छा माहौल था, जहां हम एक-दूसरे का सम्मान करते थे और सुधार करते थे।" केटीआर ने तेलंगाना भवन में मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि गुरुकुल स्थापित किए गए हैं और अल्पसंख्यक बच्चों की स्थिति बदली गई है। "अल्पसंख्यक छात्रों को दुनिया के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार किया गया है। पिछली सरकार में 2,751 छात्रों को 20-20 लाख रुपये की छात्रवृत्ति दी गई थी। नामपल्ली में अनीस-उल-गुरबा अनाथालय को 200 करोड़ रुपये की दो एकड़ जमीन दी गई है। 37 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक इमारतों का निर्माण किया गया है। अल्पसंख्यकों के कल्याण पर 10,000 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। शादी मुबारक योजना को देश में कहीं और नहीं अपनाया गया है। बीआरएस शासन के दौरान, इमाम और मुअज्जिन को 5,000 रुपये प्रति माह दिए गए थे। महमूद अली को तेलंगाना का पहला उपमुख्यमंत्री बनाया गया है। वारंगल में पहली बार किसी मुस्लिम को डिप्टी मेयर का पद दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार 'मोहब्बत का दुकान' कहकर अल्पसंख्यक गरीबों पर हमला कर रही है। मूसी के किनारे अल्पसंख्यकों के घर ध्वस्त किए जा रहे हैं।

इसने 100 दिनों में छह गारंटी लागू करने का वादा करके लोगों को धोखा दिया है। उन्हें अल्पसंख्यक बजट में 4,000 करोड़ का धोखा दिया गया है और उन्होंने अल्पसंख्यकों के लिए एक अलग उप-योजना लाने के अपने वादे को तोड़ दिया है। पूर्व मंत्री महमूद अली ने कहा कि पूर्व सीएम केसीआर ने मुस्लिम छात्रों को सर्वोत्तम शिक्षा प्रदान की थी। उन्होंने कहा कि लाखों अल्पसंख्यक छात्रों ने अपने भविष्य का मार्ग प्रशस्त किया।

कर्मचारी जेएसी ने जिला कलेक्टर पर हमले की निंदा की

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कर्मचारी जेएसी के अध्यक्ष वी. लच्छी रेड्डी ने आज कहा कि वे विकाराबाद जिले के दुद्याला मंडल के लागाचर्ला गांव में फार्मा कंपनी की भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया के तहत आए सरकारी अधिकारियों पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हैं, जिसमें जिला कलेक्टर और अतिरिक्त कलेक्टर भी शामिल हैं। लच्छी रेड्डी ने मांग की कि अधिकारियों पर हमले के लिए उकसाने वालों और हमला करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि मामला डीजीपी के संज्ञान में लाया जाएगा और हमले के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस तरह के हमलों को रोकने के लिए उचित कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने इस बात पर रोष जताया कि अधिकारियों के वाहन भी नष्ट कर दिए गए। उन्होंने कहा, "यह एक जघन्य कृत्य है। हर कोई इसकी निंदा करना चाहता है।"

VARDHAMAN BANK
VARDHAMAN (MAHILA) CO-OPERATIVE URBAN BANK LIMITED
8-2-351/N/1, Nishant House, 3rd Floor, Road No.3, Banjara Hills, HYDERABAD - 500034

NOTICE

OPENING OF 11TH BRANCH – MARREDPALLY
On 12th November, 2024,
At
3-9-242, Plot No. 81 West Marredpally
Near Police Station, Secunderabad - 500 026. Ph 040 - 29992999

Date : 12-11-2024
Place : Hyderabad

By order of the Board
Chief Executive Officer

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

नं.सी/सी/ई-आक्शन/एससी/2024-25 दि.11/11/2024

PUB/1127

भारत के राष्ट्रपति, भारतीय गणराज्य की ओर से एवं के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा वाणिज्यिक आय तथा एनएफआर संविदाओं हेतु ई-नीलामी आमंत्रित है। तदनुसार, एससी डिवीजन ने निम्न श्रेणियों के लिए ई-नीलामी संसाधित की है, जिसे https://www.ireps.gov.in पर अधिसूचित किया गया है।

क्रम सं.	श्रेणी	ई-नीलामी तिथि
1	पार्सल्स	14.11.2024
2	एमपीएस	14.11.2024, 18.11.2024.
3	पार्किंग	14.11.2024, 15.11.2024, 18.11.2024, 25.11.2024.
4	बीएस(इवी-चार्जिंग एन्ड बैटरी स्वैपिंग)	19.11.2024.
5	कोयला	20.11.2024.
6	खानपान व्यवस्था	21.11.2024.
7	स्कैन(पार्सल स्कैनर्स)	21.11.2024.

उपरोक्त विवरण हेतु पार्टीज--https://www.ireps.gov.in/website देख सकते हैं। तत्संबंधित पूछताछ/स्पष्टीकरणों हेतु कृपया अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर संपर्क करें।

A1438

वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक/सिकंदराबाद

अखिलेश यादव : भाजपाई डिवाइड एंड रूल वाले

महाराष्ट्र चुनाव के बाद नहीं बचेगी सीएम की कुर्सी

मुरादाबाद, 11 नवंबर (एजेंसियां)। कुंदरकी विधानसभा क्षेत्र में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को पार्टी प्रत्याशी मोहम्मद रिजवान के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने भाजपा पर कड़ा हमला बोलते हुए कहा कि बीजेपी सरकार जनता से किए वादों को पूरा करने में विफल रही है। प्रदेश में कानून-व्यवस्था की हालत खराब हो चुकी है। बेरोजगारी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि बीजेपी युवाओं को रोजगार देने में नाकाम रही है और जनता को लगातार धोखा दे रही है। अखिलेश ने कहा कि पीडीए गठबंधन के सामने बीजेपी घबराई हुई है और जनता का ध्यान भटकाने के लिए नकारात्मक राजनीति कर रही है।

उन्होंने दावा किया कि दिल्ली में निर्णय हो चुका है कि महाराष्ट्र चुनाव के बाद यूपी में मुख्यमंत्री की कुर्सी खतरे में पड़ जाएगी। उन्होंने जनता से अपील की कि वह इस बार चुनाव में बीजेपी को सबक सिखाएं, क्योंकि यही सही समय है।

सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने परीक्षा प्रणाली और आरक्षण में गड़बड़ियां की हैं, जिससे दलित, आदिवासी और अन्य पिछड़े वर्गों का भविष्य अंधकार में डूब रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि भाजपा के राज में राशन की व्यवस्था भी ठीक से नहीं हो रही है, और महिलाओं का सम्मान केवल एक दिखावा बनकर रह गया है। अखिलेश ने दावा किया कि समाजवादी पार्टी के शासन में पुलिस का सशक्तिकरण किया गया था, जबकि भाजपा सरकार केवल डंडे के बल पर चुनाव जीतने की कोशिश कर रही है।

'महाराष्ट्र चुनाव के बाद सीएम की कुर्सी नहीं बचेगी'

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सीएम योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा कि उनका गुस्सा किसी और वजह से है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में यह फैसला हो चुका है कि महाराष्ट्र चुनाव के बाद सीएम की कुर्सी खतरे में है। अखिलेश ने बीजेपी पर कुटिलता और विनाशकारी मानसिकता का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके मन की कठोरता ही उनके बयानों में झलक रही है। उन्होंने जनता से चुनाव में डटे रहने और जीत के प्रमाण तक मतदान और निगरानी जारी रखने की अपील की। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा युवाओं को नौकरी और रोजगार देने में नाकाम रही है। अखिलेश ने दावा किया कि चुनाव करवाने में देरी इसलिए की गई क्योंकि बीजेपी जानती है कि जनता का समर्थन उनके साथ नहीं है।

पोस्टर के सहारे भाजपा पर हमलावर सपा कहा-अब अली भी है, बजरंगबली भी हैं

लखनऊ, 11 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी में 20 नवंबर को नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए मतदान होना है। इसे लेकर सपा और भाजपा दोनों एक-दूसरे पर हमलावर हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सपा मुखिया अखिलेश यादव घूम-घूमकर प्रचार कर रहे हैं। इस बीच दोनों दलों के बीच वार-पलटवार भी जारी है। सपा नेता पोस्टर के जरिए संदेश देकर भाजपा पर निशाना साध रहे हैं। सोमवार को सपा कार्यालय के बाहर लगा एक और पोस्टर वायरल हो रहा है। इस पोस्टर पर लिखा हुआ है कि अली भी है, बजरंगबली भी है संग पीडीए के एकता की टोली भी है जिसे देख विरोधियों में मच गई खलबली भी है। यह पोस्टर सपा के प्रवक्ता अभिषेक वाजपेई ने लगाया है। बता दें कि कांग्रेस के मैदान से हट जाने के बाद अब मुकाबला सीधे सपा और भाजपा के बीच है। दोनों दलों के नेताओं की प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई है। हालांकि, कुछ सीटों पर बसपा मुकाबले को त्रिकोणीय बना रही है। इन चुनाव का सरकार की सेहत पर भले ही असर न पड़े पर 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए मतदाताओं का रुझान जरूर तय करेगा। यही कारण है कि सपा व भाजपा ने सीटों की स्थिति के आधार पर प्रभारी व सह प्रभारी तय किए हैं।

जज को हथियारबंद बदमाशों ने घेरा

पुलिस चौकी पर रुककर जान बचाई, गैंगस्टर सुंदर भाटी पर शक, उसे उम्रकैद की सजा सुनाई थी

अलीगढ़, 11 नवंबर (एजेंसियां)। कुख्यात गैंगस्टर सुंदर भाटी को उम्रकैद की सजा सुनाने वाले जज को अलीगढ़ में हाईवे पर बदमाशों ने घेर लिया। असलहों से लैस बोलेरो सवार 5 बदमाशों ने जज की कार रोकने की कोशिश की। फर्रुखाबाद में विशेष न्यायाधीश अनिल कुमार का बदमाशों ने काफी दूर तक पीछा किया। जज अनिल कुमार ने बचकर निकलने की कोशिश की तो बदमाशों ने कई बार असलहा दिखाकर उन्हें धमकी दी। इसी बीच, जज ने अलीगढ़ की सोफा पुलिस चौकी पर रुक कर खुद को बचाया। पुलिस देखकर बदमाश वहां से भाग गए। घटना 29 अक्टूबर की शाम 8 बजे के आसपास की है। जज ने 30 अक्टूबर को खैर थाने में घटना की एप्लीकेशन दी। पुलिस ने जांच के बाद 9 नवंबर को एफआईआर दर्ज की। इसके बाद पूरा मामला सामने आया है। सुंदर भाटी हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद 23 अक्टूबर को सोनभद्र जेल से रिहा हुआ। इसके 6 दिन बाद 29 अक्टूबर को जज का पीछा किए जाने की घटना हुई।

पहले जानिए पूरा मामला

एफआईआर के मुताबिक, जज ने घटना की साजिश में सुंदर भाटी गैंग के शामिल होने का अंदेशा जताया है। वारदात 29 अक्टूबर की शाम 8 बजे की है। वह फर्रुखाबाद से नोएडा स्थित अपने घर जा रहे थे। खैर को पार कर यमुना एक्सप्रेस-वे पर जाने के लिए जट्टारी की ओर गए, इसी बीच सफेद रंग की बोलेरो यूपी 81-7882 सवार बदमाशों ने उनका पीछा शुरू कर दिया। बदमाशों ने अपनी गाड़ी सड़क पर खड़ी कर दी। वह किसी तरह से बचकर निकल गए। इसके बाद कई बार उनकी कार रोकने की कोशिश की। FIR के मुताबिक, कार सवार बदमाश गाली-गलौज कर रहे थे। कार रोकने के लिए असलहे तान रहे थे। सोफा पुलिस चौकी तक बदमाशों ने पीछा किया। उन्होंने अपनी गाड़ी सोफा पुलिस चौकी के सामने रोकी तो पीछा कर रहे बदमाश भाग गए।

जज ने इस मामले में चौकी इंचार्ज सोफा और एसएसपी के पीआरओ को सूचना दी। फोन पर खैर थाना प्रभारी निरीक्षक डीके सिसोदिया को भी सूचना दी। फोन पर खैर थाना प्रभारी निरीक्षक डीके सिसोदिया को भी सूचना दी। 9 नवंबर को पुलिस ने 5 अज्ञात बदमाशों के खिलाफ खैर थाने में मुकदमा दर्ज किया है। जज ने एफआईआर में लिखा कि सुंदर भाटी और उसकी गैंग के सदस्यों पर पहले कभी दोष सिद्ध नहीं हुए थे। जिला कोर्ट गौतमबुद्ध नगर में अपर सत्र न्यायाधीश के पद पर तैनाती के दौरान मैंने पहली बार मैंने 5 अप्रैल 2021 को सपा नेता हरेंद्र नागर और उनके गनर की हत्या के मामले में सुंदर भाटी और उसकी गैंग के 10 अन्य सदस्यों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। हो सकता है कि सजा का बदला लेने के लिए ही हमले की साजिश रची गई हो।

सिपाही की करतूत : 'मेरे सामने कुर्सी पर बैठने की हिम्मत न करना...'

अनुसूचित जाति के शख्स को जमीन पर बैठाया

शाहजहांपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। शाहजहांपुर के पुवायां थाना क्षेत्र के गांव इटौली निवासी अनुसूचित जाति के व्यक्ति दीपू ने पुवायां की बड़ागांव पुलिस चौकी के एक सिपाही पर अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री से शिकायत की है। उनका कहना है कि सिपाही ने उनको अपमानित करते हुए कुर्सी से उतारकर जमीन पर बैठने पर मजबूर किया। दूसरी ओर सिपाही ने इन आरोपों को निराधार बताया। मुख्यमंत्री को संबोधित पत्र में दीपू ने बताया कि वह अनुसूचित जाति का है। उसके खिलाफ किसी ने प्रार्थनापत्र दे दिया था। इस पर वह अपना पक्ष रखने के लिए आठ नवंबर को बड़ागांव पुलिस चौकी पर गए थे। चौकी पर सिपाही सोमकुमार यादव ने उनको कुर्सी से उतार दिया और कहा कि कुर्सी उसके लिए नहीं डाली गई है। सिपाही ने कहा कि उसके सामने कभी कुर्सी पर बैठने की हिम्मत न करना। सिपाही ने उनकी बात भी नहीं सुनी और गालीगलौज कर भाग जाने को कह दिया।

सिपाही पर कार्रवाई की मांग

दीपू के अनुसार अनुसूचित जाति का होने के कारण सिपाही ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया है। इससे वह काफी अपमानित महसूस कर रहे हैं। दीपू ने मुख्यमंत्री से मामले की जांच कराने और सिपाही के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। दीपू का कुर्सी के पास नीचे बैठे हुए और पास में सिपाही का कुर्सी पर बैठे हुए किसी ने फोटो भी खींचा है। वहीं, सिपाही सोमकुमार यादव ने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि दीपू के खिलाफ एक प्रार्थना पत्र आया था। इस संबंध में बुलाया गया था। दीपू नशे में थे और कुछ बता नहीं पा रहे थे। खुद ही नीचे बैठ गए थे।

पत्नी की मौत के एक घंटे बाद पति ने तोड़ा दम

गाजीपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। गाजीपुर में पत्नी की मौत के एक घंटे बाद पति ने भी दम तोड़ दिया। पत्नी की मौत की खबर सुनकर जमीन पर गिरे और मौत हो गई। गांव के सामने गंगा घाट पर पति-पत्नी का एक ही चिता पर अंतिम संस्कार किया गया।

पूरे क्षेत्र में मौत की चर्चा है। मामला रामपुर उर्फ साधोपुर गांव का है। लेखपाल पद से रिटायर कामेश्वर उपाध्याय (87) और उनकी पत्नी चंम्पा उपाध्याय (85) पिछले कई दिनों से बीमार चल रहे थे, वाराणसी में उनका इलाज चल रहा था। कुछ आराम होने पर परिजन कामेश्वर उपाध्याय को घर ले आए थे। पत्नी की उपचार के दौरान शनिवार देर रात वाराणसी के एक हॉस्पिटल में मौत हो गई। रविवार को घर पर सूचना मिलने के एक घंटे बाद कामेश्वर उपाध्याय ने भी दम तोड़ दिया।

आयोग के बाहर प्रदर्शन कर रहे प्रतियोगी छात्रों पर लाठीचार्ज

भारी पैमाने पर पुलिस फोर्स तैनात

प्रयागराज, 11 नवंबर (एजेंसियां)। छात्रों की मांग- पीसीएस और आरओ-एआरओ परीक्षा एक ही दिन में संपन्न कराई जाए, नार्मलाइजेशन (मानकीकरण) की प्रक्रिया निरस्त की जाए।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की ओर से प्रस्तावित पीसीएस प्रारंभिक और आरओ-एआरओ प्रारंभिक परीक्षा दो दिन कराने के विरोध में प्रतियोगी छात्रों ने आंदोलन शुरू कर दिया है। आंदोलन की तैयारी के मद्देनजर जिला प्रशासन और आयोग प्रशासन में खलबली मच गई है। इसको देखते हुए सोमवार को सुबह से ही भारी फोर्स तैनात कर दी गई है। आयोग की ओर जाने वाले सभी रास्तों पर बैरिकेडिंग की गई है और पूरा इलाका पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है।

आयोग की तरफ बढ़ रहे प्रतियोगी छात्रों को पुलिस ने खदेड़ दिया। इससे छात्रों की भीड़ में भगदड़ मच गई। पूरे जिले की फोर्स को मौके पर बुला ली गई है। इस दौरान छात्रों और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक हुई। इसके बाद पुलिस ने छात्रों के ऊपर बल प्रयोग करना पड़ा। छात्रों में भगदड़ मच गई। बड़ी संख्या में प्रतियोगी छात्राएं भी आंदोलन में पहुंची थीं। लाठीचार्ज के बाद छात्र तितर बितर हो गए। मौके पर पीएसी और पुलिस के साथ ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां बुला ली गई हैं।

यह है छात्रों की मांग

प्रतियोगी छात्र एक ही मांग पर अड़े हैं कि पीसीएस और आरओ/एआरओ प्रारंभिक परीक्षा एक ही दिन में कराई जाए। एक्स पर 'हैशटैग यूपीपीएससी आरओ/एआरओ वनशिफ्ट' नाम से चलाए गए अभियान को 2.40 लाख अभ्यर्थियों ने अपना समर्थन दिया। हालांकि, इतने व्यापक विरोधा के बावजूद आयोग ने शाम को दोनों ही परीक्षाएं दो दिन कराए जाने का निर्णय ले लिया। इसके बाद छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा है।

44 जिलों में प्रस्तावित है परीक्षा

पीसीएस और आरओ-एआरओ प्रारंभिक परीक्षा दो दिन कराने के यूपीपीएससी के फैसले के खिलाफ छात्र आंदोलन शुरू कर दिए हैं। वहीं आयोग दो दिन परीक्षा कराने पर अड़ गया है। परीक्षा प्रदेश के 44 जिलों में कराई जानी है। इसके लिए आयोग ने सभी जिलाधिकारियों की बैठक 21 नवंबर को बुलाई है, इसमें आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे। पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा व आरओ/एआरओ प्रारंभिक परीक्षा एक दिन में कराने और नॉर्मलाइजेशन (मानकीकरण) की प्रक्रिया निरस्त किए जाने की मांग को लेकर प्रतियोगी छात्र आंदोलन कर रहे हैं। उनके ऊपर लाठीचार्ज भी किया गया। बावजूद इसके छात्र डंटे हुए हैं। प्रतियोगी छात्रों के धरने में यूपी समेत दिल्ली, एमपी, बिहार, उत्तराखंड व अन्य राज्यों से अभ्यर्थी शामिल हुए हैं।

एनआईए की छापामारी में छह घंटे की पूछताछ से हड़कंप

जम्मू-कश्मीर में हुए लेन-देन से जुड़ रहे तार

सीवान, 11 नवंबर (एजेंसियां)। सीवान जिले के सराय ओपी थानाक्षेत्र में स्थित पुराना किला पोखरा इलाके में सोमवार सुबह राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम ने अचानक छापामारी की।

एनआईए की टीम सुबह लगभग 5:30 बजे याकूब अली के घर पहुंची, जिससे पूरे मोहल्ले में हलचल मच गई। लगभग छह घंटे की गहन पूछताछ और जांच के बाद एनआईए की टीम वहां से निकल गई। हालांकि उन्होंने किसी भी जानकारी को सार्वजनिक करने से इनकार कर दिया।

जम्मू-कश्मीर से फल व्यापार में लेन-देन बना जांच का कारण?

स्थानीय लोगों के अनुसार, याकूब अली का परिवार फल और सब्जी के व्यापार से जुड़ा है। उनके बेटे अख्तर अली का कारोबार जम्मू-कश्मीर तक फैला हुआ है। उनके खाते में जम्मू-कश्मीर से पैसे का लेन-देन हुआ है। इस मामले में एनआईए की टीम पहले भी उनके बैंक खातों को फ्रीज कर चुकी है। ऐसा माना जा रहा है कि इसी संदिग्ध लेन-देन के चलते एनआईए ने शनिवार को उनके घर पर छापामारी की। याकूब अली के बेटे आमिर अली और सोहेल मियां से भी टीम ने कड़ी पूछताछ की।

एनआईए की टीम ने नहीं दी छापामारी की जानकारी

जानकारी के मुताबिक, एनआईए की टीम में पांच सदस्य थे, जिन्होंने स्थानीय पुलिस को सूचना देकर छापामारी की कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस बल भी मौके पर मौजूद था। छापामारी की समाप्ति के बाद एनआईए टीम ने किसी भी प्रकार की जानकारी साझा करने से मना कर दिया, जिससे पूरे मामले पर रहस्य का पर्दा पड़ा हुआ है। सराय ओपी के थाना प्रभारी ने पुष्टि की कि एनआईए की टीम ने छापामारी के लिए उन्हें सूचित किया था। लेकिन किस मामले में यह कार्रवाई हुई है, इसकी जानकारी नहीं दी गई है। पुलिस फिलहाल एनआईए की जांच के आधार पर ही आगे की कार्रवाई का इंतजार कर रही है।

महाकुंभ में मुसलमानों की एंट्री पर विवाद

स्वामी नरेंद्रानंद बोले-मक्का में हिंदू नहीं जा सकते तो कुंभ उनको क्यों आने दें

वाराणसी/प्रयागराज, 11 नवंबर (एजेंसियां)। प्रयागराज महाकुंभ में मुसलमानों की एंट्री पर पाबंदी का मामला गरमा गया है। साधु-संतों, बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री और अन्य हिंदू संगठनों ने इस कुंभ मेले में मुस्लिमों की एंट्री पर रोक का समर्थन किया है। रविवार को काशी में संतों की बैठक हुई। इसमें सुमेरु पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती ने कहा- कुंभ शुद्ध सनातनियों का मेला है। जो सनातन धर्म नहीं मानता, उन लोगों को कुंभ में प्रवेश नहीं देना चाहिए। अगर मक्का और मस्जिदों में हिंदुओं का प्रवेश नहीं है, तो फिर सनातनियों के कुंभ में इन लोगों का प्रवेश नहीं होना चाहिए। इस बीच, मुस्लिम संगठन और नेताओं ने इसका विरोध किया है। एंट्री पर विवाद क्यों छिड़ाः 4 नवंबर को प्रयागराज में भारतीय अखाड़ा परिषद की बैठक हुई। इसमें प्रस्ताव पास हुआ कि महाकुंभ मेले में सिर्फ सनातनियों को ही प्रवेश दिया जाए। कोई भी मुखौटा लगाकर गलत तरीके से कुंभ मेले में प्रवेश कर सनातन संस्कृति और परंपरा को दूषित कर सकता है। इस खतरे से निपटने के लिए समय रहते मेला प्रशासन और सरकार को चौकन्ना रहना होगा।

बर्क बोले-सरकार खामोश होकर तमाशा देख रही

संभल से सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने 5 नवंबर को कहा- कुंभ में अखाड़ा परिषद की ओर से मुस्लिम दुकानदारों को दुकान लगाने की जगह न देने का ऐलान किया गया है। सरकार ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे। महाकुंभ में अगर मुस्लिमों को जगह नहीं दी जाती है, तो मुस्लिम जगहों पर मुसलमान भी हिंदुओं को जगह नहीं देंगे। उन्होंने कहा- इस तरह का आदेश देने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। अफसोस, भारत के अंदर अभी भी ऐसी मानसिकता वाले लोग हैं। वे संविधान का उल्लंघन कर रहे हैं। सरकार खामोश होकर तमाशा देख रही है। इससे साबित होता है कि सरकार इस तरह की चीजों को बढ़ावा देना चाहती है।

मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन बोले- ऐसे फैसले नफरत फैलाते हैं

4 नवंबर को बरेली में ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने भी इस पर बयान दिया। कहा- कुंभ मेला शुरू होने जा रहा है, जो अमन और शांति के साथ संपन्न होना चाहिए। अफसोस की बात यह है कि अखाड़ा परिषद ने ये घोषणा की है कि मेले में किसी भी मुसलमान की दुकान नहीं लगने दी जाएगी।

राजद प्रत्याशी के लिए वोट मांगने पहुंचे लालू

कहा-जदयू-भाजपा को सात समुंदर पार फेंकना है

गया, 11 नवंबर (एजेंसियां)। लंबे अरसे के बाद राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव चुनावी मैदान में अपने प्रत्याशी के लिए वोट मांगते दिखे। नौ साल बाद लालू प्रसाद भी बेलागंज विधानसभा क्षेत्र पहुंचे और राजद प्रत्याशी विश्वनाथ यादव के लिए लोगों से जीताने की अपील करने लगे। सोमवार को बेलागंज के पटाव मैदान में लालू प्रसाद यादव ने चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बेलागंज में यादव और मुसलमानों ने फिरका परस्त ताकतों को उखाड़ कर फेंका है।

इन लोगों को सात समुंदर पार फेंकना है

सीएम नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए लालू प्रसाद ने कहा कि हमलोगों की ताकत को कोई भी माई का लाल नहीं तोड़ सकता है। हमने बहुत लोगों को देखा है। बहुत लोगों को पीएम और सीएम बनते देखा है। लालटेन पर बटन दबाकर भाजपा को उखाड़ फेंकना है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार को भी देखा है। हमने अपनी बीमारी का परवाह नहीं किया। आज आप लोगों से मिलने चले आएं। अब समय आ गया है बिहार से जदयू और भाजपा को उखाड़ फेंकना है। इन लोगों को सात समुंदर पार फेंकना है। सभी लोग एकजुट रहिए और नौजवान उम्मीदवार को जिताइए, ताकि हमलोगों की ताकत बनी रहे।

वायुसेना स्टेशन आगरा में सी-295 फुल मोशन सिम्युलेटर का उद्घाटन

बढ़ जाएगी इंडियन एयरफोर्स की ताकत

आगरा, 11 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य वायु कमान के एओसी-इन-सी एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने 11 नवंबर, 2024 को वायु सेना स्टेशन आगरा में भारतीय वायु सेना सी-295 फुल मोशन सिम्युलेटर (एफएमएस) सुविधा का उद्घाटन किया। सिम्युलेटर टैक्टिकल शिफ्ट, पैराड्रॉपिंग, पैराट्रूपिंग, चिकित्सा निकासी और आपदा राहत आदि जैसे विभिन्न मिशनों का अनुकरण करके पायलटों को लगभग यथार्थवादी वातावरण में प्रशिक्षित करने में सक्षम बनाता है। यह सुविधा सी-295 बेड़े की परिचालन क्षमता में काफी वृद्धि करेगी। अत्याधुनिक सैन्य विमान सिम्युलेटर उच्च खतरे की स्थितियों का अनुकरण करने में सक्षम बनाता है, जिनका वास्तविक संचालन में सामना किया जा सकता है। इस प्रकार पायलट युद्ध के लिए तैयार होने में सक्षम होते हैं। यह पायलटों को महत्वपूर्ण निर्णयों की आवश्यकता वाले उच्च जोखिम वाली आपात स्थितियों से निपटने में अपने कौशल को सुधारने की भी अनुमति देगा, जिससे सैन्य अभियानों की समग्र उड़ान सुरक्षा में वृद्धि होगी। पायलट के प्रशिक्षण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा सिम्युलेटर में किया जा सकता है, जिससे विमान पर उड़ान के घंटे बचाए जा सकते हैं। सी-295 विमान भारत में परिवहन विमान के निजी क्षेत्र के उत्पादन में आत्मनिर्भर भारत के लिए एक मील का पत्थर है। इस विमान के भारतीय वायुसेना में शामिल होने और इसके बाद के उत्पादन से देश की एयरोस्पेस प्रणाली को बढ़ावा मिलेगा।

बर्थ-डे पार्टी के बाद बाइक रेस, 2 की मौत

जमुई, 11 नवंबर (एजेंसियां)। जमुई में रेस लगा रहे तीन दोस्तों की बाइक आपस में टकरा गई। हादसे में दो की मौके पर ही मौत हो गई। 3 घायल हैं, जिनकी स्थिति गंभीर है। मृतकों में खैरा थाना के नवडीहा गांव निवासी प्रद्युमन सिंह उर्फ पप्पू सिंह का बेटा गौरव कुमार सिंह उर्फ गोलू (27) और अजय कुमार सिंह उर्फ गंगा सिंह का बेटा कुमार उज्जवल सिंह उर्फ रौनक (26) शामिल है। वहीं, घायलों में कैंडीह गांव निवासी त्रिपुरारी महाराज का बेटा शिव कुमार, खैरा बाजार निवासी सुभाष पांडेय का बेटा सूर्य पांडेय और भड़रा गांव निवासी मुन्ना पांडेय का बेटा अंशु पांडेय (22) हैं। रविवार को मृतक उज्जवल का बर्थ-डे था।

सनातन बोर्ड के गठन की मांग के लिए दिल्ली में होगी धर्म संसद, धर्माचार्यों को पुजारी बनाने की मांग की

लखनऊ, 11 नवंबर (एजेंसियां)। सनातन न्यास फाउंडेशन के अध्यक्ष व प्रसिद्ध कथावाचक देवकी नंदन ठाकुर सोमवार को शहर में थे। हजरतगंज स्थित प्रेस क्लब में उन्होंने एक प्रेस वार्ता कर एलान किया कि सनातन न्यास फाउंडेशन 16 नवंबर को दिल्ली के शाहदरा में धर्म संसद का आयोजन करने जा रहा है जिसमें सरकार से सनातन धर्म की रक्षा के लिए सनातन बोर्ड के गठन की मांग की जाएगी। देवकी नंदन ठाकुर ने पूर्व की सरकारों पर सवाल उठाया कि 75 साल से सिर्फ एक समुदाय के लोगों के हितों की पूर्ति की गई जो अब हमारे मंदिरों पर अपना दावा ठोक रहे हैं। संसद पर दावा ठोंक रहे हैं। कल देश पर दावा ठोक देंगे इसीलिए सरकार सनातन बोर्ड का गठन करे। कृष्ण मंदिर बनवाए, पुजारियों व मंदिर में भगवान की सेवा में लगे सभी कर्मियों को 15-15 हजार वेतन दे। सभी मंदिरों में धर्माचार्य की ही पुजारी के रूप में नियुक्ति हो। तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में मिलावट करने वालों पर कार्रवाई हो। यूपी में इस एलान के सवाल पर उन्होंने कहा कि यूपी में योगी जी की सरकार है।

'होटल के कमरे में जाने का मतलब शारीरिक संबंध बनाने की सहमति नहीं'

बॉम्बे हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

पणजी, 11 नवंबर (एजेंसियां)। बॉम्बे उच्च न्यायालय ने एक बड़ा और अहम फैसला सुनाया है। दरअसल बॉम्बे हाईकोर्ट की गोवा पीठ ने अपने एक फैसले में कहा कि अगर कोई महिला अपनी मर्जी से किसी पुरुष के साथ होटल के कमरे में जाती है तो इसका मतलब ये नहीं है कि महिला ने उस पुरुष को शारीरिक संबंध बनाने की सहमति दे दी है।

बॉम्बे उच्च न्यायालय की गोवा पीठ का अहम फैसला

जस्टिस भरत पी देशपांडे ने अपने फैसले में कहा कि 'इसमें कोई शक नहीं है कि ऐसे सबूत हैं जिनसे पता चलता है कि आरोपी और शिकायतकर्ता महिला ने मिलकर होटल के कमरे की बुकिंग की थी। हालांकि इसका मतलब ये नहीं है कि पीड़िता ने शारीरिक संबंध बनाने की भी सहमति दे दी थी। अगर ये मान भी लें कि पीड़िता, आरोपी के साथ होटल के कमरे में गई, लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि ये मान लिया जाए कि महिला ने शारीरिक संबंध बनाने की सहमति दे दी है।' इस फैसले के साथ ही अदालत ने निचली अदालत के उस फैसले को भी पलट दिया, जिसमें निचली अदालत ने आरोपी के खिलाफ दर्ज मुकदमे को बंद करने का आदेश दिया था।

क्या है पूरा मामला

यह मामला मार्च 2020 का है। आरोपी गुलशहर अहमद ने कथित तौर पर पीड़ित महिला को विदेश में नौकरी दिलाने का वादा किया था। आरोपी ने कथित तौर पर महिला को रोजगार के सिलसिले में एक एजेंसी के साथ बैठक कराने के लिए होटल बुलाया। आरोपी और पीड़िता दोनों ने साथ मिलकर होटल का कमरा बुक किया। आरोप है कि जैसे ही दोनों होटल के कमरे में पहुंचे तो आरोपी ने धमकाकर पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया।

एफआईआर के अनुसार, आरोपी जैसे ही वॉशरूम गया तो पीड़िता वहां से बचकर भाग आई और आरोपी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 376 और 506 के तहत मामला दर्ज किया। निचली अदालत ने अपने आदेश में यह कहकर आरोपी के खिलाफ मामला बंद करने का आदेश दिया कि पीड़िता अपनी मर्जी से आरोपी के साथ होटल के रूम में गई थी। निचली अदालत ने माना कि चूंकि महिला अपनी मर्जी से आरोपी के साथ होटल के कमरे में गई तो इसका मतलब ये है कि उसने शारीरिक संबंध बनाने की सहमति दी थी।

भाई-बहन पर ततैयों ने किया अचानक हमला, चार साल के मासूम की मौत

उत्तरकाशी, 11 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तरकाशी जिले के मोंडिया गांव में स्कूल से घर लौट रहे भाई -बहन पर ततैयों ने हमला कर दिया। इसमें चार साल के भाई की मौत हो गई। जबकि उसकी बड़ी बहन की हालत गंभीर है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इससे एक दिन पहले ततैयों के हमले में टिहरी के जौनपुर ब्लॉक के रियाट गांव में एक 67 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई थी। जानकारी के मुताबिक मोंडिया गांव में रहने वाले राजकुमार की बेटी रिया (12) पास के ही प्राथमिक विद्यालय मोंडिया में पढ़ती है। शनिवा को राजकुमार अपने बेटे रिहान (4) को बेटी के पास स्कूल छोड़कर गए थे। बताया जा रहा है कि जब दोनों स्कूल से घर लौट रहे थे तो ततैयों के झुंड ने हमला कर दिया। इस दौरान जहां पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोगों ने इसकी सूचना परिजनों को दी।

दिल्ली का 'कचरे से बिजली' प्रोजेक्ट स्वास्थ्य के लिए हानिकारक

धुआं और कैमिकल से 10 लाख लोगों का दम घुट रहा; अस्थमा-कैंसर के पेशेंट बढ़े

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में कचरे के पहाड़ों से निपटने के लिए शुरू हुई 'ग्रीन' क्रांति योजना राजधानी के 10 लाख लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बनती जा रही है। बता दें कि सरकार ने बढ़ते कचरे के पहाड़ों को खत्म करने के लिए आधुनिक योजना लाई थी। इसके तहत कचरे को जलाकर बिजली उत्पादन का प्लान था। तिमारपुर-ओखला वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट को इस समस्या के समाधान के रूप में प्रस्तुत किया गया। लेकिन यह योजना कई घातक परिणाम लेकर आई है। इस प्लांट से निकलने वाली राख और धुएं में आर्सेनिक, लेड, कैडमियम और अन्य खतरनाक कैमिकल निकल रहे हैं। जो लोगों के लिए घातक साबित हो रहे हैं। प्लांट के पास बसे लोग हर दिन जहरीले कणों की चपेट में आ रहे हैं। आसपास की बस्तियों में लोग सांस की तकलीफ, अस्थमा, कैंसर और त्वचा संबंधी बीमारियों से पीड़ित हो रहे हैं।

कचरे की राख के ढेर पर बना दिए पार्क: इससे बच्चों में सांस संबंधी बीमारी हो रही

दिल्ली में प्लांट से निकले कचरे की राख को खुले में बस्तियों के पास फेंका जा रहा है। इन राख के ढेरों पर बच्चों के खेलने के लिए पार्क बना दिए गए हैं। डॉक्टर्स का कहना है कि खुले में राख फेंके जाने से बच्चों में सांस संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं। राख में पाई जाने वाली धातुएं बच्चों के विकास पर नकारात्मक असर डाल रही हैं। दिल्ली का प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और अन्य संस्थाएं इस प्लांट पर कड़ी नजर रखने में विफल साबित हुई हैं। तिमारपुर-ओखला वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट के आसपास रहने वालों में अस्थमा, कैंसर और त्वचा रोग के मामलों में खतरनाक बढ़त हुई है।

बच्चों से लेकर बूढ़ों तक, हर आयु के लोग बीमारियों की चपेट में हैं। डॉ. शैलेंद्र भदौरिया, जो इस प्लांट के पास ही रहते हैं, बताते हैं कि उनके परिवार के कई सदस्य अब गंभीर अस्थमा के शिकार हो गए हैं। सरकारी रिपोर्ट्स भी यह मानती हैं कि प्लांट द्वारा छोड़े गए रसायन स्वास्थ्य के लिए घातक हैं।

4 धाम में बारिश-लैंडस्लाइड से 10 लाख श्रद्धालु कम पहुंचे

केदारनाथ सड़क भी 1 महीने बंद रही, अब तक 46 लाख लोगों ने दर्शन किए

देहरादून, 11 नवंबर (एजेंसियां)। सर्दियों के लिए, उत्तराखंड के चारधामों में कपाट बंद होने लगे हैं। केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री की यात्रा पूरी हो चुकी है। 17 नवंबर को बद्रीनाथ धाम के कपाट बंद होने के साथ ही यात्रा का समय पूरा हो जाएगा। अब तक 46.74 लाख यात्री चारधाम के दर्शन कर चुके हैं। चारधाम के दर्शन करने वाले यात्रियों की संख्या में इस साल 10 लाख से ज्यादा की गिरावट देखी गई। इसकी वजह बारिश के कारण लैंडस्लाइड जैसी आपदाओं के दिन बढ़ना है। इस बार चारधाम यात्रा मार्ग पर बारिश 20 दिन ज्यादा रही। इस कारण सामान्य से 12% अधिक बारिश दर्ज की गई। सामान्य तौर पर 1121 एमएम बारिश दर्ज होती है पर इस बार 1230 एमएम बारिश हुई। 2023 में यात्रियों की संख्या 56 लाख से अधिक थी। ये यात्रा के इतिहास में सबसे अधिकयात्रियों की संख्या होने का रिकॉर्ड है।

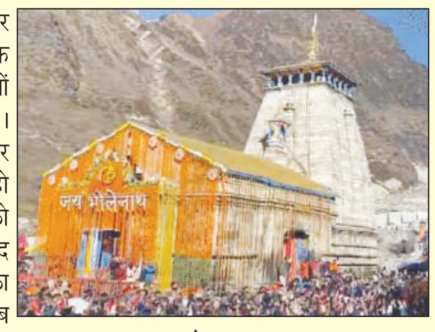

केदारनाथ की सड़क एक महीना बंद रही

मई से लेकर जुलाई मध्य तक करीब 31 लाख श्रद्धालु चारधाम यात्रा कर चुके थे। इसके बाद मॉनसून की जोरदार बारिश के कारण प्राकृतिक आपदाओं का कहर टूट पड़ा। 31 जुलाई की रात केदारनाथ पैदलमार्ग में बादल फटने के बाद सोन प्रयागके पास करीब 150 मीटर हाईवे बंद हो गया। हाइवे दोबारा तैयार होने में एक महीने से अधिक समय लगा। चार धामों में सबसे अधिक श्रद्धालु केदारनाथ पहुंच रहे हैं। इस साल 16.52 लाख श्रद्धालुओं ने केदारनाथ के दर्शन किए। वहीं,12.98 लाख बद्रीनाथ, 8.15 लाख गंगोत्री और 7.14 लाख श्रद्धालुओं ने यमुनोत्री धाम के दर्शन किए।

राहुल गांधी से बालासाहेब की तारीफ कराने की चुनौती पर बोले राउत

मुंबई, 11 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अब करीब एक हफ्ते का समय रह गया है। इस बीच सत्तासीन महायुति और विपक्षी महा विकास अघाड़ी के बीच जुबानी जंग भी तेज हो गई है। भाजपा की तरफ से हाल ही में उद्धव ठाकरे और उनकी पार्टी शिवसेना-यूबीटी को राहुल गांधी से जुड़ी एक चुनौती के मुद्दा फिलहाल राज्य की राजनीति के केंद्र में है। इसे लेकर शिवसेना-यूबीटी के नेता संजय राउत ने सोमवार को जवाब भी दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को महाराष्ट्र में भाजपा के घोषणापत्र के लॉन्च के दौरान कहा कि शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे उस कांग्रेस का साथ दे रहे हैं, जिसके नेताओं ने बालासाहेब ठाकरे और हिंदुत्व की विचारधारा वाले विचारक वीर सावरकर का अपमान किया है।

सिद्धू बोले–सीएम का सपना देखने वाले खत्म हुए

जेल जाना बेहतर टाइम था, मैं राहुल-प्रियंका को समर्पित; कपिल शर्मा के कॉमेडी शो में दिखेंगे

चंडीगढ़, 11 नवंबर (एजेंसियां)। राजनीति से दूरी बनाकर चल रहे पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिद्धू ने कहा कि पंजाब में कई लोग मुख्यमंत्री बनने का सपना देखते थे, लेकिन वे लोग खत्म हो गए। आज मैं जहां कहीं भी जाता हूं तो सिद्धू साहब...सिद्धू साहब होती है। सिद्धू एक निजी चैनल से बात कर रहे थे।

सिद्धू ने आगे कहा कि जेल में जाना मेरा बेहतर समय था। राजनीतिक कारणों के चलते मैं जेल में गया था। गांधी जी, भगत सिंह और पंडित जवाहर लाल नेहरू जेल गए। वह हमारे हीरो हैं। 323 धारा में किसी को 2 दिन कैद नहीं होती। इस धारा में हवलदार मौके पर जमानत दे देता है। मुझे भी तब हजार रुपए लेकर छोड़ दिया। इसके बाद में दोबारा केस खुलवाया गया। वहां मुझ पर बोझ डाला। सिद्धू ने कहा कि आज भी मैं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को समर्पित हूं। जो जुबान उनको दी थी, उस पर आज भी कायम हूं। पिछले दिनों उनकी पत्नी डॉ. नवजोत कौर सिद्धू बेटी राबिया के साथ अमृतसर के बीजेपी नेता तरणजीत सिंह संधू से मिलीं थीं। जिसके बाद उनके भाजपा में वापसी की चर्चाएं थीं। नवजोत सिंह सिद्धू जल्द कॉमेडियन कपिल शर्मा के द ग्रेट इंडियन कपिल शो में नजर आएंगे। नवजोत सिंह सिद्धू ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। जिस पर उन्होंने लिखा- द होम रन। इतना ही नहीं उन्होंने जो वीडियो शेयर किया है उस पर लिखा- सिद्धू जी इज बैक।

पत्नी को कैंसर का पता चला तो आंसू आए

सिद्धू ने कहा कि जेल में बैरक थी। वहां ठंड लगनी शुरू हो जाती थी। यहां मैं 16 घंटे मेडिटेशन करता था। इस बीच मुझे पता चला कि पत्नी को कैंसर हो गया। तब मेरी आंखों में आंसू आ गए। 2 महीने जेल में और रहता तो कुछ और ही हो जाता। इसके बाद मैंने पत्नी की डाइट को लेकर पता किया। भगवान की कृपा से अब वह ठीक है। जिसमें भी काम करने की इच्छा शक्ति है, वह वे चीजें तलाश ही लेगा। हमेशा बड़ा सोचना चाहिए, हमेशा सही होता है।

जीतने वालों ने पंजाब के लिए कुछ नहीं किया

सिद्धू ने दावा किया कि भाजपा वाले बादल परिवार से नाता नहीं तोड़ना चाहते थे। मेरे कई मुद्दों पर भाजपा से मतभेद थे। इसलिए, मैंने पंजाब को चुना। अरूण जेटली साहब मेरे बड़े भाई थे। जब जेटली साहब पंजाब आए तो उन्होंने मुझे कुरुक्षेत्र से चुनाव लड़ने की सलाह दी। साथ ही कहा था कि तुम 2 लाख मतों से चुनाव जीतोगे। मैंने उन्हें समझाने की कोशिश की, इनके (बादलों के खिलाफ) खिलाफ लोगों में बहुत गुस्सा है। मैंने अमृतसर को अपनी कड़ी मेहनत से खड़ा किया। मेरी बात नहीं सुनी गई। मेरी मां ने मुझे एक बात बोली थी कि जो ईमान अपनी कही बात पर खड़ा नहीं रहता, वह खत्म हो जाता है। मैं आज भी अपनी बात पर कायम हूं। पंजाब के लिए मैं अपनी सरकार से लड़ गया।

बालाजी राजस्थानी भवन मे अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अमीरपेट स्थित बालाजी राजस्थानी भवन में राजपुरोहित युवा वाहिनी के सानिध्य में अन्नकूट महाप्रसादी कार्यक्रम रविवार 10 नवम्बर सायं 7:15 बजे श्री खेतारामजी महाराज की तस्वीर पर माल्यार्पण, पुजा-अर्चनाकर महाआरती के पश्चात भोग लगाकर भक्तों के लिए अन्नकूट प्रसाद वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रेस विज्ञप्ति में राजपुरोहित युवा वाहिनी के नवीनसिंह राजपुरोहित ने बताया कि हर वर्ष की भांति तेलंगाना में बसे समाज बन्धुओं व सभी भक्तों के लिए अन्नकूट प्रसादी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन मे राजपुरोहित युवा वाहिनी के अश्विन सिंह, नवीन सिंह, दिलीप सिंह, मांगु सिंह, दीपक सिंह, कृष्णा सिंह, चेतन सिंह, अनिल सिंह, प्रीतम सिंह, किशन सिंह, गौरव सिंह, राजु सिंह, अंकित सिंह राजपुरोहित ने प्रमुख रुप से सहयोग दिया। पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों ने अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम के सफल आयोजन पर राजपुरोहित युवा वाहिनी के सभी कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएँ दी।

विश्व मंगल गौशाला में महा दीपोत्सव कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेड्चल सोमारम विलेज स्थित विश्व मंगल गौशाला में कार्तिक मास के पावन अवसर पर रविवार 10 नवम्बर सायं 4 बजे से रात्रि 10 बजे तक गौभक्तों व दीपोत्सव के लाभार्थीयों के सानिध्य में महा दीपोत्सव व दिपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। परबत सोलंकी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में महासचिव शांतिलाल सुथार ने बताया कि हर वर्ष की भांति दिपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम ठाकुरजी के मंदिर में पुजा-अर्चना व दीप प्रज्वलितकर किया गया। दीपोत्सव कार्यक्रम में रंगारंग डांडिया कार्यक्रम कर पधारे भक्तों व महिलाओ ने रंगोली से अखंड भारत का नक्शा बनाकर 21000 दीप जलाकर, दीपोत्सव महोत्सव मनाया। स्वागत कार्यक्रम में पधारे अध्यक्ष टी.वी.सुरेश, सियारामजी महाराज, लव फॉर फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत भाई पटेल, ओमप्रकाश झंवर, लुम्बाराम सीरवी, रिद्दीश जागीरदार, बाबा रामदेव मित्र मंडल अलवाल अध्यक्ष महेन्द्रसिंह आगलेचा, नारायणलाल सिन्दड़ा, सॉवलराम, सुरेश देवासी, भोजन-प्रसादी के लाभार्थी दिनेश सुथार ओल्ड बोइनपल्ली व हरी घास के लाभार्थी, दान-दाताओं व दीपोत्सव के लाभार्थीयों का विशेष सम्मान किया गया। पधारे भक्तों के लिए अन्नकूट भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। आरती के पश्चात कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

उपचुनाव के प्रचार में बहन प्रियंका के साथ जुटे राहुल

वायनाड को वैश्विक पर्यटन केंद्र बनाने का वादा

वायनाड, 11 नवंबर (एजेंसियां)। केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर उपचुनाव है और आज प्रचार का आखिरी दिन है। ऐसे में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ प्रचार अभियान में भाग लिया। उन्होंने इस दौरान वादा किया कि वह वायनाड को दुनिया के प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में पहचान दिलाएंगे। बता दें, कांग्रेस महासचिव वाड्रा उपचुनाव में यूडीएफ की उम्मीदवार हैं। राहुल ने अपनी बहन के साथ सुल्तान बाथरी में अजम्पशन जंक्शन से चुनगम जंक्शन तक रोड शो किया।

उसके बाद सभा को संबोधित करते हुए कहा, 'चुनौती के तौर पर मैं वायनाड को दुनिया का सबसे अच्छा पर्यटन स्थल बनाने में उनकी (प्रियंका गांधी) मदद करूंगा।'

'मुझे वायनाड ने राजनीति में प्यार का शब्द सिखाया'

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि वायनाड के लोगों ने उन्हें सिखाया कि राजनीति में प्रेम शब्द का बड़ा स्थान है। उन्होंने कहा, 'मैंने उस शब्द का इस्तेमाल नहीं किया, लेकिन वायनाड के लोगों ने मुझे सिखाया कि इस शब्द की राजनीति में गहरी जगह है।' गौरतलब है, जब राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने रैली निकाली तो सुल्तान बाथरी में अजम्पशन जंक्शन से चुंगम जंक्शन तक सड़क के दोनों ओर भारी भीड़ जमा हो गई। बता दें, रायबरेली की सीट पर चुनाव जीतने के बाद राहुल ने वायनाड की सीट छोड़ दी थी, जिसके बाद अब इस सीट पर वाड्रा को उम्मीदवार के तौर पर उतारा है।

तोपखाना, हथियार व गोले बनाने वाले हाथों पर लटकी तलवार

संकट में 200 वर्ष पुराने आयुध कारखाने?

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। देश में 200 साल पुराने आयुध कारखानों पर संकट मंडरा रहा है। तोपखाना, हथियार, गोला-बारूद, बुलेट प्रूफ जैकेट, बैलेस्टिक हेलमेट और अन्य आवश्यक उपकरणों सहित सभी प्रकार के ट्रूप कम्फर्ट आइटम तैयार करने वाले हाथों पर तलवार लटकी है। केंद्र सरकार ने 30 सितंबर, 2021 को आयुध निर्माणी बोर्ड के तहत सरकारी संगठन के तौर पर संचालित होने वाले 41 आयुध कारखानों को 7 कंपनियों में विभाजित कर दिया था। इसके बाद आयुध कारखानों को पर्याप्त ऑर्डर नहीं मिल रहे हैं। आयुध कारखानों के निगमीकरण के बाद 3 वर्षों के भीतर 10000 से अधिक उच्च कुशल कर्मचारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं। उनकी जगह पर स्थायी भर्ती न कर संविदा के आधार पर कर्मचारी रखे जा रहे हैं। नतीजा, आयुध कारखानों को पर्याप्त संख्या में अनुभवी कर्मचारी नहीं मिल पा रहे हैं। इन कारखानों का निगमीकरण, राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ठीक नहीं है, इस बाबत पिछले सप्ताह 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा है। इसमें आग्रह किया गया है कि 41 आयुध कारखानों के निगमीकरण को रद्द कर उन्हें दोबारा से आयुध निर्माणी बोर्ड के तहत संचालित किया जाए। राष्ट्र हित में यह कदम बेहद जरूरी है। प्रधानमंत्री मोदी को लिखे पत्र पर आईएनटीयूसी, एआईटीयूसी, एचएमएस, सीआईटीयू, एआईयूटीयूसी, टीयूसीसी, एसईडब्ल्यू, एआईसीसीटीयू, एलपीएफ और यूटीयूसी, केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के पदाधिकारियों के हस्ताक्षर हैं। पत्र के मुताबिक, संयुक्त मंच ने भारत के स्वदेशी रक्षा उत्पादन पारिस्थितिकी तंत्र को दोबारा से रक्षा मंत्रालय के तहत आयुध कारखानों के स्वरूप में खड़ा करने की बात कही है। आयुध कारखानों का निगमीकरण, सरकार को अपनी इस नीति पर पुनर्विचार करना चाहिए। हमारे आयुध कारखानों की विरासत का, जो दो शताब्दियों से अधिक पुरानी है, महत्वपूर्ण रक्षा आवश्यकताएं पूरी करने और भारत को आत्मनिर्भरता के स्तर तक पहुंचाने में उल्लेखनीय योगदान है। आज के जटिल रणनीतिक माहौल को देखते हुए, आयुध कारखानों की पारंपरिक संरचना, विशेषज्ञता और स्थापित ढांचे को संरक्षित करना, यह रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए 41 आयुध कारखानों की स्थिति को 30 सितंबर, 2021 से पहले के आयुध निर्माणी बोर्ड के तहत सरकारी संगठन, इसे बहाल करना आवश्यक है।

भारत अपनी रक्षा उत्पादन क्षमताओं को मजबूत करने के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। आयुध कारखानों ने ऐतिहासिक रूप से भारत के सशस्त्र बलों को उनकी परिचालन आवश्यकताओं के लिए विश्वसनीय एवं अनुकूलित समाधान प्रदान किए हैं। विशेष रूप से तोपखाने, छोटे हथियार, गोला-बारूद, बुलेट प्रूफ जैकेट, बैलिस्टिक हेलमेट और अन्य आवश्यक उपकरणों सहित सभी प्रकार के ट्रूप कम्फर्ट आइटम तैयार करने में आयुध कारखानों की गहरी विशेषज्ञता रही है। इन कारखानों ने भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा में पारंपरिक मेट्रिक्स से परे हटकर योगदान दिया है। सरकार का यह कथन, कि आयुध कारखानों के निगमीकरण से कार्यकुशलता बढ़ेगी और जवाबदेही आएगी, विफल हो गया है। आज 50% से अधिक आयुध कारखानों में कोई पूरा कार्यभार नहीं है, क्योंकि सशस्त्र बल, निजी क्षेत्रों की ओर सप्लाई ऑर्डर बढ़ा रहे हैं।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 12 नवंबर- 2024

पेचीदा होता महाराष्ट्र का चुनाव

महाराष्ट्र जितना बड़ा है, उससे ज्यादा पेचीदा उसका विधानसभा चुनाव हो चुका है। अपने ही देश के लोग अक्सर मुंबई को ही महाराष्ट्र समझते हैं, जबकि इस नगरी पर तो वर्षों से गुजरातियों का क़ब्ज़ा है। लेकिन महाराष्ट्र छह टुकड़ों में बंटा है। मुंबई की सुख-सुविधाओं के आदी हो चले लोगों को ये टुकडे दिखते ही नहीं हैं। यही वजह है कि मुंबई छोड़ बाकी महाराष्ट्र में केवल पड़त भूमि, सूखे खेत और उखड़ी हुई सड़कें ही नज़र आती हैं। साठ साल से यहाँ की राजनीति में रचा-बसा पवार परिवार बारामती की तरह पूरे महाराष्ट्र को चमकाता तो प्रदेश की सूरत और सीरत देखते ही बनती। चुनावी नज़र से देखें तो इन छह टुकड़ों में पहला हिस्सा है विदर्भ। विदर्भ में 62 विधानसभा सीटें हैं। ये नागपुर से अकोला तक 11 जिलों में फैला है। इसका आधा हिस्सा मप्र से लगा हुआ है, जो हिंदी भाषी कहलाता है। दूसरा हिस्सा 46 सीटों वाला मराठवाडा है। औरंगाबाद से लातूर तक आठ जिलों में फैले इस क्षेत्र में कांग्रेस छोड़ बाकी सभी पार्टियों का प्रभाव है। यह मराठा बहुल है। तीसरा हिस्सा है पश्चिम महाराष्ट्र। सोलापुर से कोल्हापुर तक पाँच जिलों में फैला यह क्षेत्र मराठा डॉमिनेंस है और यहाँ 70 सीटें हैं। यही वजह है कि सांगली, सतारा और पुणे वाले इस क्षेत्र में एनसीपी का अच्छा खासा प्रभाव है। महायुती वाले शिंदे साहब भी बीच में कहीं-कहीं प्रभावशाली दिखते हैं। चौथा हिस्सा है उत्तर महाराष्ट्र। नंदूरबार से अहमदनगर तक पाँच जिलों में फैला यह क्षेत्र ज्यादातर ओबीसी और आदिवासी इलाक़ा है। इसकी 35 सीटों पर भाजपा का प्रभाव माना जाता है। पाँचवाँ हिस्सा है - मुंबई। यहाँ 36 सीटें हैं और इन पर दोनों शिवसेना का प्रभाव है। तीसरे नंबर पर भाजपा और उसके बाद कांग्रेस का नंबर आता है। एनसीपी का यहाँ कोई नामलेवा भी नहीं है। छठा हिस्सा है- कोंकण। थाणे से सिंधुदुर्ग तक फैला यह समुद्री किनारा खुद में कोई 39 सीटों को समेटे हुए है। सिंधुदुर्ग तल कोंकण कहा जाता है। तल मतलब नीचे, बहुत नीचे। विकास के नाम पर यहां सिर्फ झांसा दिया गया है। हर परिवार का एक व्यक्ति यहाँ रहता है और बाक़ी सब मुंबई में काम करते हैं। मोटे तौर पर पानी और मछली के अलावा यहाँ कुछ नहीं है। कुछ लोग टूरिस्टों को होम स्टे करवाकर रोजी कमाते हैं। चुनावी हवा की बात करें तो यहाँ मुख्य मुक़ाबला मराठा वर्सेज़ लाडकी बहिन में है। लोकसभा चुनाव में भाजपा को फटका देनेवाले जरांगे पाटील तटस्थ दिखाई दे रहे हैं। भाजपा ने 'लाडकी बहिन' के नाम से जो योजना लांच की है वह जरांगे पाटिल पर भारी पडती दिख रही है। जुलाई से शुरू इस योजना में अब तक महिलाओं को साढ़े सात हज़ार रुपए मिल चुके हैं। लोकसभा चुनाव में जो मराठा परिवार जरांगे पाटील के कहने पर वोट कर रहे थे, 'लाडकी बहिन' ने उनमें बंटवारा कर दिया है। पुरुष मराठा आंदोलन की मशाल थामने वाले जरांगे के पक्ष में हैं तो महिलाएँ 'लाडकी बहिन' के सम्मोहन में हैं। बड़े नेताओं की बात करें तो ये सभी सुरक्षित हैं सिवाय अजित दादा पवार के। लोकसभा चुनाव में बारामती सर्वाधिक चर्चित सीट इसलिए थी क्योंकि ननद यानी शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले और भाभी यानी अजित दादा की पत्नी सुनेत्रा पवार को पराजित कर दिया था। इसी बारामती से अजित दादा के खिलाफ शरद पवार ने अजित के ही भतीजे को मैदान में उतार दिया है। लाडकी बहिन का प्रभाव चला तो भाजपा ऊपर रहेगी। जरांगेवाला मराठा प्रभाव चला तो शरद पवार गुट ऊपर रहेगा। शरद पवार गुट का छिपा एजेंडा यह हो सकता है कि अघाडी का बहुमत आने पर कांग्रेस और उद्धव के झगड़े में सुप्रिया सुले को गद्दी थमा दी जाए। वैसे ही,जैसे कभी मप्र में सिंधिया और अर्जुन सिंह के झगड़े में मोतीलाल वोरा कुर्सी पा जाते थे। महायुती में इशारों में ही सही, देवेंद्र फडनवीस को प्रोजेक्ट किया जा रहा है। ऐसी स्थिति में एकनाथ शिंदे क्या करेंगे, कहा नहीं जा सकता। अजित दादा पहले ही वाक ओवर दे चुके हैं।

कश्मीरी पंडितों के हत्यारे की बीवी ने राहुल गांधी से यूं ही नहीं मांगी मदद

रामस्वरूप रावतसरे

आतंकी गतिविधियों को जम्मू-कश्मीर में अंजाम तक पहुँचाने के लिए कुख्यात 'जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट' का आतंकी यासीन मलिक जेल में बेचैन बताया जा रहा है। उसने जेल के भीतर अमानवीय व्यवहार का इल्जाम लगाकर भूख हड़ताल शुरू की है और बाहर उसकी पाकिस्तानी बीवी मुशाल दर दर भटकर उसके लिए रहम माँग रही है। इसी क्रम में हाल ही में यासीन की पत्नी ने कॉन्ग्रेस नेता राहुल गाँधी को चिट्ठी लिखी और बताया कि यासीन एक अहिंसक आदमी है और इस भूख हड़ताल से उसकी सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।अपने पत्र में मुशाल ने राहुल गाँधी को सम्मान देते हुए अपना दर्द सुनाया है। इसमें कहा गया है कि एनआईए ने यासीन के खिलाफ मौत की माँग की है और 2019 से केंद्र सरकार यासीन को अकल्पनीय तरीकों से प्रताड़ित कर रही है। मुशाल ने शिकायत की मलिक पर 35 साल पुराने मामले में भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने का मुकदमा चलाया जा रहा है और अब एनआईए उसके खिलाफ दर्ज मनगढ़ंत मामलों में उसके लिए मौत की सजा की माँग कर रहा है। मुशाल ने राहुल गाँधी से आग्रह किया कि वो संसद में अपने उच्च नैतिक और राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल करें और यासीन मलिक के मामले पर एक चर्चा शुरू करें। वो जम्मू कश्मीर में 'दिखावटी' नहीं बल्कि वास्तविक शांति कायम करने का जरिया बन सकता है। यासीन मलिक पर केस कोई एक मामले पर नहीं चल रहा है। उसके आतंक से जुड़े होने का इतिहास काफी पुराना है। 1989-1990 के बीच जब इस्लामी कट्टरपंथियों ने घाटी से कश्मीरी पंडितों का नरसंहार शुरू किया, तब यासीन मलिक का नाम उन हत्यारों में शामिल था जिन्होंने चुन-चुन कर कश्मीरी पंडितों को निशाना बनाया। इसके अलावा उसके ऊपर 1990 में वायुसेना के चार जवानों की हत्या का भी आरोप है जिसे उसने मीडिया में खुद स्वीकार किया हुआ है। यासीन पर कश्मीरी पंडित न्यायाधीश न्यायमूर्ति नीलकंठ गंजू की हत्या सहित कई अन्य गंभीर अपराधों में संलिप्तता का भी आरोप लगा हुआ है। इतना ही नहीं, आज उसपर जो मुकदमे चल रहे हैं वो उसके कुकर्मों का परिणाम हैं। उसपर घाटी में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के साथ, आतंकियों के लिए धन जुटाने और देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने के भी आरोप हैं। अब सवाल है कि यदि यासीन मलिक इतना कुख्यात रहा है तो फिर उसकी बीवी किस आधार पर जाकर राहुल गाँधी से यासीन का मुद्दा उठाने की बात कर रही है। इस बिंदु को समझने के लिए उस दौर में जाना पड़ेगा जब सत्ता कॉन्ग्रेस की थी और प्रधानमंत्री खुद यासीन का स्वागत करते थे। 1990 में घाटी में खून-खराबा करने का दोषी 2006 में अचानक कॉन्ग्रेस का प्यारा बन गया था। खुद प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने यासीन मलिक को नई दिल्ली में पीएम आवास पर बुलाया था और कई मुद्दों पर उससे चर्चा की थी। आज भी यासीन मलिक के साथ पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की मुस्कुराती फोटो, वीडियो वायरल होती मिल जाएगी। इस मुलाकात का असर ये हुआ था कि यासीन मलिक को प्रमुख मीडिया संस्थानों के बड़े-बड़े कार्यक्रमों में बुद्धिजीवी बनाकर लाया जाने लगा। 2008 के इंडिया टुडे कॉन्क्लेव में यासीन को यूथ आईकन बनाकर पेश किया गया था।

आदिवासियों का निर्णायक वोट तय करेगा चुनावी नतीजा

कुमार कृष्णन

झारखंड के विधानसभा चुनाव में आदिवासी मतदाताओं और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीटों का अहमियत है, यानी आदिवासी वोटर के पास सत्ता की चाभी है। आदिवासी बहुल राज्य में मुद्दों की कमी नहीं लेकिन कई ऐसे बड़े कारक हैं जिनसे चुनाव का नतीजा तय होने जा रहा है। झारखंड में विधानसभा चुनाव की तैयारी पूरी हो चुकी है। झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए 13 और 20 नवंबर को दो चरणों में वोट डाले जाएंगे। चुनाव के नतीजे 23 नवंबर को आएंगे। चुनावी नतीजा काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेगा कि जनता किसके वादे पर कितना भरोसा करती है। भाजपा की अगुआई में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व में 'इंडिया' गठबंधन की ओर से एक से बढ़कर एक लुभावने वादे किए जा रहे हैं। इनमें से प्रमुख है महिलाओं के लिए मासिक आर्थिक मदद। झामुमो सरकार ने इसी साल मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की शुरुआत की। इसके तहत महिलाओं को 1000 रुपए मासिक सहायता दी जा रही थी। भाजपा ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार बनने पर 2100 रुपए मासिक देने का वादा किया तो अब झामुमो ने आगे निकलने की होड़ में 2500 रुपए देने का ऐलान कर दिया है। हेमंत सोरेन सरकार ने इस प्रस्ताव को कैबिनेट से पास कर दिया है। महिला मतदाता को इस चुनाव में निर्णायक माना जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने झारखंड खासकर संथाल परगना में कथित तौर पर बांग्लादेशी घुसपैठ को बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश की है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मुद्दे को जोरशोर से उठा रहे हैं । उनका कहना है कि झारखंड में इस बार रोटी, बेटी और माटी बचाने की लड़ाई है। झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ की वजह से आदिवासियों की संख्या कम हो रही है। भाजपा के प्रभारी और असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा भी बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे को आक्रामकता के साथ लगातार उठा रहे हैं और झारखंड भाजपा ने इस मुद्दे को आदिवासियों तक पहुंचाने के लिए गांव-गांव, गली-गली का दौरा कर रहे हैं। इस चुनाव में हेमंत सोरेन और चंपाई सोरेन के विक्टिम कार्ड की चर्चा जोरों पर है। सरायकेला के लोग बताते हैं कि इस क्षेत्र लोगों के सुख दुख में चंपाई सोरेन का हमेशा साथ मिलता है, इसलिए वहां के लोग कह रहे हैं कि चुनाव तक वह मुख्य मंत्री बने रहते तो क्या हो जाता। इसी बात को दूसरे गांव के लोग अलग तरीके से देख रहे हैं। कुछ का कहना है कि चंपाई को मुख्य मंत्री तो आखिर हेमंत ने ही बनाया था। वहीं बहुत से लोग अभी तक मन मिजाज नहीं बना पाए हैं कि जाना किधर है। झुकाव की असली तस्वीर चुनाव के वक्त ही देखने को मिल सकती है लेकिन इतना तो तय है कि भाजपा में आकर चंपाई सोरेन ने अपनी सरायकेला सीट को बहुत हद तक सुरक्षित कर लिया है। अब वह कोल्हान की दूसरी सीटों पर कितना असर डालेंगे, अभी कहना मुश्किल है। रही बात हेमंत सोरेन की तो उनको पांच माह तक जेल में रखे जाने वाली घटना की जमीनी स्तर पर कोई खास चर्चा नहीं है। उनके लिए मंईयां सम्मान योजना प्लस प्वाइंट जरूर बना है,खासकर आदिवासी महिलाओं के बीच क्योंकि यहां का आदिवासी समाज महिला प्रधान है।महिलाओं के हाथों में परिवार की बागडोर होती है। लिहाजा, यह कहना गलत नहीं होगा कि एक हजार रु. की सम्मान राशि ने हेमंत सोरेन को मजबूती दी है। राजनीतिक जानकार बताते हैं कि दोनों नेताओं के पास विक्टिम कार्ड है। अंतर इतना है कि हेमंत सोरेन का विक्टिम कार्ड भाजपा के खिलाफ है। उनका कहना है कि बेवजह पांच माह तक जेल में रख दिया। सरकार गिराने की साजिश की जाती रही जबकि चंपाई सोरेन के पास अपमान वाला विक्टिम कार्ड है। वह नाम लिए बिना एक तरह से हेमंत सोरेन को ही घेर रहे हैं। आदिवासी समाज में इसकी चर्चा भी हो रही है। चंपाई सोरेन आंदोलन की उपज हैं। समाज में उनका प्रभाव है। कोल्हान में जिस तरह से उनकी सभाओं में भीड़ जुट रही है, उससे बहुत कुछ आंका जा सकता है। फिलहाल तो ऐसा लग रहा है कि चंपाई सोरेन कोल्हान में तीन से चार सीट पर असर डाल सकते हैं। संथाल में भी सत्ताधारी दलों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। यही वजह है कि चंपाई सोरेन पर झामुमो सीधा हमला नहीं कर पा रहा है। गुरुजी की पार्टी के प्रति आदिवासी समाज के भावना को चंपाई सोरेन भी बखूबी समझते हैं। इसलिए वह आदिवासियों की बदहाली के लिए कांग्रेस पर हमला बोल रहे हैं। जाहिर है कि कांग्रेस को नुकसान होने का मतलब है भाजपा को फायदा। एक नैरेटिव सेट करने की कोशिश हो रही है। हालांकि इस मामले में हेमंत सोरेन आगे हैं लेकिन जमीनी तौर पर चंपाई सोरेन मजबूत दिख रहे हैं। आदिवासी समाज के बीच अलग-थलग पड़ चुकी भाजपा उन्हें तुरुप के पत्ते में रूप में देख रही है। लिहाजा, इस बार का झारखंड विधानसभा का चुनाव बेहद रोचक होगा। दोनों नेता खुलकर विक्टिम कार्ड खेल रहे हैं लेकिन एक दूसरे के खिलाफ सीधे तौर पर बयानबाजी से बच रहे हैं।दोनों में एक बात समान दिख रही है। चंपाई कह रहे हैं कि आदिवासियों की बदहाली के लिए कांग्रेस जिम्मेवार है तो हेमंत सोरेन भाजपा को महाजनी पार्टी बताकर आदिवासियों का दुश्मन बता रहे हैं। कई लोग करते हैं कि खोखला और फरेब भरा नारा है - 'रोटी, बेटी और माटी।' झारखंड में चुनाव की बागडोर भाजपा में प्रवासी राज्यों के नेताओं ने संभाल रखा है, इसलिए वे नारा भी ऐसा गढ़ रहे हैं जिसकी किसी तरह की भावात्मक अपील झारखंडी जनता पर नहीं हो सकती।'रोटी, बेटी और माटी' ऐसा ही नारा है जो उनके संकल्प पत्र का मूल तत्व है और जिसे मोदी अपने भाषणों में लगा रहे हैं। लीजिये 'रोटी' को तो झारखंड में यह भोजन का पर्याय नहीं। यहां मुख्य रूप से धान की एक साला खेती होती है और यहां की मुख्य आबादी भात खाती है। रोटी अपवाद स्वरूप ही खाया जाता है। लोग कुछ भी खा लें यहां वहां, लेकिन घर में गरम भात और साग से ही सबसे ज्यादा संतोष होता है। रोटी मुख्यतः पश्चिमोत्तर प्रदेशों का भोजन है लेकिन चूंकि भाजपा उन्हीं प्रदेशों की पार्टी है, इसलिए उसे नारों में भी वहीं के बिंब और प्रतीक सूझते हैं।'बेटी' शब्द पर. तो बेटी आदिवासी बहुल झारखंड में चिंता का विषय कभी नहीं रही। न उसकी सुरक्षा पर कभी संकट का एहसास आदिवासी समाज करता है। बेटी घर संवारती है। समृद्धि लाती है। वह बोझ नहीं, दो कामकाजी मेहनतकश हाथ होते हैं। इसलिए वह चिंता का विषय नहीं।'बेटी बचाने' का नारा इसलिए यहां फिजूल है। और वह अपने समाज में जरा भी असुरक्षित नहीं। हां, उन लोगों से उन्हें जरूर खतरा है जिनके लिए औरत सिर्फ भोग या वंशवृद्धि का सामान है और ऐसे लोगों की आबादी आदिवासी इलाकों में बढ़ती जा रही है लेकिन हम उनसे ही उन्हें सुरक्षित रखने की कल्पना नहीं कर सकते जो उनके लिए खतरा हैं। रही 'माटी' , तो माटी तभी तक है जब तक जल जंगल जमीन है। जब जमीन और जंगल ही नहीं रहेगी और पानी ही खत्म हो जायेगा तो माटी कहां से बचेगी। सब कुछ रेत में बदल जायेगा। अब इतनी मोटी सी बात भाजपा और भक्त नहीं समझते हैं, यह तो नहीं माना जा सकता लेकिन जमीन और जंगल की सुरक्षा की गारंटी तो वे कर नहीं सकते। जल, जंगल, जमीन और जमीन के नीचे दबे खनिज भंडार के लिए तो उनकी गिद्ध दृष्टि झारखंड पर गड़ी है इन्हीं सब को तो कारपोरेट के हवाले करने के लिए एक दर्जन प्रवासी मुख्यमंत्री, संतरी झारखंड में दिन रात एक किये हुए है। भाजपा को हराना तभी संभव है जब कि उसके खिलाफ के वोट एकजुट रहें। 82 सदस्यों वाली झारखंड विधानसभा में 28 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं जिन पर जीत हासिल करने वाली पार्टी सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। झारखंड के 24 साल के इतिहास में यह पांचवां विधानसभा चुनाव है। इस दौरान सात नेता मुख्यमंत्री की कुर्सी संभाल चुके हैं, लेकिन कोई भी पार्टी लगातार दूसरी बार सत्ता में नहीं आई है। भाजपा नेता रघुबर दास ही एकमात्र ऐसे मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने अपना कार्यकाल पूरा किया है। झारखंड के गठन के बाद सात चेहरे राज्य की कमान संभाल चुके हैं। यहां होने वाले विधानसभा चुनाव में राज्य के इतिहास के सातों मुख्यमंत्रियों के रिश्तेदार या वो खुद चुनाव लड़ रहे हैं। मौजूदा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद और उनकी पत्नी, भाई और भाभी भी चुनाव मैदान में हैं।

राहुल गांधी के लेख ने उनकी विचारधारा प्रकट की

राजेश कुमार पासी

6 नवंबर को राहुल गांधी का एक लेख दैनिक जागरण में प्रकाशित हुआ. पता नहीं और कितने समाचार पत्रों द्वारा इसे प्रकाशित किया गया है । यह लेख राहुल गांधी के नाम पर प्रकाशित किया गया है इसलिये इस लेख में प्रकट किए गए विचार राहुल गांधी के ही माने जाने चाहिए फिर चाहे यह लेख किसी ने भी लिखा हो । राहुल गांधी अपने भाषणों में जिस विचारधारा की बात करते हैं, यह लेख उस विचारधारा के अनुरूप ही है। इस लेख को 'समान अवसर की मांग करता व्यापार जगत' के शीर्षक से प्रकाशित किया गया है। देखा जाए तो विचारधारा के स्तर पर ये एक आदर्श सोच है लेकिन व्यवहारिकता के स्तर यह सोच सही नहीं उतरती है। सिर्फ व्यापार ही नहीं बल्कि राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक रूप से भी ये संभव नहीं है कि सबको समान अवसर मिल सके । खुद राहुल गांधी को यह जवाब देना चाहिए कि क्या कांग्रेस में सभी नेताओं को समान अवसर मिलता है। आज कांग्रेस में राहुल गांधी की हैसियत उनके परिवार के कारण है । राहुल गांधी पिछले बीस सालों से कांग्रेस के सर्वेसर्वा बने हुए हैं लेकिन कांग्रेस का पतन निरंतर जारी है. इसके बावजूद उनकी हैसियत में कोई फर्क नहीं पड़ा है । मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस के अध्यक्ष हैं लेकिन वास्तविक अध्यक्ष राहुल गांधी ही हैं । राहुल गांधी से कहीं ज्यादा प्रतिभाशाली नेता कांग्रेस छोड़ कर जा चुके हैं क्योंकि उनके लिए कांग्रेस में आगे बढ़ने के अवसर नहीं थे । यही बात आर्थिक क्षेत्र के लिए कही जा सकती है । ऐसा नहीं है कि किसी व्यक्ति के लिए देश में व्यापार करने में कोई रोक लगी हुई है लेकिन आर्थिक रूप से सम्पन्न व्यापारिक घराने से आने वालों को जो मौका मिलता है, वो दूसरों को नहीं मिलता । इसके बावजूद नये उद्योगपति और व्यापारी पैदा होते हैं । ऐसे ही राजनीतिक वंशों के बावजूद नये नेता अपनी जगह बनाने में कामयाब हो जाते हैं । सामाजिक रूप से पिछड़े परिवारों से आने वाले बच्चे भी आगे बढ़ जाते हैं, बेशक उन्हें समान अवसर नहीं मिलता । ईस्ट इंडिया कंपनी के कारण देश को दो सौ साल तक गुलाम रहना पड़ा लेकिन सवाल यह है कि क्या वो सिर्फ एक कंपनी थी । सवाल यह भी है कि क्या आज भी ऐसे हालात हैं कि कोई कंपनी देश को गुलाम बना सकती है । दूसरी बात यह है कि ईस्ट इंडिया कंपनी का डर दिखाकर राहुल गांधी अपने लेख के माध्यम से देशी कंपनियों के खिलाफ जनता में जहर भरना चाहते हैं । राहुल गांधी को यह जवाब देना चाहिए कि उन्हें क्यों लगता है कि कोई देशी कंपनी भारत को गुलाम बना सकती है । नेहरू भी ईस्ट इंडिया कंपनी फोबिया का शिकार थे इसलिए उन्होंने निजीकरण को रोकने के लिए ज्यादातर आर्थिक क्षेत्रों को सरकारी उपक्रमों के लिए आरक्षित करके रखा हुआ था । नेहरू जी को भी यही डर था कि कहीं कोई कंपनी ज्यादा बड़ी न हो जाये, इसलिए देश में लाइसेंस-कोटा-परमिट राज चल रहा था । उत्पादन पर पूरी तरह से सरकार का नियंत्रण था । सवाल यह है कि बड़ी कंपनियां खड़ी होने से रोका गया तो क्या छोटी कंपनियां खड़ी हो गईं । कांग्रेस पूरी तरह से राहुल के शिकंजे में फंसी हुई है इसलिए वो यह देखना नहीं चाहती कि बड़ी कंपनियां छोटी कंपनियों की मददगार होती हैं । राहुल बड़ी कंपनियों के एकाधिकार का डर दिखाते हैं जो कुछ हद तक सही भी है लेकिन इसके लिए सरकार को नियम बनाने की छूट है कि वो किसी भी कंपनी का एकाधिकार न होने दे । दूसरी बात यह है कि जब बड़ी-बड़ी विदेशी कंपनियों को देश में व्यापार करने की छूट है तो देशी कंपनियों का डर क्यों दिखाया जा रहा है । कभी आपने राहुल को विदेशी उद्योगपतियों के खिलाफ बोलते सुना है, नहीं सुना होगा । वास्तविकता यह है कि उद्योग और व्यापार के कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जहां बड़ी मात्रा में पूंजी और तकनीकी क्षमता की जरूरत होती है । हालात ऐसे हैं कि भारत की किसी कंपनी के पास ऐसी क्षमता नहीं है कि वो इन क्षेत्रों में काम कर सके, इसलिए सरकार विदेशी कंपनियों को भारत में उद्योग लगाने के लिए प्रेरित कर रही है । ऐसी विदेशी कंपनियां भारत की कंपनियों को सहयोगी बनाकर मैदान में उतर रही है । इन कंपनियों द्वारा जिन सेवाओं और वस्तुओं का उत्पादन भारत में किया जाना है, उन्हें विदेशों से आयात करना पड़ता है । क्या राहुल भारत को सिर्फ एक आयातक देश बनाना चाहते हैं । ईस्ट इंडिया कंपनी का हौवा खड़ा करके राहुल द्वारा लिखा गया लेख देशी कंपनियों के खिलाफ माहौल पैदा करना है । अडानी-अंबानी जैसे बड़े उद्योगपतियों की तरफ इशारा करता हुआ यह लेख एकाधिकार का डर पैदा करता है । सवाल यह है कि क्या सच में इन कंपनियों ने भारत में एकाधिकार स्थापित कर लिया है या करने वाले हैं । भारतीय शासन व्यवस्था पूंजीवाद और समाजवाद का एक मिश्रित रूप है । 1991 से पहले इस व्यवस्था में समाजवाद पर ज्यादा जोर था लेकिन इसके बाद उदारवाद अपनाने पर पूंजीवाद हावी हो गया । भारत एक कल्याणकारी राज्य है इसलिये पूंजीवाद पर नियंत्रण रखना हर सरकार के लिए जरूरी है। देश के आर्थिक विकास के लिए पूंजीवाद जरूरी है लेकिन पूंजीवाद को जनता के हितों के खिलाफ जाकर कायम नहीं रखा जा सकता। देखा जाए तो सरकार का उद्देश्य पूंजीवाद के माध्यम से पूंजी का निर्माण करना है और फिर उस पूंजी का इस्तेमाल जनता के कल्याण के लिए करना है। इसका जवाब कांग्रेस को देना चाहिए कि मोदी सरकार द्वारा जितनी कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं उसकी आधी भी कांग्रेस के राज में क्यों नहीं चलाई जा सकी । वास्तव में इन योजनाओं के लिए पैसा देश के उद्योगपतियों और व्यापारियों द्वारा किये गए पूंजी निर्माण से ही प्राप्त हुआ है। अभी अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव में जैसी भूमिका वहां के व्यापारियों ने निभाई है, क्या ऐसी भूमिका भारत में किसी व्यापारी द्वारा निभाई जा सकती है। एलन मस्क द्वारा चुनाव में खुलकर डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन किया गया और उन्हें हर तरह की मदद की गई । ऐसे ही कई बड़ी कंपनियों ने कमला हैरिस का समर्थन किया, इसके बावजूद अमेरिका में इस पर सवाल खड़ा नहीं किया गया है। उद्योगपतियों और व्यापारियों को हमारे देश में गलत नजर से देखा जाता है और राहुल गांधी बेवजह का डर पैदा कर रहे हैं। वो ईडी, सीबीआई, आयकर विभाग जैसी केंद्रीय एजेंसियों को व्यापारियों को डराने का साधन बता रहे हैं लेकिन सच तो यह है कि इन एजेंसियों का काम कंपनियों को गलत काम करने से रोकने का है। हो सकता है कि इन एजेंसियों का दुरुपयोग सरकार द्वारा किया जाता हो लेकिन इसके लिए देश में स्वतंत्र न्यायपालिका मौजूद है। क्या राहुल गांधी देश पर दोबारा लाइसेंस-कोटा-परमिट राज थोपना चाहते हैं। क्या राहुल गांधी चाहते हैं कि देश की जनता फिर दोबारा गरीबी की चादर ओढ़ ले, देश से माध्यम वर्ग समाप्त हो जाये । राहुल गांधी देश को फिर नेहरू युग में वापिस ले जाना चाहते हैं इसलिये उन्हें देश का विकास चुभ रहा है। आज भी देश में सोशल मीडिया पर विदेशी कंपनियों का कब्जा है।

कुत्ते और इंसान

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

शहर के बीचों-बीच एक बगीचा है, जहां रोज़ सुबह लोग टहलने आते हैं। किसी के हाथ में कुत्ते की रस्सी है, किसी के हाथ में मोबाइल। कुत्ते बेफिक्र घास पर दौड़ रहे हैं, और लोग थके-हारे सांसें ले रहे हैं।

ऐसा लगता है जैसे कुत्ते भी इंसान को टहला रहे हों। अब देखिए, शहर में इंसान की हालत ऐसी हो गई है कि वो अपने खाने-पीने का तो ठीक से ध्यान नहीं रखता, लेकिन उसके कुत्ते की डायट चार्ट डॉक्टर से तय होती है। बॉबी के लिए विटामिन्स चाहिए, मिसेज शर्मा कहती हैं, वो थोड़े से कमज़ोर हो रहे हैं। और साहब, उस बॉबी की हालत तो ऐसी है जैसे फाइव स्टार होटल का मेन्यू खाता हो। बगल में ही श्री गुप्ता हैं। गुप्ता जी को बुरा लगा, बोले, देखिए, ये कुत्ता नहीं, मेरे परिवार का हिस्सा है। वो मुझसे भी ज्यादा संवेदनशील है। गुप्ता जी के चेहरे पर गौरव था। उन्होंने बताया, कल बॉबी को पनीर पसंद नहीं आया, तो उसने खा ही नहीं। मैं सोच में पड़ गया।

कुत्ते अब स्वाद-चयन करने लगे हैं, और इंसान चटनी-रोटी खाकर पेट भर रहा है। सामने पार्क के दूसरे कोने में रमेश चायवाला खड़ा है, उसकी नजरें उस पर हैं, जिसके पास उसकी रोज़ी-रोटी का इंतजाम है—बिना चाय के तो ये मॉर्निंग वॉकर्स अधूरे हैं। वो बड़ी शान से कहता है, कुत्ते पालने वालों की दुनिया अलग होती है, भइया। यहाँ मेरे पास तो आदमियों से ज्यादा कुत्ते चाय पीने आते हैं। कभी-कभी मुझे लगता है कि इन कुत्तों का एक क्लब बना देना चाहिए। कुत्ते अब सिर्फ जानवर नहीं रहे। वो हमारी शान बन चुके हैं। कुत्ता आदमी का सबसे अच्छा दोस्त है, ये कहावत अब पूरी तरह बदल चुकी है—अब कुत्ता आदमी का बॉस है। जिन घरों में लोग अपने बच्चों को 'ना' बोलते हैं, वहां कुत्ते के लिए 'हां' बोलते हैं। बॉबी को वो खिलाओ, वो लाओ, सब बॉबी के लिए हो रहा है। कुत्ते की उम्र अब आम आदमी से ज्यादा सम्मान पा रही है। इंसान जब भूखा मरता है तो कहावत बनती है, अरे भई, गरीब का पेट भरना मुश्किल है। और जब कुत्ते को खास खाना नहीं मिलता, तो पूरी कॉलोनी में हलचल मच जाती है, कुत्ता बीमार हो जाएगा।

इंसान और कुत्ते की ये नई रिश्तेदारी दिलचस्प है। ऐसा लगता है जैसे असल में कुत्ते आज़ादी की असली परिभाषा समझ चुके हैं। वो घास पर दौड़ते हैं, वो जीते हैं और हम सिर्फ उनके लिए जीते हैं।

पॉपकॉर्न ब्रेन सिंड्रोम के मकड़जाल में आज की पीढ़ी

डॉ. राजेन्द प्रसाद शर्मा

आज की पीढ़ी तेजी से न्यूरोप्लास्टिसिटी यानी कि पॉपकॉर्न ब्रेन सिंड्रोम के मकड़ जाल में उलझती जा रही है। मजे की बात यह है कि इसमें हम केवल और केवल बच्चों या युवाओं को ही दोष नहीं दे सकते बल्कि देखा जाए तो इंटरनेट और सोशियल मीडिया के अत्यधिक उपयोग के प्रभाव से ग्रसित लोग इन हालातों से दो चार होते जा रहे हैं। चिंतनीय यह है कि फोकस नाम की चीज खोती जा रही है और उसके स्थान पर मानसिक भटकाव लेता जा रहा है। होता यह है कि एक काम करने की सोचते हैं उतनी देर में दूसरे काम पर ध्यान चला जाता है तो कुछ ही देर में तीसरे काम को पहले करने की सोचने लगते हैं। इस सबका बड़ा कारण खासतौर से इलेक्ट्रोनिक गजेट्स और लेपटॉप के माध्यम से इंटरनेट की दुनिया को अत्यधिक समय देने का यह साइड इफेक्ट होने लगा है। टीवी पर बार बार चैनल बदलना, एक गाने को पूरा होने से पहले ही दूसरे गाने को लगा देना, मस्तिष्क में एक ही समय कई चीजों का चलना आदि पॉपकॉर्न ब्रेन सिंड्रोम की निशानी है।

चिकित्सकीय भाषा में कहा जाए तो यह एडीएचडी यानी कि अटेंशन डेफिसिट हाईपरएक्टिविटी डिस आर्डर की स्थिति होती है। बिना सोचे समझे रिएक्शन, तनाव, काम में फोकस नहीं कर पाना, डिप्रेशन में रहना आदि का कारण मोटे रुप से पॉपकॉर्न ब्रेन के रुप में देखा जा सकता है। दरअसल पॉपकॉर्न ब्रेन शब्द का उपयोग 2011 में वांशिगटन विश्वविद्यालय में उस समय शोध कर रहे डेविड लेवी ने उपयोग किया था। यह एक तरह से इस तरह की मानसिकता को दर्शाते हुए किया गया था कि मन का स्थिर नहीं रहना। एक तरह से भ्रमित मानसिकता भी इसे कहा जा सकता है। मजे की बात यह है कि जिस तरह से पॉपकॉर्न ब्रेन का विस्तार होता जा रहा है यानी कि जिस तरह से अधिक से अधिक लोग इसके मकड़जाल में उलझते जा रहे हैं वह अपने आप में गंभीर होने के साथ ही अत्यधिक चिंतनीय भी है। एक दो नहीं इन हालातों का पूरे समाज पर असर पड़ रहा है। आज दूध पीते बच्चे को भी मोबाईल थमाकर शांत रखने की प्रवृति आम होती जा रही है उसके दुष्परिणाम सामने आने में देर नहीं लगेगी। बच्चें हाईपर होते जा रहे हैं। जब बच्चों में ही यह होने लगा है तो रातदिन जिस तरह से सोशियल मीडिया के प्लेटफार्म में लगे रहते हैं उनकी क्या मनोदशा हो जाएगी यह किसी से छुपी हुई नहीं होनी चाहिए। मनोविश्लेषकों के अनुसार यह एक तरह की न्यूरोप्लास्टिसिटी है। देखा जाए तो एक दूसरे से तत्काल संवाद कायम करने का माध्यम स्मार्टफोन, सोशियल मीडिया और इंटरनेट पर परोसी जाने वाली सामग्री का सर्वाधिक दुष्प्रभाव सीधे हमारी मनोदशा को प्रभावित कर रहा है। तकनीक का इस तरह का दुष्प्रभाव संभवतः इतिहास में भी पहले कभी नहीं रहा है।

आज हम हर समस्या का समाधान स्मार्टफोन और इंटरनेट को मानने लगे हैं। बच्चा रो रहा है या किसी बात के लिए जिद कर रहा है या चिड़चिड़ा हो रहा है तो माताएं या परिवार के कोई भी सदस्य बच्चें को चुप कराने या मनबहलाव और खास यह कि बच्चे को व्यस्त रखने के लिए मोबाइल संभला देते हैं। जबकि मोबाइल के दुष्प्रभाव हमारे सामने आने लगे हैं। अमेरिका में पिछले दिनों हुए एक सर्वे में सामने आया कि मोबाइल फोन, टेबलेट, वीडियो गेम या अन्य इस तरह के साधन के उपयोग से गुस्सेल होते जा रहे हैं। मारधाड़, हमेशा गुस्से में रहने, तनाव में रहने और जिद्दी होना आज आम होता जा रहा है। दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में हुए एक अध्ययन में भी साफ हो गया है कि आज गेमिंग, सोशियल मीडिया और ओटीटी प्लेटफार्म के आदी होते जा रहे हैं।

इसका परिणाम यह होता जा रहा है कि समाज संवेदनहीन होता जा रहा है। हमेशा तनाव, डिप्रेशन, आक्रामकता, गुस्सेल, बदले की भावना आदि आम है। ऐसे में मनोविज्ञानियों के सामने नई चुनौती आ जाती है। यह असर कमोबेस समान रुप से देखा जा रहा है। यह कोई हमारे देश की समस्या हो, ऐसा भी नहीं हैं अपितु दुनिया के लगभग सभी देषों में यही हो रहा है। अमेरिका में किये गये एक अध्ययन में भी यही उभर कर आया है। कोई दो राय नहीं कि विकास समाज की आवश्यकता है। स्मार्टफोन व इंटरनेट की दुनिया का अपना महत्व है।

पर इनके सामने आ रहे दुष्प्रभावों को समझना होगा। पॉपकॉर्न ब्रेन को लेकर मनोविज्ञानी और चिकित्सक दोनों ही समान रुप से चिंतित है। सुझाया जा रहा है कि दिन चर्या को नियमित करके समय प्रबंधन को बेहतर बनाकर कुछ हद तक इस समस्या को कम किा जा सकता है।

सर्वार्थ सिद्धि योग में देवउठनी एकादशी

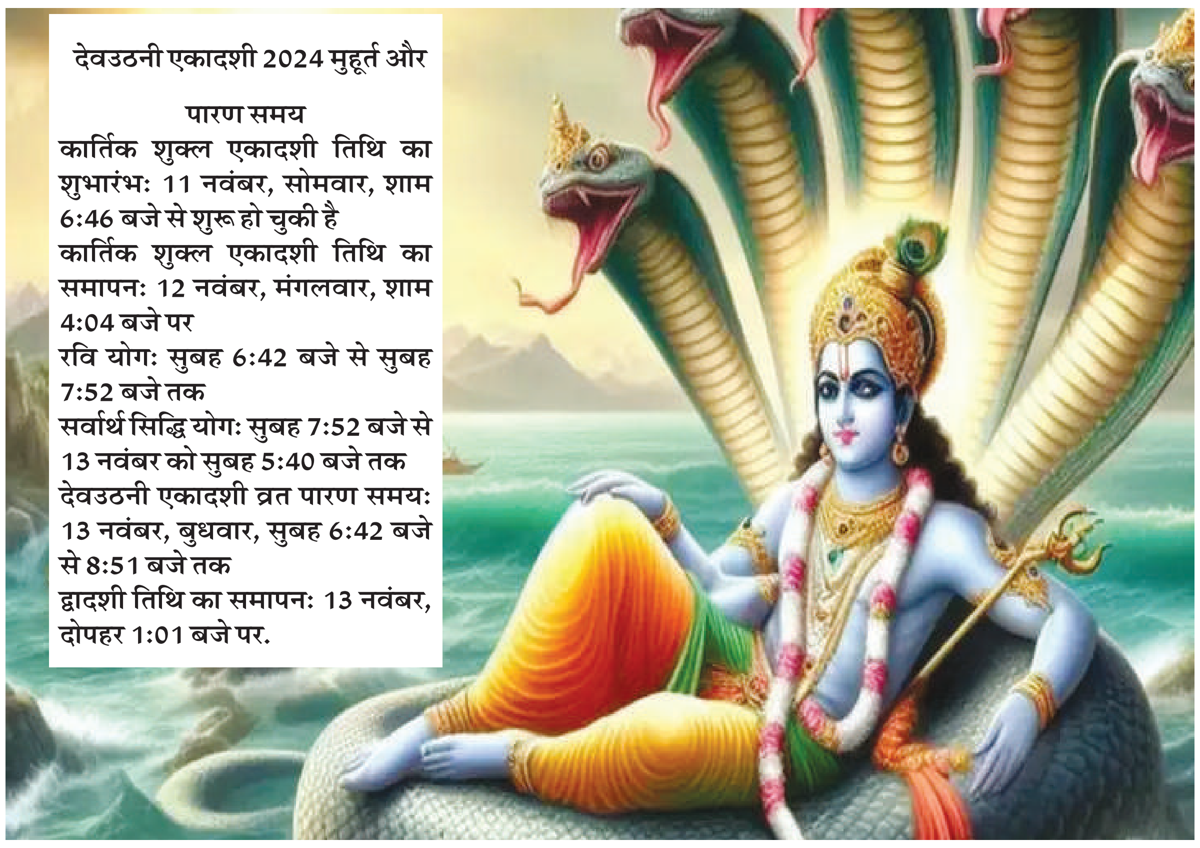

देवउठनी एकादशी 2024 मुहूर्त और पारण समय

कार्तिक शुक्ल एकादशी तिथि का शुभारंभ: 11 नवंबर, सोमवार, शाम 6:46 बजे से शुरू हो चुकी है
कार्तिक शुक्ल एकादशी तिथि का समापन: 12 नवंबर, मंगलवार, शाम 4:04 बजे पर
रवि योग: सुबह 6:42 बजे से सुबह 7:52 बजे तक
सर्वार्थ सिद्धि योग: सुबह 7:52 बजे से 13 नवंबर को सुबह 5:40 बजे तक
देवउठनी एकादशी व्रत पारण समय: 13 नवंबर, बुधवार, सुबह 6:42 बजे से 8:51 बजे तक
द्वादशी तिथि का समापन: 13 नवंबर, दोपहर 1:01 बजे पर.

इस साल देवउठनी एकादशी का व्रत 12 नवंबर दिन मंगलवार को है। देवउठनी एकादशी का व्रत रवि योग और सर्वार्थ सिद्धि योग में रखा जाएगा। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा सर्वार्थ सिद्धि योग और रवि योग में होगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, देवउठनी एकादशी के अवसर पर भगवान विष्णु चार माह के योग निद्रा से बाहर आते हैं। इस साल देवउठनी एकादशी के दिन ही तुलसी विवाह भी है। सुबह में भगवान विष्णु की पूजा करते समय व्रती को देवउठनी एकादशी की व्रत कथा सुननी चाहिए। इससे उसे पुण्य की प्रप्ति होगी और आपको इसका महत्व भी पता चलता है।

देवउठनी एकादशी व्रत कथा

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, देवउठनी एकादशी का व्रत कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि रखा जाता है। पौराणिक कथा के अनुसार, एक समय की बात है। एक नगर था, जिसके सभी निवासी एकादशी का व्रत विधि विधान से करते थे। उस दिन किसी भी व्याक्ति, पशु, पक्षी आदि को अन्न नहीं देते थे। एक बार उस नगर के राजा के दरबार में एक बाहरी व्यक्ति नौकरी की उम्मीद से आया। तब राजा ने कहा कि नौकरी तो मिल जाएगी लेकिन शर्त यह है कि हर माह में दो दिन एकादशी व्रत पर अन्न नहीं मिलता है।

उस व्यक्ति ने राजा की शर्त स्वीकार कर ली। अगले महीने में एकादशी का व्रत आया, उस दिन उसे अन्न नहीं दिया गया। व्रत के लिए उसे केवल फलाहार मिला। यह देखकर वह चिंतित हो गया। वह राज दरबार में पहुंचा और राजा से कहा कि फल खाकर उसका पेट नहीं भरेगा। उसकी मौत हो जाएगी। उसने अन्न दिलाने की प्रार्थना की।

तब राजा ने कहा कि तुम्हें पहले ही नौकरी की यह शर्त बता दी गई थी कि एकादशी को अन्न नहीं मिलेगा। लेकिन उस व्यक्ति ने फिर अन्न दिलाने का निवेदन किया। उसकी स्थिति को समझकर राजा ने उसे अन्न देने का आदेश दे दिया। मंत्री ने उसे दाल, चावल और आटा दिलाया। उसने नदी तट के पास जाकर स्नान किया और उसके बाद भोजन बनाने लगा। खाना बनने पर उसने भगवान से कहा कि भोजन तैयार, सबसे पहले आप खाना खा लें.

इतना सुनकर भगवान विष्णु प्रकट हुए। उसने अपने प्रभु के लिए भोजन निकाला, तो वे खाना खाने लगे। फिर उस व्यक्ति ने भी खाना खाया। उसके बाद भगवान विष्णु वैकुंठ लौट आए और वह व्यक्ति अपने काम पर चला गया। फिर अगली एकादशी पर उसने राजा से दोगुना अन्न देने का निवेदन किया। उसने कहा कि पिछली बार वह भूखा रह गया था क्योंकि उसके प्रभु ने भी भोजन किया था.

यह बात सुनकर राजा आश्चर्य में पड़ गया। उसने कहा कि तुम पर विश्वास नहीं है कि तुम्हारे साथ भगवान भी भोजन करते हैं। इस पर उस व्यक्ति ने कहा कि आप स्वयं चलकर देख सकते हैं कि क्या सच है? एकादशी के दिन उसे दोगुना अन्न दिया गया। वह अन्न लेकर नदी के किनारे पहुंच गया। उस दिन राजा भी वहां एक पेड़ पीछे छिपकर सबकुछ देख रहा था.

उस व्यक्ति ने सबसे पहले नदी में स्नान किया। फिर खाना बनाया और भगवान से कहा कि भोजन तैयार है, आप भोजन ग्रहण कर लें। तब भगवान विष्णु नहीं आए। उसने कई बार बुलाया लेकिन वे नहीं आए। तब उसने कहा कि आप नहीं आएंगे तो वह नदी में कूदकर अपनी जान दे देगा। फिर भी श्रीहरि नहीं आए। तब वह नदी के तट पर गया और उसमें छलांग लगाने के लिए आगे बढ़ा। तभी भगवान विष्णु प्रकट हुए और उसे बचा लिया।

श्रीहरि विष्णु ने उसके साथ भोजन किया। फिर उसे अपने विमान में बैठाकर अपने साथ वैकुंठ लेकर चले गए। यह देखकर राजा हैरान रह गया। अब वह समझ गया था कि व्रत पवित्र मन और आचरण की शुद्धता के साथ रखते हैं। तभी व्रत का पूरा फल मिलता है। उस दिन के बाद से राजा ने भी पवित्र मन से एकादशी व्रत और विष्णु पूजा करने लगा। जीवन के अंत में उसे स्वर्ग की प्राप्ति हुई और उसके पाप मिट गए।

बैकुंठ चतुर्दशी 14 को

साल 2024 में बैकुंठ चतुर्दशी का व्रत 14 नवम्बर को किया जाएगा। हिंदू धर्म में सभी व्रत का विशेष महत्व होता है। हिंदू धर्म में किसी भी व्रत को विधि विधान से करने पर उसका संपूर्ण फल प्राप्त होता है। ऐसे ही बैकुंठ चतुर्दशी का व्रत करने से बैकुंठ लोक की प्राप्ति होती है। यह व्रत भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी को समर्पित है। बैकुंठ चतुर्दशी का व्रत कार्तिक मास शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि को आता है, लेकिन साल 2024 में बैकुंठ चतुर्दशी का व्रत त्रयोदशी तिथि को होगा। वैदिक पंचांग के अनुसार कार्तिक शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि का क्षय है।

व्रत से ग्रहों का दुष्प्रभाव होगा खत्म

पंडित श्रीधर शास्त्री बताते हैं कि साल 2024 में बैकुंठ चतुर्दशी का व्रत अश्विनी नक्षत्र और गुरुवार के दिन होने से इसका कई गुना फल प्राप्त होगा। बैकुंठ चतुर्दशी का व्रत करने से सभी परेशानियां, सभी कष्ट और सभी बाधाएं खत्म हो जाती हैं। साथ ही कुंडली में सभी ग्रहों का दुष्प्रभाव पूर्ण रूप से खत्म हो जाता है।

वह बताते हैं कि ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान आदि करके पवित्र होने के बाद पीले रंग के वस्त्र धारण करें। इसके बाद बैकुंठ चतुर्दशी व्रत का संकल्प करें और अपने देवालय में बैठकर भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप करें। ऐसा करने से जन्म जन्मांतर के सभी पाप खत्म हो जाते हैं और व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है।

भगवान विष्णु को बेलपत्र चढ़ाने की मान्यता

बैकुंठ चतुर्दशी के दिन भगवान विष्णु को बेलपत्र चढ़ाने पर लाभ होता है। धार्मिक ग्रंथो के अनुसार बैकुंठ चतुर्दशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा यदि 1000 कमल पुष्पों से की जाए तो जीवन सभी बंधनों से मुक्त हो जाता है और उन्हें बैकुंठ धाम में स्थान प्राप्त होता है। इस दिन शाम के समय गंगा किनारे 11, 21, 31, 51 या 101 दीपक जलाने पर विशेष लाभ की प्राप्ति होती है।

बाजीराव दुश्मन पर हमला करने में माहिर थे

मराठों का इतिहास

बुद्धिमान ब्राह्मण बाजीराव के पास दो चीजें थीं- योजनाएं बनाने के लिए सिर और उनका क्रियान्वयन करने के लिए हाथ।

बाजीराव अपना घुड़सवारों का दस्ता लेकर दुश्मन पर बहुत तेजी से हमला करने के लिए जाने जाते थे।बाजीराव स्वर्ग से जन्मे घुड़सवार सेनानायक थे। उनके जैसा न कोई उनके पहले हुआ और न बाद में।

बाजीराव ने मुगलों के खिलाफ मराठाओं और राजपूत राजाओं को एकजुट किया। दक्कन के मुगल गवर्नर निजाम आसफ जाह ने बाजीराव को रोकने की कोशिश की, लेकिन उसे मुंह की खानी पड़ी।

बाजीराव ने मुगलों के खिलाफ लड़ाई में कई दूसरे शासकों की मदद की। मिसाल के लिए बुंदेलखंड के महाराजा छत्रसाल। मुगलों ने उन्हें परिवार सहित कैद कर लिया था, उन्होंने बाजी से मदद मांगी। बाजी ने उन्हें उनका राज वापस दिलाया। बदले में उन्हें छत्रसाल से दो उपहार मिले- एक बहुत बड़ी जागीर और दूसरी उनकी प्रेमिका मस्तानी। ये कहानी आप सिनेमा की स्क्रीन पर देख चुके होंगे।

मस्तानी छत्रसाल और रुहानी बाई बेगम की बेटी थीं। जब बाजीराव, मस्तानी से मिले तब उनकी शादी काशीबाई से हो चुकी थी। मुगलों की राजधानी दिल्ली पर बाजीराव ने मराठा ध्वज लहराया बुंदेलखंड अभियान के बाद बाजीराव की पहचान एक महान योद्धा की बन चुकी थी। 12 नवंबर 1736 को बाजीराव ने 50 हजार घुड़सवारों के साथ पुणे से दिल्ली की तरफ कूच किया। 10 दिन तक बाजीराव के घोड़ों की टाप नहीं थमी और 22 तारीख को मल्हार राव होलकर और पिलाजी जाधव की अगुआई में मराठा सेना आगरा के पास तक पहुंच चुकी थी।

घबराए मुगल बादशाह मुहम्मद शाह ने अवध के गवर्नर सआदत अली खान को मराठाओं को रोकने भेजा। सआदत की करीब एक लाख सैनिकों की फौज ने होलकर को एक हद तक पीछे धकेल दिया। सआदत को जीत महसूस हुई तो उसने सोचा अब बाजीराव दिल्ली के अपने अभियान के बारे में दोबारा सोचेंगे। मुगल कैंप में जश्न मनाया जाने लगा। इधर बाजीराव ने अपनी योजना बदली, लेकिन इस तरह कि अगले 4 दिन में वह सेना लेकर दिल्ली के अंदर दाखिल हो गए।क्या बाजीराव सच में दिल्ली तक आ पहुंचा है, इस सवाल का जवाब ढूंढने बादशाह ने भिखारी के भेष में अपना एक गुप्तचर भेजा। उसने बादशाह के आगे भीख में मिला अनाज, कुछ रोटियां और लाल मिर्च की गांठें बिखेर दीं। अब कुछ कहने की जरूरत नहीं थी। मुहम्मद शाह समझ गया कि मराठे दिल्ली पहुंच गए हैं। पिछले बीस साल के युद्धों में पेशवा की सेना की यही खुराक हुआ करती थी।पेशवा बाजीराव ने बादशाह को लिखे खत में कहा था कि वह दिल्ली के बाशिंदों को परेशान नहीं करना चाहते, उन्होंने दिल्ली पहुंचकर महल से कुछ दूर डेरा डाल दिया था। **(जारी)**

पाप से मुक्ति पाने के लिए ब्रम्ह मुहूर्त में करें गंगा स्नान, मोक्ष की होगी प्राप्ति, मिलेगी विष्णुकृपा

वैदिक पंचांग के अनुसार इस साल कार्तिक पूर्णिमा 15 नवंबर 2024 को मनाई जाएगी। हिंदू धर्म में साल भर आने वाली पूर्णिमा तिथियों में कार्तिक पूर्णिमा का विशेष महत्व होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कार्तिक पूर्णिमा से पहले भगवान विष्णु और अन्य देवता चार महीने के विश्राम के बाद अपने लोकों में लौटते हैं। इसके बाद विवाह, गृह प्रवेश जैसे मांगलिक कार्यों के मुहूर्त आरंभ हो जाते हैं। ज्योतिष के अनुसार, कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान और दान करने से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है.

ब्रह्म मुहूर्त में गंगा स्नान का महत्व

हरिद्वार के प्रमुख ज्योतिषी पंडित श्रीधर शास्त्री बताते हैं कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान का विशेष महत्व है। पंडित जी के अनुसार, यह दिन भगवान शिव को समर्पित है और साथ ही भगवान विष्णु व माता लक्ष्मी की पूजा का भी विधान है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में हरिद्वार की पवित्र हर की पौड़ी पर गंगा स्नान करने से तन-मन के सभी रोग दूर होते हैं और विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। इस वर्ष ब्रह्म मुहूर्त प्रातः 3:37 से 4:51 बजे तक रहेगा। इस दौरान स्नान से शुभ फल प्राप्त होता है, और मन को शांति व पवित्रता मिलती है.

कार्तिक मास और भगवान विष्णु की कृपा

पंडित श्रीधर शास्त्री बताते हैं कि कार्तिक मास भगवान विष्णु को विशेष रूप से प्रिय है और कार्तिक पूर्णिमा का दिन भगवान शिव को समर्पित होता है। इस दिन भगवान शिव, विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा से जीवन में समृद्धि, सुख और शांति की प्राप्ति होती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, कार्तिक पूर्णिमा के दिन देवता हर की पौड़ी पर गंगा स्नान करते हैं, जिससे गंगाजल अमृतमय हो जाता है। इस विशेष दिन पर हर की पौड़ी पर गंगा स्नान और गंगाजल का आचमन करने से भगवान शिव, विष्णु और लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है और जीवन के सभी दुख दूर होते हैं।

घर में बेड किस दिशा में रखें? किस साइड रखें सिर

घर में बेड रखने की सही दिशा

ज्योतिषाचार्य के मुताबिक, शयनकक्ष या बेडरूम में पलंग को हमेशा दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखना चाहिए। इसलिए बेड की व्यवस्था इस प्रकार करें कि आपका सिरहाना दक्षिण दिशा में हो। ऐसा करने से जीवन में सुख-समृद्धि बढ़ती है। वहीं, ध्यान रखें कि, दक्षिण दिशा की ओर पैर करके न सोएं। वास्तु शास्त्र में दक्षिण दिशा को पितरों की दिशा माना जाता है। यदि आप दक्षिण दिशा में पैर करके सोते हैं तो आपको पितृ दोष लग सकता है।

इस दिशा में रखना चाहिए सिर

यदि सही दिशा में सिर करके ना सोया जाए तो इससे आपके स्वास्थ्य पर गहरा असर दिखाई देता है।

इसलिए मास्टर बेडरूम में सोते समय अपना सिर हमेशा या तो दक्षिण दिशा में रखें या फिर पश्चिम दिशा में होना चाहिए। इस बात का ध्यान रखें कि आपका सिर उत्तर दिशा की तरफ न हो। इससे आपकी नींद की गुणवत्ता में कमी आती है। साथ ही आपके शरीर पर नकारात्मक प्रभाव देखने को मिल सकते हैं।

बेड रखने की जगह का रखें ध्यान

वास्तु शास्त्र के अनुसार इस बात का ध्यान रखें कि बेड कभी भी दीवार से सटा हुआ ना हो। विशेष कर उन कमरों में जो क्षेत्रफल की दृष्टि से छोटे हों वहां बेड कभी भी कोने में नहीं रखना चाहिए। ऐसा करने से बेडरूम में सकारात्मक ऊर्जा का संचार खत्म होने लगता है। अपने बेड को हमेशा कमरे के बीचों बीच रखना चाहिए, ताकि घूमने और साफ सफाई करने में आसानी रहे।

इस दिशा में हो बच्चों का बेड

वास्तु शास्त्र के अनुसार बच्चों का सिर हमेशा पूर्व दिशा में रखना चाहिए। ऐसा करने से उनकी एकाग्रता में बढ़ोत्तरी होती है। बच्चों के लिए दक्षिण या दक्षिण-पूर्व दिशा भी सही होती है। इस दिशा में सिर करके सोने से आध्यात्मिक झुकाव पनपता है।

कर्ण का जन्म कुंती को मिले एक वरदान से हुआ था

युधिष्ठिर ने तब मां को श्राप दे दिया

उन्होंने कहा कि कुंती द्वारा जीवनभर पांडवों से ये पहचान छिपाना किसी विश्वासघात से कम नहीं था। युधिष्ठिर को दुःख और पश्चाताप से भर दिया। उन्होंने कहा कि यह बोझ किसी भी शारीरिक हार से ज़्यादा दर्दनाक था। फिर युधिष्ठिर अपनी मां को श्राप दिया आपने जो कुछ किया है, उसके बाद स्त्री जाति कुछ भी गोपनीय नहीं रख पाएंगी। युधिष्ठिर ने तब पहली बार मां कुंती को श्राप दिया कि अब से कभी वो अपनी बात को गोपनीय नहीं रख पाएंगी और ऐसा ही दुनिया की सारी स्त्रियों के साथ होगा।

तब से कोई महिला कुछ गोपनीय नहीं रख पाती

और कहा जाता है कि इसके बाद से महिलाओं के लिए किसी भी गोपनीय रखना असंभव हो चुका है। ये बात तो अब मुहावरों और कहावतों में भी शामिल हो चुकी है कि महिलाओं के पेट में कोई बात नहीं पचती।

कब हुआ था कर्ण का जन्म

कर्ण का जन्म पांडवों के पिता पांडु और कुंती की शादी से पहले हुआ था। कर्ण दुर्योधन का सबसे अच्छा मित्र था। महाभारत के युद्ध में वह अपने मित्र दुर्योधन के तरफ से अपने ही भाइयों के विरुद्ध लड़े।

कर्ण को एक आदर्श दानवीर माना जाता था, क्योंकि कर्ण ने कभी किसी मांगने वाले को दान में कुछ भी देने से कभी मना नहीं किया भले ही इसके परिणामस्वरूप उनके अपने ही प्राण संकट में क्यों न पड़ गए हों।

इस तरह हुआ कर्ण का जन्म

कर्ण का जन्म कुंती को मिले एक वरदान से हुआ था। जब वह कुंआरी थी, तब एक बार दुर्वासा ऋषि उनके पिता के महल में पधारे। तब कुंती ने पूरे एक वर्ष तक ऋषि की बहुत अच्छी तरह सेवा की। कुंती की सेवा से खुश होकर उन्होनें अपनी दिव्यदृष्टि से ये देख लिया कि पांडु से उसे सन्तान नहीं हो सकती। तब उन्होंने उसे ये वरदान दिया कि वह किसी भी देवता का स्मरण करके उनसे सन्तान पैदा कर सकती हैं।

एक दिन उत्सुकतावश कुंवारेपन में ही कुंती ने सूर्य देव का ध्यान किया। इससे सूर्य देव प्रकट हुए। उनकी नाभि को छूकर उनके गर्भ में प्रवेश किया। अपने पुत्र को वहां मंत्रों द्वारा स्थापित किया। कालांतर में कुंती के गर्भ से ऐसा बालक उत्पन्न हुआ जो तेज़ में सूर्य के ही समान था।

वह कवच और कुण्डल लेकर पैदा हुआ था, जो जन्म से ही उसके शरीर से चिपके हुए थे। चूंकि वह अभी अविवाहित थीं इसलिए लोक-लाज के डर से उन्होंने उस पुत्र को एक बक्से में रख कर गंगाजी में बहा दिया।

कैसे धृतराष्ट्र के सारथी ने उसे पाला

कर्ण फिर गंगाजी में बहते हुए महाराजा धृष्टराज के सारथी अधिरथ को मिला। जिन्होंने अपनी पत्नी राधा के साथ उसे पाला। उन्होंने उसे वासुसेन नाम दिया। अपनी पालनकर्ता माता के नाम पर कर्ण को राधेय के नाम से भी जाना जाता है। अपने जन्म के रहस्योद्घाटन होने और अंग का राजा बनाए जाने के बाद भी कर्ण ने सदैव उन्हीं को अपना माता-पिता माना। अंग का राजा बनाए जाने के पश्चात कर्ण का एक नाम अंगराज भी हुआ।**(समाप्त)**

विक्रांत बोले- टेलीविजन पर सालों से चिपके हुए हैं 'सुपरस्टार्स'

लेकिन उनके यहां काम मांगने पर कहते हैं- हम टीवी एक्टर संग काम नहीं करते

एक्टर विक्रांत मैसी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म द साबरमती रिपोर्ट की वजह से चर्चा में हैं। फिल्म 15 नवंबर को रिलीज होगी। विक्रांत ने फिल्म की रिलीज से पहले इंटरव्यू के दौरान अपने स्ट्रगल पर बात की।

विक्रांत ने कहा कि उनकी शुरुआत बतौर टीवी एक्टर हुई थी। जब वे टीवी से फिल्मों में जा रहे थे, तो उन्हें हीन भावना से देखा जाता था। कहा जाता था कि तुम टीवी एक्टर हो, तुम्हें फिल्मों में लीड रोल कभी नहीं मिल पाएगा। विक्रांत के अलावा फिल्म की लीड एक्ट्रेस रिद्धि डोगरा और राशि खन्ना ने भी इस मुद्दे पर बात की।

मुंह पर बोलते थे- हम सिर्फ स्टार्स के साथ फिल्में बनाते हैं

विक्रांत ने कहा, 'मुझे तो कहा जाता था कि तुम टीवी एक्टर हो, फिल्मों में कभी हीरो नहीं बन पाओगे। बड़े-बड़े स्टूडियोज वाले यह कहते थे कि हम सिर्फ स्टार्स के साथ फिल्में बनाते हैं। हम आपको लीड रोल नहीं दे सकते। उस वक्त मैं शांति से निकल जाता था।

आज जो कहने को बड़े-बड़े सुपरस्टार हैं, वो भी टीवी पर रियलिटी शो, सिंगिंग शो और डांस शो में जज बनकर चिपके हुए हैं। वे भी जानते हैं कि टीवी से बड़ा माध्यम आज भी कुछ नहीं है। हालांकि, जब उसी टीवी का एक्टर उनके बीच काम मांगने जाता है, तो उसे हीन भाव से देखा जाता है।'

शाहरुख, इरफान और ओम पुरी भी टीवी कलाकार थे, उन्हें देखना चाहिए

विक्रांत ने आगे कहा- जो लोग फिल्मों में काम करते हैं, फिर टीवी पर आते हैं, उन्हें टीवी एक्टर क्यों नहीं कहा जाता? देखा जाए तो वे भी हफ्ते के 5 दिन टीवी में ही काम करते हैं। जो लोग टीवी एक्टर को तुच्छ समझते हैं, उन्हें एक बार शाहरुख खान, इरफान खान और ओम पुरी साहब जैसों की तरफ देखना चाहिए। ये सारे लीजेंड एक वक्त पर टेलीविजन पर ही काम करते थे।

एकता कपूर की वजह से लोगों के चार-चार घर हो गए

रिद्धि डोगरा ने कहा- मैं भी टीवी एक्ट्रेस रही हूं। मेरे दोस्त आज भी कहते हैं कि हमारे ऊपर टीवी कलाकार होने का एक धब्बा लग गया है। मैं भी यह बात समझती हूं, लेकिन इस पर कभी चर्चा नहीं करती। मैं ऐसे लोगों को भाव ही नहीं देना चाहती जो टीवी एक्टर्स की काबिलियत को नहीं समझते।

आप एक बार एकता कपूर को देखिए। मुझे लगता है कि जितना ज्यादा काम आउटसाइडर्स को उन्होंने दिया है, शायद ही किसी ने दिया होगा। उनकी वजह से लोगों के चार-चार घर बन गए हैं।

राशि खन्ना ने कहा- खैर, मैंने टीवी में काम नहीं किया है, फिर भी मैं भेदभाव वाली बात को समझ सकती हूं। हालांकि, हमारे पास विक्रांत मैसी और रिद्धि डोगरा जैसे लोग उदाहरण के लिए हैं। इन लोगों ने टीवी से आकर फिल्मों में अलग मुकाम बनाया है। जो आर्टिस्ट टीवी से फिल्मों में आना चाहते हैं, उन्हें इन दोनों की जर्नी को देखना और इससे सीखना चाहिए।

शरवरी वाघ ने फैंस को किया मोटिवेट, सोशल मीडिया पर साझा कीं वर्कआउट की तस्वीर

शरवरी के बॉलीवुड करियर को अभी ज्यादा समय नहीं हुआ है, लेकिन वह ऐसी फिल्में और किरदार कर रही हैं जो बतौर कलाकार उन्हें चुनौती दें। उन्होंने 'मुंजया', 'महाराज' और 'वेदा' जैसी कुछ फिल्में कीं, जिसमें शानदार अभिनय किया। अब वह अगले साल आलिया भट्ट की मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'एल्फा' में नजर आएंगी। इस फिल्म को शिव रावेल निर्देशित कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि यह फिल्म एक स्पॉय थ्रिलर होगी। इसमें आलिया और शारवरी के किरदार एक्शन करते हुए नजर आएंगे। यही कारण है कि वह अब अपनी फिटनेस पर ध्यान दे रही हैं। हाल ही में उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर वर्कआउट मोटिवेशन फैंस के साथ साझा किया।

शारवरी की दिवाली खत्म एल्फा शुरू

अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शारवरी ने लिखा दिवाली खत्म,एल्फा शुरू। साथ ही उन्होंने मंडे मोटिवेशन का हैशटैग भी दिया। इसी कैप्शन के साथ शारवरी ने अपनी वर्कआउट की तस्वीरें भी साझा कीं। इन तस्वीरों में वह बहुत में वह बहुत मेहनत करती हुईं और पसीना बहाती हुईं नजर आईं।

मुंजया की सफलता से काफी खुश

कुछ महीनों पहले रिलीज हुई फिल्म 'मुंजया' में भी शारवरी का किरदार काफी अलग था। यह फिल्म 100 करोड़ क्लब में शामिल हुई। इस फिल्म की सफलता से शारवरी काफी खुश हैं। इसके अलावा उन्होंने फिल्म 'महाराज' और 'वेदा' में भी अपने अभिनय से दर्शकों को प्रभावित किया है। आगे भी वह अलग तरह के किरदार करना चाहती हैं।

सनी कौशल के साथ रिश्ता

शारवरी और सनी कौशल के बीच एक खास रिश्ता है इस पर दोनों कुछ कहते नहीं हैं, लेकिन अकसर ही इनको साथ देखा जाता है। ऐसा कहा जा रहा है कि दोनों लंबे समय से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। शारवरी और सनी को अकसर ही फैमिली फंक्शन और दोस्तों के साथ मस्ती करते हुए देखा जाता है। साथ ही वह विक्की कौशल और कैटरीना कैफ को भी काफी पसंद करती हैं उनका काफी सम्मान करती हैं।

राघव के जन्मदिन पर परिणीति का वादा बोलीं- आपसे प्यार और सम्मान के मायने सीखती रहूंगी

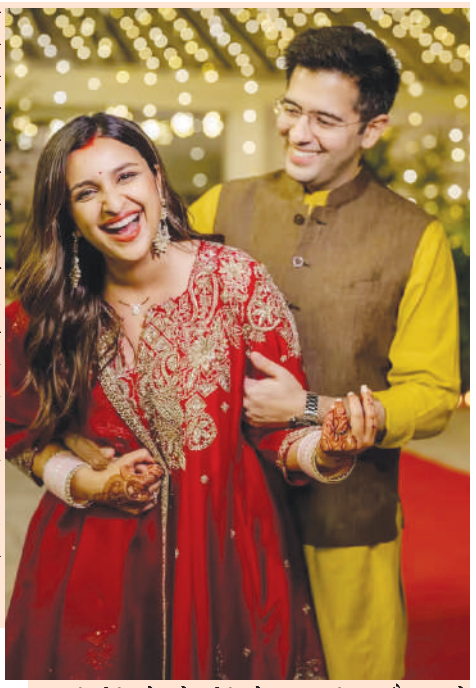

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने अपने पति और आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा के जन्मदिन के अवसर पर सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा किया है। उन्होंने राघव के लिए एक स्पेशल वीडियो शेयर करने के साथ लव नोट लिखा है। इस वीडियो के जरिए परी ने बताया है कि उनका और राघव का स्वभाव एक-दूसरे से बिल्कुल विपरीत है। साथ ही अभनेत्री ने अपने पति से एक वादा भी किया है।

परिणीति चोपड़ा ने एक वीडियो शेयर किया है। इसमें उनकी और राघव की खूबसूरत तस्वीरें हैं। वीडियो के साथ जो वॉइस ओवर वह आरजे सिमरन ने किया है। वीडियो में राघव चड्ढा और परी की निजी और प्रोफेशनल की झलक नजर आ रही है। राघव कहीं चुनावी रैली और कामकाज में व्यस्त हैं तो कहीं परिणीति के साथ क्वालिटी समय बिताते नजर आए हैं।

परिणीति ने जो वीडियो साझा किया है, उसमें कुछ इस तरह की लाइनें साझा की हैं, 'वो जितना शांत मैं उतनी तूफान। वो जितना चुप मेरी उतनी लंबी जुबान। वो वड्डा स्याना, मैं थोड़ी सी नादान...'। इस तरह परिणीति ने साफ कर दिया है कि उनका और राघव का मिजाज बिल्कुल एक-दूसरे से विपरीत है, लेकिन दोनों के बीच गजब की समझ है। परिणीति ने फिल्मी स्टाइल में पति को जन्मदिन की बधाई दी है। आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा अपनी पत्नी अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा के साथ रविवार की देर शाम काशी पहुंचे। दोनों ने दशाश्वमेध घाट पर विश्व विख्यात गंगा आरती देखी। उनके साथ विद्यामठ के बटुक भी मौजूद रहे। उन्हें देखकर लोग सेल्फी और वीडियो बनाते नजर आए।

कौन होगा अक्षय कुमार की सिंह इज किंग सीक्वल का अभिनेता?

अक्षय कुमार और कैटरीना कैफ अभिनीत 2008 की एक्शन कॉमेडी सिंह इज किंग दर्शकों की सबसे पसंदीदा फिल्मों में से एक है। फिल्म निर्माता शैलेंद्र सिंह ने इसके सीक्वल पर काम शुरू कर दिया है। लेकिन हो सकता है कि इस बार फिल्म में अक्षय कुमार की जगह कोई दूसरा बॉलीवुड अभिनता हो।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सिंग इज किंग के सीक्वल के लिए अक्षय कुमार की जगह एक नया लीड एक्टर चुना जाएगा और वह इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ कौन मुख्य भूमिका निभाएगा, इस पर चर्चा तेज हो गई है। दिलचस्प बात यह है कि फिल्म में दो बड़े स्टार्स, रणवीर सिंह और दिलजीत दोसांझ, के नाम सामने आ रहे हैं।

माना जा रहा है कि दोनों अभिनेता फिल्म के लिए संभावित विकल्प हो सकते हैं, लेकिन यह अभी तय नहीं हुआ है कि इनमें से कौन सी फिल्म का हिस्सा बनेगा। रणवीर सिंह और दिलजीत दोसांझ दोनों ही अपने-अपने क्षेत्र में बहुत ही सफल और पॉपुलर अभिनेता हैं। रणवीर जहां अपनी ऊर्जा और अभिनय के लिए जाने जाते हैं, वहीं दिलजीत दोसांझ अपनी कॉमिक टाइमिंग और पंजाबी चार्म से दर्शकों का दिल जीत चुके हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एक इंटरव्यू में शैलेंद्र ने कहा, ₹मैंने सिंह इज किंग 2 पर काम शुरू कर दिया है। मैं अक्टूबर 2025 से इसका निर्माण शुरू करूंगा ताकि मैं इसे 2026 में रिलीज कर सकूं। सिंह इज किंग 2 बनाने के पीछे की वजह के बारे में बात करते हुए, निर्माता ने कहा कि इस समय सीक्वल और रीमेक का दौर चल रहा है। उन्होंने बताया कि फिल्म का अंतिम शीर्षक सिंह इज किंग 2 या सिंह इज किंग रिटर्न्स हो सकता है। शैलेंद्र ने यह भी खुलासा किया कि पहले भाग की तरह नायक का नाम हैप्पी सिंह नहीं रखा जाएगा और एक नया किरदार बनाया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शैलेंद्र ने इस बात पर भी चर्चा की कि वह किसको मुख्य किरदार के रूप में देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि रणवीर सिंह उनकी पहली पसंद हैं और उन्होंने अपनी टीम से संपर्क भी कर लिया है। शैलेंद्र ने कहा, रणवीर की ऊर्जा, चुलबुलापन और मस्ती किरदार के लिए बिल्कुल सही है। साथ ही, रणवीर ने पहले कभी सरदार का किरदार नहीं निभाया है। रणवीर के अलावा दिलजीत दोसांझ उनकी दूसरी पसंद होंगे। पहले भाग, सिंह इज किंग, का निर्देशन अनीस बज़्मी ने किया था और विपुल अमृतलाल शाह ने इसका निर्माण किया था। अक्षय कुमार और कैटरीना कैफ के अलावा , इस फिल्म में सोनू सूद, ओम पुरी, नेहा धूपिया, रणवीर शौरी और जावेद जाफरी भी थे

कमल बोले-एक कलाकार कला से बढ़कर नहीं होता फैंस को दुनिया का हीरो नाम से ना पुकारने को कहा

कमल हासन इस साल फिल्म कल्कि 'कल्कि 2898 एडी' में नजर आए। इस फिल्म में उनका किरदार और अभिनय देखकर दर्शक दंग रह गए। उन्होंने सुपर यास्किन का किरदार निभाया है, जो कि एक नेगेटिव किरदार है। फिल्म में अमिताभ, प्रभास जैसे अभिनेताओं पर कमल हासन का यह किरदार भारी पड़ गया। दर्शकों को फिल्म देखने के बाद उनका ही किरदार सबसे ज्यादा याद रहा। इस फिल्म की अगली कड़ी का कमल हासन के फैंस को बहुत इंतजार है। वह अपने हीरो को एक बार फिर दमदार भूमिका में देखना चाहते हैं। हाल ही में एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कमल हासन ने अपने फैंस से कहा कि वे उन्हें बार-बार उलगानायगन ना कहा करें। असल में दक्षिण भारत में कमल को इसी नाम से फैंस पुकारते हैं। कमल के फैंस उन्हें दुनिया का हीरो मानते हैं।

कमल नाम से पुकारने को कहा

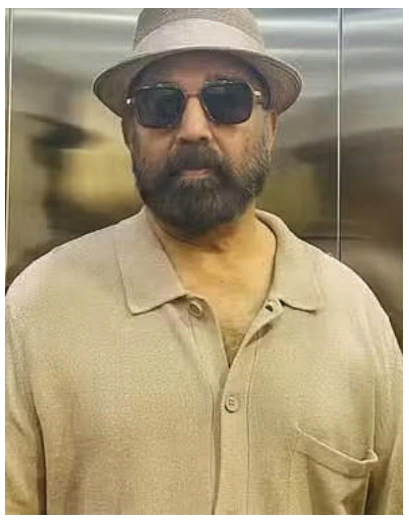

कमल हासन ने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर एक पोस्ट की। इसमें उन्होंने अपने फैंस और मीडिया का पहले तो शुक्रिया अदा किया। इसके बाद कहा कि उन्हें उलगानायगन यानी दुनिया का हीरो नाम से ना पुकारा जाए। कमल अपनी पोस्ट में लिखते हैं कि उन्हें दर्शक सिर्फ उनके नाम कमल के नाम से ही पुकारे।

कला से बढ़कर नहीं कलाकार

कमल आगे लिखते हैं कि मैं सिनेमा का स्टूडेंट हूं। मैं हमेशा सीखता रहता हूं, आगे बढ़ता रहता हूं। मेरी नजर में कला से बढ़कर कलाकार नहीं होता है। साथ ही कहा कि वह अपने लक्ष्य और जड़ों से हमेशा जुड़े रहेंगे। सिनेमा के लिए लगातार काम करते रहेंगे।

आने वाली फिल्मों में दमदार रोल

दर्शक फिल्म 'कल्कि' के दूसरे पार्ट में कमल हासन को देखने का इंतजार तो कर रही रहे हैं। इसके अलावा भी कमल को कई और फिल्मों में आने वाले साल में देखेंगे। इन फिल्मों की लिस्ट में 'इंडियन-3' और 'ठग लाइफ' शामिल है। 'इंडियन 3' तो कमल की चर्चित फिल्म 'इंडियन' का ही सीक्वल है। इस सीरीज के जरिए वह सामाजिक और भष्ट्राचार जैसी समस्याओं को बखूबी दिखाते हैं और एक हीरो के तौर पर उसका हल भी बताते हैं।

राधिका आप्टे की 'साली मोहब्बत' को मनीष मल्होत्रा ने किया प्रोड्यूस

अभिनेत्री राधिका आप्टे की फिल्म 'साली मोहब्बत' का वर्ल्ड प्रीमियर 55वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (इफ्फी) गोवा में होने वाला है। फिल्म 22 नवंबर 2024 को इस फिल्म फेस्टिवल में दिखाई जाएगी। इस फिल्म के जरिए टिस्का चोपड़ा ने निर्देशन की दुनिया में पहला कदम रखा है। साथ ही डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के प्रोडक्शन में बनी यह पहली फिल्म है।

रेड कारपेट पर नजर आएंगे ये सितारे

55वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (इफ्फी) गोवा में 'साली मोहब्बत' का प्रीमियर इस समारोह के प्रमुख बिंदुओं में से एक है। इस फिल्म के प्रीमियर पर राधिका आप्टे, अभिनेता दिव्येंदु के साथ अंशुमान पुष्कर भी नजर आएंगे। साथ ही निर्माता ज्योति देशपांडे और मनीष मल्होत्रा, निर्देशक टिस्का चोपड़ा भी नजर आएंगी।

फिल्म में नजर आएंगे ये सितारे

जियो स्टूडियो और मनीष मल्होत्रा के स्टेज 5 प्रोडक्शन की फिल्म 'साली मोहब्बत' एक

सस्पेंस ड्रामा और थ्रिलर से भरी फिल्म है। फिल्म में राधिका आप्टे, दिव्येंदु, अंशुमान पुष्कर, सौरसेनी मैत्रा, शरत सक्सेना और अनुराग कश्यप जैसे कलाकार हैं, जो इस सस्पेंस भरी कहानी में शानदार अभिनय कर रहे हैं।

टिस्का चोपड़ा ने साझा किए विचार

फिल्म की निर्देशक टिस्का चोपड़ा ने कहा कि साली मोहब्बत फिल्म की कहानी मेरे दिल के बेहद करीब है। मैं मनीष मल्होत्रा और जियो स्टूडियो का धन्यवाद करती हैं क्योंकि उन्होंने मेरे नजरिए पर भरोसा किया। मैं आशा करती हूं कि दर्शक फिल्म से जुड़ पाएंगे। उन्हें ये कहानी पसंद आएगी।

ऐसी है फिल्म की कहानी

फिल्म में सस्पेंस और थ्रिलर भरी कहानी है। मैं खुश हूं कि फिल्म का प्रीमियर गोवा में होने वाले इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में होगा। यह फिल्म एक मर्डर मिस्ट्री है, इसमें बेवफाई, धोखे और प्यार की कहानी है। इस फिल्म के जरिए राधिका आप्टे काफी लंबे समय के बाद कमबैक करने जा रही हैं।

बॉलीवुड बनाम साउथ इंडस्ट्री पर बोले वरुण तेज हमारे यहां मैनेजर और टैलेंट एजेंसी का चलन नहीं

तेलुगु सिनेमा के स्टार वरुण तेज फिल्म 'मटका' के जरिए एक बार फिर हिंदी दर्शकों के बीच आ रहे हैं। इससे पहले वो फिल्म 'ऑपरेशन वैलेंटाइन' में नजर आ चुके हैं। उनके पिता ने कभी भी उनके लिए फिल्म प्रोड्यूस नहीं की। उन्होंने यह भी बताया कि तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में मैनेजर और टैलेंट एजेंसी का चलन नहीं है।

बता दें कि वरुण तेज के पिता नागेंद्र बाबू तेलुगु सिनेमा के बहुत बड़े प्रोड्यूसर हैं। चिरंजीवी और पवन कल्याण उनके चाचा लगते हैं। राम चरण, अल्लू अर्जुन, अल्लू सिरीश, साईं तेज और पंजा वैष्णव तेज उनके चचेरे भाई हैं। इतने बड़े फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद वरुण तेज ने इंडस्ट्री में अपनी पहचान अपने दम पर बनाई है।

यह फिल्म 1970 के दशक के मशहूर मटका किंग रतन खत्री के जीवन से प्रेरित है। वह किस तरह से बर्मा से रिफ्यूजी बनकर भारत 1960 में आया था। यहां आकार वह कैसे मटका किंग बना। इसमें उनकी 20 साल से 60 साल की पूरी जर्नी को दिखाया गया है। यह फिल्म 14 नवंबर 2024 को हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषा में एक साथ रिलीज हो रही है।

यह मटका किंग रतन खत्री के जीवन से प्रेरित जरूर है, लेकिन इसमें मैं वासु का काल्पनिक

किरदार निभा रहा हूं। फिल्म के डायरेक्टर करुणा कुमार ने बहुत सारे रिसर्च किए हैं। रतन खत्री की कहानी को हमने एक नए अंदाज में पेश किया है। किरदार को समझने के लिए हमने डायरेक्टर के साथ वर्कशॉप किए। इसमें आपको मुझमें अमिताभ बच्चन, कमल हासन और मार्लन ब्रैंडो की झलक दिखेगी।

मैंने 80 के दशक की फिल्में देखनी शुरू की। शुरुआत में मैंने बहुत सारी तेलुगु फिल्में देखी हैं। मेरी सबसे पसंदीदा हॉलीवुड की फिल्म 'द गॉडफादर' है। मार्लन ब्रैंडो बहुत ही कमाल के एक्टर हैं। उनके अलावा इस फिल्म में अल पचीनो ने भी काम किया था। उनकी बहुत सारी फिल्में मुझे पसंद हैं। हिंदी में सबसे पहले मैंने संजय दत्त की फिल्म 'वास्तव' देखी थी।

मेरे डैड तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के बड़े प्रोड्यूसर हैं, लेकिन उन्होंने कभी मेरे लिए फिल्म नहीं प्रोड्यूस की। चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर पहली बार तेलुगु फिल्म 'हैंड्स अप' में काम किया था। उसके लिए फिल्म के डायरेक्टर शिव नागेश्वर राव ने डैडी से बात की थी। इसके बाद मैंने 2014 में तेलुगु फिल्म 'मुकुंदा' से डेब्यू किया। कभी मेरी फिल्म का म्यूजिक या फिर ट्रेलर लॉन्च हुआ तो परिवार के लोग सपोर्ट के लिए आते हैं।

मैं मानता हूं कि पहली फिल्म के बाद भी एक्टर के लिए स्ट्रगल रहता ही है। हर फ्राइडे एक्टर की किस्मत बदलती है। हिट फिल्म के बावजूद अगली फिल्म के लिए खूब मेहनत करनी पड़ती है। एक्टर के लिए सबसे बड़ा चैलेंज अच्छी स्क्रिप्ट का चयन करना होता है।

काम करने का तरीका थोड़ा अलग रहता है। हमारी तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में मैनेजर और टैलेंट एजेंसी का चलन नहीं है। मुझे अगर कोई स्क्रिप्ट सुनाना चाहे तो मुझे डायरेक्ट फोन कर सकता है। बाकी फिल्म मेकिंग का प्रोसेस तो एक ही जैसा है, बस अप्रोच करने का तरीका यहां से अलग है। इंडस्ट्री में लोग पैशन के लिए आते हैं, क्योंकि सिर्फ पैसे कमाने के बहुत सारे साधन हैं।

इस फिल्म के लिए तो नहीं की है। पिछली फिल्म 'ऑपरेशन वैलेंटाइन' की हिंदी डबिंग की थी। उसके लिए मैंने चार महीने तक हिंदी सीखी थी। लेकिन 'मटका' को सिर्फ छह दिन में ही डब करना था। इतने कम समय में डबिंग नहीं कर सकता था, लेकिन ट्रेलर और टीजर को मैंने ही डब किया है।

शुगर कंट्रोल रखने के लिए आहार को ठीक रखना सबसे जरूरी

डायबिटीज की समस्या किसी भी उम्र के व्यक्ति को प्रभावित कर सकती है। यहां तक कि दो-तीन साल के बच्चों को भी डायबिटीज का शिकार देखा जा रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, लाइफस्टाइल और आहार में गडबड़ी के कारण टाइप-2 डायबिटीज रोग का खतरा सबसे ज्यादा देखा जाता है। ब्लड शुगर का अक्सर सामान्य से अधिक बने रहना सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। यही कारण है कि जिन लोगों का शुगर लेवल कंट्रोल नहीं रहता है उनमें किडनी, आंखों और तंत्रिकाओं से संबंधित समस्या विकसित हो सकती है।

डॉक्टर कहते हैं, सभी लोगों के लिए शुगर की नियमित जांच करते रहना और इसे कंट्रोल में रखने के उपाय करना जरूरी है। वैश्विक स्तर पर बढ़ती इस गंभीर और क्रोनिक बीमारी के बारे में लोगों को जागरूक करने, इससे बचाव को लेकर लोगों को शिक्षित करने के उद्देश्य से हर साल 14 नवंबर को विश्व मधुमेह दिवस मनाया जाता है।

डायबिटीज को कंट्रोल रखने में आहार की विशेष भूमिका होती है। आइए जानते हैं कि मधुमेह के शिकार लोगों को क्या खाना चाहिए और क्या नहीं?

डायबिटीज में आहार की विशेष भूमिका

डॉ कहते हैं, डायबिटीज को कंट्रोल रखने और इसकी जटिलताओं को कम करने में आहार की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। मधुमेह से पीड़ित लोगों के लिए स्वस्थ और पौष्टिक आहार बहुत जरूरी है। भोजन में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा कम रखकर शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। नट्स और मछली से फैटी एसिड प्राप्त होता है, जो न सिर्फ डायबिटीज को कंट्रोल रखने में सहायक है साथ ही इससे डायबिटीज के कारण होने वाली हृदय संबंधित समस्याओं को भी कम किया जा सकता है।

डायबिटीज में क्या खाना चाहिए?

डायबिटीज रोगियों को आहार में पौष्टिक चीजों को जरूर शामिल करना चाहिए।

हरी, पत्तेदार सब्जियां

हरी, पत्तेदार सब्जियां पोटेशियम, विटामिन-ए और कैल्शियम का बेहतर स्रोत हैं। इससे प्रोटीन और फाइबर भी प्राप्त किया जा सकता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि हरी, पत्तेदार सब्जियां खाने से मधुमेह के रोगियों को लाभ हो सकता है।

वसायुक्त मछलियां

वसायुक्त मछलियों को भी आहार का हिस्सा बनाना बहुत लाभदायक है। इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड होते हैं जो डायबिटीज के कारण होने वाली समस्याओं से बचाने के साथ हृदय और मस्तिष्क के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में बहुत फायदेमंद हैं।

अखरोट

डायबिटीज के शिकार लोगों को आहार में नट्स को जरूर शामिल करना चाहिए। मछलियों की तरह, नट्स में भी फैटी एसिड होते हैं जो हृदय को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। अखरोट विशेष रूप से अल्फा-लिनोलेनिक एसिड नामक ओमेगा-3 से भरपूर होते हैं। मधुमेह रोगियों में हृदय रोग या स्ट्रोक का जोखिम अधिक हो सकता है, इसलिए इन फैटी एसिड का सेवन करना महत्वपूर्ण है।

खट्टे फल

विटामिन-सी से भरपूर खट्टे फलों को आहार में शामिल करना डायबिटीज रोगियों के लिए बहुत लाभकारी है। ये विटामिन्स और खनिज प्राप्त करने का अच्छा तरीका हो सकता है। संतरे, अंगूर और नींबू जैसे खट्टे फल मधुमेह से पीड़ित लोगों को लाभ पहुंचा सकते हैं। इसमें मौजूद विटामिन-सी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर कई प्रकार की बीमारियों से बचाने में मदद करती है।

डायबिटीज में क्या नहीं खाना चाहिए?

आहार में बदलाव करके मधुमेह को नियंत्रित किया जा सकता है। हमेशा उन्हीं चीजों का सेवन करना चाहिए जिनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) कम होता हो। हाई जीआई वाले खाद्य पदार्थ तेजी से रक्त शर्करा को बढ़ा देते हैं। सफेद ब्रेड, सफेद चावल, पास्ता, आलू,चॉकलेट, कुकीज, केक, कोल्ड ड्रिंक्स और फलों के पैक्ड जूस से शुगर लेवल बढ़ने का खतरा रहता है। इन चीजों का सेवन कम से कम करना या बिल्कुल परहेज करना आपके लिए जरूरी है।

प्रदूषण के कारण आंखों में हो रही है जलन और खुजली? इन उपायों से पा सकते हैं आराम

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और एनसीआर सहित कई राज्य इन दिनों वायु प्रदूषण की मार झेल रहे हैं। हवा में बढ़ते प्रदूषक सांस के माध्यम से शरीर में पहुंचकर कई प्रकार की बीमारियों को बढ़ाने वाले हो सकते हैं। वायु प्रदूषण के संपर्क में रहने के कारण सांस से संबंधित समस्याओं का जोखिम तो बढ़ता ही है साथ ही ये हृदय रोग, फेफड़ों में संक्रमण सहित कई अन्य प्रकार की समस्याओं को भी बढ़ाने वाली हो सकती है। प्रदूषण के कारण प्रारंभिक स्थिति में आंखों में जलन, लालिमा और खुजली होने की समस्या सबसे ज्यादा देखी जाती रही है।

आंखें हमारे शरीर की सबसे नाजुक अंग हैं। चूंकि ये बाहरी वातावरण के संपर्क में सबसे ज्यादा रहती हैं इसलिए इन्हें वायु प्रदूषण के प्रति अधिक संवेदनशील भी माना जाता है। यही कारण है कि कुछ लोगों को थोड़े समय भी प्रदूषित हवा में रहने के कारण लालिमा या जलन की एहसास हो सकता है।

अगर आप भी प्रदूषित वातावरण में रहते हैं और आंखों की समस्याओं का अनुभव कर रहे हैं तो आइए जानते हैं कि इसमें कैसे आराम पाया जा सकता है?

प्रदूषण का आंखों पर असर

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, दिल्ली और आस-पास के इलाकों में जहरीले वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। प्रदूषण के कारण होने वाली समस्याओं को लेकर किए गए कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि एनसीआर में हवा की गुणवत्ता सेहत के लिए एक दिन में चालीस सिगरेट पीने जितनी खराब है।

हमारी आंखें पर्यावरण में मौजूद हानिकारक रसायनों के सबसे अधिक सीधे संपर्क में आती हैं। प्रदूषण और स्मॉग के कारण आंखों में एलर्जी और आंखों को क्षति होने का भी खतरा रहता है।

आंखों में होने वाली समस्याएं

वायु प्रदूषण/धुंध के कारण आंखों में कई तरह की दिक्कतें हो सकती हैं। इसमें आंखों से पानी आना, जलन होना, दर्द और लालिमा, सूजन की समस्या सबसे ज्यादा देखी जाती हैं। प्रदूषण के कारण ड्राई आइज होने का खतरा भी काफी बढ़ सकता है जिसमें आंखों में सूखापन, किरकिरापन या ऐसा महसूस हो सकता है जैसे आंख में कोई कण पड़ा हो। इसी तरह आंखों में एलर्जी के कारण खुजली, लालिमा, आंखों से पानी आने, पलकों में सूजन, धुंधला दिखने और संक्रमण का जोखिम भी बढ़ जाता है।

क्या कहते हैं डॉक्टर?

डॉक्टर कहते हैं, सबसे जरूरी है कि आंखों को हानिकारक प्रदूषकों के संपर्क में आने से बचाना होगा। जिन दिनों प्रदूषण का स्तर अधिक होता है उसमें विशेष सावधानी बरतें। घर के अंदर रहें, खासकर सुबह के समय जब प्रदूषण का स्तर अपने चरम पर होता है। यदि आपको बाहर निकलना पड़ता है, तो सुरक्षात्मक चश्मा पहनें जिससे आंखों को प्रदूषकों के सीधे संपर्क में आने से बचाया जा सके। जिन लोगों को पहले से ही आंखों से संबंधित कोई दिक्कत है उन्हें और भी अलर्ट रहना चाहिए।

आंखों में हो रही हों दिक्कतें तो क्या करें?

आंखों में किसी भी तरह की दिक्कत होने की स्थिति में कुछ उपाय कर सकते हैं।

अपने हाथों को बार-बार धोएं और आंखों को छूने से बचें।

शरीर को हाइड्रेटेड रखें, यह पर्याप्त आंसू बनाने में मदद करेगा। ऐसा करके ड्राई आइज की समस्या से बचा जा सकता है।

आंखों में जलन या खुजली होने पर इसे रगड़ें नहीं। साफ पानी से आंखों को धोएं।

ज्यादा दिक्कत होने पर किसी डॉक्टर की सलाह पर आई ड्रॉप का इस्तेमाल किया जा सकता है।

मोबाइल फोन और लैपटॉप या किसी स्क्रीन वाली डिवाइस के अत्यधिक उपयोग से बचें, इससे भी ड्राई आइज का खतरा बढ़ सकता है। बाहर जाते समय धूप का चश्मा पहनें जो आंखों को कवर करती हों।

जहरीली हवा सिर्फ फेफड़े नहीं दिमाग को भी नुकसान पहुंचा रही

एयर पॉल्यूशन से केवल आपके फेफड़े नहीं, बल्कि दिमाग को भी खतरा होता है। जामा जर्नल में दो हालिया स्टडीज के मुताबिक, लंबे समय तक जहरीली हवा में सांस लेने पर आपको डिप्रेशन हो सकता है। यानी वायु प्रदूषण आपकी मेंटल हेल्थ खराब कर रहा है।

क्या कहती हैं दोनों रिसर्च?

पहली स्टडीः नेटवर्क ओपन जर्नल की रिसर्च के अनुसार, लंबे समय तक खराब हवा से एक्सपोज होने से लोगों में डिप्रेशन के लक्षण आ रहे हैं। यह ज्यादातर बुजुर्गों में देखा जा रहा है।

दूसरी स्टडीः जामा साइकियाट्री जर्नल की रिसर्च में वैज्ञानिकों ने कहा है कि हवा में मौजूद दूषित कणों की कम मात्रा से भी आपको डिप्रेशन और एंग्जाइटी हो सकती है।

बुजुर्गों पर हुई रिसर्च

दूसरी रिसर्च में 64 साल से ज्यादा के बुजुर्गों को शामिल किया गया। ये सभी अमेरिका के रहने वाले थे। रिसर्चर्स के मुताबिक, 2005 से 2016 के बीच में 90 लाख में से 15.2 लाख बुजुर्गों में डिप्रेशन के लक्षण देखे गए। ऐसा लंबे समय तक जहरीली हवा में रहने से हुआ। वैज्ञानिकों का कहना है कि लोगों में एक उम्र के बाद ये लक्षण देखने को मिल रहे हैं।

ट्रैफिक, पावर प्लांट का पॉल्यूशन खतरनाक

जिन दूषित कणों के कारण लोगों में डिप्रेशन देखने को मिल रहा है, उनमें ट्रैफिक से निकालने वाला प्रदूषण, धूल, धुआं, नाइट्रोजन डाई-ऑक्साइड, पावर प्लांट से निकलने वाला प्रदूषण आदि शामिल है। रिसर्चर्स का कहना है कि युवाओं में भी इसका असर देखने को मिल सकता है। एयर पॉल्यूशन से उनकी मेमोरी कमजोर होने, शारीरिक बीमारी होने और मौत तक का खतरा है।

एयर क्वालिटी से मेंटल डिसऑर्डर का खतरा

पहली स्टडी में ब्रिटेन और चीन के 3 लाख 90 हजार लोगों को शामिल किया गया। इनकी सेहत को 11 साल तक मॉनिटर किया गया।

वैज्ञानिकों ने पाया कि ब्रिटेन में एयर क्वालिटी खराब होने पर लोगों में डिप्रेशन और एंग्जाइटी के लक्षण देखे गए। यानी बढ़ती उम्र के साथ लोगों को खराब हवा से मेंटल डिसऑर्डर्स का रिस्क होता है।

कॉफी पीने के स्वास्थ्य लाभ हैं कई गंभीर रोगों के जोखिम को करती है कम

कॉफी ताजगी और ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने वाला पेय पदार्थ होता है। कई लोगों की नींद बिना कॉफी के खुलती ही नहीं। हालांकि कई रिपोर्ट्स में कॉफी के अधिक सेवन को नुकसानदायक बताया गया है।

कॉफी में कैफीन नाम का मुख्य घटक पाया जाता है, जिस के अधिक सेवन से गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। लेकिन अगर सही मात्रा में कॉफी का सेवन किया जाए तो शरीर के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक, कॉफी कई तरह की बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद करता है।

कॉफी पर हुए कुछ अध्ययनों के मुताबिक, कॉफी का सेवन अगर सही मात्रा में किया जाए तो गंभीर रोगों में लाभ मिल सकता है। कॉफी के उच्च स्तर के एंटीऑक्सीडेंट और पोषक तत्व सेहत के लिए फायदेमंद हो सकते हैं। कई तरह की गंभीर बीमारियों का खतरा भी कॉफी पीने से कम हो सकता है। चलिए जानते हैं सही मात्रा में कॉफी के सेवन से होने वाला स्वास्थ्य लाभ।

कॉफी मधुमेह रोगियों के लिए फायदेमंद

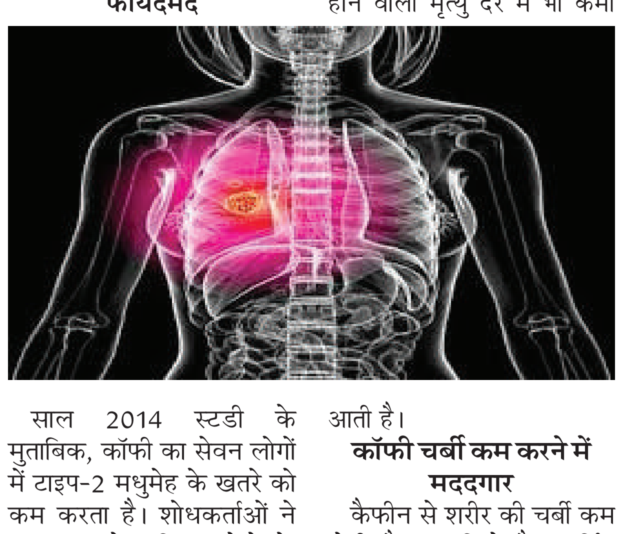

साल 2014 स्टडी के मुताबिक, कॉफी का सेवन लोगों में टाइप-2 मधुमेह के खतरे को कम करता है। शोधकर्ताओं ने 48,000 से अधिक लोगों के डेटा अध्ययन में पाया कि जिन लोगों ने चार सालों में रोजाना कम से कम एक बार कॉफी का सेवन किया है, उनमें मधुमेह का खतरा 11 फीसदी तक कम हुआ है। लेकिन डायबिटीज रोगियों को डॉक्टर की सलाह से ही कॉफी का सेवन करना चाहिए।

कॉफी से लिवर कैंसर का जोखिम होता है कम

2019 में हुए एक अध्ययन के निष्कर्ष में कहा गया कि कॉफी के सेवन से लिवर कैंसर का खतरा कम हो सकता है। इसके पहले साल 2015 में अमेरिका में भी शोधकर्ताओं ने पाया था कि रोजाना दो से तीन कप कॉफी का सेवन करने से प्रतिभागियों में हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा और क्रोनिक लिवर रोग होने का जोखिम करीब 38 फीसदी तक कम हो सकता है।

कॉफी ब्लड प्रेशर को करती है नियंत्रित

कॉफी में पाया जाने वाला कैफीन का सही मात्रा में सेवन फायदेमंद भी होता है। कैफीन के सेवन से रक्तचाप और हृदय स्वास्थ्य को लाभ मिलता है। साल 2018 में हुए एक अध्ययन के मुताबिक, प्रतिदिन तीन से पांच कप कॉफी पीने से हृदय रोग का जोखिम 15 फीसदी तक कम हो सकता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि रोजाना एक से चार कप कॉफी पीने से दिल की बिमारी के कारण होने वाली मृत्यु दर में भी कमी आती है।

कॉफी चर्बी कम करने में मददगार

कैफीन से शरीर की चर्बी कम होती है। इन दिनों फैट बर्निंग सप्लीमेंट्स में कैफीन पाया जाता है। कैफीन मेटाबॉलिज्म की दर को 3-11% तक बढ़ा सकता है। मोटे व्यक्तियों के फैट को कम करने में कॉफी असरदार है।

हार्ट अटैक होने पर मात्र सात रुपये में बच सकती है आपकी जान, अपने पास जरूर रखें ये तीन दवाएं

हृदय रोग दुनियाभर में तेजी से बढ़ती समस्या है। गंभीर स्थितियों में हार्ट अटैक के कारण हर साल लाखों लोगों की मौत हो जाती है। साल 2021 में कार्डियोवैस्कुलर डिजीज (सी.वी.डी) के कारण 20.5 मिलियन (दो करोड़ से अधिक) मौतें हुईं, जो वैश्विक स्तर पर होने वाली सभी मौतों का लगभग एक तिहाई है। वहीं सीवीडी से होने वाली 85% मौतों के लिए हार्ट अटैक और स्ट्रोक को जिम्मेदार पाया गया।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को हृदय स्वास्थ्य को लेकर विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता है। हाल के वर्षों में 20 से कम उम्र के लोगों में भी हार्ट अटैक से मौत के मामले रिपोर्ट किए गए हैं।

डॉक्टर कहते हैं, अगर किसी को हार्ट अटैक हो जाए तो समय पर लक्षणों की पहचान करके यदि सीपीआर दे दी जाए तो रोगी की जान बच सकती है। हार्ट अटैक की स्थिति में जान बचाने के लिए डॉक्टर ने एक और कारगर तरीके के बारे में जानकारी दी है जिसके बारे में जानना सभी लोगों के लिए जरूरी है।

हार्ट अटैक के बाद बचा सकते हैं रोगी की जान

हार्ट अटैक के बाद रोगी की जान कैसे बचाई जा सकती है, इस बारे में कानपुर हृदय रोग संस्थान के डॉक्टर नीरज कुमार ने बड़ी जानकारी साझा की है। डॉक्टर ने दवाओं की एक ऐसी किट के बारे में बताया है जो हार्ट अटैक के समय में 'संजीवनी' साबित हो सकती है।

डॉक्टर नीरज कहते हैं, किसी को हार्ट अटैक होने पर तुरंत तीन दवाएं दे दी जाएं तो उसकी जान बचने की संभावना काफी बढ़ सकती है। ये दवाएं उसी तरह से काम करती हैं जैसे हार्ट अटैक के बाद अस्पताल में भर्ती होने पर दी जाने वाली दवाएं।

क्या कहते हैं डॉक्टर

दवाओं के इस संयोजन को रामकिट नाम दिया गया है। डॉक्टर नीरज कहते हैं, हार्ट अटैक की स्थिति में रोगी को अस्पताल पहुंचाने में कम से कम 30-40 मिनट लग ही जाता है, ये समय काफी महत्वपूर्ण होता है। सभी लोगों को ये किट अपने पास रखनी चाहिए, जिससे इमरजेंसी की स्थिति में तुरंत इसको लिया जा सके, कई मामलों में ये अस्पताल पहुंचते-पहुंचते रोगी के लक्षणों को ठीक भी कर सकती है।

कैसे लेनी होती हैं ये दवाएं?

डॉक्टर बताते हैं, हार्ट अटैक के लक्षण दिखने पर तुरंत दो इकोसप्रिन **(Ecosprin 75), एक रोसुवास्टेटिन (Rosuvastatin 20mg) खा लें। इसके बाद सोब्रिट्रेट (Sorbitrate 5mg)** की टेबलेट को जीभ पर रखकर उसे चूसें। इससे मरीज की जान बचाई जा सकती है। इन दवाओं की कीमत 6-7 रुपये होती है। यानी सात रुपये में आप अपनी जान बचा सकते हैं।

कैसे काम करती है ये दवा?

हार्ट अटैक की स्थिति में रक्त के थक्के बनने लगते हैं इकोसप्रिन ब्लड थिनर के रूप में काम करती है और थक्कों को कम करने में मदद करती है। रोसुवास्टेटिन कोलेस्ट्रॉल कम करने की दवा है ये उस थक्के के प्रसार को रोकती है। वहीं सोब्रिट्रेट को चूसने से ये इंजेक्शन की तरह काम करती है और नसों को खोलने में मदद करती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को अपने पास ये दवा जरूर रखनी चाहिए। हार्ट अटैक जैसी आपात स्थिति में ये बड़े काम की साबित हो सकती है।

गठिया और सूजन की दिक्कतों में बहुत लाभकारी हैं ये छोटे बीज

शरीर को स्वस्थ और फिट रखने के लिए कुछ प्रकार के नट्स और सीड्स को बहुत फायदेमंद माना जाता है। चिया सीड्स, फ्लैक्स सीड्स, कद्दू के बीज खाने से होने वाले फायदों के बारे में खूब चर्चा होती रही है। इस लेख में हम अलसी के बीज और इसके तेल से होने वाले फायदों के बारे में जानेंगे। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आहार में अलसी के बीजों को शामिल करना आपको कई प्रकार की बीमारियों से बचाने वाला हो सकता है।

अलसी के बीजों के अनेक फायदे होने के साथ-साथ इसका तेल भी औषधीय गुणों से भरपूर होता है। प्रतिदिन अलसी के तेल का सेवन करने से कब्ज और दिल से जुड़ी समस्याओं से निजात मिल सकती है। हृदय स्वास्थ्य को लेकर किए गए अध्ययनों में पाया गया है कि रोजाना इन सीड्स का सेवन करके कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर के जोखिमों को कम कर सकते हैं, जिसे हृदय रोगों का प्रमुख कारक माना जाता है।

अलसी के बीज के फायदे

अलसी के बीज प्रोटीन, फाइबर और ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होते हैं, इन सभी पोषक तत्वों की हमें नियमित रूप से जरूरत होती है। अध्ययनों से पता चलता है कि कुछ प्रकार के कैंसर के जोखिम को कम करने, वजन को कंट्रोल बनाए रखने और कोलेस्ट्रॉल और रक्तचाप जैसी दिक्कतों को कम करने में इन बीज के सेवन से लाभ पाया जा सकता है। अलसी में थायमिन की मात्रा होती है, जो विटामिन-बी का एक प्रकार है। ये मेटाबॉलिज्म के साथ-साथ कोशिकाओं के कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अलसी कॉपर का भी अच्छा स्रोत माना जाता है, जो मस्तिष्क के विकास, प्रतिरक्षा प्रणाली को ठीक रखने के लिए जरूरी है।

अलसी के तेल से सूजन में मिलती है राहत

अलसी के तेल में अल्फा लिनोलेनिक एसिड भरपूर मात्रा में पाई जाती है, जिसे सूजन को कम करने के लिए जाना जाता है। अल्फा-लिनोलेनिक एसिड को शरीर ओमेगा-3 फैटी एसिड में बदल देता है। यह यौगिक एंटी-इंफ्लामेटरी गुणों के लिए जाना जाता है।

ज्यादातर भारतीय खा रहे हैं तय मात्रा से दोगुना अधिक नमक

हाई सोडियम (नमक) वाली चीजों को सेहत के लिए कई प्रकार से नुकसानदायक माना जाता रहा है। अध्ययनों से पता चलता है कि नमक वाली चीजों के अधिक सेवन के कारण ब्लड प्रेशर बढ़ने का खतरा रहता है जिसे हृदय रोगों का प्रमुख कारण माना जाता है। पर इसके नुकसान सिर्फ हृदय रोगों तक ही सीमित नहीं हैं, ये आदत आपमें किडनी की बीमारी, हड्डियों की कमजोरी को भी बढ़ाने वाली हो सकती है। यानी शरीर को स्वस्थ और फिट रखना है तो आहार में नमक की मात्रा कम करना बहुत जरूरी है।

ज्यादा नमक खाने के कारण होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं और इससे बचाव के लिए सबसे पहले ये जानना जरूरी है कि हमें कितनी मात्रा में नमक खाना चाहिए? और कितना नमक नुकसानदायक हो सकता है।

एक रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत में ज्यादातर लोग विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा अनुशंसित मात्रा से दो-तीन गुना अधिक नमक खाते हैं। कहीं आप भी तो बहुत अधिक नमक का सेवन नहीं कर रहे हैं?

कितना नमक खाना सेहत के लिए ठीक है?

डब्ल्यूएचओ के विशेषज्ञ कहते हैं, अच्छी सेहत के लिए वयस्कों को दिनभर में 4-5 ग्राम से अधिक नमक का सेवन नहीं करना चाहिए। ये मात्रा एक चम्मच नमक के बराबर है। यहां समझना जरूरी है कि नमक के सेवन का मतलब सिर्फ भोजन में डालने वाले नमक से नहीं है। चिप्स, नमकीन, पैक्ड फूड्स, जंक फूड आदि में भी नमक की अधिक मात्रा होती है। इन सभी चीजों को मिलाकर एक दिन में एक टेबलस्पून से अधिक नमक नहीं खाना चाहिए।

भारत में नमक की खपत अधिक

इसी साल मई में प्रकाशित डब्ल्यूएचओ की वैश्विक रिपोर्ट में चिंता जताते हुए विशेषज्ञों ने कहा था कि भारतीय लोग तय मात्रा से बहुत अधिक नमक का सेवन करते हैं। रिपोर्ट में भारत को अत्यधिक नमक की खपत वाले शीर्ष 50 देशों में रखा गया है। स्वस्थ शरीर के लिए आदर्श मात्रा प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 5 ग्राम तक है, जबकि ज्यादातर लोग प्रतिदिन 11 ग्राम से अधिक नमक खाते हैं।

सोडियम वाली चीजों के अधिक सेवन के कारण हृदय रोग, गैसट्रिक कैंसर, मोटापा, ऑस्टियोपोरोसिस और गुर्दे की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

बढ़ता जा रहा है हाई ब्लड प्रेशर का खतरा

नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे की रिपोर्ट कहती है, हर चार में से एक व्यक्ति हाइपरटेंशन का शिकार हो सकता है। हाइपरटेंशन या हाई ब्लड प्रेशर को हृदय रोगों के लिए प्रमुख जोखिम कारक माना जाता है। डॉक्टर कहते हैं, आहार में नमक की मात्रा कम करके ब्लड प्रेशर को कंट्रोल रखा जा सकता है। इस एक आदत में सुधार करके आप हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी जानलेवा स्वास्थ्य समस्याओं से भी बचे रह सकते हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चिंता जताई है कि ज्यादातर लोग भोजन में तो नमक कम कर लेते हैं पर 70 प्रतिशत नमक की मात्रा प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों और चिप्स-नमकीन जैसी चीजों में हो सकती है, जिससे अधिकतर लोग अनजान होते हैं।

कैसे जानें कहीं आप भी तो नहीं खा रहे हैं ज्यादा नमक?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, बहुत ज्यादा नमक खाने के कारण आपको फौरी तौर पर कुछ लक्षणों का अनुभव हो सकता है, जिसपर ध्यान देना आवश्यक हो जाता है। ज्यादा नमक वाली चीजों के सेवन के कारण आपको पेट फूलने, ब्लड प्रेशर बढ़े रहने, पैरों में सूजन, बहुत अधिक प्यास लगने जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। अगर आपको भी इस तरह की दिक्कतों का अनुभव होता है तो नमक या वो चीजें खाना कम कर दें जिनमें नमक की अधिकता हो सकती है।

भारत और रूस की साझेदारी दुनिया के लिए बेहतर साबित होगी

मुंबई में बोले विदेश मंत्री एस जयशंकर

नई दिल्ली,11 नवंबर (एजेंसियां)। रूस ने 2022 से एशिया पर अधिक ध्यान केंद्रित किया है। इससे सहयोग के कई और अवसर पैदा हुए हैं। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने सोमवार को मुंबई में आयोजित भारत-रूस व्यापार मंच को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, दोनों देशों के बीच मजबूत सहयोग और गहरी दोस्ती का एक लंबा इतिहास रहा है। हमारी दोस्ती का इतिहास हमें दोनों कारकों का सर्वोत्तम लाभ उठाने की अनुमति देता है। दोनों अर्थव्यवस्थाएं एक-दूसरे की पूरक हैं, यह भी एक महत्वपूर्ण विचार है। 8% विकास दर वाले बाजार भारत और तकनीकी क्षेत्र के दिग्गज रूस के बीच साझेदारी दोनों देशों के लिए और दुनिया के लिए अच्छी साबित होगी।विदेश मंत्री

डॉ. एस जयशंकर ने कहा, मैं 10 महत्वपूर्ण घटनाक्रमों पर प्रकाश डालना चाहता हूं, जिन पर हमें ध्यान देने की आवश्यकता है। पहला, आज हमारा द्विपक्षीय व्यापार 66 बिलियन डॉलर है। इससे 2030 तक 100 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का लक्ष्य यथार्थवा से कहीं अधिक हो जाता है। दूसरा, व्यापार संतुलन को तत्काल सुधारने की आवश्यकता है क्योंकि यह बहुत एकतरफा है... तीसरा, भारत-यूरेशियन आर्थिक संघ व्यापार-वस्तु वार्ता इस वर्ष मार्च में शुरू हुई। हमें इसे जोरदार तरीके से आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। चौथा, अप्रैल 2024 में मास्को में पहला द्विपक्षीय निवेश मंच आयोजित किया गया... पांचवां, 2024 से 29 तक रूसी सुदूर पूर्व के संबंध में सहयोग के कार्यक्रम पर वार्षिक शिखर सम्मेलन के दौरान जुलाई में हस्ताक्षर किए गए। यह कनेक्टिविटी क्षेत्र सहित अन्य संबंधित गतिविधियों को प्रोत्साहित करता है। छठा, राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार का आपसी समझौता बहुत महत्वपूर्ण है, खासकर वर्तमान परिस्थितियों में...। सातवां, मई 2024 में अधिकृत आर्थिक ऑपरेटरों पर हमारे दोनों देशों के सीमा शुल्क अधिकारियों के बीच द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर करने से व्यापार को सुचारू बनाने पर बड़ा प्रभाव पड़ा है। व्यापार करने में आसानी। आठ, हमारे बीच तीन कनेक्टिविटी पहल, अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा, चेन्नई-व्लादिवोस्तोक गलियारा और उत्तरी समुद्री मार्ग, सभी पर निरंतर ध्यान देने की आवश्यकता है यदि हमें उनकी पूरी क्षमता का एहसास करना है। नौ, व्यापार को गहरा करने के कार्यक्रम के रूप में मेक इन इंडिया के प्रति रूस की बढ़ती प्रशंसा निश्चित रूप से कई क्षेत्रों में हमारे सहयोग को आगे बढ़ाने में मदद करेगी। और अंत में, मैं आपका ध्यान शिक्षा या फिल्म जैसे गैर-आर्थिक क्षेत्रों के महत्व की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ, जो हमारे बीच एक बड़े सामाजिक और आर्थिक जुड़ाव में योगदान करते हैं।

अमेरिका की राह नहीं चलेगा आरबीआई कब कम होगी ईएमआई?

नई दिल्ली,11 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी फेड रिजर्व ने लगातार दूसरी बार ब्याज दरों में कटौती की है। फेड रिजर्व ने हाल ही में अपनी ब्याज दरों में 25 बेसिस पॉइंट्स की कटौती करके 4.5% कर दिया है। वहीं अब अगले महीने दिसंबर में रिजर्व बैंक की भी एमपीसी मीटिंग है। ऐसे में क्या आरबीआई भी अमेरिका की राह पर चलेगा? क्योंकि माना जा रहा है कि आरबीआई भी ब्याज दरों में कटौती करने पर विचार कर सकता है। लेकिन जानकारों के मुताबिक अभी भी रिजर्व बैंक को एक बात की चिंता सता रही है, जिस कारण आरबीआई अमेरिका की राह पर नहीं चलेगा।

ये है सबसे बड़ी चिंता

आरबीआई के लिए घरेलू महंगाई चिंता का विषय अभी भी बनी हुई है, जो हाल में बढ़ी है। जिसको ध्यान में रखते हुए रिजर्व बैंक मौजूदा दर को बरकरार रख सकता है। रिजर्व बैंक एक मानना है कि महंगाई अभी भी काबू के बाहर है। मानसून के लंबे समय तक जारी रहने और फसल को हुए नुकसान के चलते खाने-पीने के सामानों की कीमतें बढ़ रही हैं। वैसे हाल के महीनों में महंगाई कुछ कम हुई है लेकिन आरबीआई के टारगेट से अभी भी ये ऊपर ही है। जानकारों का कहना है कि भले ही फेड के फैसले आमतौर पर इमर्जिंग मार्केट्स को प्रभावित करते हैं, लेकिन आरबीआई इस बार अलग रुख अपना सकता है।

कब कम होगी लोन ईएमआई ?

लोन ईएमआई कब कम होगी इसको लेकर अक्सर चर्चा होती है। आम जनता को कब से उम्मीद है कि उनकी लोन ईएमआई कम हो लेकिन बैंकिंग रेगुलेटर आरबीआई I अभी इसे कम करने के मूड में नहीं है। जब तक महंगाई आरबीआई के टारगेट के करीब नहीं आती है तब तक ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद नहीं है।

एक थी विस्तारा, तारीख बदलते ही इतिहास बन गई लग्जरी एयरलाइन, अब एयर इंडिया में विलीन

नई दिल्ली,11 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय एविएशन सेक्टर के लिए 11-12 नवंबर 2024 की आधी रात ऐतिहासिक थी, खासकर विस्तारा एयरलाइंस के लिए। 11 नवंबर की रात के साथ ही विस्तारा का सफर खत्म हो गया, और यह एयरलाइन एयर इंडिया में विलीन हो गई। इस विलय के बाद विस्तारा का 6500 का स्टाफ, 70 विमान और उसकी सभी घरेलू व अंतरराष्ट्रीय उड़ानें एयर इंडिया के बैनर तले संचालित होनी शुरू हो गई। अब एयरलाइन इंडस्ट्री के इतिहास के पन्नों को जब पलटा जाएगा तब एक था विस्तारा का जिक्र जरूर होगा। 2013 में टाटा संस और सिंगापुर एयरलाइंस के जॉइंट वेंचर के रूप में इस एयरलाइन कंपनी की शुरुआत हुई थी।

2015 में विस्तारा ने भरी थी पहली उड़ान

विस्तारा एयरलाइंस ने अपनी पहली घरेलू उड़ान 5 जनवरी 2015 को दिल्ली से मुंबई के बीच शुरू की थी, और अब संभावना जताई जा रही है कि उसकी अंतिम उड़ान भी इसी रूट पर होगी। विस्तारा ने अपनी अंतरराष्ट्रीय सेवा की शुरुआत 6 अगस्त 2019 को दिल्ली से सिंगापुर के लिए उड़ान के साथ की थी। एयरलाइंस हर दिन करीब 350 उड़ानों के जरिए 50,000 से अधिक यात्रियों की सेवा करती थी। लेकिन, 2022 में इसके एयर इंडिया में विलय की घोषणा के

बाद अब 12 नवंबर से विस्तारा का परिचालन एयर इंडिया द्वारा किया जाएगा।

कंपनी ने की है पूरी प्लानिंग

विलय के बाद की संभावित यात्रियों की समस्याओं को कम करने के लिए विस्तारा ने पूरी तैयारी की है। टिकट अपडेट कर दिए गए हैं, और कुछ दिनों तक जिन यात्रियों ने विस्तारा के नाम पर टिकट खरीदे हैं, उन्हें एआई-2 कोड के साथ बोर्डिंग पास मिलेगा, लेकिन उनकी सभी उड़ानें एयर इंडिया के तहत संचालित होंगी। खासतौर से दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई और अन्य प्रमुख हवाई अड्डों पर एयर इंडिया का स्टाफ यात्रियों की सहायता के लिए उपलब्ध रहेगा ताकि यात्रियों को री-शेड्यूलिंग, फ्लाइट डिले जैसी समस्याओं का सामना न करना पड़े। विस्तारा के विमानों का लोगो भी धीरे-धीरे एयर इंडिया के लोगो में बदल दिया जाएगा। विस्तारा के एयरक्राफ्ट के कोड 12 नवंबर से एयर इंडिया के तहत होंगे, और विस्तारा का ब्रांड धीरे-धीरे गायब हो जाएगा। विलय के बाद विस्तारा के यात्रियों को एयर इंडिया के काउंटरों से सेवा मिलेगी।

दूसरे देशों को बेची जा रही प्याज, इससे देश में बढ़ गई कीमत, खुदरा बाजार में 80 रुपये किलो पार

नई दिल्ली,11 नवंबर (एजेंसियां)। प्याज की कीमत एक बार फिर से रुलाने लगी है। खुदरा बाजार में इसकी कीमत 80 रुपये किलो पार हो गई है। नई फसल न आने और निर्यात में तेजी के कारण से प्याज की कीमत में तेजी आई है। जानकारों के मुताबिक राजस्थान, महाराष्ट्र और कर्नाटक में खरीफ फसल की गुणवत्ता खराब रही। वहीं पुरानी और महंगी फसल की मांग बढ़ गई। साथ ही निर्यात मांग में भी तेजी आई। इन वजहों के चलते प्याज की कीमत आसमान पर पहुंच गई है। इकनॉमिक टाइम्स के अनुसार नासिक के पिंपलगांव बाजार में बेहतरीन गुणवत्ता वाले प्याज की अधिकतम कीमत 15 दिन पहले 51 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 70 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। वहीं इसी अवधि के दौरान औसत कीमत 51 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 58 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। बांग्लादेश की ओर से प्याज पर आयात शुल्क हटाने से निर्यात में भी तेजी आई है। व्यापारियों को उम्मीद है कि देश में अन्य जगहों पर नई फसल की आवक शुरू होने के बाद 8-10 दिनों के बाद ही कीमतों में गिरावट आएगी।

पांच साल के उच्चतम स्तर पर पहुंची कीमत

पिछले हफ्ते नासिक के बेंचमार्क लासलगांव बाजार में प्याज की कीमतें पांच साल के उच्चतम स्तर 54 रुपये प्रति किलोग्राम को पार कर गईं। व्यापारियों ने कहा कि ऐसा आपूर्ति की कमी के कारण हुआ, क्योंकि दिवाली

आसमान पर पहुंची प्याज की कीमत

के लिए देशभर में कई दिनों तक थोक बाजार बंद रहे। पिछले हफ्ते थोक कीमतों में 30 से 35% की वृद्धि हुई।

आवक हुई काफी कम

बागवानी उत्पाद निर्यातक संघ के उपाध्यक्ष विकास सिंह ने कहा कि आवक कम होने के कारण कीमतें बढ़ रही हैं। पिछले साल की रबी फसल से संग्रहित प्याज तेजी से खत्म हो रहा है। मार्च/अप्रैल में काटे गए प्याज की कीमतें सबसे अधिक हैं, जबकि सितंबर में भारी बारिश के कारण नई फसल की आवक में देरी हुई है।

निर्यात में तेजी भी बड़ा कारण

बांग्लादेश की ओर से स्थानीय प्याज की कीमतों को कम करने के लिए 15 जनवरी तक प्याज पर आयात शुल्क हटाने से निर्यात में भी उछाल आया है।

भारत ने सितंबर में विधानसभा चुनावों से ठीक पहले प्याज पर निर्यात शुल्क को आधा करके 20% कर दिया था, क्योंकि प्याज किसान प्याज के निर्यात पर बैन लगाने के केंद्र सरकार के फैसले के खिलाफ मतदान करने के लिए एकजुट हुए थे। व्यापार के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि जब ग्राहक कमी देखते हैं, तो व्यापार चक्र में हर कोई अधिक खरीदता है। एक बार आवक बढ़ने पर, मांग में भी कमी आएगी।

कब सस्ती होगी प्याज ?

विकास सिंह के मुताबिक राजस्थान के अलवर जैसे कुछ बाजारों में खरीफ की नई फसल की आवक बढ़ने लगी है। रविवार को आवक एक दिन पहले की तुलना में 40% अधिक थी। जल्द ही महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात में भी आवक बढ़ने की उम्मीद है। इसके बाद प्याज की कीमतों में गिरावट आएगी। व्यापार जगत के जानकारों का अनुमान है कि नवंबर के अंत तक थोक बाजारों में प्याज की कीमतें 30 रुपये प्रति किलोग्राम के आरामदायक स्तर पर आ जाएंगी।

बैंकिंग-आईटी स्टॉक्स में खरीदारी के बावजूद सेंसेक्स-निफ्टी फ्लैट क्लोज, मिडकैप-स्मॉलकैप शेयरों में गिरावट

नई दिल्ली,11 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में मौजूदा हफ्ते के पहले कारोबारी सत्र में भारी उठापटक देखने को मिला है। सुबह खराब ग्लोबल संकेतों के चलते भारतीय बाजार गिरावट के साथ खुला लेकिन आईटी और बैंकिंग स्टॉक्स में खरीदारी के चलते निचले लेवल से जोरदार रिकवरी आई और सेंसेक्स में निचले लेवल से 1100 अंकों की तेजी देखने को मिली जबकि निफ्टी में 330 अंकों की तेजी देखी गई. हालांकि बाजार के क्लोजिंग पर सेंसेक्स-निफ्टी दोनों ही फ्लैट बंद हुए. बीएसई सेंसेक्स 9.83 अंकों की तेजी के साथ 79,496 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 7 अंकों की गिरावट के साथ 24,141 अंकों पर क्लोज हुआ है।

निवेशकों को नुकसान

बाजार के फ्लैट होने के बावजूद मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में गिरावट के चलते निवेशकों को नुकसान हुआ है। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का स्टॉक्स का मार्केट कैपिटलाइजेशन 442.53 वाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ है जो पिछले सेशन में 444.35 लाख करोड़ रुपये रहा था। यानि आज के सत्र में निवेशकों को 1,82 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

गिरने - चढ़ने वाले शेयर्स

सेंसेक्स के 30 शेयरों में 12 तेजी के साथ और 18 गिरकर बंद हुए. जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 20 तेजी के साथ और 30 गिरकर बंद हुए. तेजी वाले शेयरों में पावर ग्रिड 4.22 फीसदी, एचसीएल टेक 1.60 फीसदी, इंफोसिस 1.58 फीसदी, टेक महिंद्रा 1.24 फीसदी, टीसीएस 1.21 फीसदी, मारुति सुजुकी 0.86 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.78 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.69 फीसदी, टाइटन 0.64 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। गिने वाले स्टॉक्स में एशियन पेंट्स 8.18 फीसदी, टाटा स्टील 1.76 फीसदी, बजाज फाइनेंस 1.73 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.65 फीसदी, अडानी पोर्ट्स 1.17 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

अमेजन-फ्लिपकार्ट से सरकार पूछताछ कर सकती है

विदेशी निवेश के नियमों के उल्लंघन का आरोप, जांच के बाद नोटिस भेजने की तैयारी

नई दिल्ली,11 नवंबर (एजेंसियां)। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अमेजन और फ्लिपकार्ट को सरकार पूछताछ के लिए समन जारी कर सकती है। रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि सरकार फॉरेन इन्वेस्टमेंट लॉ के उल्लंघन की जांच के तहत इन कंपनी के अधिकारियों को समन जारी करेगी। हाल ही में इन कंपनियों से जुड़े कुछ सेलर्स पर एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) ने छापेमारी की थी। आरोप है कि कंपनियां कुछ सिलेक्टेड सेलर्स के जरिए इन्वेंट्री (स्टॉक) पर कंट्रोल रखते हैं। पिछले हफ्ते अमेजन और फ्लिपकार्ट के सेलर्स पर रेड के बाद ईडी अब कंपनी के अधिकारियों को बुलाने की तैयारी कर रही है। ईडी रेड के दौरान मिले डॉक्यूमेंट्स की भी जांच कर रही है। शनिवार तक चली जांच में सरकार ने विदेशी निवेश नियमों के उल्लंघन का आरोप सही पाया है।ईडी सेलर्स के बिजनेस डेटा और इन ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के साथ पिछले 5 साल में हुए कम्युनिकेशन की भी जांच करेगा।

विदेशी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स बाजार के तौर पर काम कर सकते हैं

भारतीय नियमों के मुताबिक, विदेशी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स भारत में इन्वेंट्री नहीं रख सकते हैं, वे केवल ऑनलाइन बाजार के तौर पर काम कर सकते हैं। भारत के 70 बिलियन डॉलर (करीब 5.91 लाख करोड़ रुपए) के ई-कॉमर्स मार्केट में अमेजन और फ्लिपकार्ट की सेल तेजी से बढ़ रही है। डेटाम इंटेलिजेंस के अनुसार, पिछले साल भारतीय ई-कॉमर्स सेक्टर में फ्लिपकार्ट की 32% और अमेजन की 24% बाजार हिस्सेदारी थी।

प्राइवेट जॉब वालों को पीएफ पर खुशखबरी

नई दिल्ली,11 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार जल्द ही कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के तहत वेतन सीमा बढ़ा सकता है। साथ ही कर्मचारियों की संख्या सीमा भी घटाई जा सकती है। इसका उद्देश्य एम्प्लॉई के लिए सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कवरेज को बढ़ाना और व्यापक बनाना है। ईपीएफओ के तहत मौजूदा वेतन सीमा 15 हजार प्रति माह है। इसे कर्मचारी राज्य बीमा निगम के तहत वेतन सीमा के अनुरूप 21 हजार रुपये तक बढ़ाया जा सकता है। यानी इसमें 6 हजार रुपये तक की बढ़ोतरी की जा सकती है। इसके अलावा, ईपीएफओ में शामिल होने के लिए किसी कंपनी में अनिवार्य एम्प्लॉई सीमा को वर्तमान में 20 से घटाकर 10 से 15 कर्मचारी किया जा सकता है।

मिनिस्ट्री में चल रही चर्चा

इस मामले से अवगत लोगों ने इकनॉमिक टाइम्स को बताया कि श्रम और रोजगार मंत्रालय वर्तमान में स्टेकहोल्डर्स के साथ इस मामले पर चर्चा कर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार सोशल सिक्योरिटी कोड को लागू करने के लिए उत्सुक है। यह वार्ता एम्प्लॉइज के लिए सामाजिक सुरक्षा उपायों को व्यापक और गहन बनाने के लिए गठित एक संचालन समिति की मजबूत सिफारिशों के बाद हो रही है।

साल 2014 में हुआ था अंतिम वेतन संशोधन

एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि मंत्री सभी लंबित प्रस्तावों का मूल्यांकन कर रहे हैं। सरकार को लगता है कि ईपीएफओ के तहत वेतन सीमा और सीमा संशोधन लंबे समय से लंबित है।

ट्रंप के आने के बाद देश की सबसे अमीर बेटी के पापा अमेरिका में करेंगे बड़ा निवेश, ये है प्लान

नई दिल्ली,11 नवंबर (एजेंसियां)। आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के एक बार फिर राष्ट्रपति चुने जाने के बाद वहां पर और निवेश करना चाहते है क्योंकि अतीत में ट्रंप का भारत को लेकर सकारात्मक रुझान रहा है. बिड़ला ने यहां अपने समूह की तरफ से दी जाने वाली छात्रवृत्ति के रजत जयंती समारोह में कहा कि हम अमेरिका में और निवेश करने के उत्सुक हैं. ट्रंप के पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए उनका भारत के प्रति सकारात्मक रुख है. इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ भी उनके अच्छे संबंध हैं.आदित्य बिड़ला समूह अपने व्यवसायों नोवेलिस और आदित्य बिड़ला केमिकल्स के माध्यम से अमेरिका में धातु और

रसायन क्षेत्र में मजबूत चुनौती पेश करता है. इस साल जून में समूह ने टेक्सास में एक विनिर्माण और शोध एवं विकास केंद्र में पांच करोड़ डॉलर का निवेश करने की घोषणा की थी उन्होंने ट्रंप के दूसरे कार्यकाल से जुड़ी संभावनाओं पर कहा, इस पर टिप्पणी करना बहुत जल्दी होगा. ट्रंप के साथ पिछले अनुभव को देखें तो वह बहुत सकारात्मक था. वह उद्योग के पक्षधर हैं.अनन्या बिड़ला देश की सबसे अमीर बेटी हैं. अनन्या, आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला की बेटी हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अनन्या की नेटवर्थ 1,09,184 करोड़ रुपये है. वहीं, रिलायंस ग्रुप के मालिक मुकेश अंबानी की बेटी ईशा अंबानी की नेटवर्थ करीब 839.88 करोड़ रुपये है. अनन्या बिड़ला म्यूजिक में करियर बनाना चाहती थी. 'लिविन द लाइफ इन 2016' के साथ सिंगिंग जगत में कदम रखने वाली अनन्या को उनकी सिंगिंग के लिए प्लैटिनम का दर्जा भी मिला. लेकिन बिजनेस के लिए उन्होंने अपने शौक और म्यूजिक को छोड़ दिया. साल 2022 में अनन्या ने ओटीटी डेब्लू किया. उन्होंने बेव सीरीज रुद्रः द एज ऑफ डार्कनेस के लिए अपनी आवाज दी.

सोना 355 गिरकर 77,027 पर आया

चांदी 297 सस्ती होकर 90,833 प्रति किलो बिक रही, कैरेट के हिसाब से देखें गोल्ड की कीमत

नई दिल्ली,11 नवंबर (एजेंसियां)। सोने की कीमतों में आज (11 नवंबर) गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड का भाव 355 रुपए गिरकर 77,027 रुपए पर आ गया। इससे पहले इसके दाम 77,382 रुपए प्रति दस ग्राम थे। वहीं, चांदी की कीमत में भी आज गिरावट रही। ये 297 रुपए गिरकर 90,833 रुपए प्रति किलो हो गई। इससे पहले चांदी 91,130 रुपए पर थी। वहीं 23 अक्टूबर को चांदी ने 99,151 रुपए का और 30 अक्टूबर को सोने ने 79,681 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,200 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,910 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,200 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने

की कीमत 78,760 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 72,200 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 78,760 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,200 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,760 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,050 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,610 रुपए है।

हैदराबाद :सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 72,850 रुपये है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	तुला	मे
चंद्र-	मीन	मे
मंगल	कर्क	मे
बुध-	वृश्चिक	मे
गुरु-	वृष	मे
शुक्र-	धनु	मे
शनि-	कुंभ	मे
राहु-	मीन	मे
केतु-	कन्या	मे

लग्नारंभ समय		
तुला--	04-32	बजे
वृश्चिक-	06-41	बजे
धनु----	08-55	बजे
मकर...	11-01	बजे
कुंभ-	12-52	बजे
मीन-	14-30	बजे
मेष---	16-06	बजे
वृष---	17-51	बजे
मिथुन	19-51	बजे
कर्क--	22-03	बजे
सिंह---	00-16	बजे
कन्या--	02-22	बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2051,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय -06-22 सूर्यास्त. -17-37
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- एकादशी 16-05 तक उपरान्त द्वादशी
मास - कार्तिक शुक्ल , मंगलवार 12 November
नक्षत्र - पूर्वभाद्रपद 07-52 तक उपरान्त उ.भाद्रपद
योग - हर्षण 19-08 तक उप वज्र
करण- विष्टी 16-05 तक उप बव
विशेष:- देव प्रबोधिनी एकादशी व्रत सर्वे
व्रत -त्योहार - तुलसी विवाह चातुर्मास पूर्ण

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 14:50 से 16:15 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	06:22 - 07:46	अशुभ	काल.	17:37 - 19:15	अशुभ
उत्पात	07:46 - 09:10	अशुभ	लाभ	19:15 - 20:50	शुभ
चंचल	09:10 - 10:35	शुभ	उत्पात	20:50 - 22:25	अशुभ
लाभ	10:35 - 12:00	शुभ	शुभ	22:25 - 00:00	शुभ
अमृत	12:00 - 13:25	शुभ	अमृत	00:00 - 01:36	शुभ
काल	13:25 - 14:50	अशुभ	चंचल	01:36 - 03:11	शुभ
शुभ	14:50 - 16:15	शुभ	रोग	03:11 - 04:46	अशुभ
रोग	16:15 - 17:37	अशुभ	काल	04:46 - 06:22	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आपने किसी परियोजना में अपना काफी समय और प्रयास लगाये हैं और आपको अब इसका फल मिलना शुरू हो जाएगा । दूरदृष्टि के साथ साथ आपके दृढ संकल्प और प्रयास भी रंग लाये हैं । आप कुछ नए बदलाव करना चाह रहे हैं ,लेकिन वित्तीय बाधाएं हैं । आज आप सीमित साधनों से ही इन कामों को पूरा करने के सृजनात्मक तरीके खोज लेंगे।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
अनुभव सबसे बड़ा अध्यापक है और अभी आपको इसी से सीखना है । भूतकाल से ली हुई सीख की उपेक्षा ना करें ताकि भविष्य की परेशानियों से बच सकें । जरुरतमंदों ,चाहे बच्चे हों या बूढ़े,उनकी मदद करें । ऐसे करने से ही आप सही रास्ते पर चल पायेंगे चाहे आपको अभी इस पर चलने में कोई भी परेशानी आ रही हो ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा और आपको किसी अप्रत्याशित घटना के लिए तैयार रहना है । आपको कई दिशाओं में सक्रिय रहना पड़ेगा लेकिन सकारात्मक बने रहेंगे । आप नयी उर्जा एवं वास्तविकता से परिपूर्ण सार्थक योजनायें पेश करेंगे । अपनों को भी इनमे शामिल करें । आज किसी ख़ास व्यक्ति से मुलाक़ात होगी ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
अपनी आँखें खुली रखें ,आज आपकी मुलाकात अपने सपनों के साथी से हो सकती है । प्रेम पाने की सम्भावना आज प्रबल है । हालाँकि अलग से अंदाज के कारण उसे पहचानना मुश्किल हो सकता है । आज आपको किसी अप्रत्याशित व्यक्ति से उपहार भी मिल सकता है । कुल मिलकर आज का दिन आपके लिए घटनाओं से भरा रहेगा ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
यह सोचने और जानने के लिए कि आप अपने जीवन से क्या चाहते हैं,कुछ देर एकांत में बैठें । पिछले कई दिन काफी व्यस्त रहे हैं । इसीलिए आपको अपने उद्देश्यों का फिर से मूल्यांकन करना है और यह भी देखना है की आपके काम किस प्रकार आपके जीवन और संबंधों को प्रभावित कर रहे हैं । यात्रा संभावित है ,हालाँकि हमारा सुझाव यह है कि किसी रोमांचक ताबड़तोड़ यात्रा के स्थान पर शांतिपूर्वक अपनी छुट्टियाँ बिताएं ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आपके दिमाग में आज कोई अद्भुत विचार आएगा और आपको इसे हाथोहाथ केवल इसीलिए रद्द नही क्र देना चाहिए क्योंकि आपको इसका हो पाना मुश्किल लग रहा है । आज बड़ा सोचने और ऊँचाइयों को छूने का दिन है । ऐसा करने के लिए आपको बाधाओं की सूची बनाकर अच्छी योजना बनानी अहि और आप पायेंगे कि परेशानियों से खुद-ब-खुद समाधान नजर आने लगेंगे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज का दिन आपके लिए विशेष रूप से अच्छा है । आप अपना कुछ नया शुरू कर सकते हैं ,काफी समय लेने वाला अपना कोई अधूरा काम पूरा कर सकते हैं ,या कोई ऐसा काम जिसे आप लम्बे समय से टाल रहे हैं,को भी शुरू कर सकते हैं । आज शाम खेल और मौज मस्ती के नाम रहेगी । अपने नए-पुराने दोस्तों के साथ समय बितायें और मजे करें । खरीदारी में विशेष आनंद आएगा ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज का दिन अलग अलग तरह के विचारों और दुनियाभर के नए पैदा हो रहे अवसरों के चलते थोडा सा उलझाने वाला रहेगा । विभिन्न शक्तियां आपको अपनी तरफ खीचेंगी ।अधिक सोचने और हर किसी को खुश करने की कोशिश न करें । इसके स्थान पर,अपने मन की ही सुनें.आपके लिए सर्वोत्तम होगा । भले ही आपको इस समय यह सही ना लग रहा हो।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आप एक आशावादी व्यक्ति हैं और आज यह बात सबको जान्ने देने और इससे लाभ उठाने का दिन है । इससे आपकी छवि एक प्रेरणात्मक वक्ता की बनेगी,जिसकी कोशिश आप लम्बे समय से करते आ रहे हो । समाज में आपके सम्बन्ध जिन लोगों के साथ बहुत अच्छे नही हैं ,उनके साथ भी आपके संबंधों में अब सुधार आना शुरू हो जाएगा ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप प्रेरणा से भरे हैं और काफी अच्छी स्थिति में भी हैं । आपका दिमाग सक्रिय है और इसमें नए नए विहार और नीतियां आती रहती हैं । आज का दिन आपके लिए सफलता से भरा रहेगा । हालाँकि अगर आपने अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नही दिया तो यह सब उल्टा -पुल्टा भी हो सकता है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आप पिछले कुछ दिनों से काफी व्यस्त दिनचर्या बिता रहे हैं । अब सारी चीजों को व्यवस्थित करने का समय है । आज आपको तुलनात्मक रूप से थोड़ी राहत मिलेगी,लेकिन आपको इस समय का उपयोग अपनी सब चीजों को व्यवस्थित करने में लगाना चाहिए । नही तो सब कुछ और अधिक उलझता जाएगा और आप स्थिति के नियंत्रण से बाहर होने के कारण और भी अधिक परेशान रहेंगे ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज आप विशेषकर हलके फुल्के मूड में रहेंगे । सब समस्याओं का सामना चेहरे पर मुस्कराहट के साथ करेंगे । आज किसी विवाद में मैत्रीपूर्ण मध्यस्थ की भूमिका भी अदा कर सकते हैं। आपकी मौजूदगी से ख़ुशी और रोनक रहेगी और शाम को पार्टी की जान बने रहेंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

यूपी में अफसरों का 10% कमीशन फिक्स

पत्नी-बेटे के अकाउंट में रिश्वत मंगवाई, एलआईसी किश्तें भरवाईं, बाबू की डायरी में काला सच

प्रयागराज, 11 नवंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। यूपी में जिला मुख्यालय से लेकर लखनऊ तक के अफसर 10% रिश्वत से मैनेज होते हैं। रिश्वत की यह रकम पत्नी और बेटों के अकाउंट में ऑनलाइन ट्रांसफर कराते हैं। एलआईसी की किश्त और किराया भी जमा कराते हैं। जो अफसर चालाक हैं वो कैश में रिश्वत लेते हैं या किसी के मार्फत।

सरकारी विभाग में रिश्वत और कमीशन के खेल को उजागर करने के मामले में प्रयागराज मंडी परिषद के बाबू की डायरी मिली है। कुछ दिन पहले इन्हें सस्पेंड भी किया गया। बाबू ने इस डायरी की बाकायदा नोटरी कराई है। इस डायरी में 15 करोड़ रुपए का कमीशन बांटने का लेखा-जोखा है। बाबू और अफसरों के बीच बैंक ट्रांजैक्शन, रुपए मांगने के वॉट्सऐप चैट भी है।

मंडी परिषद प्रयागराज के ऑफिस के सस्पेंड बाबू मंजीत सिंह जिसके पास कमीशन की डायरी थी। मंजीत ने बताया कि सब शामिल थे। जब गबन पकड़ा गया तो मैंने तो कुछ रुपए विभाग में जमा भी कर दिए, लेकिन बाकियों ने नहीं जमा किए। उल्टा हमारे खिलाफ एफआईआर करवा दी। वह बताते हैं- निर्माण खंड प्रयागराज में जो काम ठेकेदार करता था उससे भुगतान के समय 10% कमीशन लिया जाता था। फिर वही कमीशन अधिकारियों में सबके पर्सेंटेज के हिसाब से बंटता था। अधिकारियों को जितना पैसा दिया है, वही डायरी में मेंटेन है। इसी 10% में लखनऊ तक रुपया जाता है। इस डायरी में प्रयागराज निर्माण खंड में तैनात रहे अधिकारी और लखनऊ में तैनात डायरेक्टर, चीफ इंजीनियर, वित्त नियंत्रक मुख्य लेखाधिकारी आदि को दिया जाने वाला हिस्सा शामिल है। अब सिस्टम में कमीशन के खेल के सबूत।

मंजीत की डायरी में ललित कुमार वर्मा के नाम पर 23 लाख 39 हजार 500 रुपए दर्ज हैं। जब फोन पर बातचीत की तो उन्होंने हमें प्रयागराज के झूंसी में यादव चौराहे पर बुलाया। वहां ललित वर्मा ने बताया, अब मैं रिटायर हूं, लेकिन वहां मैं कनिष्ठ लिपिक (जूनियर क्लर्क) के पद पर था। सिर्फ डाक रिसीव करना, भेजना, पत्रावलियों का रखरखाव, यही मेरा काम था। रही बात कमीशन की तो वह हर जगह चलता है। 10% में नीचे से लेकर ऊपर तक बंटता है। यह तो सरकार भी जानती है कि हर निर्माण खंड में बंटता है। यह सब जो अकाउंट देखता है, वही करता है। मंजीत अपनी बीवी के नाम चेक काट लिया। प्रिया ऑटोमोबाइल एजेंसी खोली है। अपने दो-तीन दोस्त जो ठेकेदार थे, उनके नाम से चेक काट लिया।

कमीशन की डायरी में त्रियुगी नारायण भट्ट का नाम टीएन भट्ट लिखा है। इनके नाम पर 13 लाख 41 हजार का लेन-देन दर्ज है। इसमें से एक बार 80 हजार घर से लेना लिखा है, तो 50 हजार जेब से निकाल लिया लिखा है। एक लाख रुपए ट्रांसफर के नाम पर लेना लिखा है। हमारे हिडन कैमरे पर भट्ट ने कहा कि हर विभाग में 4% कमीशन मिलता है, लेकिन इस विभाग में 2.60 रुपया (प्रतिशत) और 1.40 रुपया (प्रतिशत) मिलता है। अब इसमें सर्वे से लेकर एस्टीमेट बनाना, फिर पीडब्ल्यूडी से जांच करवाना। एई से लेकर एक्सईएन तक, फिर डीएम तक इन सब प्रक्रियाओं से गुजरने के बाद हम टेंडर निकालते हैं।

मंजीत का आरोप है कि वरई वधवा से महाराजगंज तक पीडब्ल्यूडी ने सड़क बनाई और त्रियुगी नारायण भट्ट ने उसका पेमेंट मंडी परिषद से ठेकेदार को करा दिया। इस बारे में जब हमने त्रियुगी नारायण से पूछा तो उसने जवाब दिया कि हमने सारी सड़क नोट कर ली है। हम लखनऊ में आपके सवालों के जवाब देंगे। लखनऊ पहुंचकर जब हमने उन्हें फोन किया तो जवाब नहीं दिया।

कमीशन की डायरी में सुनीता के नाम पर 4 लाख 42 हजार रुपए दर्ज हैं। इसमें से 25 हजार का पेमेंट ऑनलाइन हुआ है। यह पेमेंट सुनीता के पति प्रेम शंकर के अकाउंट में हुआ है।

सुनीता से पूछा तो उन्होंने साफ इनकार कर दिया। सुनीता के मुताबिक, सिर्फ हम लोगों को फंसाने के उद्देश्य से यह डायरी बनाई गई है। ऐसे लोगों (मंजीत) पर क्या भरोसा किया जाए। वह (मंजीत) तो अपनी पत्नी के नाम पर, अपने भाई के नाम पर चेक काट दे रहा है। वह कहती हैं, मंजीत यह दिखाना चाहता है कि हम इनके प्रेशर में चेक काटते थे। सस्पेंड बाबू मंजीत और एई अखिलेश सिंह मौर्य के बीच 5 जनवरी 2023 से 6 मार्च 2023 तक की चैट मिली है। इस दौरान अखिलेश ने 7 बार मंजीत से रुपए मांगे हैं। एई अखिलेश का मोबाइल नंबर मंजीत के मोबाइल लिस्ट में एईई नाम से सेव है। हमने मोबाइल नंबर 88827 चेक किया तो वह अखिलेश सिंह मौर्य का निकला।

13 जनवरी 2023 को अखिलेश सिंह मौर्य ने मैसेज किया कि मकर संक्रांति है कुछ दीजिए, कुछ भेजिए। इसके बाद फरवरी में भी रुपए भेजने के मैसेज हैं, जिसमें पहली ही लाइन में लिखा है हाय, मंजीत जी, 10 हजार भेजिएगा काम है अर्जेंट। 6 मार्च को अखिलेश फिर मैसेज कर लिखते हैं हाय, कुछ जुगाड़ करिए मंजीत जी। कमीशन की डायरी में अखिलेश सिंह मौर्य असिस्टेंट इंजीनियर के नाम के नीचे 6 ट्रांजैक्शन दर्ज हैं। इसका टोटल 11 लाख 59 हजार आ रहा है। मंजीत के मुताबिक, ईई का 1.40% कमीशन होता था, जो उनको दिया जाता था। 14 अक्टूबर 2022 को मंजीत के अकाउंट से उनके अकाउंट में 5 हजार रुपए के ट्रांजैक्शन के सबूत हैं।

एई अखिलेश सिंह मौर्य के खिलाफ प्रयागराज के करछना विधानसभा से भाजपा विधायक पीयूष रंजन निषाद की शिकायत का जिक्र किया। इसमें कहा गया है कि दो सड़कें अखिलेश सिंह मौर्य ने खराब बनवाई हैं। इस पर अखिलेश सिंह मौर्य ने कहा- विधायक ने जो लेटर लिखा है, उसमें मूर्खता की बात की है। जो भी काम कराता है, वह जेई कराता है न कि ईई।

रावेंद्र सिंह बर्खास्त होने के बाद किसी के टच में नहीं हैं। उनका जो मोबाइल नंबर विभागीय लोगों से मिला, वह बंद है। ऐसे में उनसे इस मामले में बातचीत नहीं हो सकी। हालांकि, डायरी के पन्नों में उनके नाम पर मंजीत के जरिए लगभग 1 करोड़ 2 लाख रुपए कमीशन लेने का आंकड़ा दर्ज है। मंजीत ने राघवेंद्र की पत्नी अनीता के खाते में 80 हजार, जबकि उनके बेटे के खाते में 10 रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर किए। मंजीत के मुताबिक, उसने रावेंद्र की एलआईसी की किश्तें भी जमा की हैं। रावेंद्र सिंह पर यह आरोप साबित हो चुके हैं। इसी वजह से उनको बर्खास्त भी कर दिया गया है। रावेंद्र सिंह के अलावा लेखाधिकारी मैकूलाल, लेखाधिकारी संजय कुमार गंगवार भी निलंबित हुए थे।

मैकूलाल लेखाधिकारी के पद पर तैनात थे। जब मंजीत का मामला पकड़ा गया तो उन्हें भी निलंबित कर दिया गया। इसी निलंबन के दौरान ही मैकूलाल रिटायर हो गए। मंजीत की डायरी में दर्ज आंकड़ों की मानें तो मंजीत ने मैकूलाल के प्रयागराज में रुकने के लिए किराए का कमरा दिलवाया था। इसका किराया और बिजली बिल मंजीत दिया करता था। डायरी के हिसाब से मैकूलाल के नाम पर 18 लाख 99 हजार रुपए कमीशन के रूप में दर्ज हैं।

मंजीत का आरोप है कि मैकूलाल के मकान का किराया 5 हजार वह दिया करता था। हम इसकी तस्दीक के लिए ट्रांसपोर्ट नगर कॉलोनी में उस मकान तक पहुंचे, जहां मैकूलाल रहता था। वहां हमें किराएदार मिले, जिनसे मकान मालिक फूल सिंह का नंबर मिला। फोन पर हुई बातचीत के दौरान फूल सिंह ने माना कि मंजीत सिंह से ही उन्हें मैकूलाल के कमरे का किराया मिला करता था। डायरी के मुताबिक, 2022 में 33 हजार किराए और 14 हजार रुपए घर के सामान के नाम पर दर्ज हैं।

डायरी में तब झांसी में तैनात रहे डिप्टी डायरेक्टर महेंद्र कुमार के नाम के आगे 1 करोड़ 21 लाख रुपए दर्ज हैं। जब इस पर हमने उनसे बात की तो उन्होंने कहा- मुझे कुछ नहीं कहना है। मेरा नाम शामिल करने वाला बाबू खुद ही भ्रष्टाचार के आरोप में निलंबित है, उस पर एफआईआर भी दर्ज है। ऐसे में उसकी डायरी कितनी सही? इसका अंदाजा खुद ही लगा सकते हैं। ऐसा लगता है जैसे महेंद्र कुमार डकैती डाले हैं। मेरे से भी ज्यादा किसी का ब्राइट करियर है क्या? मेरे साथ काम करने वाला कोई कर्मचारी बिना बताए कहीं और जाकर काम कर रहा है तो उसमें मैं क्या कर सकता हूं। मेरे कुछ विरोधी हैं, ये उन्हीं का तमाशा है। एक गैंग है जो मनगढ़ंत कहानियां बना रहे हैं, इसमें हमारे मुख्यालय के भी कुछ लोग शामिल हैं।

डायरी के अनुसार, सभी उच्च अधिकारियों का हिस्सा उनके पद के हिसाब से फिक्स था। डिप्टी डायरेक्टर को 4.75%, लेखाधिकारी को 0.80%, और असिस्टेंट इंजीनियर को 1.40% कमीशन मिलता था। मंजीत सिंह ने बताया कि यह रकम बिल पास करने से लेकर सरकारी सुविधाओं के भुगतान तक, हर स्तर पर फैली हुई है।

'ऑडिट टीम' का भी हिस्सा, डायरेक्टर का भी 'कट'

सिर्फ अधिकारी ही नहीं, बल्कि ऑडिट टीम पर भी लाखों खर्च किए जाते थे। लखनऊ और अन्य जिलों की ऑडिट टीम के होटल, खाने-पीने के बिल तक इस पैसे से कवर होते थे। डायरेक्टर से लेकर स्थानीय डीएम तक की जिम्मेदारी थी कि यह कमीशन समय पर बंटे। डायरी के मुताबिक, हर साल मंडी निदेशक को 20 लाख तक का हिस्सा दिया गया। मंजीत की नौकरी 2008 में लगी। वह बाबू के पद पर तैनात था। 2017 में तत्कालीन डिप्टी डायरेक्टर गोपाल शंकर मिश्रा ने उससे अकाउंटेंट का भी काम लेना शुरू कर दिया। उसे सभी तरह के रुपयों का हिसाब मेंटेन करने का भी निर्देश दिया। बीच में उसकी शिकायत भी मुख्यालय की गई। तब उसने अकाउंटेंट का काम करने से मना भी किया, लेकिन तत्कालीन डिप्टी डायरेक्टर महेंद्र सिंह ने उससे अकाउंटेंट का काम लेना जारी रखा। महेंद्र सिंह का तबादला झांसी हो गया। एक हफ्ते बाद (30 जून 2022) को मंजीत का भी ट्रांसफर झांसी हो गया।

इसी दौरान प्रयागराज मंडी परिषद में डिप्टी डायरेक्टर रावेंद्र सिंह आए। मंजीत के मुताबिक, उसे सभी ठेकेदारों के कमीशन के बारे में पता था। इसलिए रावेंद्र सिंह मंजीत को झांसी से बुलाकर विभागीय काम कराते रहे। यह बात झांसी में तैनात डीडीसी महेंद्र सिंह को भी पता थी। इसी दौरान हाल ही में मंडी परिषद के बजट से बनी कुछ सड़कें उखड़ गईं। इसकी शिकायत शासन में हुई तो रावेंद्र सिंह ने मंजीत से सड़कों को सही कराने के लिए कहा। मंजीत ने अपने परिचित ठेकेदारों से कहकर सड़क की मरम्मत कराई थी। इसी का करीब सवा दो करोड़ रुपए का भुगतान होना था।

सड़क की मरम्मत करवाने वाले ठेकेदार, मंजीत पर भुगतान का दबाव बना रहे थे। मंजीत ने बार-बार रावेंद्र सिंह से पैसे मांगे। इस पर डीडीसी रावेंद्र सिंह ने अकाउंट नंबर मांगा।

मंजीत ने अपनी पत्नी की फर्म प्रिया ऑटोमोबाइल का अकाउंट नंबर दे दिया। इसमें विभाग से चेक के जरिए लगभग सवा दो करोड़ रुपए ट्रांसफर कर दिए गए। यही मामला ऑडिट में पकड़ा गया, क्योंकि भुगतान फर्जी तरीके से हुआ था। डीडीसी रावेंद्र सिंह ये नहीं बता पाए कि पैसे किस लिए दिए गए हैं। इस मामले में जांच शुरू हुई। जांच के बाद चार लोगों पर एफआईआर हुई। इसी मामले में मंजीत अभी तक सस्पेंड चल रहा है।

घुसपैठिये की आदिवासी से शादी तो जमीन उसके नाम नहीं

शाह बोले- चंपाई सोरेन ने घुसपैठ रोकने को बोला, हेमंत ने कुर्सी से उतार दिया

रांची, 11 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा के पहले चरण के प्रचार के अंतिम दिन सोमवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सरायकेला में चुनावी सभा की। उन्होंने एक बार फिर कांग्रेस के महाराष्ट्र में मुस्लिमों को आरक्षण देने के वादे का जिक्र किया। कहा कि हमारे रहते मुस्लिमों को कभी आरक्षण नहीं मिलेगा। हम आदिवासियों का हक छीनकर मुस्लिमों को नहीं देने देंगे। घुसपैठिये ने आदिवासी लड़की से शादी की तो जमीन उसके नाम नहीं होगी।

अमित शाह ने कहा- नोट गिनने वाली मशीनें थक गई, लेकिन पैसा खत्म नहीं हुआ। 350 करोड़ रुपए मोदी सरकार ने झारखंड के लोगों के लिए भेजा था वो हेमंत सरकार खा गई। चंपाई सोरेन ने भ्रष्टाचार रोकने को कहा तो उनको अपमानित करके हटा दिया। अमित शाह ने कहा- इन्होंने 1000 करोड़ का मनरेगा घोटाला किया, सैनिकों की जमीन हड़प ली। हजारों करोड़ों रुपए का शराब घोटाला किया। राहुल गांधी लोगों को करोड़पति बनाने के लिए काम काम करते हैं, मोदी जी लाखों महिलाओं को लखपति बनाने के लिए काम करते हैं। पेपर लीक करने वालों को भाजपा सरकार बनने पर उल्टा लटाकर सीधा कर देंगे। पौने तीन लाख युवाओं को नौकरी देंगे। पारदर्शी तरीके से सबको नौकरी मिलेगी।

अमित शाह ने कहा- अभी-अभी कांग्रेस ने महाराष्ट्र में वादा किया है कि हम मुसलमानों को आरक्षण देंगे। अगर वो मुसलमानों को आरक्षण देंगे, तो आदिवासी, दलित व पिछड़ा वर्ग का आरक्षण काट कर देना पड़ेगा। लेकिन आप चिंता मत करो, आदिवासी, दलित व पिछड़ों के आरक्षण को हम हाथ नहीं लगाने देंगे। उन्होंने कहा- आज पूरा झारखंड और विशेषकर आदिवासी क्षेत्र घुसपैठ से परेशान है। हमारे चंपई सोरेन ने जब घुसपैठ का मुद्दा उठाया, तो हेमंत बाबू ने कहा, आप सीएम पद छोड़ दो। आदिवासियों की आबादी कम होती जा रही है, हमारी बच्चियों से शादी रचाकर जमीन हड़पने का कार्यक्रम चल रहा है। मैं आपसे वादा करता हूं, भाजपा की सरकार बना दो, हम घुसपैठ को रोक देंगे। हम कानून लाएंगे कि अगर घुसपैठिए आदिवासी बच्ची से शादी करेंगे, तो भी उनकी जमीन घुसपैठियों के नाम नहीं होगी, साथ ही ली गई जमीन को वापस दिलाएंगे।

चंपई सोरेन जी इतने वर्षों तक वफादारी के साथ गुरु जी के साथ रहे, हेमंत जी के साथ रहे, लेकिन जिस तरीके से अपमानित करके चंपई जी को निकाला गया, वह सिर्फ चंपई सोरेन जी का अपमान नहीं है, पूरे आदिवासी समाज का अपमान है। मुद्दा सिर्फ इतना था कि चंपई सोरेन जी ने कहा, ये भ्रष्टाचार बंद होना चाहिए, वो (जेएमएम) भ्रष्टाचार बंद करने को तैयार नहीं थे।

युवती के प्राइवेट पार्ट को केमिकल डालकर जलाया

कोंडागांव, 11 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव में युवती को बंधक बनाकर युवक मुंबई ले गया। डेढ़ साल तक उसे को एक कमरे में बंद करके रखा। मोबाइल छीन लिया, भूखे-प्यासे रखा, उसके साथ बार-बार जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए। विरोध करने पर उसके प्राइवेट पार्ट में केमिकल डाल दिया। किसी तरह युवती आरोपी की चंगुल से छूटकर मुंबई से ट्रेन के जरिए रायपुर पहुंची, फिर रायपुर से कोंडागांव पहुंची। फिलहाल, युवती का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। मामला दर्ज होने के बाद कोंडागांव पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई है। आरोपी फिरोज ने किसी से युवती का नंबर लेकर कॉल किया। अननोन नंबर से कॉल आने पर युवती उसे इग्नोर करने लगी। इसके बाद उसने नंबर को ब्लॉक कर दिया। फिर नए-नए नंबरों से कॉल आने लगे।

1971 जंग के महाबीर का रायपुर में निधन

इनके सामने पाकिस्तान के 93 हजार सैनिकों ने सरेंडर किया, घर लाए थे पाक अफसरों के नेमप्लेट

रायपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। इंडियन एयरफोर्स के रिटायर्ड विंग कमांडर महाबीर ओझा (एमबी ओझा) का 89 उम्र में रविवार को निधन हो गया। वह रायपुर के मौलश्री विहार के रहने वाले थे। ओझा के सामने ही ढाका में पाकिस्तान के 93 हजार सैनिकों ने इंडियन आर्मी के आगे सरेंडर किया था। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भी एमबी ओझा के निधन पर दुख व्यक्त किया है। ओझा पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। सोमवार को उनका अंतिम संस्कार किया जा रहा है।

दुश्मन देश से लेकर आए अनोखी चीज

एमबी ओझा के बेटे संतोष ओझा ने बताया कि उनके पिता छत्तीसगढ़ के इकलौते एयरफोर्स अफसर थे, जिन्होंने 1965, 1971 और श्रीलंका में हुए ऑपरेशन में भी हिस्सा लिया।

संतोष ओझा ने अपने पिता से जुड़ा एक किस्सा सुनाया, 1971 की जंग के समय इंडियन एयरफोर्स पाकिस्तान में दाखिल हो चुकी थी। वहां की एयरफोर्स कॉलोनी में भारतीय अफसर टहल रहे थे। पाकिस्तानी एयरफोर्स के अधिकारी भाग चुके थे। तब ओझा पाकिस्तान एयरफोर्स के अधिकारियों के घर के बाहर लगे नेम प्लेट साथ ले आए। संतोष ने बताया कि हम बचपन में होली के दिन दुश्मन देश के इन नेम प्लेट को अपने क्वार्टर के बाहर लगाकर खेला करते थे। बेटे ने याद किया कि जब इंडियन एयर फोर्स ने पाकिस्तान के बालाकोट में एयर स्ट्राइक की थी। तब पिता की उम्र करीब 85 साल थी, उनकी तबीयत ठीक नहीं थी मगर 13 घंटे टीवी के सामने बैठकर हर पल की अपडेट ले रहे थे। इसके अलावा जब भारतीय वायु सेना के विंग कमांडर अभिनंदन को भारत वापस लाने में कामयाबी मिली, तब एमबी ओझा के आंखों में आंसू थे। उस दिन को याद करते हुए बेटे संतोष का गला भर आया। इंस्ट्रूमेंट ऑफ सरेंडर यानी आत्मसमर्पण के दस्तावेज पर पाकिस्तानी लेफ्टिनेंट जनरल एएके नियाजी ने साइन किए थे। यह भारतीय सेना के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ़ लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा की मौजूदगी में हुआ। उस समय पिछली पंक्ति में रायपुर के एमबी ओझा भी मौजूद थे।

पति ने की पत्नी और दो बच्चों की हत्या

दो बच्चों की स्थिति गंभीर, आरोपी ने कहा-मानसिक संतुलन बिगड़ गया था

जमशेदपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्वी सिंहभूम में रविवार रात एक ही परिवार के तीन लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई। इस घटना को अंजाम परिवार के मुखिया 40 वर्षीय कुंवर टुडू ने दिया। मृतकों में उसकी पत्नी माईनो टुडू, 12 वर्षीय पुत्र सागेन टुडू और 14 वर्षीय पुत्र सागुन टुडू शामिल हैं। तीनों की हत्या कुल्हाड़ी से की गई है। घटना मुसाबनी थाना क्षेत्र स्थित गोहला पंचायत के फुलझड़ी खड़िया साईं गांव की है। वहीं, घटना में कुंवर टुडू के 8 वर्षीय पुत्री मालती टुडू और 4 वर्षीय पुत्र मंगल टुडू भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें पहले एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर और फिर स्थिति बिगड़ने पर रिम्स, रांची रेफर किया गया है। पुलिस ने आरोपी कुंवर टुडू को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच जारी है। पूछताछ के दौरान कुंवर टुडू ने पुलिस को बताया कि रविवार देर रात उसका मानसिक संतुलन बिगड़ गया था, जिसके चलते उसने इस घटना को अंजाम दिया। यह घटना रात करीब 2 बजे की है, जब कुंवर टुडू की पत्नी और बच्चे भोजन कर सो चुके थे।

इसी दौरान आरोपित ने सोई अवस्था में कुल्हाड़ी से सभी के सिर पर प्रहार कर दिया, जिससे पत्नी और दो बच्चों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हैं।

ग्रिल काटकर बैंक में घुसा 10 लाख रुपए उड़ाया

पलामू, 11 नवंबर (एजेंसियां)। पलामू में झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक की बेलवाटिका शाखा में चोरी की घटना हुई है। चोर बैंक के लॉकर से 10 लाख रुपए चुरा कर फरार हो गए। इस बैंक में कोई भी सुरक्षा गार्ड नहीं है। चोरी के कारण सोमवार को बैंक में ग्राहकों से संबंधित कार्य नहीं हुआ। चोरी की जानकारी सुबह दस बजे के करीब बैंककर्मी के बैंक पहुंचने पर हुई। बैंक सात नवंबर से 10 नवंबर तक चार दिन बंद था। बैंक में चोरी की वारदात रविवार की शाम 6:30 बजे हुई।

जिला मुख्यालय मेदिनीनगर के भीड़ भाड़ वाले इलाके में स्थित बैंक की एक खिड़की के ग्रिल और शीशा को तोड़कर चोर बैंक के अंदर दाखिल हुआ। बैंक के सीसीटीवी कैमरे में एक चोर कैद हुआ है। शातिर चोर ने बैंक में घुसते ही सबसे पहले सीसीटीवी कैमरे को बंद किया।

सीएम योगी बोले- भाजपा मतलब, विकास, सुरक्षा

बगल में यूपी है, वहां जो बहन-बेटियों को हाथ लगाता है उसका राम नाम सत्य हो जाता है

रांची, 11 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को झारखंड में रैली करते हुए एक बार फिर 'एक रहेंगे, नेक रहेंगे' के नारे को दोहराया। उन्होंने यह बात 5 नवंबर की रैली में भी कही थी। गढ़वा जिले के भवनाथपुर विधानसभा में उन्होंने कहा- एक परिवार दिल्ली बैठता है तो एक परिवार पटना बैठता है। इन्होंने राज्य में लूट मचा रखा है। उन्होंने कहा- हेमंत सरकार ने मुस्लिमों को गुंडागर्दी की छूट दे रखी है। बगल में उत्तर प्रदेश है, जाकर वहां देख लीजिए। अगर कोई बहन-बेटी की इज्जत पर हाथ रखता है तो राम नाम सत्य का हो जाता है।

सीएम योगी ने कहा- जब भी बंटे हैं निर्ममता से कटे हैं। इसलिए सबको एक रहना है। कांग्रेस-झामुमो के झांसे में नहीं आना है। भाजपा आएगी तब ही बेटी सुरक्षित रहेगी। योगी इसके बाद तीन और सभाएं करेंगे। 6

दिनों में यह उनकी दूसरा राज्य दौरा है।

ना बेटी सुरक्षित है और ना रोटी

पलामू जिले के हुसैनाबाद विधानसभा में सीएम योगी बोले- जिस तरह से बीते 5 सालों में झारखंड में झामुमो-कांग्रेस ने शासन किया है, उससे तबाह हो गया। अब हाईकोर्ट को पूछना पड़ रहा है कि क्यों जनजाति आबादी घट रही है। यहां ना बेटी सुरक्षित है और ना रोटी बची है।

सरकार आई तो हुसैनाबाद का नाम आम नगर होगा

उन्होंने कहा- हुसैनाबाद का नाम आम नगर होना चाहिए। हमारी सरकार आई तो हम नाम बदल देंगे। लव-जिहाद के नाम पर जो खेल बांग्लादेशी घुसपैठिए और रोहिंग्या मुसलमान कर रहे हैं। उनके पीछे झामुमो-कांग्रेस और राजद है। हमारी अस्मिता को समाप्त करने के लिए ये लोग पहचान का संकट पैदा कर रहे हैं। जनजातीय बेटियों के साथ जो धोखा हो रहा है उसका जवाब भाजपा है।

हेमंत सरकार भ्रष्टाचार में डूबी है

हरियाणा में भाजपा तीसरी बार सरकार में आई है। भाजपा का मतलब, विकास, सुशासन, सुरक्षा और विरासत का सम्मान। इस बेहतरीन समन्वय के साथ अगर कोई राजनीतिक दल राजनीति कर सकती है तो वो मोदी के नेतृत्व में भाजपा कर सकती है। एक तरफ मोदी जी के नेतृत्व में लोक कल्याणकारी कार्यक्रम चल रहे हैं। दूसरी तरफ हेमंत सरकार अराजकता कर भ्रष्टाचार में डूबी है। नौजवान पलायन के लिए मजबूर है, किसान आत्महत्या करने को मजबूर है।

राजद अध्यक्ष और बिहार के पूर्व सीएम लालू यादव ने सीएम योगी आदित्यनाथ के बयान पर कहा कि ये हवा में उड़ जाएगा। ये लोग गलत बात बोलते हैं। उन्होंने कहा- यहां महागठबंधन का उम्मीदवार जीतेगा।

प्रधानमंत्री मोदी के आने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। मोदी जी आए और गए। इससे कुछ नहीं होगा। लालू इस वक्त झारखंड दौरे पर हैं। यहां कोडरमा में चुनाव प्रचार के बीच उन्होंने मीडिया से बात की और राजद उम्मीदवारों के जीत का दावा किया। बता दें, तीसरी सभा पांकी विधानसभा में होगी। यहां से डॉ. शशिभूषण मेहता उम्मीदवार हैं। उनकी आखिरी सभा डाल्टेनगंज विधानसभा में होगी। यहां से आलोक कुमार चौरसिया मैदान में हैं। वहीं कांग्रेस के बड़े नेता केएन त्रिपाठी उनके सामने हैं।

सीजे बोले- जंगल नहीं बचेगा तो कैसे चलेगा

बिलासपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा की डिवीजन बेंच ने बाघ की मौत पर सवाल उठाए है। उन्होंने टिप्पणी करते हुए कहा कि, वन्य जीव नष्ट हो रहे हैं, पर्यावरण भी नष्ट हो रहे हैं। अब बचा क्या? वन्य जीव नहीं बचा पाएंगे, जंगल नहीं बचेगा तो कैसे चलेगा। छत्तीसगढ़ में कम से कम यही सब है। डिवीजन बेंच ने मामले में प्रधान मुख्य वन संरक्षक को 10 दिन के अंदर व्यक्तिगत शपथपत्र पर जवाब मांगा है। पूछा है कि वन्यजीवों के संरक्षण के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। केस की अगली सुनवाई 21 नवंबर को रखी गई है। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने वन्य जीव के संरक्षण को लेकर लगी याचिका पर सोमवार को सुनवाई की। जिसमें प्रदेश में हुई बाघ की मौत को हाईकोर्ट ने जनहित याचिका माना है।

सीएम हेमंत के पीएस की संपत्ति की जांच करेगी ईडी

रांची, 11 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निजी सचिव सुनील श्रीवास्तव के मामले में जल्द ईडी की एंट्री हो सकती है। बताया जा रहा है कि आयकर विभाग की छापेमारी में दुबई कनेक्शन सामने आया है, इसके बाद मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच एजेंसी कर सकती है। बीते दो दिनों से जारी आईटी की छापेमारी में अब तक 150 करोड़ रुपए के संदेहास्पद लेन-देन से जुड़े दस्तावेज और कुल 50 लाख रुपए कैश जब्त किए गए हैं। साथ ही 150 बैंक खातों को फ्रीज किया गया है। सूत्रों के अनुसार, सुनील के पार्टनर दिनेश मंडल का दुबई कनेक्शन सामने आया है। मंडल ने दो कंपनियां बना कर व्यापार किया और आयकर रिटर्न में इसकी घोषणा नहीं की है। छापेमारी के दौरान अचल संपत्ति से संबंधित दस्तावेज भी मिले हैं, जिनका मूल्यांकन किया जाएगा। वहीं, जेवरात के मूल्यांकन का काम जारी है।

इनकम टैक्स विभाग के जांच में यह पाया गया है कि रियल एस्टेट का कारोबार करनेवाली कंपनी 'मेसर्स ग्लोबल इंफ्रा' में सुनील श्रीवास्तव की पत्नी सत्या श्रीवास्तव 50% की पार्टनर हैं। ग्लोब इंफ्रा ने करीब 25 करोड़ रुपए का संदेहास्पद लेन-देन किया है। काले धन को जायज करार देने के लिए कई कागजी कंपनियां बनाई गई है। 'मेसर्स एसडीएम सेल्स' के बैंक खातों से 40 करोड़ रुपए से अधिक के लेन-देन किए गए हैं।

शराब कोचिए ने आदिवासी लड़के को पीटा

रायगढ़, 11 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में अवैध शराब की शिकायत पर आदिवासी महिला सरपंच के बेटे को शराब कोचिए ने जमकर पीटा। शराब कोचिए ने महिला सरपंच से भी गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी भी दी है। मामला कोतरा रोड थाना क्षेत्र का है। महिलाओं ने आरोप लगाया कि जब थाने में शिकायत करने पहुंचे तो पुलिस ने डरा धमकाकर भगा दिया। वारदात और पुलिस की रवैया से गुस्साए 4 गांव की महिलाएं और पुरुषों ने बड़ी संख्या में थाना घेरा।

सड़क पर बैठकर जमकर नारेबाजी की। कोसमपाली की सरपंच अनसुइया उरांव ने बताया कि खैरपुर, कलमी और कोसमनारा की महिलाओं ने अवैध शराब के खिलाफ बैठक की थी।

भारत-पाकिस्तान में फिर शुरू होगा व्यापार ?

जयशंकर के इस्लामाबाद दौरे ने बढ़ाई उम्मीद, कई अहम सवाल भी

इस्लामाबाद, 11 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया समय में रिश्ते में बेहतरी की एक उम्मीद देखी जा रही है। खासतौर से भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) बैठक के लिए 15-16 अक्टूबर को इस्लामाबाद का दौरा करने को एक संभावना की तरह देखा गया है। हालांकि इस यात्रा के दौरान जयशंकर ने पाक पीएम शहबाज शरीफ के साथ एक संक्षिप्त बातचीत को छोड़कर कोई द्विपक्षीय वार्ता नहीं की। इसके बावजूद ये सवाल पूछा जा रहा है कि क्या पाकिस्तान और भारत के बीच व्यापार फिर से शुरू हो सकता है।

पाक अखबार ट्रिब्यून की रिपोर्ट कहती है कि जयशंकर की यात्रा को खासतौर से इस्लामाबाद में भू-राजनीति से भू-अर्थशास्त्र की ओर रणनीतिक बदलाव की तरह देखा जा रहा है। इस यात्रा ने क्षेत्र की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं,

पाकिस्तान और भारत के बीच आर्थिक संबंधों में पुनरुद्धार की आशा पैदा की है। हालांकि एक्सपर्ट का मानना है कि दोनों मुल्कों में राजनीतिक तनाव बरकरार है, जिससे यह आसान नहीं लगता है। व्यापारिक संबंध बहाल होने में अभी कई अड़चन हैं। पाकिस्तान के बनने के बाद भारत इसका सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार था, जो देश के वैश्विक व्यापार का तकरीबन 70 फीसदी हिस्सा था। साल 1948 में जब विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के पूर्ववर्ती टैरिफ और व्यापार पर सामान्य समझौता (जीएटीटी) की शुरुआत हुई तो पाकिस्तान और भारत दोनों इसके सदस्य बने और एक-दूसरे को सर्वाधिक पसंदीदा राष्ट्र (एमएफएन) का दर्जा दिया। दोनों मुल्कों में पहली बार 1965 के युद्ध से व्यापार संबंध बाधित हुए और फिर 1973 तक बंद रहे।

दोनों देशों में साल 1974 में आर्थिक संबंध फिर से शुरू हुए तो दोनों देशों ने एमएफएन सिद्धांत के बजाय व्यापार 'सकारात्मक सूचियों' के आधार पर किया। यानी केवल निर्दिष्ट (स्पेसिफाइड यानी पहले से तय) वस्तुओं का ही आयात होगा और बाकी पर बैन होगा। जाहिर है, सकारात्मक सूची सिस्टम ने पाकिस्तान-भारत व्यापार को कम कर दिया। इसके बाद साल 1996 में भारत ने पाकिस्तान की एमएफएन स्थिति को बहाल कर दिया लेकिन पाकिस्तान ने भारत के लिए सकारात्मक सूची जारी रखी।

पाकिस्तान और भारत के बीच व्यापार संबंधों को सबसे बड़ा झटका और हालिया झटका 2019 में लगा। फरवरी 2019 में पुलवामा हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान का एमएफएन दर्जा रद्द कर दिया। इसी साल अगस्त में भारत ने जम्मू कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा खत्म करते हुए इसे केंद्र शासित प्रदेश बना दिया।

चीन के एक शहर की सड़कों पर दिखे लाखों छात्र

आखिर क्यों रात भर चलाई 50 किमी साइकिल

बीजिंग, 11 नवंबर (एजेंसियां)। चीन में लाखों की संख्या में छात्र रात में अपनी साइकिलों को चलाते दिखाई दिए। सड़क की रोशनी में घंटों साइकिल चलाते समय कभी यहां का राष्ट्रगान गाते दिखे तो कभी झंडा लहराते दिखे। अगर आपको लग रहा यह छात्र मजे के लिए यानी करीब पांच घंटे तक साइकिल चला रहे थे तो आप गलत हैं। दरअसल, रात के समय साइकिल चलाने की शुरुआत चार चीनी छात्रों ने की थी। उन्हें सूप डंपलिंग चखना था, जिसके लिए वह साइकिल चलाकर कैफेंग पहुंचे थे। उनसे आकर्षित होकर अन्य छात्रों ने भी 50 किलोमीटर साइकिल चलाकर जाने की योजना बनाई। शुक्रवार को करीब एक लाख छात्र सड़कों पर नजर आए। इससे प्रमुख सड़कें जाम हो गईं। एक छोटा पर्यटक शहर भर खचाखच भीड़ से भरा हुआ दिखाई दिया।

श्रीलंका की एयरलाइंस का भारतीयों पर दांव

रामायण की धरोहरों के बारे में बताकर पर्यटन बढ़ाने की कोशिश

कोलंबो, 11 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और श्रीलंका के बीच पड़ोसी देश होने की वजह से आपसी संबंध काफी गहरे हैं। खासकर साझा संस्कृति के चलते दोनों देशों में हमेशा से करीबी रही है। इनमें एक जुड़ाव संस्कृत महाकाव्य रामायण के कारण रहा है। अब श्रीलंका की एक एयरलाइंस कंपनी ने इस जुड़ाव का इस्तेमाल देश के पर्यटन को बढ़ाने और भारतीयों को लुभाने के लिए किया है।

श्रीलंकन एयरलाइंस ने पांच मिनट का एक वीडियो ऐड बनाया है। इसमें रामायण के जिक्र के साथ श्रीलंका में इससे जुड़ी सांस्कृतिक धरोहरों के बारे में बताया गया है। वीडियो में एक दादी को अपने पोते को रामायण के बारे में बताते दिखाया गया है। वह इस दौरान श्रीलंका के उन स्थानों का जिक्र करती हैं, जिनके बारे में रामायण में बताया गया है।

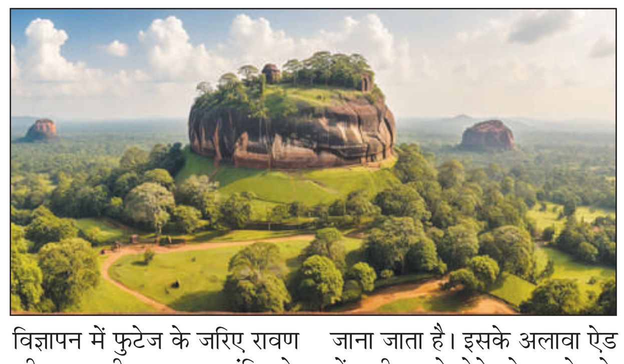

विज्ञापन में फुटेज के जरिए रावण की गुफा, सीता अम्मान मंदिर के अलावा कई प्रमुख पर्यटन स्थलों को शामिल किया गया है।

श्रीलंकन एयरलाइंस के वीडियो ऐड में दादी अपने पोते को जिन स्थलों के बारे में बताती दिख रही हैं। उनमें एला के पास रावण की गुफा शामिल हैं। रामायण के अनुसार यहीं पर रावण ने अपहरण के बाद सीता को रखा था। इसके अलावा सीता अम्मान मंदिर का भी जिक्र किया गया है, इसे अशोक वाटिका के नाम से जाना जाता है। इसके अलावा ऐड में दादी अपने पोते को रामसेतु के बारे में भी बताती हैं, जिसे रामायण के मुताबिक, भगवान राम ने वानरों की सेना की मदद से तैयार कराया था। इसी विज्ञापन में रामायण से जुड़े स्थलों के मनोहर दृश्य भी दिखाए गए हैं।

इसके अलावा भगवान हनुमान द्वारा लंका में रावण के महल में आग लगाए जाने की घटना और भारत-श्रीलंका के बीच पुल के निर्माण में उनकी भूमिका का भी जिक्र किया गया है।

इजरायल ने किया था हिजबुल्लाह पर कहर बरपाने वाला पेजर अटैक

नेतन्याहू ने पहली बार कबूला, 3000 से ज्यादा हुए थे घायल

यरुशलम, 11 नवंबर (एजेंसियां)। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पहली बार स्वीकार किया है कि सितम्बर में लेबनान के अंदर हिजबुल्लाह लड़ाकों के पेजर विस्फोट के पीछे इजरायल का हाथ था।

इजरायली मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, नेतन्याहू ने रविवार को साप्ताहिक कैबिनेट मीटिंग के दौरान ये स्वीरोक्ति की है। सितम्बर में लेबनान में हिजबुल्लाह लड़ाकों हजारों पेजर में कुछ ही समय के भीतर ब्लॉस्ट हुए थे। इसके अगले ही दिन वॉकी-टॉकी में भी विस्फोट हुआ था। इस हमले में करीब 40 लोग मारे गए थे, जबकि 3000 से ज्यादा घायल हुए थे। हिजबुल्लाह ने इन हमलों के पीछे इजरायल को जिम्मेदार बताया था। विभिन्न रिपोर्टों में भी ऐसी ही जानकारी सामने आई थी।

हालांकि, इजरायल ने कभी आधिकारिक तौर इस ऑपरेशन की जिम्मेदारी नहीं ली थी। नेतन्याहू की टिप्पणी किसी इजरायली अधिकारी का पहला बयान है, जिसमें पेजर ब्लास्ट की जिम्मेदारी ली गई है। कैबिनेट मीटिंग में नेतन्याहू ने कहा, 'पेजर ऑपरेशन और (हिजबुल्लाह नेता हसन) नसरल्लाह का सफाया रक्षा प्रतिष्ठान के वरिष्ठ अधिकारियों और राजनीतिक स्तर पर इसके लिए जिम्मेदार लोगों के विरोध के बावजूद किया गया।' इजरायली मीडिया ने नेतन्याहू के इस बयान को पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट की आलोचना के रूप में देखा जा रहा है। नेतन्याहू ने गैलेंट को बीते मंगलवार को पद से बर्खास्त कर दिया था। कैबिनेट मीटिंग में नेतन्याहू की टिप्पणियों का इजरायल की मीडिया में आना और इस बात की पुष्टि करना कि ऑपरेशन के पीछे इजरायल का हाथ था, हाल के हफ्तों में इजरायल में चल रहे घरेलू राजनीतिक तनाव का एक नया अध्याय मालूम पड़ता है। नेतन्याहू के नेतृत्व वाली इजरायली सरकार कई जांचों का सामना कर रही है, जिनमें अंतरराष्ट्रीय मीडिया को कथित रूप से झूठी खुफिया रिपोर्ट लीक करने का मामला भी शामिल है। इसके अलावा एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी को ब्लैकमेल किए जाने के मामले में इजरायली पीएमओ के चीफ ऑफ स्टाफ का नाम सामने आया है।

अमित जोश के करीबी को पुलिस ने रायपुर से उठाया

कुख्यात बदमाश से खरीदा हथियार, पकड़ने गई पुलिस पर ताना कट्टा, लेकिन नहीं दबा ट्रिगर

रायपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। भिलाई एनकाउंटर में मारे गए कुख्यात बदमाश अमित जोश के करीबी राजा बैझड़ ने रायपुर पुलिस पर कट्टा तान दिया। पुलिस कुख्यात बदमाश बैझड़ को पकड़ने गई थी, तभी उसने ट्रिगर दबाने की कोशिश की, लेकिन फायर करने से पहले ही पुलिस ने उसे पकड़ लिया। इस दौरान पुलिस और बदमाश के बीच झड़प भी हुई है। बताया जा रहा है कि राजा ने अमित जोश से ही कट्टा खरीदा था। वह हत्या के मामले में जेल में बंद था। 3 महीने पहले ही बीमारी के नाम पर पैरोल लेकर जेल से बाहर आया। इसके बाद से वह फरारी काट रहा था।

मामला टिकरापारा थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक, थाना स्टॉफ को सोमवार की रात 12 बजे के दरम्यान जानकारी मिली कि फरार राजा बैझड़ मोतीनगर के एक घर पर छिपा हुआ है।

इजराइल ने हिजबुल्लाह कमांडर सलीम को सीरिया में ढेर किया

सलीम ने 20 साल पहले लेबनान के प्रधानमंत्री को 3000किलो का बम ब्लास्ट कर मारा था

तेल अवीव, 11 नवंबर (एजेंसियां)। इजराइली सेना ने हिजबुल्लाह के एक कमांडर सलीम जमील अय्याश को एक हवाई हमले में मार गिराया है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक सलीम सीरिया में हिजबुल्लाह के गढ़ अल-कौसैर में छुपा हुआ था। इजराइली सेना के हमले में सलीम के अलावा 8 और लोग मारे गए। ईरान के विदेश मंत्रालय ने इस हमले की आलोचना की है और इजराइल को संयुक्त राष्ट्र से बाहर निकालने की मांग की है। सलीम हिजबुल्लाह की यूनिट 151 का मेंबर था।

अमेरिका ने उस पर 10 मिलियन डॉलर (84 करोड़ रुपए) का ईनाम रखा था। वह लेबनान के प्रधानमंत्री रफीक हरीरी की हत्या के लिए जिम्मेदार था। हरीरी लेबनान के सबसे ज्यादा लोकप्रिय सुन्नी मुस्लिम नेता थे। वे 5 बार देश के पीएम रहे। 14 फरवरी 2005 को बेरूत में हरीरी के काफिले को 3000 किलो विस्फोटक से भरे ट्रक से

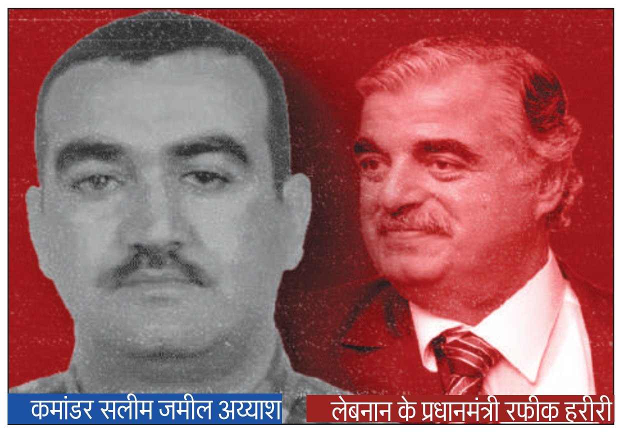

कमांडर सलीम जमील अय्याश | लेबनान के प्रधानमंत्री रफीक हरीरी

टक्कर मारी गई थी। इसमें उनकी मौत हो गई थी। हमले में उनके साथ के 21 लोग और भी मारे गए थे। नीदरलैंड के द हेग में स्थित यूनाइटेड नेशन ने हरीरी की मौत के बाद स्पेशल ट्रिब्यूनल फॉर लेबनान (एसटीएल) का गठन किया था। एसटीएल ने साल 2022 में सलीम समेत 3 लोगों को रफीकी की हत्या का जिम्मेदार माना था और सभी को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। ट्रिब्यूनल ने कहा था कि सलीम अय्याश ने ही पीएम हरीरी की हत्या करने वाले सुसाइड दस्ते का नेतृत्व किया था। इसमें उनके साथ 2 और लोग हसन हबीब मेरही और हुसैन हसन ओनैसी भी शामिल थे। ये तीनों हत्या के बाद से ही फरार चल रहे थे। तत्कालीन हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह ने इन तीनों को ट्रिब्यूनल को सौंपने से मना कर दिया था। नसरल्लाह का कहना था कि मोसाद ने लेबनान से सीरिया की सेना को निकालने के लिए हरीरी की हत्या कराई।

दरअसल, लेबनान में गृहयुद्ध शुरू होने के बाद सीरिया ने देश के पूर्वी-उत्तरी इलाके पर कब्जा कर लिया था। हरीरी सीरिया से इस इलाके को खाली करने का दबाव बना रहे थे, लेकिन उनकी कोशिश सफल नहीं हो पा रही थी। इसी बीच उनकी हत्या हो गई। हरीरी की हत्या के बाद सीरिया और लेबनान के संबंध और खराब हो गए। लेबनान के स्थानीय नेताओं ने सीरिया पर देश छोड़ने का दबाव बनाया। आखिर में यूनाइटेड नेशन से भी सीरिया पर प्रेशर बनाया गया, जिससे सीरिया ने अप्रैल 2005 में लेबनान से अपनी सेना वापस बुला ली, और देश का 29 साल का कब्जा समाप्त हो गया।

अमेरिका में भिखारी मत बनो भारत में जाकर नेता बनो

हैरिस के लिए धन जुटाने वाले अजय भुटोरिया को मिली धमकी

वॉशिंगटन, 11 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए धन जुटाने वाले एक भारतीय अमेरिकी फंडरेजर को फोन पर धमकी भरे संदेश मिल रहे हैं। उनसे अमेरिका छोड़कर भारत वापस जाने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। अजय भुटोरिया को एक अंजान नंबर से रविवार को धमली मिली। वह हैरिस-वाल्ज चुनावी अभियान के उप राष्ट्रीय वित्त अध्यक्ष, डीएनसी और राष्ट्रीय वित्त समिति हैं। अजय भुटोरिया को रविवार को भेजे गए मैसेज में कहा गया, वह दावा करते हैं कि आप वह कर रहे हैं जो अमेरिकियों के लिए सबसे अच्छा है। लेकिन आप अमेरिका के लिए कुछ नहीं कर रहे हैं। आपको अमेरिका की फिक्र ही नहीं है। आप एक भारतीय हैं। आप सिर्फ भारतीयों की फिक्र करते हैं। आप वही करते हैं जो भारतीयों के लिए अच्छा है। आप यहां क्या कर रहे हैं?

अमेरिका में भिखारी बनना बंद करो और भारत में जाकर नेता बनो। अजय भुटोरिया एशियाई, अमेरिकियों, मूल हवाईयन और प्रशांत द्वीप के लोगों के लिए राष्ट्रपति के सलाहकार आयोग के आयुक्तों में से एक भी हैं। उन्होंने कानूनी अप्रवासी समुदाय के कई मुद्दों को संबोधित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। धमकी भरे संदेश का जवाब देते हुए उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, ट्रंप के समर्थक मुझसे भारत वापस लौटने के लिए कह रहे हैं। भुटोरिया ने कुछ मैसेजों को सोशल मीडिया पर भी पोस्ट किया है। बता दें कि अमेरिका में इसी महीने राष्ट्रपति चुनाव हुआ। छह नवंबर को सामने आए चुनाव परिणाम में रिपब्लिकन प्रत्याशी ट्रंप को शानदार जीत मिली।

बिजली मंत्री अनिल विज की हत्या की साजिश रचने वालों के खिलाफ एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया ने खोला मोर्चा

वीरेश शांडिल्य ने मुलाकात के बाद अनिल विज की हत्या के आरोप को गंभीर बताया, भेजी राष्ट्रपति, राज्यपाल व चुनाव आयोग को शिकायत

अंबाला, 11 नवंबर (एजेंसियां)। बिजली, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज जो संवैधानिक पद पर हैं उनका बतौर कैबिनेट मंत्री यह ब्यान आना कि उनकी अंबाला के प्रशासन ने चुनावों के दौरान हत्या करने की साजिश रची यह आरोप गंभीर है इस आरोप के बाद वीरेश शांडिल्य बिजली, परिवहन व श्रम मंत्री अनिल विज से मिले और कहा कि अनिल विज के इस बयान के बाद एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया व विश्व हिन्दु तख्त खामोश नहीं बैठेगी। जिस प्रदेश में पूर्व गृह मंत्री जो बतौर गृह मंत्री हरियाणा की पौने तीन करोड़ जनता की आवाज बन कर रहे यदि अनिल विज जैसे राजनेता की हत्या की साजिश प्रशासन रच सकता है तो आम आदमी कैसे सुरक्षित रह सकता है? वीरेश शांडिल्य ने अनिल विज से मुलाकात कर कहा कि वह इस विषय को लेकर खामोश नहीं बैठेंगे

और उन्होंने अनिल विज की मौजूदगी में अनिल विज की प्रशासन द्वारा हत्या रचने की साजिश को प्रशासनिक आतंकवाद बताया और कहा कि अंबाला जिला प्रशासन ने देश के चुनाव आयोग से भी धोखा किया है। एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने कहा कि उन्होंने 2004 और 2008 में बब्बर खालसा के आतंकवादियों के खिलाफ राष्ट्रहित में हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की थी जिन पर अहम फैसले आए और यही नहीं जब पूरे देश में 2006 में डेंगू फैल रहा था और सरकार फेल हो चुकी थी लोग डेंगू से मर रहे थे तो भी उन्होंने जनहित में लोगों को डेंगू से बचाने को लेकर हाईकोर्ट में एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया की तरफ से जनहित याचिका दायर की थी जिस पर अहम फैसला आया था और प्रदेश के सातवीं बार विधायक और तीसरी बार कैबिनेट मंत्री अनिल विज खुले आम मीडिया को यह कह रहे हैं कि अंबाला प्रशासन ने उनकी हत्या की साजिश रची उसके बावजूद भी मुख्यमंत्री या चुनाव आयोग कोई कार्रवाई नहीं कर रहा जिससे हरियाणा में नहीं हरियाणा के आस पास के राज्यों में भी हरियाणा सरकार का गलत संदेश जा रहा है। वीरेश शांडिल्य ने आज घोषणा की कि वह इस प्रशासनिक आतंकवाद व अनिल विज की हत्या की साजिश को लेकर जन आंदोलन तैयार करेंगे और जरूरत पड़ी तो इस मामले को लेकर हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर करेंगे लेकिन उससे पहले वह सरकार को इसकी लिखित जानकारी दे रहे हैं और आज अंबाला प्रशासन के खिलाफ हरियाणा विधानसभा चुनाव में अनिल विज की हत्या की साजिश रचने वाले प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ राष्ट्रपति, चुनाव आयोग सहित हरियाणा के राज्यपाल व मुख्यमंत्री को शिकायत भेज चुके हैं तत्काल प्रभाव से अंबाला जिला का चुनाव देख रहे सुरक्षा प्रबंध देख रहे तमाम अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें पब्लिक डिलिंग से हटाया जाए।

शिगेरु इशिबा दूसरी बार चुने गए जापान के प्रधानमंत्री

बहुमत का आंकड़ा पार न करने पर भी मिली जीत

टोक्यो, 11 नवंबर (एजेंसियां)। जापान की सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) नेता शिगेरु इशिबा ने सोमवार को जापानी संसद के दोनों सदनों में सर्वाधिक वोट मिलने के बाद उन्हें दोबारा प्रधानमंत्री चुन लिया गया। घोटालों की श्रृंखला में नाम शामिल होने के कारण फुमियो किशिदा ने प्रधानमंत्री का पद छोड़ना पड़ा था। उनके पद छोड़ने के बाद 67 वर्षीय इशिबा ने सितंबर में पहली बार प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली थी। एलडीपी नेता ने जापानी डाइट के निचले सदन में विपक्षी नेता योशिहिको नोडा के खिलाफ प्रधानमंत्री पद के लिए वोट में जीत हासिल की थी। सोमवार को संसदीय सत्र से पहले कैबिनेट ने इस्तीफा दे दिया, ताकि प्रधानमंत्री पद के लिए चुनाव कराए जा सकें। 465 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में शुरुआती दौर के

मतदान में कोई भी उम्मीदवार बहुमत का आंकड़ा पार नहीं कर पाया था। हालांकि, इशिबा को 221 और नोडा को 160 वोट मिलने के बाद एलडीपी प्रमुख को विजेता बना दिया गया। इसी के साथ वे जापान के 103वें प्रधानमंत्री बन गए। इस दौरान 84 वोटों को अवैध माना गया। पूर्व वरिष्ठ उप विदेश मंत्री कीसुके सुजुकी को देश का नया कानून मंत्री नियुक्त किया गया, जबकि ताकू एटो फिर एक बार कृषि मंत्री रहेंगे। टेटसुओ सैटो की जगह कोमिटो विधायक हिरोमासा नाकानो को भूमि मंत्री बनाया गया।

जलवायु वित्त लक्ष्य प्राप्त करने के लिए मजबूत कार्रवाई जरूरी

शिखर सम्मेलन में बोले यूएन के प्रतिनिधि

अजरबैजान, 11 नवंबर (एजेंसियां)। अजरबैजान के बाकू में चल रहे जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र (यूएन) फ्रेमवर्क कन्वेंशन (कॉप-29) के पक्षकारों के 29वें सम्मेलन में जलवायु वित्त लक्ष्य प्राप्त करने और कार्बन बाजारों को लेकर कार्रवाई करने का मुद्दा उठा है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन कार्यकारी सचिव साइमन स्टील ने कहा कि वैश्विक तौर पर जलवायु वित्त लक्ष्य को प्राप्त करने और कार्बन बाजारों को लेकर कड़ा रुख अपनाने की जरूरत है। साइमन स्टील ने कहा कि प्रगति के बावजूद वैश्विक स्तर पर बढ़ते जलवायु संकट पर बात करने के लिए कॉप एक बेहतर मंच है। उन्होंने कहा कि यहां जलवायु संकट से निपटने के लिए काम करने पर हम एक-दूसरे को विश्वसनीय रूप से जिम्मेदार ठहरा सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र के जलवायु समझौतों के बिना मानवता पांच डिग्री की भयावह गर्मी की ओर बढ़ सकती है। उन्होंने कहा कि पेरिस समझौते का अनुच्छेद 6 जलवायु कार्रवाई पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए तंत्र की रूपरेखा तैयार करता है। इससे देशों को कार्बन उत्सर्जन में कमी के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक साथ काम करने का मौका मिलता है। यह कार्बन बाजारों और गैर-बाजार दृष्टिकोणों के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि इस विचार को त्याग दें कि जलवायु वित्त दान है। नया जलवायु वित्त लक्ष्य पूरी तरह से हर देश के स्वार्थ में है। हर देश का आर्थिक लचीलापन व्यापक जलवायु वित्त पोषण पर निर्भर करता है। उन्होंने जलवायु संकट से निपटने की धीमी प्रगति पर निराशा जताते हुए प्रतिनिधियों से कई प्रमुख मुद्दों पर ठोस कदम उठाने के लिए कहा। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कार्बन बाजारों को चालू रखने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

आगामी जलवायु योजना को लेकर उन्होंने कहा कि कॉप 29 की पहल का उद्देश्य देशों को उनकी राष्ट्रीय जलवायु योजनाओं को तैयार करने और उन पर काम करने में सहायता करना है।

इराक में लड़कियों के शादी की उम्र होगी 9 साल

कानून में बदलाव की तैयारी, महिलाओं के अधिकार होंगे खत्म?

बगदाद, 11 नवंबर (एजेंसियां)। इराक देश के विवाह कानून में संशोधन की तैयारी कर रहा है। यह पुरुषों को 9 साल के उम्र की लड़कियों से शादी करने की अनुमति देता है। इससे अधिकार कार्यकर्ताओं में आक्रोश फैल गया है। देश के व्यक्तिगत स्थिति कानून, जिसे कानून 188 के रूप में जाना जाता है, उसे इराकी संसद संशोधन की तैयारी कर रहा है। महिलाओं को तलाक, बच्चों की कस्टडी और विरासत के अधिकार से वंचित करने के लिए भी संशोधन प्रस्तावित किए गए हैं। यह विधेयक नागरिकों को पारिवारिक मामलों में निर्णय लेने के लिए धार्मिक अधिकारियों या नागरिक न्यायपालिका को चुनने की अनुमति देगा।

चीन एयरशो में दुनिया को दिखाएगा हथियारों की ताकत

नए जेट से लेकर प्रदर्शनी में रहेगी 'किलर व्हेल'

बीजिंग, 11 नवंबर (एजेंसियां)। चीन की सेना झुहाई शहर में आयोजित किए जा रहे अपने वार्षिक एयर शो में कुछ नवीनतम युद्धक विमानों को प्रदर्शित करेगी जिनमें एक नया लड़ाकू विमान और एक बड़ा ड्रोन जहाज भी शामिल है जिसे 'किलर व्हेल' के नाम से जाना जाता है। चीन का 15वां एयर शो 12 से 17 नवंबर तक दक्षिण चीन के गुआंगडोंग प्रांत के झुहाई शहर में आयोजित किया जाएगा। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) हर साल एयर शो में अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करती है। पीएलए नौसेना जे-15टी जेट का प्रदर्शन करेगी। इसे तीसरे विमान वाहक पोत, फुजियान से संचालित करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो 'इलेक्ट्रो

मैग्नेटिक' कैटापुल्ट से सुसज्जित है, जबकि अन्य दो विमान वाहक पोतों, लिओनिंग और शांदोंग में 'स्की जंप टेक ऑफ' रैंप लगे हैं। 'एयरोस्पेस नॉलेज' पत्रिका के मुख्य संपादक वांग यानान ने सरकारी अखबार 'चाइना डेली' को बताया कि जे-15टी को लिओनिंग और शांदोंग पर भी तैनात किया जा सकता है, दोनों ही स्थानों पर 'फिक्स्ड-विंग' विमान उड़ान भरने के लिए 'स्की जंप' विधि का इस्तेमाल करते हैं।

चीन की नौसेना एयर शो के दौरान 'किलर व्हेल' नामक एक बड़े ड्रोन जहाज को भी पहली बार प्रदर्शित करेगी। हांगकांग से प्रकाशित 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' की खबर के मुताबिक यह पोत 'लंबे समय तक खुले समुद्र में काम करने में सक्षम है'। खबर के मुताबिक 'किलर व्हेल' में दोहरी डीजल और इलेक्ट्रिक प्रणोदन प्रणाली है, जो इसे 4,000 समुद्री मील (7,400 किमी) से अधिक की दूरी 40 नॉट्स (74 किमी/घंटा) की अधिकतम गति तक तय करने की क्षमता देती है। अखबार ने इस पोत को एक 'सर्वांगीण योद्धा' बताया है, जिसे विभिन्न प्रकार के हथियार से लैस किया जा सकता है जिनमें रॉकेट, जहाज-रोधी मिसाइलें और जहाज से हवा में मार करने वाली मिसाइलें शामिल हैं। इस पोत के पिछले हिस्से में हेलीकॉप्टर के उड़ान भरने और उतरने के लिए हेलीपैड बनाया गया है। इस पोत को स्वतंत्र रूप से तैनात किया जा सकता है तथा यह गश्त, पनडुब्बी रोधी अभियान, वायु रक्षा और बचाव कार्य भी कर सकता है। हांगकांग के टिप्पणीकार लियांग गुओलियांग ने अखबार को बताया कि चीन झुहाई को चीनी सैन्य प्रौद्योगिकी खरीदने के इच्छुक देशों के लिए 'वन-स्टॉप गंतव्य' बनाना चाहता था।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का कांग्रेस पर हमला

धारा 370 वापस नहीं ला सकता कोई, मुंगेरीलाल के सपने न देखें

टोंक, 11 नवंबर (एजेंसियां)। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने देवली-उनियारा विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र गुर्जर के समर्थन में चुनाव प्रचार करते हुए कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। जम्मू-कश्मीर में धारा 370 की बहाली के कांग्रेस के प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए दिलावर ने कहा, अब इनका बाप भी आ जाए तो धारा 370 वापस नहीं ला सकता।

ये मुंगेरीलाल के सपने देखने जैसी बातें हैं। कांग्रेस का यह समर्थन आतंकवाद के साथ खड़ा होना और आरक्षण का विरोध करना है।

मदन दिलावर ने टोंक में मीडिया से बात करते हुए हाल ही में सरकारी कॉलेजों को भगवा रंग से रंगने के फैसले को सही ठहराया। न्होंने कहा, हमारा देश हमेशा भगवा से जुड़ा रहा है। स्वतंत्रता से पहले भी हमारा झंडा भगवा था और अग्नि की लौ, सूर्य की रोशनी सबमें भगवा की झलक है।

सचिन पायलट के प्रभाव को नकारते हुए दिलावर ने कहा कि उपचुनावों में गुर्जर सहित सभी जातियों के वोट भाजपा के पक्ष में आएंगे और पार्टी की जीत होगी। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा के पेपर लीक मामले पर दिए गए बयान का जवाब देते हुए दिलावर ने कहा, धीरे-धीरे सभी मगरमच्छ पकड़े जाएंगे और उन्हें जेल भेजा जाएगा।

कांग्रेस के पूर्व मंत्री रघु शर्मा द्वारा कत्लेआम का जिक्र करने पर दिलावर ने पलटवार करते हुए कहा, अगर वे ऐसा करने की कोशिश करेंगे तो हम उन्हें सिखा देंगे कि असली जवाब क्या होता है।

भाजपा को जनता का पूरा समर्थन, बौखला रही है कांग्रेस, रामगढ़ में बोले सांसद भूपेंद्र यादव

अलवर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। रामगढ़ विधानसभा सीट के लिए हो रहे उपचुनाव को लेकर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि हमारी सभी टीमें मिलकर काम कर रही हैं। भाजपा ने मेहनती व निष्ठावान कार्यकर्ता सुखवंत सिंह को रामगढ़ से टिकट दिया है। रामगढ़ में निश्चित रूप से भाजपा ही विजयी होगी। हम सबका साथ सबका विकास के एजेंडे को लेकर चल रहे हैं और भाजपा को सभी वर्गों का समर्थन मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा को जनता का पूरा समर्थन मिल रहा है, जिसे देखकर कांग्रेस में बौखलाहट मची हुई है। अलवर की जनता ने जो मान-सम्मान दिया है, वे उसके ऋणी रहेंगे। उन्होंने कहा कि हमने जो भी वायदे किए हैं, उन्हें पूरा करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए राज्य सरकार से भी बजट में बहुत राशि स्वीकृत कराई है। विशेष तौर पर रामगढ़ ओर गोविंदगढ़ में ट्रेनों के ठहराव का मसला हो या फिर आरओबी से काम कराने का मामला हो सभी काम तय समय में पूरे करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

इसके अलावा एनसीआर क्षेत्र में केंद्र की बजट योजना का भी काफी काम रामगढ़ क्षेत्र में हुआ है। यादव ने कहा कि ईआरसीपी के पानी का मामला भी काफी हद तक भाजपा सरकार ने पूरा कर दिया है और जल्द ही इसका पानी भी रामगढ़ को मिलेगा। रूपारेल नदी के मामले में भी राज्य सरकार ने काफी पैसा दिया है।

उन्होंने कहा कि गांवों में घूमने के बाद वे यह कह सकते हैं कि रामगढ़ में सभी बिरादरी और कौम का समर्थन भाजपा को मिल रहा है और यहां से भाजपा उम्मीदवार सुखवंत सिंह ही चुनाव जीतेंगे। उन्होंने सातों विधानसभा सीटों पर जीत का दावा किया।

सतीश पूनिया के 'बंटेंगे तो कटेंगे' बयान पर जूली बोले- जहर घोल रहे भाजपा नेता

चुनाव आयोग से की कार्रवाई की मांग

जयपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। सात सीटों पर हो रहे उपचुनाव में अब बंटोगे तो कटोगे के नारे की एंट्री ने सियासत गरमा दी है। देवली-उनियारा सीट पर शनिवार को भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया की ओर से दिए गए बयान पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने निर्वाचन आयोग से पूनिया के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। जूली ने एक बयान जारी कहा कि पूनिया ने बंटोगे तो कटोगे शब्द का इस्तेमाल कर चुनाव में घृणा,

भय और अराजकता उत्पन्न करने की कोशिश की है।

भाजपा नेता बौखला गए है और मतदाताओं को डराने, गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। चुनाव आयोग को इस बयान पर स्वतः संज्ञान लेना चाहिए। टोंक प्रशासन को भी उनके खिलाफ केस दर्ज करना चाहिए था, लेकिन प्रशासन मूक दर्शक बना हुआ है।

ऐसे आपत्तिजनक नारे लोकतंत्र और संविधान के खिलाफ है। पूर्व मंत्री खाचरियावास कहा कि भाजपा नेता हिंदू-मुसलमान के नाम पर बांटने और काटने की बात करके डरा-धमका कर जनता से वोट लेना चाहते हैं। नफरती नारों के जरिए प्रदेश का माहौल खराब करने का काम किया जा रहा है, चुनाव आयोग को इस पर तुरंत संज्ञान लेना चाहिए।

हिल स्टेशन आबू में ठिठुरन बढ़ी

अगले 10 दिन कोई बदलाव नहीं, पहाड़ों पर बर्फबारी का इंतजार

जयपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में सुबह और शाम की ठंड तो हो चुकी है। लेकिन ओवरऑल दिन के तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया है। बीते एक सप्ताह में प्रदेश के अधिकतम और न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री का ही फर्क आया है। हालांकि, उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में कौहरा पड़ना शुरू हो गया है। बता दें कि नवंबर में राजस्थान में औसत न्यूनतम तापमान 15 डिग्री के आसपास व अधिकतम 25 से 30 डिग्री के बीच बना रहता है। लेकिन राजस्थान में बीते 24 घंटे में जैसलमेर में अधिकतम तापमान 36.8 डिग्री, सर्वाधिक न्यूनतम तापमान सिरोही में 13.2 डिग्री दर्ज किया गया। हिल स्टेशन माउंटआबू पर न्यूनतम तापमान 11.2 डिग्री दर्ज किया गया है। जयपुर मौसम केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा का कहना है कि फिलहाल ठंड इसलिए नहीं बढ़ रही, क्योंकि इसके लिए प्रदेश में कोई नया वेदर सिस्टम नहीं बन रहा है। वहीं, पहाड़ों पर भी अभी बर्फबारी शुरू नहीं हुई है। प्रदेश का औसत तापमान फिलहाल दो से पांच डिग्री ऊपर बना हुआ है। अगले एक सप्ताह से 10 दिन तक और बनी रह सकती है।

सलूंबर की सभा में डोटासरा का जोश

बोले- सरकार ने जिला समाप्त किया तो ईंट से ईंट बजा देंगे

जयपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। जैसे-जैसे उपचुनाव की तारीख नजदीक आती जा रही है, वैसे-वैसे नेताओं की बयानबाजी में जोश भरता जा रहा है। कल कांग्रेस प्रत्याशी रेशमा मीणा के समर्थन में सलूंबर में आयोजित जनसभा में पीसीसी चीफ गोविंदसिंह डोटासरा ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि हमने कॉलेज खोले, भाजपा सरकार उसकी समीक्षा कर रही है, हमने पंचायतें बनाईं सरकार उसकी समीक्षा कर रही है, हमने जिले बनाए उसकी समीक्षा वे लोग कर रहे हैं। उन्होंने जनता से पूछा कि सलूंबर जिला बनना चाहिए था या नहीं बनना चाहिए था। जब हमने सलूंबर

जिला बनाकर आपका हक दिया तो आज मुख्यमंत्री और उनके अधिकारी कह रहे हैं सलूंबर जिला समाप्त करेंगे। डोटासरा ने कांग्रेस प्रत्याशी रेशमा मीणा के पक्ष में मतदान करने की अपील करते हुए कहा कि मैं जनता से निवेदन करना चाहता हूं कि 13 नवंबर को यहां से इन्हें चटका दिखा दीजिए। हम सलूंबर जिला समाप्त नहीं होने देंगे, ईंट-ईंट से बजा देंगे। उन्होंने कहा कि मैं आपको एक ही बात कहना चाहता हूं कि यहां बैठे सभी नेता, कार्यकर्ता और जनता यह तय कर चुकी है कि यहां से कांग्रेस की महिला प्रत्याशी रेशमा मीणा ही जीतकर जाएंगी।

गौरतलब है कि यहां से भाजपा ने शांता देवी मीणा को मैदान में उतारा है। शांता देवी मीणा दिवंगत विधायक अमृतलाल मीणा की पत्नी हैं, जिनके देहांत के बाद सलूंबर सीट खाली हो गई थी। इन दो महिला प्रत्याशियों के बीच भारत आदिवासी पार्टी ने जितेश कटरा को उम्मीदवार बनाया है।

30 दिन के लिए जेल से फिर बाहर आया आसाराम

आयुर्वेदिक अस्पताल में इलाज कराएगा; 11 साल में दूसरी बार पैरोल मिली

जोधपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। रेप केस में आजीवन कारावास की सजा काट रहा आसाराम जेल से बाहर आ गया है। जोधपुर हाईकोर्ट ने 7 नवंबर को आसाराम को इलाज के लिए 30 दिन की पैरोल दी थी। वह जोधपुर के भगत की कोठी स्थित निजी आयुर्वेदिक अस्पताल में अपना इलाज करवाएगा। उसे रविवार रात एम्बुलेंस के जरिए लाया गया और अस्पताल में भर्ती करवाया। इस दौरान आसाराम को देखने के लिए अस्पताल के बाहर उसके समर्थकों की भीड़ जुट गई। हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश दिनेश मेहता और न्यायाधीश विनीत कुमार माथुर की खंडपीठ ने आसाराम के इलाज के लिए अनुमति देने के आवेदन पर आदेश दिए थे। उसे 11 साल में दूसरी बार इलाज के लिए पैरोल मिली है। इससे पहले उसे अगस्त में 7 दिन की पैरोल मिली थी। आसाराम की

ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आरएस सलूजा और यशपाल राजपुरोहित ने पैरवी करते हुए इलाज की अनुमति के लिए आवेदन पेश किया था। आसाराम के वकीलों ने जब तक अस्पताल से डॉक्टर छुट्टी नहीं दे देता, तब तक अनिश्चितकालीन अवधि तक इलाज की अनुमति मांगी थी। सरकारी वकील अतिरिक्त महाधिवक्ता दीपक चौधरी ने 30 दिन की अनुमति की दलील दी। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने आसाराम को 30 दिन इलाज के लिए पैरोल दी। इससे पहले 13 अगस्त को हाईकोर्ट ने 7 दिन की पैरोल दी थी।

बाड़मेर में मां-बेटी की डूबने से मौत

हत्या कर टांके में डालने का आरोप, पति गिरफ्तार

बाड़मेर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। बाड़मेर के सदर थाना क्षेत्र के रतनाणी भादूओं (नोख) स्थित एक ढाणी के पास मां-बेटी के टांके में डूबने से मौत हो गई। सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी जुटाई। पुलिस ने मृतका के पिता की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की है। पुलिस ने मामले में आरोपी पति को गिरफ्तार किया है।

बाड़मेर पुलिस ने बताया कि रतनाणी भादूओं (नोख) निवासी राई (25) पत्नी रमेश व उसके चार वर्षीय बेटी भावना की खेत में बने टांके में डूबने से मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस की सूचना पर पीहर पक्ष के लोग भी घटनास्थल

पहुंच गए। पीहर पक्ष की मौजूदगी में दोनों शव बाहर निकाले और राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए।

मामले में महिला थाने में मृतका के पिता ने चूनाराम रामदेरिया, काश्मीर ने रिपोर्ट पेश कर मामला दर्ज करवाया कि पति रमेश, सास, ससुर व जेठ-जेठानी दहेज के लिए प्रताड़ित कर मारपीट करते थे। सामाजिक स्तर पर कई बार समझाइश की गई, लेकिन ससुराल पक्ष के लोग मान नहीं रहे थे। कुछ दिन पहले भी मारपीट की गई थी। आरोप लगाया है कि ससुराल पक्ष के लोगों ने दोनों को मारकर टांके में डाला है।

पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर जांच एएसपी नितेश आर्य को सौंपी। पुलिस ने मेडिकल बोर्ड से दोनों का पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द किए।

आरोपी पति गिरफ्तार, अन्य की संलिप्तता पर जांच

दहेज हत्या व महिला अत्याचार से जुड़े मामले में पुलिस ने गंभीरता दिखाते हुए आरोपी पति को गिरफ्तार किया है। महिला अनुसंधान सैल के एएसपी ने बताया कि दहेज हत्या के मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति रमेश (26) पुत्र श्यामाराम को गिरफ्तार किया गया है। मामले की जांच कर अन्य आरोपियों की संलिप्तता को लेकर पड़ताल कर रहे हैं।

परीक्षा रद्द करने की जिद्द को लेकर टंकी पर चढ़े 2 युवक

जयपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा 2021 को रद्द करने की मांग को लेकर गोपालपुरा स्थित हिम्मत नगर में दो युवक पानी की टंकी पर चढ़ हुए हैं। दोनों युवकों ने वीडियो जारी कर राज्य सरकार से भर्ती परीक्षा रद्द करने की मांग की।

सूचना पर डीसीपी (पूर्व) तेजस्विनी गौतम, एडिशनल डीसीपी आशाराम चौधरी सहित पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे।

सूचना पर सिविल डिफेंस टीम ने टंकी के नीचे चारों तरफ जाल लगाया। टंकी पर चढ़ने वाला लादूराम गोदारा नागौर और विकास विधूड़ी टोंक निवासी है।

दोनों युवकों ने टंकी से एक बैनर भी लटकाया। उसमें लिखा था कि एसआइ भर्ती रद्द क्यों नहीं की गई।

बैनर पर लिखा है...

-आरपीएससी के सदस्य बाबूलाल कटारा ने परीक्षा से एक माह पहले ही पेपर आयोग के सदस्यों को बांट दिया था।

-सब कुछ साफ हो चुका है, प्रशासनिक अधिकारियों, नेताओं की संलिप्तता उजागर हो चुकी है। इन्हें आखिर कब तक बचाया जाएगा।

-पेपर लीक के मुख्य आरोपी यूनिक भांबू और सुरेश ढाका की गिरफ्तारी न होने के बावजूद 13 से अधिक एफआइआर, 50 ट्रेनी थानेदारों सहित कुल 160 गिरफ्तारियां।

50 तोला सोना चोरी, 15 दिन बाद 35 तोला मिला

तंत्र-मंत्र का डर दिखाया तो वापस फेंक गए चोर

जयपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर स्थित ऑफिसर्स ट्रेनिंग स्कूल (ओटीएस) में पब्लिकेशन ऑफिसर के घर से 50 तोला सोने की ज्वेलरी चोरी हो गई। पीड़ित ने जब संदिग्धों को तंत्र-मंत्र का डर दिखाया तो 15 दिन बाद 35 तोला सोने के जेवर पर्स में डालकर घर के पीछे लॉन में फेंक गए। दरअसल, पब्लिकेशन ऑफिसर डॉ. अमृत कौर 25 अक्टूबर को घर से बाहर गई हुई थीं। दोपहर एक बजे जब वह घर लौटीं, तो अंदर अलमारी का सामान बिखरा पड़ा मिला। महिला अधिकारी ने चेक किया तो पता चला कि अलमारी में रखी 50 तोला सोने की ज्वेलरी और करीब 50 हजार रुपए नकद चोरी हो चुके हैं। उन्होंने गांधी नगर थाना पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस मौके पर पहुंची और संदिग्धों की तलाश में जुटी।

शक के आधार पर पुलिस ने ओटीएस में सफाई करने वाले 3 लोगों को डिटेन किया और शनिवार (9 नवंबर) को थाने लेकर आई। इसी दौरान अमृत कौर भी थाने पहुंचीं। उन्होंने चोरों को डराने के लिए कह दिया है कि वह तंत्र-मंत्र से जान चुकी है कि चोर कौन है। उसका चेहरा वह जानती है। इससे डिटेन किए हुए तीनों लोग काफी डर गए। बाद में पुलिस ने उन्हें छोड़ दिया। अगले दिन रविवार (10 नवंबर) को सुबह अमृत कौर को उनके गार्डन में एक पर्स मिला। पर्स में 35 तोला सोने की ज्वेलरी थी।

गांधीनगर सीआई राजकुमार ने बताया- शनिवार को सफाई कर्मचारियों से रात 10 बजे तक पूछताछ की। इसके बाद रविवार सुबह 9 बजे लॉन में पर्स मिला, जिसमें करीब 35 तोला सोने के जेवर थे। इसकी सूचना अमृत कौर ने दी तो गांधीनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। सामान चेक किया तो पर्स में सोने की 2 चेन, 2 मंगल सूत्र, रखड़ी, सोने की 6 अंगूठी, डायमंड सेट, सोने की चूड़ियां, टॉप्स, गले का हार और चांदी के कड़े मिल गए।

पिस्तौल दिखाकर नाबालिग से दुष्कर्म

चूरू, 11 नवंबर (एजेंसियां)। चूरू जिले के तहसील क्षेत्र एक गांव में पिस्तौल के दम पर नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। छात्रा ने रविवार को रतनगढ़ थाने में नामजद मामला दर्ज करवाया है। रिपोर्ट में पीड़िता ने बताया कि वह बीए प्रथम वर्ष की छात्रा है। परिचित होने के कारण गांव का ही दीपक परिवार वालों से मिलने उनके घर आया। उसने मुझे अपना मोबाइल नंबर देकर कहा कि तुमसे अकेले में बात करनी, घर में किसी को नहीं बताना। उसी दिन शाम को फोन कर कहा कि तुमसे प्यार करता हूं। मैंने उसे मना करते हुए कहा कि दोबारा ऐसी बातें मत करना। उसके 10 दिन बाद आरोपी ने उसे अपने घर बुलाया। वहां पहुंची तो घर पर कोई नहीं था। वापस जाने लगी तो आरोपी हाथ पकड़ कर कमरे में ले गया। विरोध करने पर मारपीट की और पिस्तौल तान कर जान से मारने की धमकी देते हुए दुष्कर्म किया। साथ ही अश्लील फोटो खींच लिए और वीडियो बना लिया। पीड़िता ने आगे बताया कि फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर आरोपी पिछले साल जुलाई से उसके साथ कई बार दुष्कर्म कर चुका है।

आबादी के बीच में कर रहा था पेट्रोलियम पदार्थ का अवैध धंधा

आग लगने से तीन मकान में नुकसान

चित्तौड़गढ़, 11 नवंबर (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ शहर में आबादी के बीच पेट्रोलियम पदार्थ का अवैध धंधा करने वाले एक आदमी की लापरवाही के कारण तीन मकानों में आग लग गई।

इसमें एक मकान तो पूरी तरह से जल गया, जबकि दो मकान में भी नुकसान की बात सामने आई है। मामले की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची दमकल ने आग पर काबू पाया। आगजनी में एक वैन कबाड़ में तब्दील हो गई। मकान में पेट्रोलियम पदार्थ से भरे ड्रम रखे हुए थे, जो काफी देर तक जलते रहे।

कोई जनहानि नहीं होने से सभी ने राहत की सांस ली है। आरोपित मौके से भागने में सफल रहा, जिसकी पुलिस तलाश में जुटी हुई है।

जानकारी में सामने आया कि चित्तौड़गढ़ शहर के सदर थाना क्षेत्र में आने वाले सेवा हाउसिंग बोर्ड के तिलक नगर में बीती रात को यह हादसा हुआ। यहां एक मकान में सतपाल सोनी उर्फ सरदारजी रहते हैं जिस पर अवैध पेट्रोलियम पदार्थ के कारोबार का आरोप है। बीती रात को एक वैन में पेट्रोलियम पदार्थ से भरे ड्रम मकान में खाली किए जा रहे थे। इसी दौरान अचानक आग लग गई। आग सतपाल सोनी के मकान में फैल गई, जहां पहले से ही कई ड्रम रखे थे।

पेट्रोलियम पदार्थ में आग से लपटे उठने लगी। यह देख कर मोहल्ले में हड़कंप मच गया। सतपाल सोनी और इसके यहां काम करने वाले लोग तो मौके से भाग गए। क्षेत्र के लोगों ने आगजनी की सूचना दमकल के लिए की। इस पर नगर परिषद की दमकल मौके पर पहुंची और आग पर काबू करने का प्रयास किया गया।

धोखाधड़ी और जालसाजी मामलों का वांछित आरोपी पकड़ा

कई लोगों से की लाखों की धोखाधड़ी

अजमेर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। केकड़ी सिटी थाना पुलिस ने धोखाधड़ी व जालसाजी कर कई लोगों के लाखों रुपये हड़प करने के मामले में दो साल से फरार चल रहे एक आरोपी सीताराम उर्फ शैतान तेली को गिरफ्तार किया है। इसके खिलाफ धोखाधड़ी के कई मामले दर्ज हैं। आरोपी को पुलिस लंबे समय से तलाश कर रही थी। इसके खिलाफ स्थायी वारंट भी जारी हो रखे थे।

केकड़ी सीटी थानाधिकारी कुसुमलता मीणा ने बताया कि रेखा धनजानी पत्नी भोजराज धनजानी ने न्यायालय के जरिए रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि तेली मोहल्ला केकड़ी निवासी सीताराम उर्फ शैतान तेली (39) पुत्र छीतरमल तेली ने मकान बेचान में बेईमानी की व 20 लाख रुपए हड़प कर लिए। जबकि सीताराम उर्फ शैतान तेली ने उक्त मकान मुकेश ताथेड़ को भी बेच रखा था।

पुलिस ने रेखा धनजानी की रिपोर्ट के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु की। लेकिन आरोपी फरार हो

गया। बताया जाता है कि शैतान तेली अब तक कई लोगों को ब्याज का लालच देकर लाखों रुपए हड़प कर चुका है। देनदारों द्वारा रुपए का दबाव बनाने पर पूर्व में बेचान की हुई प्रोपर्टी को ही बार बार बेचान कर देता है अथवा इकरारनामा या मुख्त्यारनामा निष्पादित करवा कर धोखाधड़ी कर रुपए हड़प लेता है। शैतान पिछले दो साल से फरार चल रहा था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामचन्द्र सिंह व पुलिस उप अधीक्षक हर्षित शर्मा के निकटतम सुपरविजन में विशेष टीम का गठन कर आरोपी की तलाश शुरू की गई। विशेष टीम ने सीताराम उर्फ शैतान तेली की तलाश में जयपुर, दिल्ली, हरियाणा, भीलवाड़ा, माण्डल, उदयपुर सहित छिपने के अन्य संभावित स्थानों पर लगातार दबिश दी, लेकिन वह पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ा। गत दिनों मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने सीताराम उर्फ शैतान तेली को भीलवाड़ा से केकड़ी आते समय डिटेन कर लिया।

पुलिस ने गहन पूछताछ के बाद शैतान को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है। पुलिस के अनुसार आरोपी के विरूद्ध सिटी थाना पुलिस में धोखाधड़ी के संबंध में कई आपराधिक प्रकरण दर्ज है तथा इसके खिलाफ न्यायालय ने स्थायी वारंट भी जारी कर रखा है। आरोपी को गिरफ्तार करने वाली टीम में थानाधिकारी कुसुमलता मीणा, एएसआई राकेश कुमार, हैड कांस्टेबल रामफूल व कालूराम, कांस्टेबल शुभकरण, पंकज कुमार, राजेन्द्र आचार्य व राकेश कुमार शामिल थे।

सीएम ने भारत को धार्मिक सद्भाव का प्रतीक बताया

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ.पी.सतीश कुमार के उपदेश के 35 वर्ष पूरे होने के अवसर पर एलबी स्टेडियम में आभार कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने समाज के प्रति समर्पित सेवा के 35 वर्ष पूरे करने के अवसर पर डॉ. सतीश को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 7 दिसंबर 2023 को इसी एलबी स्टेडियम में हमने गरीबों की सरकार बनाने की जिम्मेदारी ली थी। मैं आप सभी की सराहना करता हूं जो बुराइयों को दूर करने और अच्छाइयों को बढ़ाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। भारतीय संस्कृति बहुत मजबूत है। यहां जाति और धर्म से परे सभी का सम्मान किया जाता है। शिक्षा एवं चिकित्सा सेवाओं में ईसाई मिशनरियों के प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में जब शिक्षा एक व्यवसाय बन गई है, ईसाई मिशनरियां कम लागत पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रही हैं।

ईसाई मिशनरियों द्वारा संचालित अस्पताल आदर्श हैं। उस दिन वाईएस राजीव आरोग्यश्री ने हर गरीब व्यक्ति तक उचित चिकित्सा देखभाल पहुंचाई। कलवरी मंदिर का इतने बेहतरीन तरीके से प्रबंधन करना सतीश के लिए संभव था। मैं उनकी सराहना करता हूं। युवाओं की नशे की लत समाज के लिए बहुत बड़ी क्षति है। सतीश से अनुरोध है कि वे गांजा और नशीली दवाओं के खतरे को तोड़ने के लिए सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में भक्तों को एक संदेश दें।

हम सरकार की ओर से भांग और नशे के खात्मे के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ईश्वर के दूत के रूप में अपनी ओर से जिम्मेदारी लें। भारत धार्मिक सद्भाव का प्रतीक है। राज्य में धार्मिक भेदभाव के लिए कोई जगह नहीं है। सरकार सांप्रदायिक दंगों को रोकने के लिए कदम उठाएगी। इंदिराम्मा राज्य में लागू की गई कल्याणकारी योजनाओं को हर गरीब व्यक्ति तक पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है। सरकार पर अपना विश्वास बनाए रखें। देश में लोकतंत्र का अस्तित्व खतरे में है। राहुल गांधी ने लोकतंत्र बचाने के लिए भारत जोड़ो यात्रा का आयोजन किया।

पुलिस ने चिरुमार्ती लिंगैया को फोन टैपिंग मामले की जांच में शामिल होने के लिए बुलाया

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। फोन टैपिंग मामले में पुलिस ने बीआरएस पार्टी के नेता और पूर्व विधायक चिरुमार्ती लिंगैया को नोटिस भेजा है। पुलिस ने फोन टैपिंग मामले में पहले से जेल में बंद थिरुपथन्ना को भी जांच अधिकारी के समक्ष उपस्थित होने के लिए बुलाया है। दोनों को आज जुबली हिल्स स्थित एसीपी कार्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के लिए कहा गया है। पुलिस के नोटिस का जवाब देते हुए चिरुमार्ती लिंगैया ने पुलिस से अनुरोध किया कि उन्हें उनके समक्ष उपस्थित होने के लिए कुछ समय दिया जाए क्योंकि वे अस्वस्थ होने के कारण आज ही जांच में शामिल नहीं हो पाएंगे ।

डीजीपी ने भद्राचलम में माओवादी आंदोलनों पर समन्वय बैठक की

श्री सीतारामचंद्र स्वामी मंदिर में दर्शन किए

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के डीजीपी डॉ. जितेन्द्र ने डीजीपी इंटेलिजेंस बी. शिवधर रेड्डी, गृह मंत्रालय के अधिकारियों, सीआरपीएफ और सीआरपीएफ साउथ सेक्टर के अधिकारियों, ग्रेहाउंड्स, मल्टी-जोन-1 आईजीपी चंद्रशेखर रेड्डी के साथ समन्वय बैठक आयोजित की। इन अधिकारियों के अलावा, जिला एसपी रोहित राजू , मुलुगु जिला एसपी डॉ. शबरीश, भूपलपल्ली एसपी किरण खरे, ग्रेहाउंड्स एसपी राघवेन्द्र रेड्डी, प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों सहित कई स्थानीय अधिकारियों ने भाग लिया। समन्वय बैठक की शुरुआत जिला एसपी रोहित राजू द्वारा डीजीपी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के गर्मजोशी से स्वागत के साथ हुई। बैठक के दौरान, उपस्थित अधिकारियों ने सीमावर्ती क्षेत्रों में माओवादी गतिविधियों की वर्तमान स्थिति के बारे में डीजीपी को जानकारी दी। चर्चा में माओवादियों की विध्वंसकारी गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जो एजेंसी क्षेत्रों में विकास में बाधा डाल रहे हैं और प्रगति के लिए बाधा बन रहे हैं।

डीजीपी डॉ. जितेन्द्र ने तेलंगाना-छत्तीसगढ़ सीमा पर माओवादी तत्वों द्वारा की जाने वाली किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सख्त उपायों की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को सुरक्षा उपायों को बढ़ाने के लिए सीमावर्ती राज्य अधिकारियों के साथ निकट समन्वय में काम करने का निर्देश दिया।

डीजीपी ने क्षेत्र के लिए आवश्यक विकास और कल्याणकारी पहलों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने तेलंगाना के एजेंसी क्षेत्रों में रहने वाली आदिवासी आबादी को शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, परिवहन और अन्य कल्याणकारी योजनाएं प्रदान करने में केंद्र और राज्य दोनों सरकारों के प्रयासों को दोहराया। बैठक के बाद, डीजीपी डॉ. जितेन्द्र और उपस्थित अधिकारियों ने भद्राचलम में श्री सीतारामचंद्र स्वामी मंदिर में संक्षिप्त दर्शन के लिए गए। यह बैठक माओवादी प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा उपायों को मजबूत करने और विकास को बढ़ावा देने, सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए एससीआर ने करीब 860 विशेष ट्रेनें चलाईं

रेल उपयोगकर्ताओं की सुविधा के लिए व्यापक व्यवस्था

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे लगातार रेल उपयोगकर्ताओं की ज़रूरत और परिस्थिति के अनुसार उनकी यात्रा संबंधी ज़रूरतों को पूरा करने के मिशन में लगा हुआ है। तदनुसार, ज़ोन यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए त्यौहारी सीज़न के दौरान नियमित ट्रेन सेवाओं के अलावा विशेष ट्रेन सेवाएँ भी चलाता है। इस संबंध में, दशहरा, दीपावली और छठ पूजा अवधि के दौरान यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए, एससीआर ने अक्टूबर और नवंबर 2024 के महीनों में अतिरिक्त भीड़ की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए विशेष ट्रेनों के रूप में ट्रेनों की करीब 860 अतिरिक्त यात्राएँ चलाई हैं। पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान संचालित 626 विशेष ट्रेनों की तुलना में यह 37% अधिक है। दशहरा, दिवाली और छठ पूजा के त्यौहार के मौसम के दौरान, बड़ी संख्या में यात्री पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, झारखंड, बिहार आदि पूर्वी राज्यों और उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली आदि उत्तरी राज्यों की ओर यात्रा करते हैं। तदनुसार, जनता की मांगों को पूरा करने के लिए, एससीआर के प्रमुख स्टेशनों जैसे सिकंदराबाद, हैदराबाद, काचीगुडा से लोकप्रिय मार्गों पर अधिकतम संभव संख्या में विशेष ट्रेन सेवाएं संचालित की गई हैं। विशेष ट्रेनें अन्य राज्यों के स्टेशनों जैसे शालीमार, रक्सौल, जयपुर, लालगढ़, हिसार, गोरखपुर, शिरडी, दानापुर, निजामुद्दीन, कटक, अगरतला, संतरागाछी आदि के लिए चलाई गई हैं। मदुरै, इरोड, नागरकोइल, कोल्लम, बेंगलुरु, पनवेल, दादर, तिरुपति आदि जैसे अन्य मांग वाले गंतव्यों के लिए भी विशेष ट्रेनें चलाई गई हैं।

सर्वेक्षण उचित सावधानी बरतनी चाहिए : जिला कलेक्टर

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को रंगारेड्डी एकीकृत जिला कार्यालय परिसर के बैठक हॉल में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी, अतिरिक्त कलेक्टर प्रतिमा सिंह, जिला मुख्य योजना अधिकारी पी. सौम्या के साथ नगर निगम आयुक्त, मंडल विशेष अधिकारी, मंडल विकास अधिकारी जाति सर्वेक्षण की समीक्षा की गई। इस वीडियो कॉन्फ्रेंस में जिला कलेक्टर ने कहा कि व्यापक पारिवारिक सर्वेक्षण कराना और आगे बढ़ाना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारी सही समय पर सर्वे करें और शेड्यूल का पालन करें। जिले को 5 हजार 376 गणना ब्लॉकों में बांटा गया है और सभी ब्लॉकों में प्रगणकों द्वारा सर्वेक्षण प्रक्रिया जारी रखी जाए ताकि सर्वेक्षण में कोई कठिनाई न हो। अधिकारियों के आने पर परिवार के मुखिया को अपना आधार कार्ड, राशन कार्ड और पट्टाधार पासबुक उपलब्ध रखना चाहिए, इसी प्रकार गांव के बुजुर्गों और युवाओं को सर्वेक्षण में सहयोग करना चाहिए और प्रगणकों को भी उनका सहयोग लेना चाहिए और त्रुटि रहित फॉर्म भरने को पूरा करना चाहिए। उन्होंने बताया कि यह सर्वे सोमवार से तीन दिनों तक चलाया गया। अब तक 6 लाख 4 हजार 351 परिवारों की पहचान की जा चुकी है और 1 लाख 202 परिवारों से जानकारी एकत्र की गई है। हालांकि, उन्होंने कहा कि गणनाकार समस्याओं का समाधान कर आगे बढ़ेंगे। प्रगणकों को सर्वेक्षण में मात्रा के साथ-साथ गुणवत्ता पर भी ध्यान देना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अगले 12 दिनों में कोई अनियमितता न हो। एक भी परिवार को छोड़े बिना प्रत्येक परिवार का सर्वेक्षण किया जाना चाहिए। जिन प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को सर्वेक्षण प्रपत्र में मुख्य प्रश्नों में कोई समस्या आती है, उन्हें अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए योजना विभाग द्वारा प्रदान की गई प्रगणक दिशानिर्देश पुस्तिका को तुरंत संशोधित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि नगर आयुक्त मंडलों में वाईएमपीडीओ, पंचायत सचिवों और प्रगणकों के साथ समन्वय करते हुए समय-समय पर उनके पास आने वाली शंकाओं को दूर करें और सर्वेक्षण को आगे बढ़ाने का काम करें। वहीं, जिला, विधानसभा, नगर पालिका, मंडल और ग्राम पंचायतों में जन प्रतिनिधियों की भागीदारी से सर्वेक्षण कराया जाएगा। पूर्ण किये गये सर्वेक्षण प्रपत्रों को प्रगणक के ट्रंक बॉक्स में ब्लॉकवार रखने हेतु कदम उठाये जायें। उन्होंने कहा कि चूहों, फायउरग तथा प्रपत्रों को गीला होने से बचाने के लिए उचित भंडारण कक्ष स्थापित किया जाना चाहिए। प्रत्येक प्रपत्र के कम्प्यूटरीकरण के लिए कम्प्यूटर ऑपरेटर उपलब्ध कराने तथा मण्डलों एवं नगर पालिकाओं में तकनीकी सहायता कम्प्यूटर स्थापित करने का आदेश दिया गया है। बैठक में जिला परिषद के सीईओ कृष्णा रेड्डी, डीपीओ सुरेश मोहन, जिला अनुसूचित जाति विकास अधिकारी रामा राव, डीईओ सुशींद्र राव, मंडल के विशेष अधिकारी, नगर आयुक्त, एमपीडीओ, संबंधित योजना विभाग के अधिकारी और अन्य ने भाग लिया।

तापमान में गिरावट के साथ सर्दी की शुरुआत

आईएमडी ने धुंध और कोहरे की स्थिति का जताया अनुमान

हैदराबाद, 11 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में सर्दी बढ़ने के साथ ही भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) हैदराबाद ने पूरे शहर में धुंध और कोहरा छाए रहने का अनुमान जताया है।

शहर के बाहरी इलाकों में कई इलाकों में न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिरने के साथ तापमान में हाल ही में आई गिरावट ठंड के मौसम की शुरुआत का संकेत है। मौसम विभाग ने सलाह दी है कि ये हालात 14 नवंबर तक बने रह सकते हैं।

आईएमडी हैदराबाद के पूर्वानुमान के अनुसार, शहर में पूरे सप्ताह आंशिक रूप से बादल छाए रहने की उम्मीद है। हैदराबाद में सर्दी शुरू होने के साथ ही, निवासियों को गुरुवार तक धुंध या धुंध भरी सुबह के लिए तैयार रहना चाहिए, तथा कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश या बूंदाबांदी की भी संभावना है। हालांकि, मौसम विभाग ने तेलंगाना के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की है, जिससे संकेत मिलता है कि अत्यधिक मौसम की संभावना नहीं है।

राजस्थानी प्रगति समाज का दीपावली सम्मेलन सम्पन्न

हैदराबाद, 11 नवंबर(स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी प्रगति समाज द्वारा दीपावली सम्मेलन का आयोजन आबिड्स स्थित होटल ताजमहल में किया गया । उक्ताशय की जानकारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कार्यक्रम संयोजक रमेश कुमार बंग ने दी ।

उन्होंने बताया कि दीपावली सम्मेलन के मुख्य अतिथियों में पुलिस महानिदेशक (कारागार) सौम्या मिश्रा, सीआईएसएफ के डीआईजी एस.के. मोहनका,आईआरडीए के मुख्य महाप्रबंधक आर.के. शर्मा, होटल ताजमहल आबिड्स के प्रबंध निदेशकबी. चन्द्रशेखर राव एवं एग्जीबिशन सोसाइटी के मानद मंत्री बी. सुरेन्दर रेड्डी के साथ राजस्थानी प्रगति समाज के अध्यक्ष कमलनारायण अग्रवाल, मानद मंत्री गोविन्द राठी एवं कार्यक्रम संयोजक रमेश कुमार बंग द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया।

सभी अतिथियों का राजस्थानी परम्परानुसार शॉल व साफा पहनाकर स्वागत एवं मंचासीन किया गया ।

इस अवसर पर रमेश कुमार बंग ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए कहा कि धन की देवी महालक्ष्मी, ज्ञान के देवी सरस्वती और बुद्धि के दाता विघ्नविनाशक श्री गणेश की आराधना के समय समन्वय, सहयोग एवम् त्याग की पावन प्रतिमा दीपक को आलोकित करते हुए जहाँ हमने यह ध्यान रखा कि घर में कहीं अंधेरा न रह जाये वहाँ यह भी ध्यान रखना हमारा परम कर्त्तव्य है कि पास पडोस तथा समाज के किसी कोने में भी अँधेरा न रहने पाये ।

संस्था के मानद मंत्री गोविन्द राठी ने राजस्थानी प्रगति समाज का संक्षिप्त कार्य विवरण प्रस्तुत किया । उन्होंने कहा कि राजस्थानी प्रगति समाज की स्थापना 1953 में की गयी थी । उन्होंने कहा कि राजस्थानी प्रगति समाज प्रखर राष्ट्रवादियों एवं समाज सेवियों की देन है, अतः इसके समस्त क्रियाक्लापों के केन्द्र में राष्ट्र और समाज सेवा ही रहे हैं।

राजस्थानी प्रगति समाज की गतिविधियों और कार्यक्रमों में उल्लेखनीय वृद्धि का श्रेय अध्यक्ष कमलनारायण अग्रवाल को देते हुए कहा कि उनका अनुभव, संस्था के प्रति समर्पणभाव, कार्यकर्ताओं का प्रोत्साहित करने की अद्भुत क्षमता और सभी को साथ लेकर चलने की प्रवृति से यह संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि राजस्थानी प्रगति समाज पिछले 52 वर्षों से लगातार एग्जीबिशन सोसाइटी के सहयोग से रामायण मेला का आयोजन करता आ रहा है ।

मुख्य अतिथि सौम्या मिश्रा ने कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए उपस्थितजनों को आंवला नवमी एवं दीपावली की महत्ता बताई। देश में व्यापारिक प्रगति में राजस्थानी बन्धुओं का विशेष योगदान रहा है ।

सीआईएसएफ के डीआईजी एस. के. मोहनका ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएँ दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हमें चिकित्सालय खोलने के बजाय रोगियों का उचित मार्गदर्शन की व्यवस्था करना ज्यादा जरुरी है ।

आईआरडीए के महाप्रबंधक आर.के. शर्मा ने कहा कि वर्तमान चिकित्सा खर्च को देखते हुए सभी को अनिवार्य रूप से चिकित्सा बीमा करना चाहिए । प्रगति समाज को चाहिए कि चिकित्सा बीमा इससे संबंधित साइबर क्राईम के लिए एक मार्गदर्शक सेल का निर्माण कर समाज बन्धुओं को उचित परामर्श देना चाहिए । बी. चन्द्रशेखर राव ने कहा कि राजस्थानी प्रगति समाज एवं होटल ताजमहल का साथ 30 साल पुराना है ।

कार्यक्रम संयोजक रमेश कुमार बंग द्वारा धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्रगान के साथ उपस्थित समाज बन्धुओं द्वारा सहभोज के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ । कार्यक्रम में डॉ. आर.एम. साबू, सीए लक्ष्मीनिवास शर्मा, एस.बी. काबरा, ब्रिजगोपाल असावा, अमृत कुमार जैन, सम्पत कांकाणी, रामप्रकाश भण्डारी, द्वारका असावा, सुमित राठी, घनश्याम तोषनीवाल, मनोज जायसवाल, रधारीलाल डागा, कलावती जाजू, शकुंतला नावंदर, कमला राठी, डॉ. भगवंत राव, राजकुमार सांखला, लक्ष्मीनारायण राठी, श्रीकांत मून्दडा, डॉ. मोहन गुप्ता, महेन्दर व्यास, नवल बंग, अनिरुद्ध कांकाणी, घनश्यामदास बंग, सत्यनारायण झँवर, देवेन्द्र झँवर, अनिल कुमार अग्रवाल, आनन्द वर्मा, जय माहेश्वरी, अमित नावंदर, गोपाल नावंदर, सत्यप्रिया जाजू, सत्यजीत जाजू, नरसिंग सारडा, अमित झँवर, सीए संदीप झँवर, भगवानदास गाँधी, रमाकांत काबरा, श्रीकिशन अग्रवाल, श्रीनिवास सोमाणी आदि समाज बन्धु उपस्थित रहे ।

बेंगलुरु में घने कोहरे के कारण इंडिगो का विमान लौटा वापस

हैदराबाद, 11 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर घने कोहरे के कारण हैदराबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने वाला इंडिगो का एक विमान बेंगलुरू में उतरे बिना ही वापस लौटना पड़ा। सुबह-सुबह उड़ान भरने वाले यात्रियों को अपनी योजना में अप्रत्याशित परिवर्तन का सामना करना पड़ा, जब खराब दृश्यता के कारण विमान के उतरने का कार्यक्रम बाधित हो गया। हैदराबाद हवाई अड्डे से रवाना होकर सुबह 7:20 बजे बेंगलुरु पहुंचने वाले इंडिगो विमान को घने कोहरे के कारण दृश्यता संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ा।

सुरक्षित उतरने के प्रयास में विमान ने केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 45 मिनट से अधिक समय तक चक्कर लगाया। जब स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो एयरलाइन ने सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सभी यात्रियों के साथ विमान को हैदराबाद वापस लाने का निर्णय लिया। उल्लेखनीय है कि कोहरे के कारण दृश्यता पर काफी असर पड़ सकता है, खास तौर पर बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे जैसे प्रमुख हवाई अड्डों पर। जब दृश्यता सुरक्षित परिचालन सीमा से कम हो जाती है, तो एयरलाइनों को सावधानीपूर्वक सुरक्षा संबंधी निर्णय लेने पड़ते हैं। मौसम संबंधी इस वापसी से यात्रियों का कार्यक्रम तो बाधित हुआ, लेकिन हवाई यात्रा में सुरक्षा प्रोटोकॉल के महत्व को रेखांकित किया।

सर्दियों के करीब आने के साथ, यात्रियों को भारत भर के विभिन्न हवाई अड्डों पर कोहरे से संबंधित अधिक देरी और मार्ग परिवर्तन का सामना करना पड़ सकता है। हैदराबाद हवाई अड्डे से प्रस्थान करने वाले यात्रियों, विशेषकर इंडिगो सहित विभिन्न एयरलाइनों की सुबह की उड़ानों में, कोहरे के कारण व्यवधान का सामना करना पड़ सकता है, विशेषकर जब वे सर्दियों में कोहरे के अधिक प्रभाव वाले शहरों की यात्रा कर रहे हों।

राष्ट्रीय कला उत्सव 2024 का उद्घाटन हुआ

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय कला उत्सव 2024 का पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय तिरुमलागिरी में सोमवार को उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी, विशिष्ट अतिथि के रूप में सचिव स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग,शिक्षा मंत्रालय,भारत सरकार संजय कुमार, विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में आयुक्त केंद्रीय विद्यालय संगठन निधि पांडे,संयुक्त आयुक्त केंद्रीय विद्यालय संगठन नई दिल्ली डॉ पी देव कुमार उपस्थित रहें। तत्पश्चात् कला उत्सव से संबंधित गतिविधियां जैसे-द्विआयामी, त्रिआयामी दृश्य कला,पेंटिंग,मूर्ति कला, स्वदेशी खिलौने निर्माण की कला, शास्त्रीय नृत्य, नाटक तथा कहानी कहने की कला का आयोजन पीएम श्रीकेंद्रीय विद्यालय पिकेट, सिकंदराबाद, हैदराबाद में सफलतापूर्वक किया गया। राष्ट्रीय एकता उत्सव से संबंधित आयोजित विभिन्न गतिविधियों में 28 राज्यों व 9 केंद्र शासित प्रदेशों से कुल 25 संभाग के छात्र प्रतिभागी के रूप में शामिल हुए।

दुर्घटना में दो की मौत, एक घायल

सूर्यापेट, 11 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के मट्टमपल्ली मंडल में सागर सीमेंट फैक्ट्री के पास सोमवार सुबह हुई सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। रिपोर्ट के अनुसार, बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान मथमपल्ली मंडल के रघुनाधापलेम और पेदाविदु गांवों के लोगों के रूप में हुई है। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल एक महिला को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

आरजीयूकेटी-बासर का छात्र छात्रावास में फंदे से लटका मिला

निर्मल, 11 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी ज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीयूकेटी)-बासर में रविवार देर रात एक छात्रा अपने छात्रावास के कमरे में फांसी पर लटकी पाई गई।

विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने बताया कि प्री-यूनिवर्सिटी कोर्स द्वितीय वर्ष की छात्रा स्वाति प्रिया (17) ने अपने छात्रावास के कमरे की छत से लटककर आत्महत्या कर ली। उन्होंने बताया कि उसकी आत्महत्या का कारण व्यक्तिगत समस्याएँ हैं। उसके सहपाठियों ने शव को देखा और संस्थान के अधिकारियों को सूचित किया, जिन्होंने घटना के बारे में पुलिस को सूचित किया। प्रिया निजामाबाद जिले के आर्मूर की रहने वाली थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भैंसा सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है।

आईसीएआर मुख्य तकनीकी अधिकारी को मिला चाणक्य पुरस्कार

हैदराबाद, 11 नवंबर(स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय राज्य मंत्री(विद्युत व नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार) श्रीपद येसो नाइक द्वारा पब्लिक आउटरीच-2024 में उत्कृष्टता हेतु आईएआर, कृषि व किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के आईसीएआर मुख्य तकनीकी अधिकारी (संचार) श्रीमती जी. अनीजा को प्रतिष्ठित चाणक्य पुरस्कार प्रदान किया।

उपरोक्त प्रतिष्ठित चाणक्य पुरस्कार पाने पर श्रीमती जी. अनीजा ने कहा कि उपरोक्त पुरस्कार डिजिटल, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया जैसे विभिन्न संचार मंचों के माध्यम से जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचने के अतिरिक्त कृषि शिक्षा और क्षमता निर्माण पहलों में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए यह सम्मान है। उन्होने यह भी कहा कि, मैंने विशेष रूप से हितधारकों के साथ करीब पंद्रह हजार कृषि स्नातक छात्रों तक पहुंच बनाना रहा है।

सीपी ने अधिकारियों को कई निर्देश दिए

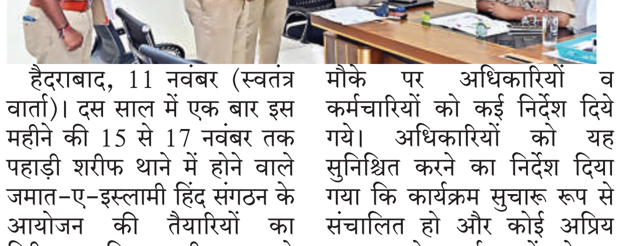

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दस साल में एक बार इस महीने की 15 से 17 नवंबर तक पहाड़ी शरीफ थाने में होने वाले जमात-ए-इस्लामी हिंद संगठन के आयोजन की तैयारियों का निरीक्षण कमिश्नर सुधीर बाबू ने किया।

उन्होंने व्यवस्था को लेकर स्थानीय अधिकारियों को कई निर्देश दिये और यहां लगे सीसीटीवी कैमरों की निगरानी के लिए कमांड कंट्रोल स्थापित करने का भी आदेश दिया। उन्होंने कहा, कि श्रीशैलम राजमार्ग पर भी इस तरह के यातायात व्यवधान के बिना व्यवस्था की जानी चाहिए। इन बैठकों के लिए जमात इस्लामी हिंद संगठन के सदस्यों को आमंत्रित किया गया है। 15 हजार सदस्य भाग ले रहे हैं। इस मौके पर अधिकारियों व कर्मचारियों को कई निर्देश दिये गये। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया कि कार्यक्रम सुचारू रूप से संचालित हो और कोई अप्रिय घटना न हो। कार्यक्रम में महेश्वरम जोन की डीसीपी सुनीता और अन्य अधिकारी शामिल हुए।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी पर गंभीर बोले- मैं दबाव में नहीं

पोंटिंग ऑस्ट्रेलिया देखें, इंडियन क्रिकेट से उन्हें क्या लेना-देना

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का शेड्यूल

मैच	कहां	कब
पहला टेस्ट	पर्थ	22-26 नवंबर
दूसरा टेस्ट	एडिलेड	6-10 दिसंबर (D/N)
तीसरा टेस्ट	गाबा	14-18 दिसंबर
चौथा टेस्ट	मेलबर्न	26-30 नवंबर
पांचवां टेस्ट	सिडनी	3-7 जनवरी

मुंबई, 11 नवंबर (एजेंसियां)। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले टीम इंडिया के कोच ने किसी तरह के दबाव से इनकार किया है। रिकी पोंटिंग के बयान पर उन्होंने कहा कि वे अपने क्रिकेट पर ध्यान दें।

गंभीर ने टीम के ऑस्ट्रेलिया रवाना होने से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस की। गंभीर ऐसे समय में मीडिया के सामने थे, जब टीम इंडिया घर में ही न्यूजीलैंड से 3-0 से टेस्ट सीरीज हार चुकी है।

गंभीर ने कहा, ₹मैं किसी दबाव में नहीं हूं। टीम के सीनियर्स बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में वापसी करेंगे। अगर रोहित पर्थ टेस्ट में अवेलेबल नहीं रहते तो बुमराह कप्तानी कर सकते हैं।₹

टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया में 5 टेस्ट मैच की सीरीज खेलेगी। शुरुआत पर्थ में 22 नवंबर से होगी। आखिरी टेस्ट 3-7 जनवरी के बीच खेला जाएगा।

बीजीटी से पहले 5 चुनौतियों पर गंभीर के जवाब

1. विराट-रोहित

रोहित शर्मा और विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 मैचों की सीरीज में कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया। न्यूजीलैंड ने क्लीन स्वीप किया। रोहित शर्मा ने 3 मैचों में टोटल 91 रन बनाए। कोहली का आंकड़ा 93 रन था। गंभीर ने कहा, 'इन दोनों में अभी परफॉर्मेंस और रनों के लिए गजब की भूख बाकी है। ऑस्ट्रेलिया में दोनों वापसी करेंगे। हमारे ड्रेसिंग रूम में कई शानदार प्लेयर्स हैं, जिन्होंने शानदार क्रिकेट खेली है।'

2. रिकी पोंटिंग

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने हाल में बयान दिया है कि टीम इंडिया BGT में अच्छा खेल नहीं दिखा पाएगी और सभी मैच हारेगी। इस पर गौतम गंभीर ने कहा कि पोंटिंग ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट पर ध्यान दें, उन्होंने भारतीय क्रिकेट से क्या लेना-देना है।

3. न्यूजीलैंड से हार और प्रेशर

न्यूजीलैंड से टेस्ट सीरीज हार के बाद कुछ रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया कि बीजीटी में गंभीर पर काफी दबाव होगा। अगर उन्होंने अच्छे नतीजे नहीं दिए तो उन्होंने भारतीय कोच पद से हटाया जा सकता है। दबाव के सवाल पर गंभीर ने कहा, 'मैं किसी दबाव में नहीं हूं। हम आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। हम इसे खुले तौर पर स्वीकारकर रहे हैं। हमें आगे बढ़ने की जरूरत है। ऑस्ट्रेलिया में हम नई सीरीज खेलने जा रहे हैं।'

4. ऑस्ट्रेलियाई कंडीशन

कोच गंभीर ने कहा कि मैं खिलाड़ियों के ऑस्ट्रेलिया के माहौल में ढलने के बारे में नहीं सोच रहा हूं। ना ही टीम के ट्रांजिशन फेज के बारे में सोच रहा हूं। परिवर्तन हो या ना हो, मैं 5 टेस्ट मैच के बारे में सोच रहा हूं। हमारे ड्रेसिंग रूम में कुछ मजबूत किरदार हैं, जिनमें अच्छा करने की भूख है।'

5. रोहित शर्मा

आशंका है कि निजी कारणों से रोहित शर्मा पर्थ में हो रहा पहला टेस्ट ना खेल पाएं। इस पर गंभीर ने कहा कि अगर रोहित नहीं खेलते हैं तो जसप्रीत बुमराह कप्तानी करेंगे। वे टीम के वाइस कैप्टन हैं। इस कंडीशन में रोहित की जगह केएल राहुल और अभिमन्यु ईश्वरन ओपनिंग कर सकते हैं।

अरविंद चिदंबरम ने टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज की

एरिगैसी का अजेय अभियान समाप्त किया

चेन्नई, 11 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर एम अरविंद चिदंबरम ने छठे दौर में तालिका में शीर्ष पर चल रहे अर्जुन एरिगैसी का अजेय अभियान समाप्त किया जिससे चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स खिताब की दौड़ सभी के लिए खुल गई। वहीं, विदित गुजराती और लेवोन अरोनियन के बीच बाजी ड्रॉ रही।

एरिगैसी और अरोनियन चार-चार अंक के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। अरविंद ने प्रतियोगिता में अपनी पहली जीत दर्ज की और जीएम अमीन तबाताबेई उनसे आधा अंक पीछे हैं। अरविंद ने 48 चाल में एरिगैसी को हराकर पूरे अंक हासिल किए। वहीं, अरोनियन के पास एरिगैसी से आगे निकलने का मौका था लेकिन उन्होंने 70 चाल के बाद गुजराती से अंक बांटे।

अन्य दो मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए जिसमें जीएम एलेक्सी सरना और जीएम मैक्सिम वचियर-लाग्रेव तथा अमीन और जीएम परम मघसूदलू के बीच बाजियां शामिल रहीं। चैलेंजर्स वर्ग में जीएम प्रणव वी ने पहले चार दौर में जीत के बाद लगातार दूसरे ड्रॉ के बावजूद शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। उन्होंने केवल 39 चाल में जीएम एम प्रणेश से ड्रॉ पर हामी भरी जिससे उनके पांच अंक हैं।

जीएम रौनक साधवानी और जीएम डी हरिका के बीच बाजी ड्रॉ रही। जीएम अभिमन्यु पुराणिक ने जीएम आर वैशाली को हराकर जीत की राह पर वापसी की। जीएम लियोन मेंडोंका छठे दौर में जीत दर्ज करने वाले एकमात्र खिलाड़ी रहे। उन्होंने जीएम कार्तिकेयन मुरली को हराया जिससे वह प्रणव से आधे अंक पीछे हैं।

वरुण टी-20 में 5 विकेट लेने वाले 5वें भारतीय गेंदबाज

भारत के लिए पांच विकेट (टी-20 इंटरनेशनल में)

प्लेयर	कितने बार
भुवनेश्वर कुमार	2
कुलदीप यादव	2
युजवेंद्र चहल	1
दीपक चाहर	1
वरुण चक्रवर्ती	1

केबेरा, 11 नवंबर (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका ने दूसरे टी-20 में भारत को 3 विकेट से हराकर 4 टी-20 की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। मैच में एक समय भारत जीत के करीब पहुंच गया था, लेकिन ट्रिस्टन स्टब्स (47) और जेराल्ड कूट्जी के 19 रन की मदद से टीम ने मुकाबला अपने नाम किया।

मैच में कई रिकॉर्ड्स बने। संजू टी-20 इंटरनेशनल में भारतीय विकेटकीपर के तौर पर सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले बल्लेबाज बने, अर्शदीप ने विकेट के मामले में जसप्रीत बुमराह की बराबरी की।

अभिषेक शर्मा अपनी आखिरी 8 में से 7 इनिंग के पावरप्ले में ही पवेलियन लौट गए। पिछली 3 इनिंग में उन्होंने 15 रन बनाए।

वरुण चक्रवर्ती ने टी-20 में साउथ अफ्रीका के हेनरिक क्लासेन और ऐडन मार्करम को 3-3 बार आउट किया।

टई20 में शून्य पर आउट होने वाले भारतीय विकेटकीपर

टी-20 इंटरनेशनल में किसी भी भारतीय विकेटकीपर के सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने के मामले में संजू सैमसन पहले नंबर पर पहुंच गए हैं। वे 16 इनिंग में 4 बार शून्य पर आउट हो चुके हैं। उनके बाद ऋषभ पंत हैं, जो 54 परियों में 4 बार शून्य पर आउट हुए। पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी 85 इनिंग में सिर्फ एक बार शून्य पर आउट हुए।

टी-20i में भारतीय गेंदबाजों की बेस्ट बॉलिंग

वरुण चक्रवर्ती ने केबेरा में 17 रन देकर पांच विकेट लिए। वह टी-20 इंटरनेशनल में भारत के लिए बेस्ट बॉलिंग के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। उनसे पहले कुलदीप यादव हैं, जिन्होंने साउथ अफ्रीका के ही खिलाफ 2023 में 17 रन देकर 5 विकेट लिए थे। पहले नंबर पर युजवेंद्र चहल हैं, जिन्होंने 2017 में इंग्लैंड के खिलाफ 25 रन देकर 6 विकेट लिए थे।

भारत के लिए टी-20 इंटरनेशनल में पांच विकेट

वरुण चक्रवर्ती भारत के लिए टी-20 इंटरनेशनल में पांच विकेट लेने वाले सातवें गेंदबाज बन गए हैं। उनसे पहले युजवेंद्र चहल, भुवनेश्वर कुमार (दो बार), कुलदीप यादव (दो बार) और दीपक चाहर ने पांच विकेट लिए हैं।

17 साल के आयुष म्हात्रे पर आया एमस धोनी का दिल

आईपीएल 2025 से पहले दिया बड़ा ऑफर

मुंबई,11 नवंबर (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 को लेकर सभी टीमें तैयारियां शुरू कर चुकी हैं। मेगा ऑक्शन 24 और 25 नवंबर को होने वाला है। इस बार कई खिलाड़ियों की किस्मत का दरवाजा खुलने वाला है। वहीं टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक सीएसके ने मेगा ऑक्शन से पहले ही बड़ा दांव खेल दिया है। सीएसके ने 17 साल के आयुष म्हात्रे को बड़ा ऑफर दे दिया है।

आयुष म्हात्रे को मिला बड़ा ऑफर

ईरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया के खिलाफ मुंबई की ओर से अपना डेब्यू करने वाले आयुष म्हात्रे की बल्लेबाजी ने सीएसके को खासा प्रभावित किया है। वह लगातार सीएसके के लिए रन बना रहे हैं। उन्होंने हाल ही में महाराष्ट्र के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच में 176 रनों की शानदार पारी खेली थी। अब 17 साल के इस बल्लेबाज ने एमएस धोनी को खासा प्रभावित कर लिया है। सीएसके ने आयुष को बड़ा ऑफर दिया है। अब सीएसके ने उन्हें पांचवे रणजी राउंड के बीच 6 दिनों के ब्रेक के दौरान ट्रायल के लिए बुलाया है।

ये ट्रायल 16 नवंबर को समाप्त होगा। सीएसके उभरते हुए सितारों पर दांव लगाने के लिए जानी जाती है। पिछले सीजन सीएसके ने युवा अनकैप्ड खिलाड़ी समीर रिजवी को भी करोड़ों रुपये खर्च कर अपनी टीम का हिस्सा बनाया था। अब म्हात्रे पर भी सीएसके बड़ा दांव खेल सकती है। बस उन्हें ट्रायल में चयनकर्ताओं को खासा प्रभावित करना होगा।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी मिली जगह

आयुष म्हात्रे को मुंबई टीम के 28 सदस्यों में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए भी चुना गया है। वह मुंबई के लिए इस टूर्नामेंट में भी जलवा दिखाने के लिए तैयार हैं। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का आगाज 23 नवंबर से शुरू होने वाला है।

छोटा है पर दमदार करियर

म्हात्रे ने अब तक मुंबई के लिए 5 प्रथम श्रेणी मैच में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंन इस दौरान 35.66 की औसत के साथ 321 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 1 शतक के अलावा 1 अर्धशतक अपने नाम किया है। मुंबई के लिए उन्होंने आखिरी मैच उड़ीसा के खिलाफ खेला था, जिसमें इस बल्लेबाज ने 18 रनों की पारी खेली थी।

सीरवी समाज प्रीमियर लीग-7 क्रिकेट प्रतियोगिता आरंभ

हैदराबाद, , 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीरवी समाज प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता के सातवें संस्करण व महिला वर्ग खेल का शुभारंभ हुआ। श्री आईमाताजी की तस्वीर पर माल्यार्पण व महाआरती के पश्चात प्रतियोगिता के मुख्य प्रयोजक, स्पॉन्सर्स के सान्निध्य में अलियाबाद स्थित सीरवी क्रिकेट ग्राउण्ड एवं श्रेष्ठा ग्राउंड में शुभारंभ किया गया।

फ्रेन्डस क्लब के सुरेश सैणचा ने बताया कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों की 18 टीमों के मध्य टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के मैच प्रत्येक रविवार को खेले जाएँगे। महिला वर्ग के खेलों में एथेलेटिक्स तथा पारंपरिक दौड़ की प्रतियोगिता संपन्न हुई। क्रिकेट प्रतियोगिता में पहले चरण का उद्घाटन मुकाबला बिरमगुड़ा व करमनघाट के मध्य खेला गया, जिसमें करमनघाट 107 रनों से विजयी रही।

बन्नी को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ दि मैच से नवाजा गया। दूसरा मैच कापरा किंग्स व रामनगर के बीच खेला गया जीसमे रामनगर 6 विकेट विजयी रहीं मुलेवा को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया।

फ्रेंड्स क्लब व आईजी गुटा 11 के माध्य खेला गया, जिसमें आईजी फ्रेंड्स क्लब की टीम 27 रन से विजयी रही। मुकेश को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। तीसरा मैच सिकंदराबाद व बालनगर के मध्य खेला गया, जिसमें सिकंदराबाद की टीम 184 रन से विजयी रही। नमन आगलेचा को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। चौथा मैच संगारेड्डी व नगोल के मध्य खेला गया, जिसमें संगारेड्डी की टीम 87 रनों से विजयी रही। छोगाराम चौधरी को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया।

पाँचवा मैच हायत नगर व टी एम जी टाइटन्स के मध्य खेला गया, जिसमें हायत नगर की टीम 2 विकटों से विजयी रही। मोहन चौधरी को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। अगला मैच ऑल विन 11व मेडचल के मध्य खेला गया, जिसमें ऑल विन 11की टीम 6 विकेट से विजयी रहीं। सुनिल सीरवी मैन ऑफ दि मैच रहे। सातवाँ एल बी नगर व शमशाबाद के मध्य खेला गया, जिसमें एल बी नगर की टीम 3 रनों से विजेता रही।

विक्रम मैन ऑफ दि मैच रहे। सैनकपुरी व कुकटपल्ली के बीच आँठवा मैच खेला गया, जिसमें 12 रनों से सैनकपुरी की टीम विजयी रही। सुरेश मैन ऑफ दि मैच बने।

महिला वर्ग एथलेटिक्स में में सभी वर्ग के खेल आयोजित हुए जिन खिलाड़ियों ने जीत हासिल की उनको सीरवी विकास समाज प्रिमियर लीग 7 के समापन समारोह में पुरस्कृत किया जायेगा।

भारत की एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में धमाकेदार शुरुआत, मलेशिया को 4-0 से हराया

राजगीर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भारत बनाम मलेशिया मैच का लाइव टेलीकास्ट सोनी स्पोर्ट्स टेन पर हो रहा है। मैच को सोनी लिव पर लाइव स्ट्रीम किया जा सकता है।

महिला एशियन चैंपियंस हॉकी ट्रॉफी में भारतीय टीम ने अपने अभियान की धमाकेदार शुरुआत की। उसने अपने पहले मैच में 11 नवंबर 2024 को मलेशिया को 4-0 से हराया। बिहार के राजगीर में खेले गए मैच में दूसरे क्वार्टर को छोड़ दें तो भारत ने अन्य तीनों क्वार्टर में गोल दागे। भारत ने पहले क्वार्टर में एक गोल किया। इसके बाद उसने तीसरे क्वार्टर में 2 और चौथे क्वार्टर में एक गोल किया।

भारत की ओर से संगीता कुमारी ने 2, जबकि प्रीति दुबे और उदिता ने 1-1 गोल किये। हालांकि, मलेशिया के खिलाफ भारत का गोल अंतर और ज्यादा हो सकता था, लेकिन उसके खिलाड़ियों की पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने में नाकामी सामने आई। भारत को पूरे मैच के दौरान 13 पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन उसके खिलाड़ी सिर्फ 3 को ही गोल में तब्दील कर पाईं। भारत बनाम मलेशिया मैच से पहले चीन ने थाइलैंड को 15-0 से रौंद दिया।

भारत की ओर से संगीता कुमारी ने 2, जबकि प्रीति दुबे और उदिता ने 1-1 गोल किये।

भारत बनाम मलेशिया मैच टाइम लाइन

आठवां मिनटः भारत बनाम मलेशियाः 1-0 (संगीता कुमारी ने गोल किया)

हॉफटाइमः भारत बनाम मलेशियाः 1-0

42वां मिनटः भारत बनाम मलेशियाः 2-0 (प्रीति दुबे ने गोल किया)

43वां मिनटः भारत बनाम मलेशियाः 3-0 (उदिता ने गोल किया)

55वां मिनटः भारत बनाम मलेशियाः 4-0 (संगीता कुमारी ने गोल किया)

भारतीय महिला हॉकी टीम गत चैंपियन है। वह जीत के साथ अपने खिताब की रक्षा की शुरुआत करना चाहेगी। वैसे भारत भले ही गत विजेता हो, लेकिन मैदान पर उतरने वाली टीम अलग होगी। ओलंपिक के लिए क्वालिफाई न कर पाने और हालिया असफलताओं के बाद महिला हॉकी ने मुख्य कोच हरेंद्र सिंह के नेतृत्व में नया दौर शुरू किया है।

सलीमा टेटे कप्तान हैं। टीम के नए पहलुओं में फिटनेस भी शामिल है, जिसमें युवा और तेज खिलाड़ियों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। वरिष्ठ खिलाड़ियों वंदना कटारिया, मोनिका और निशा को बाहर रखा गया है।

भारतः सविता पूनिया (गोलकीपर), बिचू देवी खारीबाम (गोलकीपर), उदिता, ज्योति, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, सुशीला चानू पुखरामबम, इशिका चौधरी, नेहा, सलीमा टेटे (कप्तान), शर्मिला देवी, मनीषा चौहान, सुनेलिता टोप्पो, लालरेम्सियामी देवी, नवनीत कौर (उपकप्तान) , प्रीति दुबे, संगीता कुमारी, दीपिका, ब्यूटी डुंगडुंग।

मलेशियाः अबांग दयांग, अजहैरी अजमीरा, अजहर नूर, अजमान नूरुल, बहारुदीन अनिथ हुमैरा, सीएचई नूर अकीलरूल्लाह, दीन जूलियानी (कप्तान), इफरिजल इंसिराह, हार्टोमो जवियातुल, जेम्स तिबतारशिनी, मोहम्मद नूर, मोहम्मद खैरुन्निसा, मोहम्मद नूर, मोहम्मद सती, मोहम्मद जती, नासिर सती (गोलकीपर), रैमली फित्रिनूर (गोलकीपर), शेख सती, सियाफी नूरमाइजातुल, स्यामसुल नुरातिराह, युसैनी नूर, जैनल नूर (गोलकीपर)।

राष्ट्रीय विद्यालयीय वॉलीबाल प्रतियोगिता का समापन

यूपी की टीम को हराकर विद्या भारती बनी विजेता

बरेली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। बरेली में 68वीं राष्ट्रीय विद्यालयीय वॉलीबाल प्रतियोगिता में बालक वर्ग में विद्या भारती की टीम ने उत्तर प्रदेश को 3-1 से मात देकर जीत हासिल की। वहीं बालिका वर्ग में गुजरात को मात देकर पश्चिम बंगाल ने 3-0 से जीत दर्ज कराई।

बरेली के राजकीय इंटर कॉलेज के मैदान में अंडर-17 वॉलीबाल प्रतियोगिता में सेमी फाइनल और फाइनल मुकाबले खेले गए। इस दौरान बालक वर्ग के फाइनल मुकाबले में उत्तर प्रदेश की टीम के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए विद्या भारती को कांटे की टक्कर दी और पहला राउंड 26-24 स्कोर से जीत लिया। दूसरे राउंड में भी दोनों ही टीमों के बीच कांटे की टक्कर चल रही थी, लेकिन तभी उत्तर प्रदेश के खिलाड़ी अनस के पैर में चोट लग गई।

घायल होने पर अनस कोर्ट से बाहर चले गए। उनके इलाज के लिए काफी समय तक आइस पैक नहीं आ सकी। इसके कुछ देर बाद आयोजकों ने बर्फ का टुकड़ा मंगवाकर उनका इलाज शुरु किया, लेकिन अनस फिर खेल नहीं सके। अनस के घायल होने से टीम की चाल बिगड़ गई। इसके बाद विद्या भारती टीम के खिलाड़ियों ने अपनी लंबाई का फायदा उठाते हुए 29-27 स्कोर से जीत हासिल की।

तीसरे राउंड में भी उत्तर प्रदेश की टीम आगे चल रही थी, लेकिन 22वें अंक विद्या भारती की टीम आगे हो गई। इस अंक को लेकर उप्र की टीम के खिलाड़ियों का रेफरी के साथ विवाद भी हुआ। हालांकि रेफरी ने विद्या भारती के पक्ष में फैसला सुनाया। इसके साथ ही मैच में पिछड़ा उप्र अपनी वापसी नहीं कर सका और विद्या भारती ने यह राउंड 25-22 जीत लिया।

जिनिंग मिलों की हड़ताल

मंत्री ने सीसीआई एमडी से बात की

खम्मम, 11 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कपास ओटाई मिल मालिकों की हड़ताल के मद्देनजर कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने भारतीय कपास निगम के सीएमडी से बात की ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हड़ताल के कारण कपास किसानों को नुकसान न हो। उन्होंने मुख्य सचिव ए शांति कुमारी से भी बात की तथा यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने को कहा कि किसानों को कम कीमत पर कपास न बेचना पड़े; कपास ओटाई मिल मालिकों से बातचीत की जाए तथा किसानों के हितों की रक्षा के लिए कपास की खरीद तुरंत शुरू की जाए।

जिला विपणन प्रबंधक एमए अलीम ने बताया कि खम्मम जिले में सोमवार को कपास की खरीद सामान्य रूप से जारी रही। हालांकि, यह पता चला है कि जिनिंग मिलों में जो उपज पहुंची थी, उसे पहले घंटे में खरीद लिया गया और फिर मिलों में ले जाया गया और फिर किसानों से कहा गया कि वे मिलों में उपज न लाएं क्योंकि मिल मालिक हड़ताल पर हैं। कपास मिल मालिक भारतीय कपास निगम (सीसीआई) द्वारा कपास की खरीद में लगाई गई शर्तों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे।

हिंदू और मुसलमान तेलंगाना सरकार की दो आंखें : रेवंत रेड्डी

सीएम रेवंत रेड्डी ने अल्पसंख्यकों में भरा जोश

मोहम्मद अली शब्बीर को सरकार का सलाहकार नियुक्त करने के साथ ही आठ अलग-अलग निगमों में अल्पसंख्यकों को चेयरमैन नियुक्त किया है

हैदराबाद, 11 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने राज्य में अल्पसंख्यक समुदायों का विश्वास जीतने का प्रयास किया, साथ ही कहा कि वह उनसे थोड़ा परेशान हैं, क्योंकि उन्होंने राज्य के 119 निर्वाचन क्षेत्रों में से किसी भी सीट पर कांग्रेस के एक भी अल्पसंख्यक उम्मीदवार को नहीं चुना है। सोमवार को यहां अल्पसंख्यक कल्याण दिवस समारोह में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यही कारण है कि राज्य मंत्रिमंडल में कोई अल्पसंख्यक मंत्री नहीं है।

इसके बावजूद कांग्रेस ने पूर्व मंत्री मोहम्मद अली शब्बीर को सरकार का सलाहकार नियुक्त करने के साथ ही आठ अलग-अलग निगमों में अल्पसंख्यकों को चेयरमैन नियुक्त किया है। हाईकमान के निर्देश का पालन करते हुए आमिर अली खान को चार एमएलसी में से एक एमएलसी बनाया गया है, जबकि एक आईजी कैडर अल्पसंख्यक पदाधिकारी सीएम की पेशी में काम कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर देते हुए कि ये नियुक्तियां कांग्रेस को समर्थन देने के लिए की गई हैं, कहा कि कई बार अल्पसंख्यक बहक जाते हैं और क्षेत्रीय दलों का समर्थन कर देते हैं।

रेवंत रेड्डी ने उपस्थित लोगों से पूछा कि रमजान के दौरान वे शेरवानी पहनते हैं और आपके साथ बिरयानी खाते हैं और भावनाओं में बहकर आप उनका समर्थन करते हैं। लेकिन जरा सोचिए, वे यहां आपका वोट लेते हैं और दिल्ली में किसका समर्थन करते हैं?

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि देश में कई पार्टियां नहीं हैं। सिर्फ दो ही हैं - एक मोदी परिवार और दूसरा गांधी परिवार। उन्होंने कहा कि अगर आप मोदी परिवार का समर्थन करने का फैसला करते हैं, तो वे कांग्रेस द्वारा अल्पसंख्यकों को दिए जाने वाले चार प्रतिशत आरक्षण को खत्म कर देंगे। आप खुद तय करें कि किसका समर्थन करना है।

किसानों के विरोध प्रदर्शन से सीएम को करनी पड़ी कार्रवाई

हैदराबाद, 11 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। धान खरीद में सरकार की विफलता के खिलाफ राज्य भर में किसानों द्वारा विरोध प्रदर्शन के बीच मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सोमवार को अधिकारियों को खरीद प्रक्रिया में बाधा डालने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि यदि आवश्यक हो तो व्यापारियों सहित ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ आवश्यक सेवा रखरखाव अधिनियम (एस्मा) के तहत कार्रवाई शुरू की जाए।

मुख्यमंत्री ने राज्य भर में किसानों के लिए पैदा की जा रही समस्याओं और चल रहे विरोध प्रदर्शनों की घटनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने के बाद शीर्ष अधिकारियों से बात की। रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों से कहा कि धान खरीद के दौरान किसानों को धोखा देने, गुमराह करने और परेशान करने जैसी घटनाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू करें। मुख्यमंत्री ने जिला कलेक्टरों को राज्य भर में सुचारू खरीद सुनिश्चित करने के लिए उचित कदम उठाने का सुझाव भी दिया। उन्होंने कहा कि अगर कोई समस्या आती है, तो जिला अधिकारी उच्च अधिकारियों से संपर्क करें और तुरंत समस्या का समाधान करें।

स्क्रैप गोदाम में लगी आग

किसी के हताहत होने की खबर नहीं

हैदराबाद, 11 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को अट्टापुर में एक कबाड़ गोदाम में आग लग गई। घटना में अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अग्निशमन अधिकारियों के अनुसार, अट्टापुर के एमएम पहाड़ी इलाके में स्थित स्क्रैप गोदाम में आग लग गई। सूचना पर राजेंद्रनगर फायर स्टेशन से दो दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। अट्टापुर पुलिस मौके पर पहुंच गई है और अग्निशमन कर्मियों की सहायता कर रही है। आग लगने का कारण बिजली का शॉर्ट सर्किट होने का संदेह है।

चलती ट्रक के नीचे बाल फंसने के बाद महिला की बची जान

केंद्रीय मंत्री बंडी संजय ने काफिला रोककर की मदद

करीमनगर, 11 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को हुजूराबाद के बाहरी इलाके में सिंगापुर के पास एक अजीब दुर्घटना में एक महिला की जान लगभग चली गई, जब उसके बाल चलती लॉरी के नीचे फंस गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, माणकोंदूर मंडल के केलाडा की रहने वाली दिव्याश्री अपने पति और दो बच्चों के साथ दोपहिया वाहन पर यात्रा कर रही थी, तभी वह दुर्घटनावश सड़क पर गिर गई। इससे पहले कि वह उठ पाती, बगल से गुजर रही एक लॉरी उसके बालों के ऊपर से गुजर गई, जिसके बाद बाल लॉरी के पिछले पहिये के पास एक रॉड पर फंस गए। चालक ने इस पर ध्यान दिए बिना ही वाहन को थोड़ा आगे बढ़ा दिया और उसे घसीटता हुआ ले गया।

महिला और स्थानीय लोगों के शोर मचाने पर ड्राइवर ने सौभाग्य से महिला को कुचले बिना गाड़ी रोक दी। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार, जो वहां से गुजर रहे थे, ने अपना काफिला रोका और स्थानीय लोगों की मदद से दिव्याश्री को ट्रक के नीचे से निकाला। संजय कुमार ने वहां से गुजर रही एक और ट्रक को रोका और एक स्क्रू जैक और कैंची मंगवाई, जिसकी मदद से महिला को बचाया गया। कुछ मीटर तक ट्रक द्वारा उसे घसीटे जाने के कारण दिव्याश्री को कुछ चोटें आईं, जिसके बाद उसे करीमनगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पास धारकों को टिकट पर 10% छूट की घोषणा

हैदराबाद, 11 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) ने सोमवार को हैदराबाद में मेट्रो एक्सप्रेस, मेट्रो डीलक्स, ग्रीन मेट्रो, एयरपोर्ट पुष्पक बस पास धारकों के लिए लहरी, राजधानी, गरुड़ प्लस, ई-गरुड़ एसी सेवाओं में यात्रा के टिकटों पर 10 प्रतिशत की छूट की घोषणा की। 31 जनवरी 2025 तक वैध 10 प्रतिशत की छूट तेलंगाना और अन्य राज्यों में सभी टीजीएसआरटीसी एसी बसों पर लागू है।

हैदराबाद में मेट्रो एक्सप्रेस बस पास धारकों की संख्या करीब %0,000 है। इनमें से ज्यादातर लोग वीकेंड पर अपने गृहनगर जाते हैं। इसी संदर्भ में टीजीएसआरटीसी प्रबंधन ने बस पास धारकों की सुविधा के लिए एसी सेवाओं पर 10 प्रतिशत की छूट की घोषणा की है। टीजीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जनार ने कहा कि आप टीजीएसआरटीसी की वेबसाइट पर अग्रिम आरक्षण करके छूट पा सकते हैं। हम सामान्य बस पास धारकों से 10 प्रतिशत छूट सुविधा का लाभ उठाने का अनुरोध करते हैं।

पोन्नम ने केटीआर के दिल्ली दौरे की आलोचना की

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव के आगामी दिल्ली दौरे की आलोचना करते हुए दावा किया है कि यह उनके खिलाफ आरोपों और कानूनी मामलों से बचने का एक प्रयास है। मंत्री ने कहा कि एक जिम्मेदार जनप्रतिनिधि के रूप में केटीआर को फॉर्मूला ई रेस मामले में पुलिस जांच में सहयोग करना चाहिए। सोमवार को यहां खैरताबाद में परिवहन विभाग के कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए मंत्री ने केटीआर के कार्यों पर असंतोष व्यक्त किया और बताया कि विपक्षी दलों ने दिल्ली जाकर केंद्रीय सहायता प्राप्त करने के सरकार के प्रयासों का समर्थन नहीं किया, लेकिन केटीआर अब जल्दबाजी में वहां जा रहे हैं। केटीआर ने "अमृत' योजना के बारे में शिकायत दर्ज करने की योजना का उल्लेख किया, जबकि सरकार ने राज्यपाल से उनसे जुड़े कार रेसिंग आरोपों से संबंधित जांच करने की अनुमति भी मांगी। हम यह नहीं कह रहे हैं कि किसी को जेल जाना चाहिए। केटीआर का दिल्ली दौरा केंद्र सरकार से सुरक्षा की अपील प्रतीत होता है, जो चल रही जांच से जनता का ध्यान भटका रहा है। अगर अमृत योजना में भ्रष्टाचार है, तो इसकी सूचना केंद्र सरकार को दी जा सकती है। हालांकि, केटीआर का प्राथमिक उद्देश्य व्यक्तिगत जांच से बचना प्रतीत होता है, प्रभाकर ने केटीआर से जांच में सहयोग करने और अपनी ईमानदारी साबित करने का आग्रह किया। मंत्री ने आगे घोषणा की कि 14 नवंबर से, कांग्रेस सरकार की उपलब्धियों को प्रदर्शित करते हुए, प्रजा विजयोत्सव समारोह बड़े पैमाने पर आयोजित किया जाएगा।

एससीआर 13 को तिरुपति-सिकंदराबाद के बीच चलाएगा एकतरफा विशेष ट्रेन

हैदराबाद, 11 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों की भीड़ को कम करने के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) 13 नवंबर को तिरुपति-सिकंदराबाद (0%001) के बीच एकतरफा विशेष ट्रेन चलाएगा। विशेष रेलगाड़ी में एसी I टियर, एसी II टियर, एसी III टियर, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे होंगे। एससीआर अधिकारियों ने रेल उपयोगकर्ताओं से अनुरोध किया कि वे ट्रेन की समय-सारणी को नोट कर लें तथा उसके अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

बाघ के राष्ट्रीय राजमार्ग पार करने से वाहन चालकों में दहशत

आदिलाबाद, 11 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार आधी रात को निर्मल और आदिलाबाद जिलों की सीमा पर राष्ट्रीय राजमार्ग 44 को पार करते हुए एक बाघ देखा गया, जिससे वाहन चालकों में दहशत फैल गई। बाघ का एक वीडियो क्लिप सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गया। कुंतला और सारंगपुर मंडल के जंगलों में घूम रही मादा बाघ के राष्ट्रीय राजमार्ग पार करने का संदेह है। कुछ वाहन चालकों ने बाघ को राजमार्ग पर चलते समय मोबाइल फोन पर रिकॉर्ड किया। बाघ की हरकतों को देखकर इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालक भयभीत हो गए।

इस बीच, वीडियो क्लिप को व्हाट्सएप ग्रुपों पर खूब शेयर किया गया। वन अधिकारियों ने लोगों से बाघ को नुकसान न पहुंचाने का आग्रह किया। उन्हें संदेह है कि महाराष्ट्र से बाघ प्रजनन के मौसम के कारण क्षेत्र और नर साथी की तलाश में निर्मल जिले की ओर चला आया। उन्होंने कहा कि बाघ के लिए सुगम मार्ग सुनिश्चित करने और मानवीय क्षति को रोकने के प्रयास जारी हैं।

'फार्मा विलेज' के खिलाफ प्रदर्शन

कलेक्टर और अधिकारियों पर हमला नियंत्रण से बाहर हो गई स्थिति

विकाराबाद, 11 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के निर्वाचन क्षेत्र कोडंगल के दुद्याला मंडल के अंतर्गत लागीचेरला गांव में सोमवार को स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई, जब कलेक्टर प्रतीक जैन और कोडंगल क्षेत्र विकास प्राधिकरण के विशेष अधिकारी वेंकट रेड्डी पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। ये लोग फार्मा गांव के लिए भूमि अधिग्रहण की सरकार की योजना के विरोध में प्रदर्शन कर रहे थे। विकाराबाद जिला प्रशासन ने लागीचेरला गांव में जन सुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया था। इस कार्यक्रम में हकीमपेट, पोलेपल्ली, लागीचेरला, दुद्याला और अन्य पड़ोसी गांवों के किसानों और निवासियों को आमंत्रित किया गया था।

किसान और ग्रामीण कार्यक्रम में नहीं आए। किसानों से बात करने और उन्हें मनाने के लिए कलेक्टर प्रतीक जैन ने अन्य अधिकारियों के साथ लागीचेरला गांव का दौरा किया। जैसे ही अधिकारी गांव में दाखिल हुए, वहां मौजूद महिलाओं और किसानों समेत लोगों ने उनके खिलाफ नारे लगाए और "वापस जाओ' और "कांग्रेस मुर्दाबाद' के नारे लगाए। इसके बावजूद कलेक्टर और अधिकारियों ने आक्रोशित ग्रामीणों से बात करने की कोशिश की। जब अधिकारी किसानों से लगातार बात कर रहे थे, तो ग्रामीणों, खासकर महिलाओं ने उन्हें धक्का दिया और उन पर हमला कर दिया। परेशानी को भांपते हुए कलेक्टर और अधिकारी अपने वाहनों में सवार हो गए, लेकिन ग्रामीणों ने उनका पीछा किया और उन पर पथराव किया। महिलाओं ने केयूडीए अधिकारी वेंकट रेड्डी की बुरी तरह पिटाई की और इस झड़प में तीन वाहन क्षतिग्रस्त हो गए।

पुलिस ने भारी बल तैनात कर अधिकारियों को गांव से बाहर निकाला। उन्हें वाहनों में सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया, जबकि पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए लाठीचार्ज किया। पुलिस विभाग किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए दुद्याला में महबूबनगर और नारायणपेट जिलों से अधिक बल तैनात कर रहा है। यह पहली बार नहीं है कि गांव वालों ने फार्मा गांव की स्थापना का कड़ा विरोध किया है। 25 अक्टूबर को कोडंगल निर्वाचन क्षेत्र के रोटीबांडा थांडा के निवासियों और किसानों ने फार्मा गांव स्थापित करने की सरकार की योजना का विरोध किया था।

कांग्रेस मंडल अध्यक्ष ए शेखर ने फार्मा गांव के लिए अपनी जमीन देने में ग्रामीणों की अनिच्छा पर उनसे बहस करने की कोशिश की, लेकिन उन्हें ग्राम पंचायत कार्यालय में बंद कर दिया गया। पुलिस को कांग्रेस नेता को ग्रामीणों के गुस्से से बचाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

चित्रपुरी में नए आवासीय भूखंडों में स्थानीय फिल्म निर्माताओं को प्राथमिकता : कोमटिरेड्डी

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन तथा छायांकन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने जानकारी दी है कि चित्रपुरी में नए आवासीय भूखंडों में तेलंगाना निवासियों को प्राथमिकता दी जाएगी, जो फिल्म पेशेवरों के लिए निर्दिष्ट क्षेत्र है।

सोमवार को यहां तेलंगाना फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स की कार्यकारी संस्था के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के बाद एक कार्यक्रम में बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार तेलंगाना के भीतर फिल्म उद्योग को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, उन्होंने स्थानीय फिल्म निर्माताओं का समर्थन करने और क्षेत्रीय फिल्म पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने की अपनी इच्छा पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि फिल्म उद्योग केवल कुछ चुनिंदा लोगों के लिए नहीं है और उन्होंने तेलंगाना स्थित फिल्म निर्माताओं के योगदान की प्रशंसा की, जिसमें माँ भूमि से लेकर बालागाम तक के उल्लेखनीय निर्माणों का उल्लेख किया गया। कोमाटीरेड्डी वेंकट रेड्डी ने जोर देकर कहा कि राज्य का लक्ष्य तेलंगाना में फिल्म क्षेत्र को विकसित और समृद्ध देखना है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.